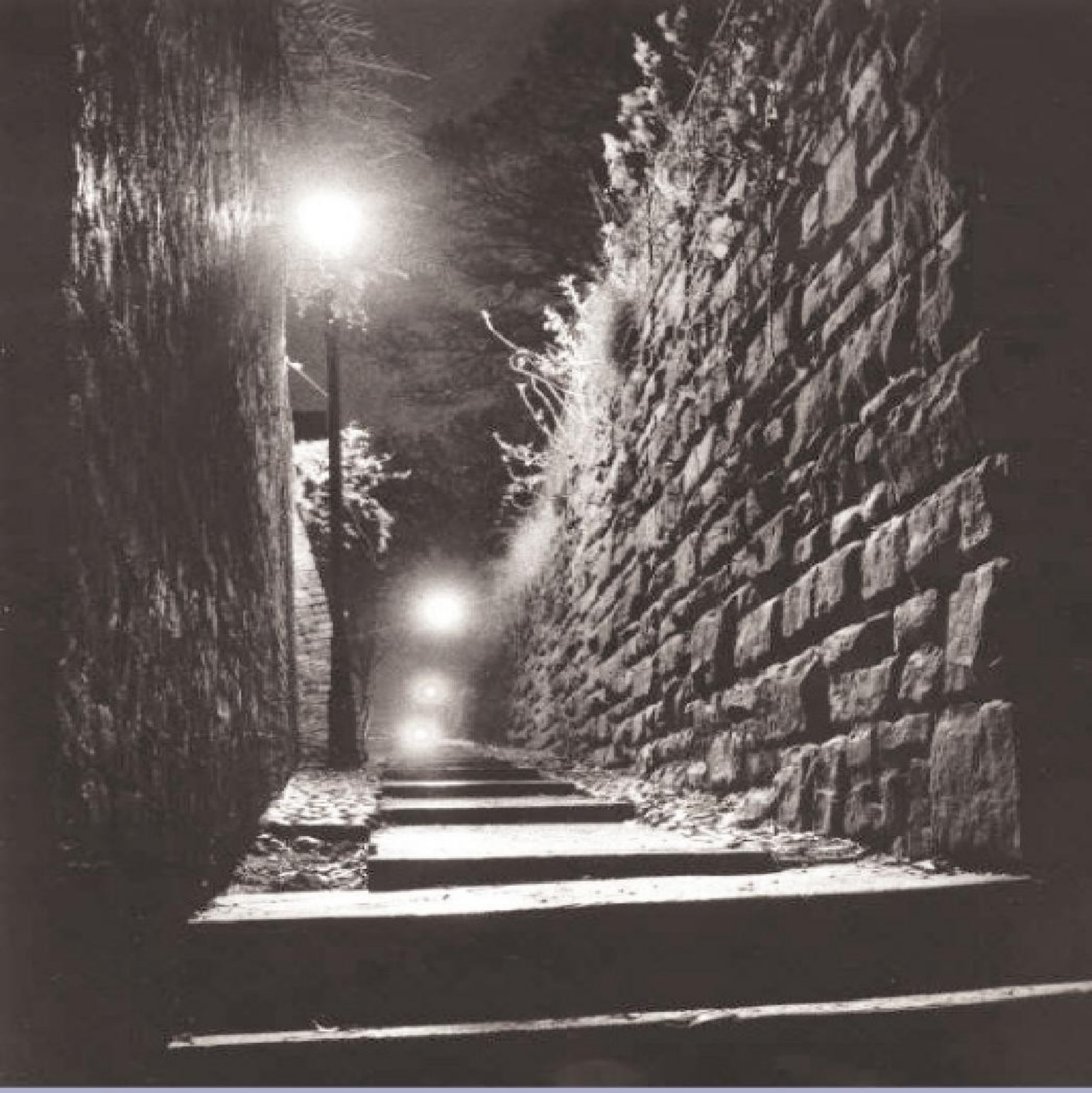

कॉलिन डेक्सटर

वुडस्टॉक के लिए आखिरी बस

पहले इंस्पेक्टर मोर्स का रहस्य

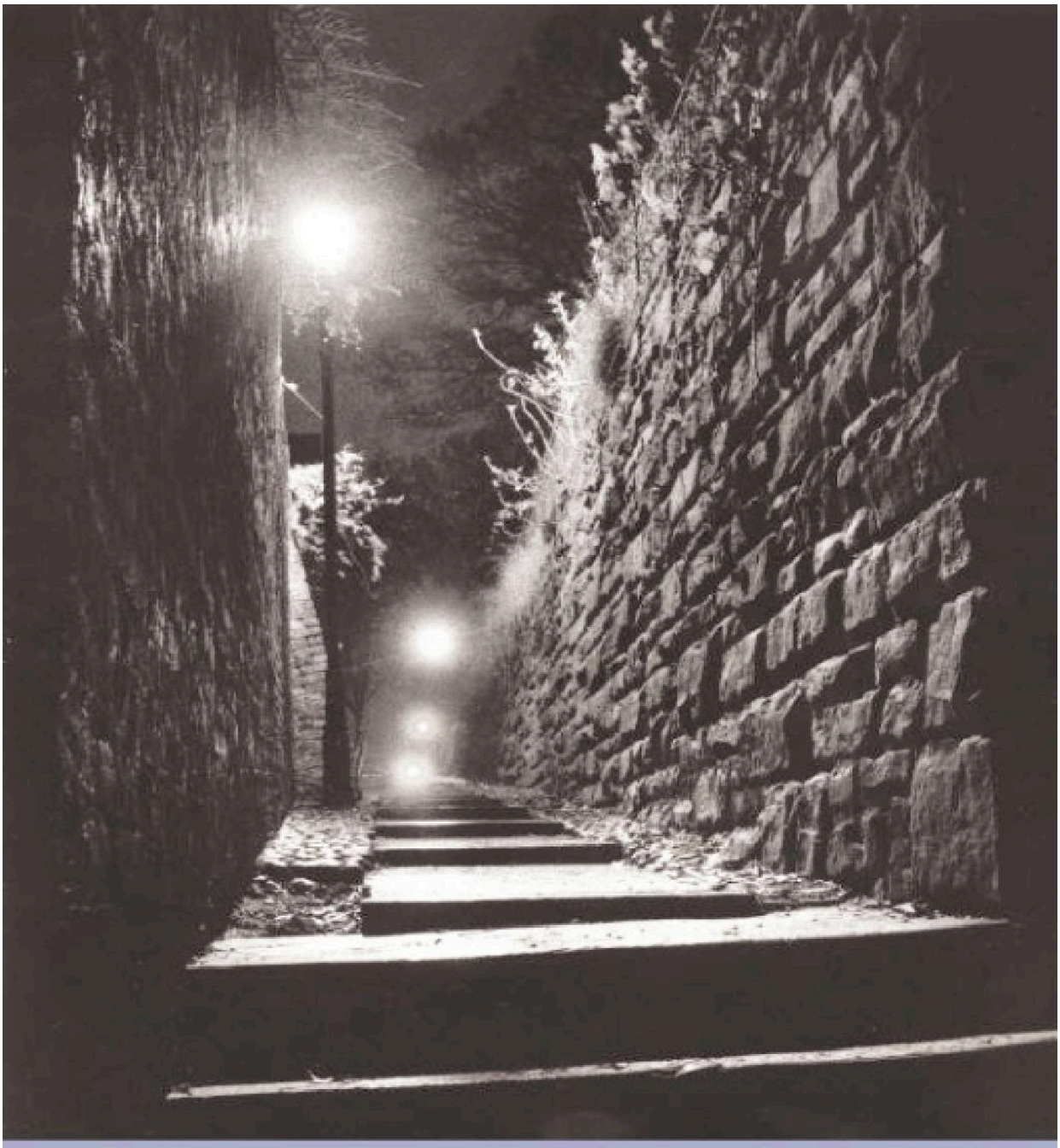

COLIN DEXTER

LAST BUS TO WOODSTOCK

THE FIRST INSPECTOR MORSE MYSTERY

Table of Contents

पढ़ना शुरू करें
लेखक की जीवनी
शीर्षक पेज
कॉपीराइट पृष्ठ
विषयसूची

समीक्षकों द्वारा सराही गई प्रशंसा

कॉलिन डेक्सटर

मृत्यु अब मेरी पड़ोसी है। 'डेक्सटर... ने काल्पनिक जासूसों के बीच एक दिग्गज की रचना की है और अपने पाठकों को कभी निराश नहीं किया है।' द टाइम्स

द डॉटर्स ऑफ केन

‘यह कॉलिन डेक्सटर का सबसे रोमांचक और धूर्त रूप है।’

डेली टेलीग्राफ

जंगल से होकर रास्ता

‘मोर्स और उनके वफादार वॉटसन, सार्जेंट लुईस, बेहतरीन फॉर्म में... हल्लेलुयाह।’

ऑब्जर्वर

द ज्वेल दैट वाज़ अवर्स (The Jewel That Was Ours)

‘पारंपरिक अपराध लेखन का बेहतरीन उदाहरण; एक ऐसी किताब जिसके बिना आरामकुर्सी का आनंद अधूरा है।’

संडे टाइम्स

द वेंच इज़ डेड

‘कुशलतापूर्वक प्रतिभापूर्ण।’

गार्जियन

एनेक्स 3 का रहस्य
‘शास्त्रीय चालाकी और पेचीदगी से भरी एक साजिश।’
टाइम्स लिटरेरी सप्लीमेंट
द रिडल ऑफ द थर्ड माइल
‘दिमाग चकरा देने वाली और बेहद दिलचस्प किताब है।’
ऑब्जर्वर
जेरिको के मृतक
‘लेखन अत्यंत बुद्धिमत्तापूर्ण है, वातावरण उदास है, प्रभाव मन को झकझोर देने वाला है।’
डेली टेलीग्राफ
सभी मृतकों की सेवा (सर्विस ऑफ ऑल द डेड) 'एक शानदार ढंग से रची गई जासूसी कहानी।' (ईवनिंग स्टैंडर्ड)
निकोलस क्विन की मूक दुनिया
‘मोर्स की महामानव जैसी छवि एक ऐसे अंत से और भी पुष्ट होती है जिसे कोई साधारण व्यक्ति सुलझा नहीं सकता था।’
फाइनेंशियल टाइम्स
आखिरी बार पहने हुए देखा गया
‘मौलिक रहस्य कथा में शानदार चरित्र चित्रण।’
संडे टेलीग्राफ
लास्ट बस टू वुडस्टॉक
‘अंग्रेजी जासूसी कहानियों के पतन पर शोक व्यक्त करने वालों को कॉलिन डेक्सटर की ओर रुख करना चाहिए।’
गार्जियन

वुडस्टॉक के लिए आखिरी बस

कॉलिन डेक्सटर ने 1953 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 1966 से ऑक्सफोर्ड में रह रहे हैं। उनका पहला उपन्यास, लास्ट बस टू वुडस्टॉक, 1975 में प्रकाशित हुआ था। इस श्रृंखला में अब तक तेरह उपन्यास हैं, जिनमें से द रिमॉर्सफुल डे, दुर्भाग्य से, अंतिम है।

कॉलिन डेक्सटर ने अपने उपन्यासों के लिए कई पुरस्कार जीते हैं, जिनमें दो बार सीडब्ल्यूए सिल्वर डैगर और 'द वेंच इज़ डेड' और 'द वे थ्रू द वुड्स' के लिए सीडब्ल्यूए गोल्ड डैगर शामिल हैं। 1997 में उन्हें अपराध साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए सीडब्ल्यूए डायमंड डैगर से सम्मानित किया गया और 2000 में महारानी के जन्मदिन सम्मान सूची में उन्हें ओबीई से नवाजा गया।

इंस्पेक्टर मोर्स के उपन्यासों को कार्लटन/सेंट्रल टेलीविजन द्वारा छोटे पर्दे के लिए रूपांतरित किया गया है और इसे जबरदस्त सफलता मिली है, जिसमें जॉन थॉ और केविन व्हाटली ने अभिनय किया है।

इंस्पेक्टर मोर्स के उपन्यास
वुडस्टॉक के लिए आखिरी बस
आखिरी बार पहने हुए देखा गया
निकोलस क्विन की मूक दुनिया
सभी मृतकों की सेवा
जेरिको के मृत
तीसरे मील की पहेली
एनेक्स 3 का रहस्य
वह लड़की मर चुकी है
वह गहना जो हमारा था
जंगल से होकर रास्ता
केन की बेटियाँ

मृत्यु अब मेरी पड़ोसी है
पश्चाताप का दिन
पैन बुक्स में भी उपलब्ध है

मोर्स का सबसे बड़ा रहस्य और अन्य कहानियाँ
पहला इंस्पेक्टर मोर्स ओमनीबस
दूसरा इंस्पेक्टर मोर्स ओमनीबस
तीसरा इंस्पेक्टर मोर्स ओमनीबस
चौथा इंस्पेक्टर मोर्स ओमनीबस

कॉलिन डेक्सटर

वुडस्टॉक के लिए आखिरी बस

पैन बुक्स

मैकमिलन द्वारा प्रथम प्रकाशन 1975
पैन बुक्स द्वारा 1997 में पहली बार पेपरबैक में प्रकाशित।
यह संस्करण पैन बुक्स द्वारा 2007 में प्रकाशित किया गया था।
यह इलेक्ट्रॉनिक संस्करण 2009 में पैन बुक्स द्वारा प्रकाशित किया गया था, जो पैन मैकमिलन लिमिटेड का एक प्रकाशन है। पैन मैकमिलन, 20 न्यू व्हार्फ रोड, लंदन N1 9RR। बेसिंगस्टोक और ऑक्सफोर्ड में स्थित। विश्व भर में संबद्ध कंपनियां। www.panmacmillan.com
आईएसबीएन 978-0-330-46857-2 पीडीएफ
आईएसबीएन 978-0-330-46856-5 ईपीयूबी
कॉपीराइट © कॉलिन डेक्सटर 1975
कोलिन डेक्सटर ने कॉपीराइट, डिजाइन और पेटेंट अधिनियम 1988 के अनुसार इस कृति के लेखक के रूप में पहचाने जाने के अपने अधिकार का दावा किया है।
प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना आप इस प्रकाशन (या इसके किसी भी भाग) की प्रतिलिपि बनाना, उसे संग्रहित करना, वितरित करना, प्रसारित करना, पुनरुत्पादित करना या किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से

(इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल, ऑप्टिकल, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या अन्य) उपलब्ध कराना प्रतिबंधित है। इस प्रकाशन से संबंधित कोई भी अनधिकृत कार्य करने वाला व्यक्ति आपराधिक अभियोजन और क्षतिपूर्ति के लिए दीवानी दावों का पात्र हो सकता है।
इस पुस्तक का सीआईपी कैटलॉग रिकॉर्ड ब्रिटिश लाइब्रेरी से प्राप्त किया जा सकता है।
हमारी सभी पुस्तकों के बारे में अधिक जानने और उन्हें खरीदने के लिए www.panmacmillan.com पर जाएं। आपको वहां लेख, लेखकों के साक्षात्कार और लेखकों के कार्यक्रमों की जानकारी भी मिलेगी, और आप ई-न्यूज़लेटर के लिए साइन अप कर सकते हैं ताकि आपको हमारी नई रिलीज़ के बारे में सबसे पहले पता चले।

अंतर्वस्तु

प्रस्तावना
भाग एक: एक लड़की की तलाश
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ
अध्याय दस
भाग दो: एक आदमी की तलाश
अध्याय ग्यारह
अध्याय बारह
अध्याय तेरह
अध्याय चौदह
अध्याय पंद्रह

अध्याय सोलह
अध्याय सत्रह
अध्याय अठारह
अध्याय उन्नीस
अध्याय बीस
अध्याय इक्कीस
भाग तीन: हत्यारे की तलाश
अध्याय बाईस
अध्याय तेईस
अध्याय चौबीस
अध्याय पच्चीस
अध्याय छब्बीस
अध्याय सत्ताईस
अध्याय अट्ठाईस
अध्याय उनतीस
अध्याय तीस
अध्याय इकत्तीस
उपसंहार

प्रस्तावना

गहरे नीले रंग की पतलून और हल्के गर्मियों के कोट पहने लड़की ने कहा, 'कृपया थोड़ी देर और इंतजार कीजिए। मुझे यकीन है कि जल्द ही एक बच्चा होने वाला है।'
हालांकि उसे पूरी तरह से यकीन नहीं था, और तीसरी बार उसने स्टेज 5 के किराए के लिए आयताकार फ्रेम में लगी समय सारिणी को ध्यान से देखा। लेकिन उसका दिमाग कभी भी कॉलम और अंकों की दुनिया में आत्मविश्वास से नहीं चल पाया था, और फ्रेम के बाईं ओर से धीरे-धीरे क्षैतिज दिशा में बढ़ती उंगली के ऊपर से अस्पष्ट रूप से ऊर्ध्वाधर रेखा में उतरती उंगली से सही निर्देशांक पर मिलने की संभावना बहुत कम थी। उसके

बगल में खड़ी लड़की ने अधीरता से एक पैर से दूसरे पैर पर अपना वजन बदलते हुए कहा, 'मुझे आपके बारे में कुछ नहीं पता।'
'बस एक मिनट। बस एक मिनट।' उसने एक बार फिर संबंधित कॉलमों पर ध्यान केंद्रित किया: 4, 4A (शाम 6 बजे के बाद नहीं), 4E, 4X (केवल शनिवार)। आज बुधवार था। इसका मतलब था... अगर 2 बजे का मतलब 2 बजे था, तो इसका मतलब था...
'देखो, प्रिये, तुम जो चाहो करो, लेकिन मैं भी साथ चलने वाली हूँ।' सिल्विया की हर वाक्य के अंत में आने वाले 't' को छोड़ देने की आदत चिढ़ पैदा करने वाली थी। सिल्विया के उच्चारण में 'it' एक अस्पष्ट स्वर ध्वनि से ज़्यादा कुछ नहीं था, जिसे व्यंजन के किसी भी संकेत के बिना स्पष्ट रूप से उच्चारित किया जाता था। अगर वे कभी गहरी दोस्त बन गईं, तो इस बात का ज़िक्र ज़रूर होना चाहिए।
अभी क्या समय हुआ था? शाम के 6:45 बज रहे थे। यानी 18:45। हाँ। आखिरकार उसे कुछ सफलता मिल ही रही थी।
चलो, जल्दी ही हमें एक अच्छी ज़िंदगी मिल जाएगी, देखो। इन आधे लोगों को यही तो चाहिए - थोड़ी सी मौज-मस्ती।
और सच कहें तो, सिल्विया के जोशीले आशावाद पर सवाल उठाने का कोई कारण नहीं था। कोई भी समझदार वाहन चालक उसकी छोटी स्कर्ट और उसके आकर्षक पैरों को देखकर प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता था।
कुछ क्षण के लिए दोनों लड़कियां चुपचाप, एक असहज, स्थिर शांति की स्थिति में खड़ी रहीं।
एक अधेड़ उम्र की महिला उनकी ओर टहलती हुई आ रही थी, कभी-कभी रुककर अपना सिर घुमाकर ऑक्सफोर्ड के केंद्र की ओर जाने वाली अंधेरी होती सड़क को निहार रही थी। वह लड़कियों से कुछ गज की दूरी पर आकर रुकी और अपना खरीदारी का थैला नीचे रख दिया।
'माफ़ कीजिए,' पहली लड़की ने कहा। 'क्या आपको पता है कि अगली बस कब है?'
'कुछ ही मिनटों में एक आ जाएगी, प्रिय।' उसने फिर से धुंधली दूरी की ओर देखा।
क्या यह वुडस्टॉक जाता है?
नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता – यह सिर्फ यारनटन के लिए है। यह गांव तक जाती है, फिर मुड़कर वापस आ जाती है।

‘ओह।’ वह सड़क के बीचोंबीच कदम बढ़ा, गर्दन घुमाई और जैसे ही कारों का एक छोटा काफिला पास आया, वह पीछे हट गई। शाम ढलने लगी थी और कुछ ड्राइवरों ने अपनी साइड लाइटें जला दी थीं। कोई बस नज़र नहीं आ रही थी, और वह चिंतित हो गई।
‘सब ठीक हो जाएगा,’ सिल्विया ने थोड़ी अधीरता भरी आवाज में कहा। ‘देखो, सुबह हम इस बारे में खूब हँसेंगे।’
एक और कार। और फिर एक और। फिर से गर्म शरद ऋतु की शाम की खामोशी।
‘ठीक है, अगर आप चाहें तो रुक सकते हैं – मैं जा रही हूँ।’ उसकी साथी सिल्विया को वुडस्टॉक गोलचक्कर की ओर जाते हुए देखती रही, जो सड़क पर लगभग दो सौ गज आगे था। लिफ्ट मांगने वाले के लिए यह एक अच्छी जगह थी, क्योंकि व्यस्त रिंग रोड जंक्शन से गुजरने से पहले वहाँ गाड़ियाँ धीमी हो जाती थीं।
और फिर उसने फैसला किया। 'सिल्विया, रुको!'; और अपने हल्के ग्रीष्मकालीन कोट के कॉलर पर दस्ताने वाला एक हाथ रखते हुए, वह लड़खड़ाते हुए, फैले हुए पैरों से उसका पीछा करने के लिए दौड़ी।
अधेड़ उम्र की महिला ने किराया स्तर 5 पर अपनी घड़ी देखी। उसने सोचा कि जब वह जवान थी तब से अब तक कितना कुछ बदल गया है।
लेकिन श्रीमती मेबल जारमन को ज़्यादा देर इंतज़ार नहीं करना था। उनके मन में कुछ अस्पष्ट, बेतरतीब विचार उमड़ रहे थे – कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं। जल्द ही वह घर पहुँच जाएँगी। जैसा कि उन्हें बाद में याद आया, वह सिल्विया का वर्णन काफी अच्छे से कर सकती थीं: उसके लंबे, सुनहरे बाल, उसकी बेपरवाह और उत्तेजक कामुकता। दूसरी लड़की के बारे में उन्हें ज़्यादा कुछ याद नहीं था: एक हल्का कोट, गहरे रंग की पैंट – लेकिन किस रंग की? बाल – हल्के भूरे? 'कृपया जितना हो सके याद करने की कोशिश कीजिए, श्रीमती जारमन। हमारे लिए यह बेहद ज़रूरी है कि आप जितना हो सके याद रखें...' उन्होंने कुछ कारें और एक भारी, उछलती हुई आर्टिकुलेटेड लॉरी देखी, जिस पर पहियों के बिना कारों के ढेर लगे हुए थे। पुरुष? बिना किसी अन्य यात्री के पुरुष? वह याद करने की बहुत कोशिश करेंगी। हाँ, पुरुष थे, उन्हें इस बात का पूरा यकीन था। कई पुरुष उनके पास से गुज़रे थे।
सात बजने में दस मिनट बाकी थे, तभी एक अंडाकार गुलाबी धुंधली आकृति धीरे-धीरे स्पष्ट होने लगी। उसने अपना बैग उठाया, क्योंकि लाल रंग की कॉर्पोरेशन बस धीरे-धीरे

धुंधली दूरी में बने स्टॉप्स से गुज़र रही थी। जल्द ही वह ड्राइवर के केबिन के ऊपर मोटे सफेद अक्षरों को लगभग पढ़ पा रही थी। यह क्या था? उसने इसे और स्पष्ट देखने के लिए आंखें सिकोड़ीं: वुडस्टॉक। अरे बाप रे! उस मीठी आवाज़ वाली लड़की ने जब अगली बस के बारे में पूछा था, तब तो वह गलत थी। खैर, कोई बात नहीं! वे ज़्यादा दूर नहीं गए थे। या तो उन्हें लिफ्ट मिल जाएगी या वे बस देख लेंगे और अगले स्टॉप तक, या उससे भी अगले स्टॉप तक पहुँचने का कोई न कोई तरीका निकाल लेंगे। 'वे कब से गए हैं, श्रीमती जारमन?'

वह बस स्टॉप से थोड़ा पीछे खड़ी हो गई, और वुडस्टॉक के ड्राइवर ने कृतज्ञतापूर्वक उसे जाने दिया। बस के नज़र से ओझल होते ही, उसने कुछ सौ गज पीछे एक और बस देखी। यह उसकी ही बस होगी। श्रीमती जारमन के हाथ उठाते ही दो मंजिला बस स्टॉप पर आकर रुक गई। सवा सात बजे वह घर पहुँच गई।

हालांकि अब वह विधवा थीं, उनके दोनों बच्चे बड़े होकर शादी कर चुके थे, फिर भी उनका छोटा-सा आलीशान घर ही उनका असली घर था, और उनके अकेलेपन में भी सुकून छिपा नहीं था। उन्होंने अपने लिए भरपेट खाना बनाया, बर्तन धोए और टीवी चालू किया। उन्हें कभी समझ नहीं आया कि कार्यक्रमों की इतनी आलोचना क्यों होती है। उन्हें खुद लगभग सब कुछ पसंद था और अक्सर उनकी इच्छा होती थी कि काश वह एक साथ दो चैनल देख पातीं। रात 10 बजे उन्होंने समाचारों की मुख्य खबरें देखीं, टीवी बंद किया और सो गईं। 10:30 बजे तक वह गहरी नींद में सो चुकी थीं।

रात के 10:30 बजे ही वुडस्टॉक के एक आंगन में एक युवती का शव मिला। उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

भाग एक

एक लड़की की तलाश करें

अध्याय एक

बुधवार, 29 सितंबर

ऑक्सफ़ोर्ड के केंद्र में स्थित सेंट जाइल्स चर्च से दो समानांतर सड़कें उत्तर दिशा में जाती हैं, मानो किसी वाद्य यंत्र के दो सिरे आपस में जुड़े हों। ऑक्सफ़ोर्ड की उत्तरी सीमा पर, प्रत्येक सड़क को पहले व्यस्त उत्तरी रिंग रोड को पार करना पड़ता है, जिस पर तेज़ गति से वाहन चालक पुराने विश्वविद्यालय शहर के आकर्षणों से बचते हुए तेज़ी से आगे बढ़ते हैं। पूर्वी शाखा अंततः बैनबरी शहर की ओर जाती है, और वहाँ से औद्योगिक मध्यभूमि के केंद्र की ओर अपना साधारण मार्ग जारी रखती है; पश्चिमी शाखा जल्द ही वाहन चालक को ऑक्सफ़ोर्ड से लगभग आठ मील उत्तर में स्थित छोटे शहर वुडस्टॉक और फिर वहाँ से स्ट्रैटफ़ोर्ड-अपॉन-एवन तक ले जाती है।
ऑक्सफ़ोर्ड से वुडस्टॉक तक का सफ़र बेहद मनमोहक है। चौड़े घास के मैदान खुलेपन का सुखद एहसास दिलाते हैं, और कुछ ही मील की दूरी पर यारनटन गाँव में, पेड़ों से घिरी एक दोहरी लेन वाली सड़क, हवाई अड्डे के पास से गुज़रते हुए तेज़ गति से चल रहे यातायात को पहले के जाम से दूर ले जाती है। वुडस्टॉक से ठीक पहले आधे मील तक, बाईं ओर, एक धूसर पत्थर की दीवार ब्लेंहेम पैलेस के विशाल और सुंदर मैदान की पूर्वी सीमा को चिह्नित करती है। यह भव्य महल महारानी ऐनी ने अपने प्रतिभाशाली सेनापति जॉन चर्चिल, प्रथम ड्यूक ऑफ मार्लबोरो के लिए बनवाया था। महल के प्रवेश द्वार पर ऊंचे और भव्य लोहे के गेट लगे हैं, और गर्मियों के मौसम में पर्यटक यहां भव्य कमरों की गरिमामयी भव्यता के बीच घूमने, मालप्लाक्वेट और औडेनार्ड की विशाल फ्लेमिश टेपेस्ट्री के सामने खड़े होने और उस कमरे को देखने के लिए उमड़ पड़ते हैं, जिसमें चर्चिल वंश के भावी वंशज, महान सर विंस्टन का जन्म हुआ था, जो अब पास के ब्लेडन गांव के कभी शांत रहे कब्रिस्तान में स्थित है।
आज ब्लेंहेम पुराने शहर पर हावी है। लेकिन हमेशा ऐसा नहीं था। मुख्य सड़क के किनारे बने मजबूत भूरे रंग के मकान पुराने समय के गवाह रहे हैं और अपनी पुरानी

कहानियाँ सुना सकते हैं, हालाँकि अब उनमें से अधिकांश को बड़े करीने से उपहार, प्राचीन वस्तुओं और स्मृति चिन्हों की दुकानों और सराय में बदल दिया गया है। ऐसा लगता है कि यहाँ हमेशा से ही कई तरह के होटल और सराय मौजूद थे, और अब सड़कों के किनारे बने कई होटल और सराय न केवल अपने प्राचीन इतिहास का दावा कर सकते हैं, बल्कि अपने चमकीले पीले साइनबोर्ड पर काले AA सितारों का एक समूह भी प्रदर्शित करते हैं।

उत्तर की ओर जाते समय, एक चौड़ी गली के बीचोंबीच बाईं ओर स्थित 'ब्लैक प्रिंस' नाम की इमारत है। वुडस्टॉक के प्रतिष्ठित परिवारों के बीच इसकी कोई प्राचीन विरासत नहीं है, और अफसोस की बात है कि यह बहुत ही असंभव लगता है कि राजा एडवर्ड तृतीय के योद्धा पुत्र ने कभी इसके परिसर में हँसा, रोया, शराब पी या अय्याशी की हो। सच तो यह है कि लगभग दस साल पहले, लंदन की उस कंपनी के एक निदेशक ने, जिसने पुराने घर, अस्तबल और सब कुछ खरीदा था, किसी संदिग्ध रूप से प्रमाणित गाइडबुक में पढ़ा था कि राजकुमार का जन्म लगभग इसी क्षेत्र में हुआ था। निदेशक को उनके बोर्ड द्वारा इस शानदार शोध के लिए हार्दिक बधाई दी गई थी, और साथ ही इस बात के लिए भी कि उन्होंने बाद में पाया कि उस महान राजकुमार का नाम वुडस्टॉक की टेलीफोन निर्देशिका में अभी तक नहीं था। इसलिए, इसका नाम 'ब्लैक प्रिंस' रखा गया। पहले मैनेजर की प्रतिभाशाली बेटी ने बच्चों के विश्वकोश से, उपयुक्त प्राचीन लिपि में, योद्धा राजकुमार की एक संक्षिप्त, हालांकि कुछ हद तक रोमांटिक, जीवनी की नकल की और तैयार कृति को अपनी माँ के ओवन में आधे घंटे के लिए 450 डिग्री पर रख दिया। परिणामस्वरूप, समय के साथ भूरे रंग की हो चुकी वह पांडुलिपि, सस्ते में ही सही, बड़े करीने से फ्रेम की गई और अब कॉकटेल लाउंज की दीवार पर सम्मान के साथ टंगी हुई है। कम ऊँचाई वाली रंगीन बीमों पर करीने से जड़े ऑक्सफोर्ड कॉलेजों के शील्ड के साथ मिलकर, यह इमारत को एक अलग ही शान और रुतबा प्रदान करती है।

पिछले ढाई साल से गे ब्लैक प्रिंस की स्थायी 'होस्टेस' थीं – मैनेजर को लगता था कि 'बारमेड' कहना थोड़ा अपमानजनक होगा। और उनकी बात सही भी थी। 'एक पिंट आपकी सबसे अच्छी बिटर बियर, जान,' यह एक ऐसी फरमाइश थी जिसे गे को शायद ही कभी पूरा करना पड़ता था और अब वह इसे आम लोगों से जोड़ती थीं; यहाँ तो अक्सर नौजवानों के लिए वोदका और लाइम, अमेरिकी पर्यटकों के लिए मैनहट्टन कॉकटेल और ऑक्सफोर्ड के विद्वानों के लिए जिन और फ्रेंच बियर – जिसमें थोड़ा सा इटैलियन

भी मिला होता था – परोसा जाता था। बार के पीछे आकर्षक ढंग से सजी चांदी जैसी चमकती बोतलों से वह ऐसे मिश्रण बड़े आत्मविश्वास के साथ परोसती थीं।
लाउंज में गहरे कालीन बिछे थे, कुर्सियाँ और दीवार से लगी सीटें मनमोहक नारंगी रंग के कपड़े से ढकी थीं, और यह हल्की रोशनी से नहाया हुआ था, जिससे प्रकाश और छाया का ऐसा प्रभाव पैदा हो रहा था, जो उम्मीद थी कि रेम्ब्रांट के किसी जन्म दृश्य की याद दिलाएगा। गे खुद एक आकर्षक, भूरे बालों वाली लड़की थी और आज बुधवार की रात, वह काले ट्राउजर-सूट और सफेद झालरदार ब्लाउज में सजी-धजी थी। उसके बाएं हाथ की दूसरी और तीसरी उंगली पर चमकते रत्न, भावुक शौकिया प्लेबॉय के लिए एक हल्की चेतावनी का संकेत थे, और शायद - जैसा कि कुछ लोगों का मानना था - धनी पेशेवर अय्याश के लिए एक सोची-समझी चुनौती भी। वास्तव में, वह शादीशुदा थी और तलाकशुदा थी, और अब एक छोटे बेटे और अपनी माँ के साथ रहती थी, जो अपनी प्यारी बेटी की थोड़ी अय्याशी भरी आदतों से बहुत दुखी नहीं थी, जिसे दुर्भाग्य से ऐसे 'घटिया आदमी' से शादी करनी पड़ी थी। गे को अपने तलाकशुदा होने का उतना ही आनंद आता था जितना कि अपने काम का, और वह दोनों को बनाए रखना चाहती थी।
बुधवार की शाम हमेशा की तरह काफी व्यस्त रही थी, और रात 10:25 बजे जब उसने विनम्रतापूर्वक, लेकिन दृढ़ता से, आखिरी ड्रिंक्स के लिए कहा तो कुछ राहत मिली। बार के भीतरी कोने में एक ऊंचे स्टूल पर बैठा एक युवक ने अपना व्हिस्की का गिलास आगे बढ़ाया।
वही बात दोबारा।
गे ने लड़खड़ाती आँखों में हैरानी से देखा, लेकिन कुछ नहीं कहा। उसने अपने ग्राहक का गिलास एक खास व्हिस्की की बोतल के नीचे सरकाया और उसे काउंटर पर रख दिया, फिर अपना दाहिना हाथ आगे बढ़ाया और बाएँ हाथ से बिल का हिसाब लगाया। युवक स्पष्ट रूप से नशे में था। उसने धीरे-धीरे और बेअसर ढंग से अपनी जेबें टटोलीं, फिर सही पैसे मिले, और अपने पेय का एक घूंट पीने के बाद वह धीरे से अपनी सीट से उठा, अनिश्चित नज़र से दरवाजे को नापा, और जितना संभव हो सके सीधी रेखा में खड़ा हो गया।
पुराना आंगन, जहां कभी घोड़े पत्थरों पर सरपट दौड़ते थे, सड़क से एक संकरे मेहराबदार रास्ते से जुड़ा हुआ था और काले राजकुमार के लिए एक अमूल्य संपत्ति साबित हुआ था। यहां तक कि सबसे दुर्गम और दुर्गम सड़कों के किनारों पर बनी सिंगल

और डबल पीली लाइनों पर अतिक्रमण करने पर लगाए गए भारी जुर्माने के कारण कानून के प्रति अनिच्छा से ही सही, सम्मान की भावना पैदा हो रही थी; और 'केवल ग्राहकों के लिए, कार मालिक के जोखिम पर' का दावा करने वाला कोई भी प्रतिष्ठान निश्चित रूप से चल रहा था। आज रात, हमेशा की तरह, आंगन वॉल्वो और रोवर जैसी कारों से खचाखच भरा हुआ था। मेहराबदार रास्ते के ऊपर लगी एक बत्ती आंगन के प्रवेश द्वार पर अपर्याप्त रोशनी डाल रही थी; बाकी हिस्सा अंधेरे में डूबा हुआ था। इसी आंगन के दूर कोने की ओर वह युवक लड़खड़ाते हुए पहुंचा; और लगभग वहां पहुंचते ही उसने सबसे दूर वाली कार के पीछे कुछ धुंधला सा देखा। उसने चुपचाप देखा और टटोला। तभी उसके रोंगटे खड़े हो गए और ताला लगे अस्तबल के दरवाजे के पास वह अचानक और बुरी तरह बीमार पड़ गया।

अध्याय दो

बुधवार, 29 सितंबर

ब्लैक प्रिंस के मैनेजर, श्री स्टीफन वेस्टब्रुक ने शव मिलने के तुरंत बाद पुलिस से संपर्क किया, और उनकी कॉल पर सराहनीय तत्परता से कार्रवाई की गई। थेम्स वैली पुलिस के सार्जेंट लुईस ने उन्हें त्वरित और स्पष्ट निर्देश दिए। दस मिनट के भीतर एक पुलिस कार ब्लैक प्रिंस पहुंच जाएगी; वेस्टब्रुक को यह सुनिश्चित करना था कि कोई भी परिसर से बाहर न जाए और कोई भी आंगन में प्रवेश न करे; यदि कोई जाने की जिद करे, तो उन्हें उस व्यक्ति का पूरा नाम और पता लिख लेना था; और यदि उनसे पूछा जाए कि सारी परेशानी किस बारे में है, तो उन्हें ईमानदारी से जवाब देना था।
शाम की उमंग एक उदास गुब्बारे की तरह मुरझा गई और फुसफुसाहट भरी अफवाह फैलने के साथ ही आवाजें धीरे-धीरे शांत हो गईं: एक हत्या हुई थी। कोई भी जाने के लिए उत्सुक नहीं था; दो-तीन लोगों ने फोन करने की अनुमति मांगी। सभी अचानक गंभीर हो गए, जिनमें मैनेजर के कार्यालय में खड़ा एक पीला चेहरा वाला युवक भी शामिल था, जिसकी लगभग बिना छुई व्हिस्की कॉकटेल लाउंज के काउंटर पर रखी थी।

सार्जेंट लुईस और दो वर्दीधारी कांस्टेबलों के आने पर, सामने फुटपाथ पर लोगों का एक छोटा समूह उत्सुकता से इकट्ठा हो गया। उनकी नज़र इस बात पर पड़ी कि पुलिस की गाड़ी आंगन के प्रवेश द्वार के ठीक सामने खड़ी थी, जिससे बाहर निकलने का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया था। पाँच मिनट बाद दूसरी पुलिस गाड़ी आई, और सबकी निगाहें उससे उतरे दुबले-पतले, काले बालों वाले व्यक्ति पर टिक गईं। उसने बाहर पहरा दे रहे कांस्टेबल से थोड़ी देर बात की, कई बार सहमति में सिर हिलाया और ब्लैक प्रिंस में चला गया।

सार्जेंट लुईस के बारे में उनकी जानकारी सीमित थी, लेकिन जल्द ही वे उनकी सूझबूझ और दक्षता से बेहद प्रभावित हुए। दोनों ने संक्षिप्त बातचीत की और बहुत जल्दी एक प्रारंभिक प्रक्रिया तय कर ली गई। लुईस को दूसरे कांस्टेबल की मदद से परिसर में मौजूद सभी व्यक्तियों के नाम, घर के पते और कार पंजीकरण संख्या की सूची बनानी थी, साथ ही उनकी शाम की गतिविधियों और तत्काल गंतव्य के बारे में संक्षिप्त बयान लेने थे। पचास से अधिक लोगों से पूछताछ करनी थी, और मोर्स को एहसास हुआ कि इसमें कुछ समय लगेगा।

'क्या मैं आपके लिए कुछ और मदद का इंतजाम करूँ, सार्जेंट?'

'मुझे लगता है हम दोनों मिलकर इसे संभाल लेंगे, महोदय।'

‘अच्छा। चलिए शुरू करते हैं।’

ब्लैक प्रिंस के बगल वाले प्रवेश द्वार से आंगन में जाया जा सकता था और मोर्स यहाँ से संभलकर बाहर निकला और चारों ओर देखा। उसने सीमित जगह में ठसाठस भरी तेरह कारें गिनीं, लेकिन हो सकता है कि उसने एक-दो कारें न देखी हों, क्योंकि सबसे दूर वाली कारें ऊँची पिछली दीवार के सहारे खड़ी काली ढाँचों जैसी लग रही थीं, और वह सोच रहा था कि उनके नशे में धुत मालिक किस तरह के उन्नत ड्राइविंग कौशल और सटीकता से इन वाहनों को आंगन के संकरे निकास से बिना किसी नुकसान के निकाल पाए होंगे। उसने सावधानी से अपनी टॉर्च चारों ओर घुमाई और धीरे-धीरे आंगन का चक्कर लगाया। आंगन के बाईं ओर खड़ी आखिरी कार के चालक ने दूरदर्शिता दिखाते हुए संकरे पार्किंग स्थल में कार को पीछे की ओर पार्क किया था और अपनी कार के बाईं ओर और दीवार के बीच लगभग एक गज की जगह छोड़ दी थी; और इस जगह पर एक युवती लेटी हुई थी। वह अपनी दाहिनी ओर करवट लेकर लेटी थी, उसका सिर लगभग दीवार के कोने से लगा हुआ था, उसके लंबे सुनहरे बाल अब बेरहमी

से खून से लथपथ थे। यह तुरंत स्पष्ट हो गया कि उसकी खोपड़ी के पिछले हिस्से पर ज़ोरदार प्रहार से हत्या की गई थी, और शरीर के पीछे एक चपटा, भारी टायर-स्पैनर पड़ा था, लगभग डेढ़ इंच चौड़ा और लगभग अठारह इंच लंबा – उस तरह का स्पैनर जिसके लहरदार सिरे टायर की तुरंत मरम्मत की शुरुआत से पहले के दिनों में आम थे। मोर्स कुछ मिनटों तक खड़ा रहा, अपने पैरों के पास के उस भयावह दृश्य को देखता रहा। मृत लड़की ने बहुत कम कपड़े पहने थे – ऊँची एड़ी के जूते, एक बहुत छोटी गहरे नीले रंग की मिनी-स्कर्ट और एक सफेद ब्लाउज। बस इतना ही। मोर्स ने अपनी टॉर्च शरीर के ऊपरी हिस्से पर चमकाई। ब्लाउज का बायां हिस्सा फटा हुआ था; ऊपर के दो बटन खुले हुए थे और तीसरा बटन खींचकर अलग कर दिया गया था, जिससे उसके पूरे स्तन लगभग पूरी तरह से खुले हुए थे। मोर्स ने अपनी टॉर्च चारों ओर घुमाई और तुरंत गायब बटन को देख लिया – एक छोटा, सफेद, मोती की डिस्क, पत्थरों से बनी ज़मीन से उसकी ओर चमक रही थी। उसे यौन हत्याओं से कितनी नफरत थी! उसने प्रांगण के प्रवेश द्वार पर खड़े कांस्टेबल को चिल्लाकर पुकारा।
'जी श्रीमान?'
हमें कुछ आर्क-लैंप की जरूरत है।
'मुझे लगता है इससे मदद मिलेगी, महोदय।'
'कुछ प्राप्त होना।'
'मैं, महोदय?'
'हां तुम!'
मुझे यह कहाँ मिलेगा...?
'मुझे भला कैसे पता चलेगा,' मोर्स चिल्लाया।
आधी रात से पंद्रह मिनट पहले तक लुईस ने अपना काम पूरा कर लिया था और उसने मोर्स को रिपोर्ट दी, जो मैनेजर के कार्यालय में द टाइम्स के साथ बैठा था और कुछ ऐसा पी रहा था जो देखने में व्हिस्की जैसा लग रहा था।
'आह लुईस।' उसने कागज़ आगे बढ़ाते हुए कहा। '14 नीचे देखो। ठीक है ना?' लुईस ने 14 नीचे देखा। क्या इसमें बैचलर भी शामिल है? ठीक रहेगा। (3) उसने देखा कि मोर्स ने पूरे किए गए चित्र में क्या लिखा था: BRA। उसे क्या कहना चाहिए था? उसने मोर्स के साथ पहले कभी काम नहीं किया था।
'अच्छा सुराग है, है ना?'

लुईस, जो कभी-कभार डेली मिरर के कॉफी टाइम क्रॉसवर्ड को हल करने का काम करते थे, इस स्थिति से पूरी तरह अनजान थे और काफी उलझन में थे।
'मुझे खेद है कि मुझे क्रॉसवर्ड पहेलियाँ हल करने में ज्यादा रुचि नहीं है, महोदय।'
'बैचलर' – यानी बीए और 'टेक' लैटिन में अक्षर 'र' है, जो रेसिपी का मतलब है। क्या आपने कभी लैटिन नहीं पढ़ी?'
'नहीं, महोदय।'
'क्या तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हारा समय बर्बाद कर रहा हूँ, लुईस?'
लुईस कोई मूर्ख नहीं था और वह ईमानदारी और सत्यनिष्ठा वाला व्यक्ति था। 'जी सर।'
मोर्स के चेहरे पर एक मनमोहक मुस्कान फैल गई। उसे लगा कि वे दोनों आपस में अच्छी तरह घुलमिल जाएंगे।
'लुईस, मैं चाहता हूँ कि तुम इस मामले में मेरे साथ काम करो।' सार्जेंट ने सीधे मोर्स की ओर देखा और उसकी कठोर, धूसर आँखों में गहराई से देखा। उसने मन ही मन कहा कि उसे बहुत खुशी होगी।
'यह जश्न मनाने का मौका है,' मोर्स ने कहा। 'मकान मालिक!' वेस्टब्रुक बाहर मंडरा रहा था और तेज़ी से अंदर आया। 'डबल व्हिस्की।' मोर्स ने अपना गिलास आगे बढ़ाया।
'क्या आप कुछ पीना चाहेंगे, महोदय?' प्रबंधक ने हिचकिचाते हुए लुईस की ओर रुख किया।
'सार्जेंट लुईस ड्यूटी पर हैं, श्री वेस्टब्रुक।'
जब मैनेजर लौटा, तो मोर्स ने उससे परिसर में मौजूद सभी लोगों को, कर्मचारियों सहित, उपलब्ध सबसे बड़े कमरे में इकट्ठा करने के लिए कहा, और पूरी खामोशी से अपनी व्हिस्की पीते हुए, अखबार के शेष पन्नों को सरसरी तौर पर पढ़ा।
'क्या आप द टाइम्स पढ़ते हैं, लुईस?'
'नहीं, महोदय; हम मिरर अखबार लेंगे।' यह स्वीकारोक्ति कुछ हद तक दुखद प्रतीत हुई।
'कभी-कभी मैं भी ऐसा ही महसूस करता हूं,' मोर्स ने कहा।
आधी रात के सवा दो बजे मोर्स उस रेस्टोरेंट के कमरे में आया जहाँ सब लोग इकट्ठा थे। उसके आते ही गे की नज़रें उससे मिलीं और कुछ पल के लिए ठहर गईं, और उसे उस आदमी के प्रति एक तीव्र आकर्षण महसूस हुआ। ऐसा नहीं था कि वह उसे मानसिक

रूप से निर्वस्त्र कर रहा था, जैसा कि उसके परिचित अधिकांश पुरुष करते थे, बल्कि ऐसा लग रहा था जैसे वह पहले ही ऐसा कर चुका हो। उसने मोर्स की बातें ध्यान से सुनीं। उन्होंने सभी के धैर्य और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। काफी देर हो चुकी थी और वे उन्हें अब और रोकना नहीं चाहते थे। अब उन्हें पता चल जाएगा कि पुलिस यहाँ क्यों आई है। आंगन में एक हत्या हुई थी - एक सुनहरे बालों वाली युवती की। वे समझेंगे कि आंगन में खड़ी सभी कारों को सुबह तक वहीं रहना होगा। वे जानते थे कि इसका मतलब है कि उनमें से कुछ को घर जाने में कठिनाई होगी, लेकिन टैक्सियाँ मंगवा ली गई थीं। यदि कोई भी व्यक्ति उन्हें या सार्जेंट लुईस को ऐसी कोई भी जानकारी देना चाहे जो जांच के लिए महत्वपूर्ण या उपयोगी हो, चाहे वह कितनी भी छोटी क्यों न हो, तो कृपया यहीं रुकें। बाकी लोग जा सकते हैं।

गेय को यह एक नीरस प्रदर्शन लगा। किसी हत्या के घटनास्थल पर मौजूद होना इससे कहीं अधिक रोमांचक होना चाहिए था। अब वह घर जाएगी, जहाँ उसकी माँ और छोटा बेटा गहरी नींद में सो रहे होंगे। और अगर वे सो भी रहे होते, तो वह उन्हें ज़्यादा कुछ बता भी नहीं सकती थी, है ना? पुलिस को वहाँ आए हुए डेढ़ घंटे से ज़्यादा हो चुका था। यह ठीक वैसा नहीं था जैसा उसने होम्स या पोइरोट की कहानियों से उम्मीद की थी, जिन्होंने इस समय तक निस्संदेह मुख्य संदिग्धों से पूछताछ कर ली होती और मामूली घटनाओं से भी कुछ चौंकाने वाले निष्कर्ष निकाल लिए होते।

मोर्स के संक्षिप्त भाषण के समाप्त होने के बाद जो हल्की फुसफुसाहट हुई थी, वह तब शांत हो गई जब अधिकांश ग्राहक अपने कोट उठाकर चले गए। गे भी उठ खड़ी हुई। क्या उसने कुछ दिलचस्प या महत्वपूर्ण देखा था? उसने उस शाम के बारे में सोचा। बेशक, वह युवक था जिसने उस लड़की को पाया था... उसने उसे पहले भी देखा था, लेकिन उसे ठीक से याद नहीं आ रहा था कि वह किसके साथ था या कब। और फिर उसे याद आया - सुनहरे बाल! वह पिछले हफ्ते ही उसके साथ लाउंज में थी। लेकिन आजकल बहुत सी लड़कियां अपने बालों को परॉक्साइड करवाती हैं। शायद इसका जिक्र करना उचित होगा? उसने तय किया कि यह उचित होगा और मोर्स के पास चली गई।

'आपने कहा था कि जिस लड़की की हत्या हुई है उसके बाल सुनहरे थे।' मोर्स ने उसकी ओर देखा और धीरे से सिर हिलाया। 'मुझे लगता है कि वह पिछले हफ्ते यहाँ थी – वह

उस आदमी के साथ थी जिसने आज रात उसका शव पाया। मैंने उन्हें यहाँ देखा था। मैं लाउंज में काम करती हूँ।'
'यह तो बहुत दिलचस्प है, मिस – एर?'
श्रीमती मैकफी।
'कृपया मुझे क्षमा करें, श्रीमती मैकफी। मुझे लगा कि आपने ये सारी अंगूठियां शायद उन लड़कों को डराने के लिए पहनी होंगी जो काउंटर के ऊपर से आपको देखकर लार टपकाते हैं।'
गे को बहुत गुस्सा आया। वह एक घृणित व्यक्ति था। 'देखिए, इंस्पेक्टर, आपका जो भी नाम हो, मैं आपको कुछ बताने आया हूँ जो मुझे लगता है कि मददगार हो सकता है। अगर आप जा रहे हैं...'
'श्रीमती मैकफी,' मोर्स ने धीरे से बीच में टोकते हुए, अपनी आँखों में खुली नग्नता लिए हुए उनकी ओर देखते हुए कहा, 'अगर मैं आस-पास कहीं रहता, तो मैं खुद आता और सप्ताह की हर रात आप पर लार टपकाता।'
रात के 1 बजे के कुछ ही समय बाद, आंगन के चारों ओर साधारण, लेकिन फिर भी कारगर, आर्क-लैंपों की एक श्रृंखला लगाई गई। मोर्स ने लुईस को निर्देश दिया था कि जिस युवक ने मृत लड़की को पाया था, उसे तब तक रोके रखा जाए जब तक कि वे आंगन की अच्छी तरह से जांच न कर लें। दोनों व्यक्ति अब अपने सामने के दृश्य का जायजा ले रहे थे। वहां बहुत सारा खून था, और जब सार्जेंट लुईस ने नीचे देखा, तो उन्हें हत्या की इस हिंसा और निरर्थकता से गहरी घृणा हुई। मोर्स ऊपर तारों भरे आकाश में अधिक रुचि रखते हुए दिखाई दिए।
'क्या आप तारों का अध्ययन करते हैं, लुईस?'
'मैं कभी-कभी राशिफल पढ़ता हूँ, महोदय।'
मोर्स मानो सुन ही नहीं रहा था। 'मैंने एक बार स्कूली बच्चों के एक समूह के बारे में सुना था, लुईस, जिन्होंने दस लाख माचिस की तीलियाँ इकट्ठा करने की कोशिश की थी। जब उन्होंने पूरे स्कूल परिसर को भर दिया, तो उन्होंने इसे समेटने का फैसला किया।' लुईस को लगा कि उसे कुछ कहना चाहिए, लेकिन उचित टिप्पणी उसके दिमाग से नहीं निकली।
कुछ देर बाद, मोर्स का ध्यान फिर से सांसारिक चीजों पर केंद्रित हो गया, और दोनों ने दोबारा मृत लड़की की ओर देखा। स्पैनर और अकेला सफेद बटन वहीं पड़े थे जहाँ

मोर्स ने उन्हें पहले देखा था। पीछे की दीवार के एक छोर से दूसरे छोर तक फैले सूखे खून के निशान के अलावा और कुछ खास दिखाई नहीं दे रहा था।
वह युवक मैनेजर के दफ्तर में बैठा था। उसकी माँ को उसके देर से आने की उम्मीद तो थी, लेकिन वह चिंतित हो रही थी; और वह खुद भी चिंतित था। मोर्स आखिरकार रात 1:30 बजे आया, जबकि पुलिस सर्जन, फोटोग्राफर और फिंगरप्रिंट लेने वाले लोग आंगन में काम में व्यस्त थे।
‘नाम?’ उसने पूछा।
‘सैंडर्स, जॉन सैंडर्स।’
‘क्या आपको शव मिला?’
'जी श्रीमान।'
मुझे इसके बारे में बताओ।
'सच कहूं तो बताने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है।'
मोर्स मुस्कुराया। 'तो फिर हमें आपको ज्यादा देर तक रोकने की जरूरत नहीं है, है ना, मिस्टर सैंडर्स?'
वह युवक बेचैन हो रहा था। मोर्स उसके सामने बैठ गया, उसकी आँखों में सीधे देखते हुए इंतजार करने लगा।
‘खैर, मैं बस आंगन में गया और वह वहीं थी। मैंने उसे छुआ नहीं, लेकिन मुझे पता था कि वह मर चुकी है। मैं तुरंत वापस अंदर आया और मैनेजर को बताया।’
मोर्स ने सिर हिलाया। 'और कुछ?'
मुझे ऐसा नहीं लगता।
‘आप कब बीमार थे, श्री सैंडर्स?’
'हां, बिल्कुल। मैं बीमार थी।'
'क्या यह लड़की को देखने के बाद हुआ था या उससे पहले?'
'बाद में। उसे वहां देखकर मुझे जरूर बुरा लगा होगा - एक तरह का सदमा, शायद।'
‘तुम मुझे सच क्यों नहीं बताते?’
'आपका क्या मतलब है?'
मोर्स ने आह भरी। 'आपकी कार यहाँ नहीं है, है ना?'
मेरे पास कार नहीं है।

‘क्या आप घर जाने से पहले आंगन में टहलते हैं?’ सैंडर्स ने कुछ नहीं कहा। ‘आज रात आपने कितनी शराब पी?’
‘कुछ व्हिस्की पी थी – मैं नशे में नहीं था।’
‘श्रीमान सैंडर्स, क्या आप चाहते हैं कि मैं किसी और से पता लगाऊं?’ सैंडर्स के हावभाव से स्पष्ट था कि उन्हें इस तरह की पूछताछ बिल्कुल पसंद नहीं थी। ‘आप यहां किस समय आए थे?’ मोर्स ने आगे पूछा।
'लगभग साढ़े सात बजे?'
‘और तुम शराब पीकर उल्टी करने बाहर चले गए।’ अनिच्छा से सैंडर्स सहमत हो गया।
‘क्या तुम आमतौर पर अकेले ही शराब पीते हो?’
'आम तौर पर नहीं।'
‘आप किसका इंतजार कर रहे थे?’ सैंडर्स ने कोई जवाब नहीं दिया। ‘वह नहीं आई?’
‘नहीं,’ उसने स्पष्ट स्वर में कहा।
लेकिन वह आई तो थी, है ना?
नहीं, मैंने तुम्हें बताया था। मैं हर समय अकेली ही थी।
‘लेकिन वो आई तो थी ना?’ मोर्स ने धीमी आवाज़ में दोहराया। सैंडर्स हताश लग रहा था।
‘वो आई थी,’ मोर्स ने उसी शांत स्वर में कहा। ‘वो आई थी और तुमने उसे देखा था। तुमने उसे आंगन में देखा था, और वो मर चुकी थी।’
युवक ने सिर हिलाया।
मोर्स ने व्याकरण की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण लहजे में कहा, 'बेहतर होगा कि हम दोनों थोड़ी बातचीत कर लें।'

अध्याय तीन

गुरुवार, 30 सितंबर

सिल्विया केय के शयनकक्ष में अकेले खड़े मोर्स को काफी राहत महसूस हुई। रात के कठिन कर्तव्य समाप्त हो चुके थे, और उन्होंने अपने थके हुए मन की स्वाभाविक रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर लिया। वह श्रीमती डोरोथी केय के जागने और उनके पति को

काउली कार कारखाने के वेल्डिंग विभाग में रात्रि की ड्यूटी से बुलाए जाने को भूलना चाहते थे; उनके बीच हुई बेतुकी, कठोर निंदा और उनके कड़वे, खोखले दुख के असहनीय दर्द को भी भूलना चाहते थे। सिल्विया की माँ को अब बेहोशी की दवा दी गई थी, जिससे दिन और हिसाब-किताब टल गया था; जबकि सार्जेंट लुईस मुख्यालय में बैठकर सिल्विया के पिता से जानकारी जुटा रहे थे। उन्होंने कई पन्नों के सावधानीपूर्वक नोट्स बनाए, लेकिन उन्हें संदेह था कि क्या इन सबका कोई खास महत्व है। उन्हें आधे घंटे में मोर्स से मिलना था।

बेडरूम छोटा था, जैकडॉ कोर्ट में एक साफ-सुथरे अर्ध-पृथक घर के तीन कमरों में से एक। जैकडॉ कोर्ट एक शांत गली थी, जिसकी लकड़ी की बाड़ें सड़ रही थीं और जो वुडस्टॉक रोड से कुछ ही मिनटों की दूरी पर थी। मोर्स संकरे बिस्तर पर बैठ गया और अपने चारों ओर देखने लगा। वह सोच रहा था कि क्या बिस्तर की सफाई माँ की वजह से थी, क्योंकि कमरे का बाकी हिस्सा उस मृत लड़की के लापरवाह और अव्यवस्थित जीवन की झलक दिखा रहा था। चिमनी के ऊपर गैस हीटर के पास एक पॉप कलाकार का एक विशाल रंगीन चित्र बड़ी ही नाजुकता से टंगा हुआ था, और मोर्स ने खुद को याद दिलाया कि अगर उसका अपना एक किशोर परिवार होता तो वह युवाओं को बेहतर ढंग से समझ पाता; फिलहाल, उस सुंदर युवक की पहचान गुमनामी में डूबी हुई थी और उसके जो भी इरादे रहे हों, वे मोर्स के लिए हमेशा अज्ञात ही रहेंगे। मेज और कुर्सी पर कई अंडरवियर लटके हुए थे, जो एक सफेद लकड़ी की अलमारी के साथ, कमरे का एकमात्र अन्य फर्नीचर थे। मोर्स ने कुर्सी पर पड़ी एक पतली काली ब्रा को धीरे से उठाया। उसके मन में सिल्विया केय की पहली झलक कौंध गई, कुछ पल वहीं ठहरी और फिर धीरे-धीरे बीते अप्रिय पलों के उलझे रास्तों से गुज़रते हुए वापस लौट आई। खिड़की की चौखट पर महिलाओं की पत्रिकाओं का ढेर बेतरतीब ढंग से लगा था, और मोर्स ने सरसरी तौर पर मेकअप के टिप्स, निजी समस्याओं और राशिफल पर नज़र डाली। अश्लील सामग्री का एक पैराग्राफ भी नहीं था। उसने अलमारी का दरवाज़ा खोला और स्कर्ट, ब्लाउज़, पैंट और ड्रेस के ढेर को और भी गहरी दिलचस्पी से देखा। साफ़-सुथरी और अस्त-व्यस्त। जूतों के ढेर लगे थे, अति आधुनिक, ऊँची एड़ी वाले, भद्दे: उसके पास पैसों की कमी नहीं थी। मेज पर मोर्स को ग्रीस, यूगोस्लाविया और साइप्रस की पैकेज यात्राओं का एक ब्रोशर मिला, जिसमें सफेद होटल, नीला समुद्र और बीमा देयता और चेचक नियमों के बारे में छोटे अक्षरों में लिखा था; सिल्विया के नियोक्ता

का एक पत्र जिसमें वैट की जटिलताओं को समझाया गया था, और एक डायरी, जिसमें 2 जनवरी की एक ही प्रविष्टि थी: 'ठंड लग रही थी। रयान की बेटी से मिलने गई थी।'
लुईस ने बेडरूम के दरवाजे पर दस्तक दी और अंदर चला गया। 'कुछ मिला, सर?'
मोर्स ने अपने हंसमुख सार्जेंट को नापसंदगी से देखा और कुछ नहीं कहा। 'क्या मैं ढूंढ सकता हूँ?' लुईस ने डायरी के ऊपर हाथ रखते हुए पूछा।
'आगे बढ़ो,' मोर्स ने कहा।
लुईस ने डायरी की जांच की और सितंबर के दिनों के पन्ने ध्यान से पलटे। कुछ न मिलने पर, उन्होंने हर पन्ने को बारीकी से देखा। 'केवल एक दिन भरा हुआ है, महोदय।'
'मैं तो वहां तक पहुंच ही नहीं पाता,' मोर्स ने कहा।
'क्या आपको लगता है कि "ठंड" का मतलब है कि वह एक ठंडा दिन था या उसे सर्दी हो गई थी?'
'मुझे कैसे पता चलेगा,' मोर्स ने झल्लाकर कहा, 'और इससे क्या फर्क पड़ता है?'
'हम जनवरी के पहले सप्ताह में पता लगा सकते हैं कि रयान की बेटी कहां दिखाई जा रही है,' लुईस ने सुझाव दिया।
'हां, हम कर सकते हैं। और डायरी की कीमत कितनी थी, उसे किसने दी थी और वह अपने पेन कहां से खरीदती है। सार्जेंट! हम हत्या की जांच कर रहे हैं, कोई स्टेशनरी की दुकान नहीं!'
'क्षमा मांगना।'
'हो सकता है आप सही हों,' मोर्स ने आगे कहा।
'मुझे खेद है कि श्री केय के पास भी मुझे बताने के लिए ज्यादा कुछ नहीं था, महोदय। क्या आप उनसे मिलना चाहते हैं?'
नहीं। बेचारे को अकेला छोड़ दो।
'तो हम बहुत तेजी से प्रगति नहीं कर रहे हैं।'
'ओह, मुझे नहीं पता,' मोर्स ने कहा। 'मिस काय ने सफेद ब्लाउज पहना हुआ था, है ना?'
'हाँ।'
'आपकी पत्नी सफेद ब्लाउज के नीचे किस रंग की ब्रा पहनेगी?'
'शायद हल्के रंग का।'
'क्या वह काला वाला नहीं पहनेगी?'
'यह दिखाई देगा।'

“हम्म। वैसे, लुईस, क्या तुम्हें पता है कि कल शाम को सिगरेट जलाने का समय क्या था?”
‘मुझे तुरंत तो नहीं पता,’ लुईस ने जवाब दिया, ‘लेकिन मैं जल्द ही आपके लिए पता लगा सकता हूँ।’
‘इसकी कोई ज़रूरत नहीं है,’ मोर्स ने कहा। ‘आपने अभी जिस डायरी का निरीक्षण किया है, उसके अनुसार कल, 29 सितंबर, सेंट माइकल और ऑल एंजल्स दिवस था और शाम 6.40 बजे रोशनी की गई थी।’
लुईस अपने वरिष्ठ अधिकारी के पीछे-पीछे संकरी सीढ़ियों से नीचे उतरा और सोचने लगा कि आगे क्या होने वाला है। मुख्य द्वार तक पहुँचने से पहले ही मोर्स ने अपना सिर थोड़ा घुमाकर पूछा, 'लुईस, महिला मुक्ति आंदोलन के बारे में तुम्हारा क्या विचार है?'
सुबह 11 बजे सार्जेंट लुईस ने हाई इलाके में एक फलते-फूलते तंबाकू की दुकान के ऊपर दूसरी और तीसरी मंजिल पर स्थित टाउन एंड गाउन एश्योरेंस कंपनी के मैनेजर से मुलाकात की। सिल्विया ने वहां एक साल से कुछ अधिक समय तक काम किया था - यह उसकी पहली नौकरी थी। वह एक कॉपी-टाइपिस्ट थी। स्कूल छोड़ने के बाद दो साल तक सेक्रेटेरियल कॉलेज में पढ़ाई करने के बाद, वह इस बात को साबित करने में असफल रही थी कि उसकी शॉर्टहैंड नोटबुक में लिखी हुई भद्दी और अक्सर अस्पष्ट लिखावट मूल रूप से लिखवाए गए पत्रों से पर्याप्त रूप से मेल खाती है। लेकिन उसकी टाइपिंग काफी सटीक और साफ थी, और मैनेजर ने लुईस को आश्वासन दिया कि कंपनी को अपने देर से आने वाले कर्मचारी के बारे में कोई शिकायत नहीं थी। वह समय की पाबंद और शांत स्वभाव की थी।
'आकर्षक?'
‘हाँ, ठीक है। मुझे लगता है कि वह थी,’ मैनेजर ने जवाब दिया। लुईस ने यह बात नोट कर ली और चाहा कि मोर्स वहाँ होता; लेकिन इंस्पेक्टर ने कहा कि उसे प्यास लगी है और वह सामने वाले चर्च में चला गया है।
‘तुम्हारे कहने के अनुसार, वह दो अन्य लड़कियों के साथ काम करती थी,’ लुईस ने कहा। ‘मुझे लगता है कि अगर हो सके तो मुझे उनसे बात करनी चाहिए।’
'जी हां, अधिकारी जी।' प्रबंधक, श्री पामर, थोड़े राहत महसूस कर रहे थे।
लुईस ने दोनों युवतियों से काफी देर तक पूछताछ की। दोनों में से कोई भी सिल्विया की 'खास दोस्त' नहीं थी। जहाँ तक उन्हें पता था, सिल्विया का कोई नियमित प्रेमी नहीं था। हाँ, वह कभी-कभी अपने यौन कारनामों के बारे में शेखी बघारती थी - लेकिन ऐसा

ज्यादातर लड़कियाँ भी करती थीं। वह काफी मिलनसार थी, लेकिन सचमुच 'लड़कियों में से एक' नहीं थी।
लुईस ने सिल्विया की मेज पर नज़र डाली। वही रोज़मर्रा की छोटी-मोटी चीज़ें। एक टूटा हुआ शीशा, कुछ सुनहरे बालों वाली एक कंघी, कल का अखबार (सन), ढेर सारी पेंसिलें, रबर, टाइपराइटर रिबन, कार्बन कॉपी। सिल्विया की मेज के पीछे दीवार पर उमर शरीफ की एक तस्वीर लगी थी, जिसके बगल में छुट्टियों की टाइप की हुई सूची थी। लुईस ने देखा कि सिल्विया जुलाई के उत्तरार्ध में दो सप्ताह की छुट्टी पर गई थी, और उसने दोनों लड़कियों से पूछा कि वह कहाँ गई थी।
'मुझे लगता है कि वह घर पर ही रही होगी,' दोनों लड़कियों में से बड़ी लड़की ने जवाब दिया, जो शांत और गंभीर दिखने वाली थी और जिसकी उम्र लगभग बीस वर्ष के आसपास थी।
लुईस ने आह भरी। 'लगता है तुम उसके बारे में ज्यादा नहीं जानती हो, है ना?' लड़कियों ने कुछ नहीं कहा। लुईस ने थोड़ा और सहयोग पाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उसे ज्यादा सफलता नहीं मिली। वह दोपहर से ठीक पहले दफ्तर से निकला और टहलते हुए मिनस्टर की ओर चल दिया।
उसके जाने के बाद छोटी लड़की ने कहा, 'बेचारी सिल्विया।'
'हां, बेचारी सिल्विया,' जेनिफर कोल्बी ने जवाब दिया।
अंततः लुईस ने, और कुछ हद तक अपने आश्चर्य के साथ, मिनस्टर के पीछे स्थित 'केवल सज्जनों के लिए' बार में मोर्स को ढूंढ लिया।
‘आह, लुईस।’ वह उठा और अपना खाली गिलास बार पर रख दिया, ‘क्या चाहिए?’
लुईस ने एक पाइंट बिटर बियर माँगी। ‘दो पाइंट आपकी सबसे अच्छी बिटर बियर,’ मोर्स ने बार के पीछे खड़े आदमी से खुशी-खुशी कहा, ‘और एक आप भी पी लीजिए।’
लुईस को यह स्पष्ट हो गया कि उनके आने से पहले बातचीत का विषय घुड़दौड़ ही था। मोर्स ने स्पोर्टिंग लाइफ की एक प्रति उठाई और अपने सहायक के साथ कोने की ओर चले गए।
‘क्या तुम सट्टेबाज हो, लुईस?’
'मैं कभी-कभी डर्बी और नेशनल रेस पर कुछ पैसे लगा देता हूँ, महोदय, लेकिन मैं नियमित जुआरी नहीं हूँ।'

‘इसे ऐसे ही रहने दो,’ मोर्स ने गंभीरता से कहा। ‘लेकिन देखो, इसके बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?’ उसने रेसिंग पेपर खोला और चेपस्टो में 3.15 बजे की दौड़ में भाग लेने वाले एक घोड़े की ओर इशारा किया: द ब्लैक प्रिंस। ‘क्या तुम कहते हो, सार्जेंट?’
‘यह तो वाकई एक अजीब संयोग है।’
'10 में से 1,' मोर्स ने अपनी बीयर का एक बड़ा घूंट पीते हुए कहा।
'क्या आप इसका समर्थन करेंगे, महोदय?'
'मैंने पहले ही कर दिया है,' मोर्स ने बूढ़े बारमैन की ओर देखते हुए कहा।
‘क्या यह गैरकानूनी नहीं है, महोदय?’
‘मैंने कानून के उस पहलू का कभी अध्ययन नहीं किया।’ क्या वह इस हत्या को सुलझाना नहीं चाहता? लुईस ने सोचा, और मानो मोर्स ने उसके अनकहे शब्दों को पढ़ लिया हो, उसे तुरंत मृतक के टाउन एंड गाउन में पद के बारे में रिपोर्ट देने को कहा गया। लुईस ने अपनी पूरी कोशिश की, और मोर्स ने उसे टोका नहीं। वह अपनी बीयर के गिलास में ज़्यादा दिलचस्पी दिखा रहा था। जब उसने रिपोर्ट पूरी कर ली, तो मोर्स ने उसे मुख्यालय वापस जाने, अपनी रिपोर्ट टाइप करने, फिर घर जाकर सोने को कहा। लुईस ने कोई बहस नहीं की। वह बहुत थका हुआ था, और नींद उसके लिए एक दुर्लभ विलासिता बनती जा रही थी।
‘और कुछ नहीं, महोदय?’
‘कल सुबह ठीक 7:30 बजे तुम्हें मेरे पास आना होगा – नहीं तो तुम ‘द ब्लैक प्रिंस’ पर कुछ पैसे दांव पर लगाओगे।’ लुईस ने अपनी जेब में हाथ डाला और 50 पेंस निकाले।
‘आपको क्या लगता है, दोनों में से कौन सा तरीका बेहतर है?’
'अगर यह जीत गया तो तुम्हें पछतावा होगा,' मोर्स ने कहा।
‘ठीक है। जीतने के लिए 50 पेंस लगेंगे।’
मोर्स ने 50 पेंस ले लिए, और जब लुईस जाने लगा तो उसने देखा कि बारमैन ने सिक्का अपनी जेब में रख लिया और रहस्यमय चीफ इंस्पेक्टर के लिए एक और पाइंट बीयर भर दी।

चौथा अध्याय

शुक्रवार, 1 अक्टूबर

अगली सुबह ठीक 7:30 बजे, लुईस ने इंस्पेक्टर के दरवाजे पर दस्तक दी। कोई जवाब न मिलने पर, उसने सावधानी से दरवाज़े की कुंडी घुमाई और अंदर झाँका। कोई हलचल नहीं थी। वह वापस सामने के गलियारे में गया और डेस्क-सार्जेंट से पूछा कि क्या इंस्पेक्टर मोर्स आ गए हैं।
मैंने उसे नहीं देखा है।
उन्होंने कहा था कि वे साढ़े सात बजे यहां होंगे।
'खैर, आप इंस्पेक्टर को तो जानते ही हैं।'
काश, लुईस ने सोचा। वह पिछली दोपहर को थकावट भरे मन से टाइप की गई रिपोर्टों को उठाने के लिए आगे बढ़ा और उन्हें ध्यान से पढ़ा। उसने अपनी पूरी कोशिश की थी, लेकिन उससे कोई ठोस सुराग नहीं मिल रहा था। वह कैंटीन में गया और एक कप कॉफी मंगवाई। कॉन्स्टेबल डिक्सन, जिसे लुईस अच्छी तरह जानता था, बड़े चाव से बेकन और टमाटर की प्लेट खा रहा था।
'हत्या का काम कैसा चल रहा है, सार्ज?'
अभी तो शुरुआत ही है।
'क्या ओल्ड मोर्स प्रभारी है?'
'हाँ।'
'मज़ेदार आदमी है ना?' लुईस ने असहमति नहीं जताई। 'मुझे एक बात पता है,' डिक्सन ने कहा। 'वह आधी रात तक यहीं था। उसने इमारत में लगभग हर किसी को अपने लिए उछल-कूद करने पर मजबूर कर दिया। मुझे लगता है कि परिसर के हर फोन पर लगातार कॉल आ रहे थे। भगवान, जब उसका मन करता है तो वह आदमी कितना काम कर सकता है।'
लुईस को थोड़ी शर्मिंदगी महसूस हुई। वह खुद पिछली शाम छह बजे से लेकर आज सुबह छह बजे तक चैन से सोया था। उसने सोचा कि मोर्स को भी सोने का हक है, और वह एक कप कॉफी पीने बैठ गया।
दस मिनट बाद, दाढ़ी मुंडवाए हुए मोर्स बड़े उत्साह से कैंटीन में दाखिल हुए। 'अरे, लुईस, तुम यहाँ हो। देर से आने के लिए माफ़ करना।' उन्होंने एक कॉफ़ी मंगवाई और सामने

बैठ गए। 'मुझे अफ़सोस है, तुम्हारे लिए बुरी खबर है।' लुईस ने हैरानी से ऊपर देखा। 'तुम्हारे पैसे हार गए। कब्ज़ से पीड़ित ऊँट दूसरे नंबर पर आया।'
लुईस मुस्कुराया। 'कोई बात नहीं, महोदय। मुझे बस उम्मीद है कि आपको ज्यादा नुकसान नहीं हुआ होगा।'
मोर्स ने सिर हिलाया। 'अरे नहीं, मुझे कुछ भी नुकसान नहीं हुआ; बल्कि मैंने कुछ पैसे कमा लिए। मैंने दोनों तरफ दांव लगाया था।'
'लेकिन...' लुईस ने कहना शुरू किया।
'चलो,' मोर्स ने कहा। 'पी लो। हमें काम करना है।'
अगले चार घंटों तक वे दोनों मोर्स द्वारा पिछले दिन शुरू की गई व्यापक जाँचों से आ रही रिपोर्टों को छाँटने में व्यस्त रहे। दोपहर बारह बजे, लुईस को लगा कि वह अपनी पत्नी के बारे में जितना जानता है, उससे कहीं अधिक सिल्विया केय के बारे में जानता है। उसने मोर्स के आदेशानुसार प्रत्येक रिपोर्ट को बड़ी सावधानी से पढ़ा और महसूस किया कि कई तथ्य उसके मन में पक्के तौर पर बैठ रहे हैं। उसने देखा कि मोर्स रिपोर्टों को आश्चर्यजनक तेज़ी से पढ़ रहा था, मानो कोई उबाऊ उपन्यास के पन्ने पलट रहा हो; फिर भी कभी-कभी वह किसी रिपोर्ट को मंत्रमुग्ध होकर एकाग्रचित्तता से दोबारा पढ़ता था।
'तो?' मोर्स ने अंततः कहा।
'मुझे लगता है कि मैंने लगभग सभी चीजें अच्छी तरह समझ ली हैं, महोदय।'
'अच्छा।'
'महोदय, ऐसा प्रतीत होता है कि आपको एक-दो रिपोर्टें बहुत रोचक लगीं।'
'क्या मैंने ऐसा किया?' मोर्स ने हैरानी से पूछा।
'आपने सेक्रेटेरियल कॉलेज के उस एक दस्तावेज़ पर लगभग दस मिनट खर्च किए, और वह केवल आधा पृष्ठ का है।'
'लुईस, तुम बहुत ध्यान से देखते हो, लेकिन मुझे तुम्हें निराश करने के लिए खेद है। यह पिछले कई सालों में देखी गई सबसे खराब रिपोर्ट थी, जिसमें दस पंक्तियों में बारह - कम नहीं - व्याकरण संबंधी भयानक गलतियाँ थीं! आखिर ये सब क्या हो रहा है?'
लुईस को नहीं पता था कि पुलिस बल किस ओर जा रहा है और इंस्पेक्टर द्वारा अपने अनियमित कार्यशैली पर किए गए सांख्यिकीय निष्कर्षों के बारे में पूछताछ करने का साहस भी उसमें नहीं था। इसके बजाय उसने पूछा, 'क्या आपको लगता है कि हम कुछ हासिल कर रहे हैं, महोदय?'

'मुझे संदेह है,' मोर्स ने उत्तर दिया।
लुईस को इतना यकीन नहीं था। पिछले बुधवार को सिल्विया की गतिविधियाँ स्पष्ट लग रही थीं। वह शाम 5:00 बजे हाई स्कूल स्थित कार्यालय से निकली थी और लगभग निश्चित रूप से यूनिवर्सिटी कॉलेज के बाहर स्थित नंबर 2 बस स्टॉप तक लगभग सौ गज पैदल चली थी। वह शाम 5:35 बजे घर पहुँची और भरपेट खाना खाया। उसने अपनी माँ को बताया कि उसे घर लौटने में देर हो सकती है, और लगभग 6:30 बजे घर से निकली, जहाँ तक पता चला है, उसने वही कपड़े पहने हुए थे जिनमें वह मिली थी। किसी तरह वह वुडस्टॉक पहुँच गई थी। लुईस को यह सब कुछ प्रारंभिक जाँच-पड़ताल के लिए एक आशाजनक शुरुआती बिंदु लग रहा था।
'क्या आप चाहेंगे कि मैं बस कंपनी से संपर्क करूं, महोदय, और वुडस्टॉक रूट पर ड्राइवरों से बात करूं?'
'कर दिया,' मोर्स ने कहा।
‘अच्छा नहीं?’ सार्जेंट की आवाज में निराशा झलक रही थी।
मुझे नहीं लगता कि वह बस से गई होगी।
‘टैक्सी, महोदय?’
‘यह असंभव लगता है, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?’
'मुझे नहीं पता, महोदय। शायद यह उतना महंगा न हो।'
'शायद नहीं, लेकिन मुझे तो यह बेहद असंभव लगता है। अगर उसे टैक्सी चाहिए होती, तो वह घर से फोन कर देती - वहाँ फोन है।'
'हो सकता है उसने ऐसा ही किया हो, महोदय।'
‘उसने ऐसा नहीं किया। कल काय परिवार के किसी भी सदस्य ने कोई फोन कॉल नहीं किया।’
लुईस आत्मविश्वास में खतरनाक रूप से कमी का सामना कर रहा था। उसने कहा, 'मैं कुछ खास मददगार साबित नहीं हो पा रहा हूं।' लेकिन मोर्स ने उसकी टिप्पणी को अनसुना कर दिया।
'लुईस, तुम ऑक्सफोर्ड से वुडस्टॉक कैसे जाओगे?'
'कार से, महोदय।'
उसके पास कार नहीं थी।
'क्या तुम उसकी किसी दोस्त से लिफ्ट ले सकते हो?'

‘रिपोर्ट तो आपने ही लिखी थी। ऐसा लगता है कि उसकी ज्यादा सहेलियां नहीं थीं।’
‘क्या आपको लगता है कि वो आपका बॉयफ्रेंड है?’
'क्या आप?'
लुईस ने एक मिनट सोचा। 'अगर वह अपने बॉयफ्रेंड के साथ जा रही थी तो यह थोड़ा अजीब है। उसने उसे उसके घर से क्यों नहीं लिया?'
‘क्यों नहीं, बिलकुल?’
‘उसे घर से नहीं उठाया गया?’
नहीं। उसकी मां ने उसे वहां से जाते हुए देखा था।
‘तो आपने उनकी मां का साक्षात्कार लिया है, महोदय।’
'हां। मैंने कल रात उससे बात की थी।'
क्या वह बहुत परेशान है?
‘लुईस, उसके कंधे चौड़े हैं और मैं उसे पसंद करता हूँ। बेशक वह बहुत परेशान और सदमे में है। लेकिन उतनी दुखी नहीं जितनी मैंने सोची थी। असल में मुझे लगा कि उसकी खूबसूरत बेटी उसके लिए एक तरह की परीक्षा थी।’
मोर्स एक बड़े शीशे के पास गया, कंघी निकाली और अपने झड़ते बालों को संवारने लगा। उसने बड़ी सावधानी से अपने सिर के पिछले हिस्से के खाली भाग पर कुछ लटें फेरीं, कंघी को अपनी जेब में वापस रखा और हैरान सार्जेंट लुईस से पूछा कि उसे यह कैसा लगा।
'देखो, लुईस, अगर सिल्विया बस, टैक्सी या बॉयफ्रेंड के सहारे नहीं गई, तो वह वुडस्टॉक कैसे पहुंची? और याद रखना कि वह किसी न किसी तरह वुडस्टॉक जरूर पहुंची।'
'ज़रूर उसने ही इसे बांधा होगा, महोदय।'
मोर्स अभी भी आईने में खुद को निहार रहा था। 'हाँ, लुईस, मुझे लगता है उसने ऐसा किया। और इसीलिए,' उसने फिर से कंघी निकाली और अपने बिखरे बालों पर कुछ और बार कंघी की, 'इसीलिए मुझे लगता है कि मुझे आज रात टीवी पर थोड़ा सा दिखना चाहिए।' उसने फोन उठाया और चीफ सुपरिटेंडेंट को कॉल किया। 'जाओ और लंच कर लो, लुईस, मैं तुमसे बाद में मिलूंगा।'
‘क्या मैं आपके लिए कुछ ऑर्डर कर सकता हूँ, महोदय?’
‘नहीं। मुझे अपनी सेहत का ख्याल रखना होगा,’ मोर्स ने कहा।

सिल्विया केय की मौत की खबर गुरुवार दोपहर के ऑक्सफोर्ड मेल अखबार में प्रमुखता से छपी और शुक्रवार सुबह राष्ट्रीय समाचारों में भी प्रमुखता से दिखाई दी। शुक्रवार शाम को बीबीसी और आईटीवी दोनों के समाचार बुलेटिनों में मुख्य निरीक्षक मोर्स का साक्षात्कार प्रसारित किया गया, जिन्होंने 29 सितंबर, बुधवार की शाम 6.40 बजे से 7.15 बजे के बीच वुडस्टॉक रोड पर मौजूद किसी भी व्यक्ति से मदद की अपील की। मोर्स ने देश को सूचित किया कि पुलिस एक बेहद खतरनाक व्यक्ति की तलाश कर रही है जो किसी भी समय फिर से हमला कर सकता है; क्योंकि सिल्विया केय के हत्यारे को जब न्याय के कटघरे में लाया जाएगा, तो उस पर न केवल जानबूझकर हत्या का आरोप लगेगा, बल्कि यौन उत्पीड़न और बलात्कार का भी आरोप लगेगा।
जब मोर्स कैमरा क्रू के सामने थे तब लुईस पृष्ठभूमि में खड़े थे और उनका प्रदर्शन समाप्त होने के बाद वे उनके साथ शामिल हो गए।
‘वह लानत हवा!’ मोर्स ने कहा, उसके बाल हवा में उड़कर बेतरतीब ढंग से बिखरे हुए थे।
‘क्या आपको सच में लगता है कि वह किसी और को मार सकता है, महोदय?’
'मुझे इस पर बहुत संदेह है,' मोर्स ने कहा।

अध्याय पाँच

शुक्रवार, 1 अक्टूबर

सप्ताह के प्रत्येक दिन, कुछ दुर्लभ अपवादों को छोड़कर, श्री बर्नार्ड क्रॉथर लगभग रात 9.40 बजे उत्तरी ऑक्सफ़ोर्ड के साउथडाउन रोड स्थित अपने छोटे से अलग घर से निकलते थे। हर शाम उनका रास्ता एक जैसा होता था। एक छोटे से, उबड़-खाबड़ लॉन को घेरने वाले सफेद गेट को व्यवस्थित रूप से बंद करते हुए, वे दाईं ओर मुड़ते, सड़क के अंत तक चलते, फिर दाईं ओर मुड़ते और अपने कदमों में स्पष्ट दृढ़ता के साथ फ्लेचर्स आर्म्स के लाउंज बार की ओर चल पड़ते। यद्यपि वे एक वाक्पटु व्यक्ति थे, वास्तव में लोंसडेल कॉलेज में एक अंग्रेजी प्रोफेसर थे, फिर भी उन्हें अपनी असंतुष्ट पत्नी

या स्वयं को यह समझाना मुश्किल लगता था कि आखिर इस साधारण से पब में उन्हें क्या आकर्षित करता था, जहाँ बेमेल, फिर भी नियमित और मिलनसार ग्राहक आते थे।
हालांकि, शुक्रवार, 1 अक्टूबर की रात को, क्रॉथर को बगीचे का फाटक बंद करने के बाद कुछ सेकंड तक बिल्कुल स्थिर खड़े देखा गया होगा, उनकी आँखें झुकी हुई और परेशान थीं, मानो वे गहरे और चिंताजनक विचारों में डूबे हों; और फिर अपनी आदत और इच्छा के विपरीत, वे बाईं ओर मुड़ गए। वे धीरे-धीरे सड़क के अंत तक चले, जहाँ जर्जर गैरेजों की एक पंक्ति के बगल में बाईं ओर एक सार्वजनिक टेलीफोन बूथ था। वैसे तो वे हमेशा ही अधीर रहते हैं, और यह समय उनके लिए अच्छा नहीं था, वे बेचैनी और असहजता से इंतज़ार करते रहे, इधर-उधर टहलते रहे, अपनी घड़ी देखते रहे और बूथ के अंदर बैठी मोटी महिला पर तिरछी नज़रें डालते रहे, जो अपने सामने मौजूद उपकरणों से भरे त्रिकोणीय खतरे का सामना करने में असमर्थ प्रतीत हो रही थी - एक असहयोगी टेलीफोन एक्सचेंज और अपने पर्स में रखे विभिन्न सिक्कों के साथ एक हाथ से किए जा रहे उनके लेन-देन। लेकिन वह हिम्मत नहीं हार रही थी और क्रॉथर ने एक पल के लिए दयालुता दिखाते हुए सोचा कि क्या उसके बच्चों में से कोई अचानक बीमार पड़ गया होगा, जब उसके पिता नाइट शिफ्ट में थे और मदद करने वाला कोई नहीं था। लेकिन उसे शक था कि उसका फोन उतना ज़रूरी था जितना कि वह खुद करने वाला था। समाचार बुलेटिन हमेशा उसका ध्यान खींचते थे, चाहे खबरें कितनी भी मामूली क्यों न हों; और रात 9 बजे बीबीसी न्यूज़ पर उसने जो खबर देखी थी, वह मामूली नहीं थी। उसे पुलिस इंस्पेक्टर के शब्द शब्दशः याद थे: 'हमें बहुत खुशी होगी अगर कोई भी वाहन चालक...' हाँ, वह उन्हें कुछ बता सकता था, क्योंकि उसने भी उस भयानक और दुखद घटनाक्रम में अपनी भूमिका निभाई थी। लेकिन वह क्या कहने वाला था? वह उन्हें सच नहीं बता सकता था। आधा सच भी नहीं। उसका कमज़ोर इरादा टूटने लगा। वह उस बेचारी औरत को एक और मिनट देगा - बस एक मिनट, इससे ज़्यादा नहीं।
उसी शाम 9:50 बजे, उत्साहित सार्जेंट लुईस ने चीफ इंस्पेक्टर मोर्स को फोन किया।
'एक सफलता मिली है, सर। मुझे लगता है कि हमें एक सफलता मिली है।'
'ओह?'
जी हाँ। एक गवाह, महोदय। श्रीमती मेबल जारमन। उन्होंने मृत लड़की को देखा था...
‘आपका मतलब है,’ मोर्स ने बीच में ही टोकते हुए कहा, ‘मुझे लगता है कि उसने उस लड़की को देखा था जिसकी बाद में हत्या कर दी गई थी।’

बस इतना ही। हम जब चाहें तब पूरा बयान जारी करवा सकते हैं।
‘क्या मतलब, तुम्हारे पास अभी तक एक भी नहीं है?’
‘सर, उसने अभी पांच मिनट पहले ही फोन किया था। मैं अभी तुरंत जा रहा हूँ। वह यहीं की रहने वाली है। मैं सोच रहा था कि क्या आप आना चाहेंगे?’
'नहीं,' मोर्स ने कहा।
‘ठीक है महोदय। मैं सुबह तक सब कुछ टाइप करके आपके लिए तैयार रखूंगा।’
'अच्छा।'
‘थोड़ी किस्मत अच्छी रही, है ना? हम जल्द ही दूसरी लड़की के बारे में बात करेंगे।’
‘दूसरी कौन सी लड़की?’ मोर्स ने धीमी आवाज़ में कहा।
‘देखिए, महोदय...’
'श्रीमती जारमन का पता क्या है?' मोर्स ने अनिच्छा से अपने बेडरूम की चप्पलें उतारीं और अपने जूतों की ओर हाथ बढ़ाया।
'आज रात परेड में थोड़ी देर हो गई है, बर्नार्ड। क्या प्लान है?'
फ्लेचर आर्म्स में बर्नार्ड को सब पसंद करते थे, वह हमेशा अपने ड्रिंक्स के लिए पैसे खर्च करने को तैयार रहते थे – और उससे भी ज़्यादा। वहाँ के सभी नियमित ग्राहक उन्हें अकादमिक रूप से प्रतिष्ठित व्यक्ति मानते थे; लेकिन वह एक अच्छे श्रोता भी थे, नए चुटकुलों पर दिल खोलकर हँसते थे, और कभी-कभी सरकार की मूर्खता और ऑक्सफोर्ड यूनाइटेड की अक्षमता पर भी जमकर बोलते थे। लेकिन आज रात उन्होंने इनमें से किसी भी विषय पर बात नहीं की। रात 10:25 बजे तक उन्होंने अपनी आदत के अनुसार तीन पाइंट बेस्ट बिटर पी ली और जाने के लिए उठ खड़े हुए।
‘’जाने से पहले एक और, बर्नार्ड?’
'धन्यवाद, नहीं। आज रात के लिए मुझे उस घोड़े के पेशाब से काफी परेशानी हो चुकी है।'
‘तुम फिर से मुसीबत में पड़ गए हो।’
मैं हमेशा मुसीबत में फंसा रहता हूँ।
वह धीरे-धीरे वापस चलने लगा। उसे पता था कि अगर बेडरूम की बत्ती जल रही होगी, तो उसकी पत्नी मार्गरिट बिस्तर पर बैठकर पढ़ रही होगी, बस अपने भटकते हुए पति के लौटने का इंतज़ार कर रही होगी। अगर बत्ती नहीं जल रही होगी, तो शायद वह टीवी देख रही होगी। उसने एक ऐसा ही मूर्खतापूर्ण फैसला लिया, जैसा बचपन में वह कार से

सबसे नज़दीकी लैम्पपोस्ट तक पहुंचने की रेस लगाता था। अगर वह बिस्तर पर होगी, तो वह सीधे अंदर चला जाएगा, अगर वह अभी भी जाग रही होगी, तो वह पुलिस को फोन करेगा। वह सड़क पर मुड़ा और तुरंत देखा कि बेडरूम की बत्ती जल रही थी।
श्रीमती जारमन ने अपनी गवाही तेज़ी से, लेकिन उत्तेजित अंदाज़ में दी। उनकी याददाश्त आश्चर्यजनक रूप से स्पष्ट थी, और सार्जेंट लुईस के नोट्स तथ्यात्मक आंकड़ों से भर गए थे। मोर्स ने सारा काम लुईस पर छोड़ दिया। वह सोच रहे थे कि क्या लुईस का यह सोचना सही था कि यही वह महत्वपूर्ण मोड़ है, और बाद में उन्होंने सोचा कि शायद उनका अनुमान सही था। उन्हें खुद अपने सार्जेंट के उस प्रशिक्षित और गहन पांडित्यपूर्ण रवैये से चिढ़ और ऊब महसूस हो रही थी, जिसके साथ वह बस स्टॉप पर हुई घटना के घटनाक्रम की छानबीन कर रहे थे। लेकिन वह जानते थे कि यह करना ज़रूरी था और उन्हें यह भी पता था कि लुईस इसे बखूबी कर रहे हैं। पौने घंटे तक उन्होंने उन्हें यह काम करने के लिए छोड़ दिया।
'खैर, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ, श्रीमती जारमन।' लुईस ने अपनी नोटबुक बंद की और थोड़ी संतुष्टि भरी नज़र से अपने बॉस की ओर देखा।
मोर्स ने कहा, 'शायद मैं आपसे सुबह हमसे मिलने आने का अनुरोध कर सकता हूँ? सार्जेंट लुईस आपका बयान टाइप करवा लेंगे, और हम चाहेंगे कि आप उसे एक बार देख लें ताकि यह सुनिश्चित हो जाए कि उन्होंने सब कुछ सही लिखा है - बस एक औपचारिकता है, आप जानते हैं।'
लुईस जाने के लिए खड़ा हुआ, लेकिन मोर्स की अप्रत्यक्ष नज़र ने उसे फिर से बैठने का इशारा किया।
'श्रीमती जारमन, मुझे आश्चर्य है कि क्या आप हम पर एक आखिरी एहसान कर सकती हैं? मुझे बस एक कप चाय चाहिए। मुझे पता है कि देर हो चुकी है लेकिन...'
'क्यों नहीं, इंस्पेक्टर साहब। काश आपने पहले ही बता दिया होता।' वह जल्दी से चली गई और पुलिसकर्मियों को पानी की बौछार और प्यालों के खड़कने की आवाज सुनाई दी।
'शाबाश, सार्जेंट, आपने बहुत अच्छा काम किया है।'
'धन्यवाद महोदय।'
'अब सुनो। उस बस में। जितनी जल्दी हो सके चढ़ जाओ।'
लेकिन आपने कहा था कि आपने बसों की जाँच कर ली है, महोदय।

‘ठीक है, इन्हें दोबारा जांच लें।’
'ठीक है।'
‘और,’ मोर्स ने कहा, ‘वो रहा वो बड़ा ट्रक। थोड़ी किस्मत अच्छी रही तो हम उसका पता लगा सकते हैं।’
‘क्या आपको लगता है कि हम ऐसा कर सकते हैं?’
‘तुम्हारे पास एक निश्चित समय है – और क्या चाहिए, यार?’
‘और कुछ, महोदय?’ लुईस ने धीमी आवाज में कहा।
'जी हां। यहीं रुकिए और कुछ और नोट्स बना लीजिए। मुझे ज्यादा देर नहीं लगेगी।'
रसोई का दरवाजा खुला और श्रीमती जारमन फिर से प्रकट हुईं। 'मैं बस सोच रही थी कि क्या आप सज्जन चाय के बजाय थोड़ी सी व्हिस्की पीना चाहेंगे? मेरे पास क्रिसमस के बाद से एक बोतल बची है - मैं आमतौर पर खुद नहीं पीती।'
‘अरे वाह,’ मोर्स ने कहा, ‘आप तो वाकई बहुत ही होशियार महिला हैं, श्रीमती जारमन।’
लुईस ने फीकी मुस्कान दी। वह जानता था कि आगे क्या होने वाला है। déjà vu (पहले भी ऐसा हो चुका है)।
मुझे लगता है कि थोड़ी सी स्कॉच मेरे लिए बहुत फायदेमंद होगी। शायद आप भी थोड़ी सी पी लें?
'ओह नहीं, महोदय, अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो मैं एक कप चाय लूंगी।' उसने अलमारी का एक दराज खोला और दो कांच के गिलास निकाले।
'बस एक ही गिलास, श्रीमती जारमन,' मोर्स ने कहा। 'मुझे पता है, यह दुख की बात है, लेकिन सार्जेंट लुईस ड्यूटी पर हैं और आप समझ सकती हैं कि ड्यूटी पर रहते हुए किसी भी पुलिसकर्मी को शराब पीने की अनुमति नहीं होती। आप नहीं चाहेंगी कि वह कानून तोड़े, है ना?'
लुईस ने मन ही मन कुछ बुदबुदाया।
मोर्स ने व्हिस्की की अपनी उदार खुराक का आनंद लेते हुए मुस्कुराया, जबकि उनके सहायक ने संयम से एक छोटे से कप में रखी गहरे भूरे रंग की चाय को हिलाया।
'श्रीमती जारमन, मैं सार्जेंट लुईस से कही गई आपकी बातों के बारे में आपसे एक-दो और सवाल पूछना चाहता हूँ। आशा है आप ज्यादा थकी हुई नहीं होंगी?'
'अरे नहीं।'

‘क्या आपको याद है कि वह “दूसरी लड़की” कैसी दिखती थी? क्या वह थोड़ी चिड़चिड़ी थी? थोड़ी घबराई हुई थी?’
मुझे नहीं लगता कि वह – खैर, मुझे नहीं पता। शायद वह थोड़ी घबराई हुई थी।’
‘थोड़ा डरा हुआ?’
'अरे नहीं। वो नहीं। थोड़ा सा, उह, उत्साहित। हाँ, बस यही, थोड़ा सा उत्साहित।'
'उत्साहित और अधीर।'
'मुझे भी ऐसा ही लगता है।'
अब, मैं चाहता हूँ कि आप ज़रा पीछे मुड़कर सोचें। अगर आप चाहें तो अपनी आँखें बंद कर लें और खुद को फिर से बस स्टॉप पर देखें। क्या आपको कुछ भी याद है, कुछ भी, जो उसने कहा था? उसने आपसे पूछा था कि अगली बस वुडस्टॉक जाती है या नहीं। आपने हमें यह बताया है। और कुछ?
मुझे याद नहीं आ रहा। मुझे बिल्कुल याद नहीं आ रहा।
'श्रीमती जारमन, जल्दबाजी न करें। बस आराम करें और सब कुछ फिर से कल्पना करें। अपना समय लें।'
श्रीमती जारमन ने अपनी आँखें बंद कर लीं और मोर्स उत्सुकता से उन्हें देखता रहा। उन्होंने कुछ नहीं कहा। मोर्स ने आखिरकार शर्मिंदगी भरी चुप्पी तोड़ी। 'उस लड़की के बारे में क्या जिसने हत्या की थी? क्या उसने कुछ और कहा था? आपने कहा था कि वह लिफ्ट मांगना चाहती थी।'
हां, वह बार-बार कुछ ऐसा कह रही थी, “चलो भी।”
“सब ठीक हो जाएगा?” मोर्स ने आगे कहा।
'हां। सब ठीक हो जाएगा। सुबह हम इस पर खूब हंसेंगे।'
मोर्स का खून जम गया। वह बिल्कुल स्थिर रहा। लेकिन श्रीमती जारमन की याददाश्त ने अपनी आखिरी लकीरें भी उजागर कर दीं।
मोर्स ने राहत की सांस ली। 'हमने आपको देर रात तक जगाए रखा, लेकिन आप बहुत अच्छे रहे। और यह वाकई में स्कॉच का एक बेहतरीन ब्रांड होना चाहिए?'
'ओह, क्या आप थोड़ी और बूंद लेना चाहेंगे, महोदय?'
'खैर, मुझे लगता है कि मैं शायद मना नहीं करूँगा, श्रीमती जारमन। हाँ, पिछले कई सालों में मैंने जो सबसे बेहतरीन स्कॉच चखा है, उसकी एक बूँद।'

जब श्रीमती जारमन ने उनका गिलास भरने के लिए अपनी पीठ मोड़ी, तो मोर्स ने सख्ती से लुईस को वहीं रुकने का इशारा किया, और अगले आधे घंटे तक उसने अपनी हर संभव कोशिश की कि उस महिला को मृत लड़की और उसके साथी के साथ हुई उनकी आकस्मिक मुलाकात की याद दिला सके। लेकिन व्यर्थ।
'बस एक और बात, श्रीमती जारमन। जब आप सुबह हमसे मिलने आएंगी, तो हम एक पहचान परेड आयोजित कर रहे होंगे। इसमें एक या दो मिनट से ज्यादा समय नहीं लगेगा।'
'आपका मतलब है कि आप मुझसे ऐसा करवाना चाहते हैं... अरे बाप रे!'
रात 11.45 बजे मोर्स और लुईस ने श्रीमती जारमन से विदा ली। वे अपनी कारों के पास खड़े थे कि अचानक घर का दरवाजा फिर से खुला और श्रीमती जारमन तेजी से मोर्स की ओर आईं।
'बस एक और बात है, महोदय। मुझे अभी याद आया। जब आपने कहा था कि आंखें बंद करो और चीजों की कल्पना करो। मुझे एक बात याद आई। वह दूसरी लड़की, महोदय। जब वह भागी, तो वह पैरों को फैलाकर भागी – क्या आप समझ रहे हैं मेरा मतलब, महोदय?'
'हां, मैं करता हूं,' मोर्स ने कहा।
दोनों व्यक्ति मुख्यालय लौट आए। यह पता लगाने के बाद कि कोई और कॉल आई है या नहीं, मोर्स ने लुईस को अपने कार्यालय में बुलाया।
'तो, मेरे दोस्त?' मोर्स खुद से खुश लग रहा था।
'क्या तुमने उसे बताया कि हम पहचान परेड करने जा रहे हैं?' लुईस ने हैरानी से पूछा।
'हाँ, हम हैं। अब मुझे यह बताइए। श्रीमती जारमन से हमने सबसे महत्वपूर्ण तथ्य क्या सीखा?'
हमें कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं।
'हाँ, हमने किया। लेकिन सिर्फ़ एक बात ऐसी थी जिसने सच में आपके रोंगटे खड़े कर दिए, है ना?' लुईस ने समझदार दिखने की कोशिश की। 'हमने सीखा, है ना,' मोर्स ने कहा, 'कि लड़कियाँ सुबह इस सब पर थोड़ा हँसेंगी?'
'ओह, मुझे समझ आ गया,' लुईस ने कहा, हालांकि उसे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था।
'आप समझ रहे हैं इसका क्या मतलब है? वे गुरुवार की सुबह मिलने वाले थे, और हम जानते हैं कि सिल्विया केय नौकरी करती थी और हम यह भी जानते हैं कि कहाँ, है ना?'

तो दूसरी लड़की भी वहीं काम करती है।
‘लुईस, सबूत तो इसी ओर इशारा करते प्रतीत होते हैं।’
लेकिन मैं वहां मौजूद था, महोदय, और उनमें से किसी ने एक शब्द भी नहीं कहा।
क्या आपको यह बहुत दिलचस्प नहीं लगता?
'लगता है मैंने अच्छा काम नहीं किया है, है ना?' लुईस ने हताशा से मुख्य निरीक्षक के कालीन की ओर देखा।
‘लेकिन क्या आप नहीं देखते,’ मोर्स ने आगे कहा, ‘अब हम जानते हैं कि उन लड़कियों में से एक – वहाँ कितनी लड़कियाँ थीं?’
'चौदह।'
'उन लड़कियों में से एक कम से कम महत्वपूर्ण सबूत छिपा रही है और ज्यादा से ज्यादा हमें झूठ का पुलिंदा बता रही है।'
‘मैंने उन सभी से बात नहीं की, महोदय।’
‘हे भगवान! उन्हें पता था कि तुम वहाँ किसलिए गए थे, है ना? उनके एक साथी की हत्या हो गई है। हत्या जांच दल का एक सार्जेंट उनके दफ्तर में आया। उन्हें क्या लगा कि तुम वहाँ किस लिए गए थे? क्या तुम टाइपराइटर ठीक करने गए थे? नहीं, तुमने अच्छा किया, लुईस। तुमने हमारी छोटी बच्ची को हमारे लिए अपना उलझा हुआ जाल बुनने के लिए मजबूर नहीं किया। वह सोचती है कि वह ठीक है और मैं यही चाहता हूँ।’ मोर्स उठ खड़ा हुआ। ‘मैं चाहता हूँ कि तुम थोड़ी नींद ले लो, लुईस। तुम्हें सुबह काम करना है। लेकिन जाने से पहले, मुझे मिस्टर पामर का निजी पता ढूंढ दो। मुझे लगता है कि उनसे थोड़ी मुलाकात ज़रूरी है।’
'आप अभी उसे गर्भवती करने के बारे में तो नहीं सोच रहे हैं, महोदय?'
‘जैसा कि तुमने कहा, लुईस, मैं न केवल उसे गर्भवती करने जा रही हूँ, बल्कि मैं उससे, बेशक बहुत ही विनम्रता से, अपने दफ्तर खोलने के लिए कहूँगी और मैं चौदह युवतियों के निजी दराजों की तलाशी लेने जा रही हूँ। यह एक रोमांचक काम होगा।’
‘क्या आपको तलाशी वारंट की आवश्यकता नहीं होगी, महोदय?’
'मुझे तलाशी वारंट से जुड़ी कानूनी स्थिति कभी समझ में नहीं आई,' मोर्स ने शिकायत की।
'मुझे लगता है कि आपको भी एक लेना चाहिए, महोदय।'

और शायद आप मुझे यह भी बता देंगे कि इस समय रात में - या सुबह में, जो भी समय हो - मुझे वारंट पर हस्ताक्षर करने के लिए कोई मिलेगा कहाँ।
'लेकिन अगर मिस्टर पामर अपने कानूनी अधिकारों पर जोर देते हैं...' लुईस ने कहना शुरू किया।
मोर्स ने गुस्से से कहा, 'मैं उसे बता दूंगा कि हम उसकी एक लड़की के साथ बलात्कार और हत्या करने वाले का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, न कि प्वेलहेली से गंदे पोस्टकार्ड की तलाश में!'
'क्या आप नहीं चाहेंगे कि मैं आपके साथ चलूँ, महोदय?'
नहीं। जैसा मैं कहूँ वैसा करो और सोने जाओ।
'अच्छा, आपको शुभकामनाएँ, महोदय।'
'मुझे इसकी ज़रूरत नहीं पड़ेगी,' मोर्स ने कहा। 'मुझे पता है कि आपको यकीन नहीं होगा, लेकिन जब मैं चाहूँ तो एक अड़ियल और बदतमीज़ इंसान बन सकता हूँ। मिस्टर पामर ऐसे बिस्तर से उठेंगे जैसे उनके पजामे में कोई पिस्सू घुस गया हो।'
लेकिन टाउन एंड गाउन एश्योरेंस कंपनी के मैनेजर, बिस्तर से उठने की कृपा तो कर बैठे, पर अपने पायजामे (ऊपर या नीचे) उतारने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने मोर्स से अपने दफ्तरों की तलाशी लेने का अधिकार मांगा, और जब उन्हें पता चला कि मोर्स के पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है, तो मोर्स की तमाम मिन्नतों और धमकियों के बावजूद वे टस से मस नहीं हुए। इंस्पेक्टर को लगा कि उन्होंने छोटे मैनेजर को बहुत कम आंका था। हालांकि, लंबी बातचीत के बाद आखिरकार एक नीति पर सहमति बनी। टाउन एंड गाउन के सभी कर्मचारियों को अगली सुबह 8.45 बजे मैनेजर के दफ्तर में इकट्ठा किया जाएगा, जहां उनसे पूछा जाएगा कि क्या उन्हें पुलिस द्वारा आने वाले किसी भी निजी पत्र-व्यवहार को खोलने पर कोई आपत्ति है। अगर कोई आपत्ति नहीं होती (पामर ने मोर्स को आश्वासन दिया), तो इंस्पेक्टर सभी पत्र-व्यवहार खोल सकते हैं, और जरूरत पड़ने पर किसी भी महत्वपूर्ण पत्र की गोपनीय प्रतियां बना सकते हैं। इसके अलावा, सभी महिला कर्मचारियों को उसी सुबह कुछ समय बाद थेम्स वैली मुख्यालय में पहचान परेड में शामिल होने के लिए कहा जाएगा। पामर को टेलीफोन एक्सचेंज की बुनियादी सेवाओं की व्यवस्था करने और अन्य महत्वपूर्ण मामलों को निपटाने के लिए कुछ समय चाहिए होगा। यह अच्छा हुआ कि शनिवार था; कार्यालय दोपहर में बंद हो जाता था।

बाद में मोर्स ने सोचा, शायद हालात इतने बुरे नहीं थे। वह थके-हारे मुख्यालय की ओर गाड़ी चलाकर गया और सोचने लगा कि अपने इतने अनुभव के बावजूद उसने इतनी जल्दबाजी में, बिना सोचे-समझे और शायद बेकार की योजना क्यों बना ली। फिर भी, उसे लगा कि किसी अजीब तरीके से वह सही था। उसे अंदर से महसूस हो रहा था कि जांच के इस चरण में बहुत जल्दबाजी की जरूरत है। उसे लग रहा था कि वह किसी बड़ी सफलता के करीब है, हालांकि उस समय उसे यह एहसास नहीं था कि इस मामले को सुलझाने से पहले कितनी सफलताओं की जरूरत होगी। न ही उसे यह एहसास था कि एक अजीबोगरीब तरीके से पामर द्वारा उसे अपने परिसर में बिना अनुमति के प्रवेश न देने से उसे एक बहुत बड़ा सौभाग्य प्राप्त हुआ था। क्योंकि पामर के यहाँ काम करने वाली एक युवती के नाम एक पत्र पहले ही भेजा जा चुका था, और किसी अनजान कर्मचारी की लापरवाही को छोड़कर, दुनिया की कोई भी ताकत उसकी शीघ्र डिलीवरी को रोक नहीं सकती थी - या वास्तव में रोक ही दिया था।

मोर्स मुख्यालय लौट आए और अगला एक घंटा अपने डेस्क पर बिताया। सुबह 4:15 बजे उनका काम खत्म हुआ और वे अपनी काली चमड़े की कुर्सी पर वापस बैठ गए। अब घर जाने का कोई मतलब नहीं था। उन्होंने मामले पर विचार किया, पहले तो अब तक ज्ञात तथ्यों का धीरे-धीरे, व्यवस्थित विश्लेषण किया और फिर, अगर वे पूरी तरह से जागे होते, तो वे इसे सहज ज्ञान से भरी तीव्र छलांगों की एक श्रृंखला कहना चाहेंगे, जो उन्हें धुंधले और अंधेरे क्षेत्रों में ले जा रही थीं। लेकिन वे जानते थे कि बुधवार शाम को जो कुछ भी हुआ था, उसका कारण कुछ व्यक्तियों की गतिविधियों में निहित था, और ये व्यक्ति प्रेम, घृणा, लालच और ईर्ष्या जैसी सामान्य भावनाओं से प्रेरित थे। यह पहेली बिल्कुल नहीं थी। असली पहेली तो जिगसॉ पज़ल के टुकड़ों को आपस में जोड़ना था, वे टुकड़े जो अब उनके हाथों में आने वाले थे। उन्हें नींद आ गई। उन्होंने एक आकर्षक लाल बालों वाली बारमेड और खून से लथपथ बालों वाली एक गोरी सुंदरी का सपना देखा। उन्हें हमेशा महिलाओं के सपने आते थे। वे कभी-कभी सोचते थे कि अगर उनकी शादी हो जाए तो वे किस बारे में सपने देखेंगे। शायद महिलाओं के बारे में, उन्होंने सोचा।

अध्याय छह

शनिवार 2 अक्टूबर, सुबह।

‘अब आगे क्या?’ श्री पामर की गोपनीय सचिव जूडिथ ने पूछा। ‘उन्होंने कहा, हमें अपने पत्र खोलने होंगे!’

'तुम मना कर सकती थी,' सैंड्रा ने जवाब दिया, जो एक मिलनसार, लापरवाह लड़की थी और जिसने तीन साल पहले कार्यालय में शामिल होने के बाद से योग्यता के आधार पर न तो पद में और न ही वेतन में कोई उन्नति की थी।

‘मैं लगभग कर ही चुकी थी,’ रूथ ने कहा, जो पलकें झपकाने वाली, लेकिन दिमाग से बिल्कुल नासमझ थी। ‘अगर बॉब मुझे अपने किसी सच्चे और जोशीले संदेश को भेज दे, तो वाह!’ वह घबराकर हंस पड़ी।

अधिकांश लड़कियाँ युवा और अविवाहित थीं और अपने माता-पिता के साथ रहती थीं। सुबह देर से डाक आने और माता-पिता द्वारा अन्य मामलों में दखलंदाजी करने के डर से, उनमें से कई ने अपने पत्र-व्यवहारियों को कार्यालय के पते पर पत्र भेजने के लिए कहा था। वास्तव में, इतने सारे आने वाले पत्रों पर 'निजी और गोपनीय', 'व्यक्तिगत' आदि लिखा होता था कि एक सामान्य व्यक्ति को लग सकता था कि टाउन एंड गाउन किसी गुप्त खुफिया विभाग का मुख्यालय है। लेकिन पामर ने अपने संस्थान के इस तरह के हल्के दुरुपयोग को दार्शनिक शांति से सहन किया, साथ ही कार्यालय के टेलीफोन बिलों पर पैनी नज़र रखी। उन्हें यह व्यवस्था उचित लगी।

हर लड़की अपने-अपने तरीके से मोर्स से थोड़ी प्रभावित थी, और उसकी शांत आवाज़ में की गई गुजारिशों को बिना किसी विरोध के मान लिया गया। ज़ाहिर है, वे सभी मदद करना चाहती थीं। वैसे भी, उसे सिर्फ़ चिट्ठियों की प्रतियां ही मिलनी थीं और हर बात को पूरी गोपनीयता के साथ रखा जाना था। फिर भी, रूथ ने राहत की सांस ली जब उसे पता चला कि आज सुबह बॉब के कामुक सुझावों का भंडार अस्थायी रूप से खत्म हो गया था। चाहे वे कितनी भी खुले विचारों वाली क्यों न हों...

सैंड्रा ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम सबको मिलकर बेचारी सिल्विया के बारे में पता लगाने में उनकी मदद करनी चाहिए।' अपनी कम बुद्धि के बावजूद वह बहुत संवेदनशील थी और सिल्विया की मृत्यु से बहुत दुखी और थोड़ी भयभीत भी थी। वह

अपने भोलेपन से चाहती थी कि वह इस जांच में कुछ योगदान दे सके, और उसे इस बात की निराशा थी, हालांकि उसे आश्चर्य नहीं हुआ, कि किसी ने उसे पत्र नहीं लिखा था।
मोर्स के अध्ययन के लिए सात निजी पत्र और दो पोस्टकार्ड थे, और कॉपी मशीन में डालने से पहले प्रत्येक पर सरसरी नज़र डालते हुए, उन्हें लगा कि यह सब कुछ मूर्खतापूर्ण है। फिर भी, पहचान परेड तो होनी ही थी, जिससे उन्हें बहुत उम्मीदें थीं, हालाँकि सुबह की हल्की रोशनी में उनकी उम्मीदें पहले ही कई अंक गिर चुकी थीं।
‘क्या आप पहले कभी पहचान परेड में शामिल हुए हैं?’ सैंड्रा ने कहा।
‘बिल्कुल नहीं,’ जूडिथ ने जवाब दिया। ‘लोग हर हफ्ते हत्याओं में शामिल नहीं होते, है ना?’
'सिर्फ आश्चर्य है।'
‘हम क्या करें?’ रूथ ने पूछा।
‘हम वही करते हैं जो हमें कहा जाता है।’ जूडिथ अधिकार के गुणों में दृढ़ विश्वास रखती थी, और कभी-कभी वह चाहती थी कि मिस्टर पामर, हालांकि वे बहुत अच्छे स्वभाव के थे, अपने एक-दो कर्मचारियों के साथ थोड़े सख्त और इतने दोस्ताना न हों।
'मैंने एक बार सिनेमा हॉल में ऐसा एक देखा था,' सैंड्रा ने कहा।
‘मैंने टीवी पर एक देखा था,’ रूथ ने कहा। ‘क्या यह वैसा ही होगा?’
बाद में उन्होंने तय किया कि ऐसा ही था। वाकई निराशाजनक। एक साधारण सी दिखने वाली महिला वहाँ से गुज़री और हर एक को देखती हुई बोली, 'क्या आपको पता है अगली बस कब है?' उससे डरना नामुमकिन था। लेकिन अगर वह आपके कंधे पर हाथ रख देती तो कितना बुरा होता! पर उसने ऐसा नहीं किया। वह सभी लड़कियों के पास से गुज़री, फिर वापस आई और फिर चली गई। वह इंस्पेक्टर – उसे उम्मीद तो थी, है ना? और अंत में थोड़ा अजीब भी था, है ना? आँगन के दूसरे छोर पर दरवाज़े की तरफ भागना। आखिर ये सब क्या था?
सैंड्रा ने कहा, 'उन्होंने बदमाश को तस्वीर में कैद कर लिया है।'
‘और टीवी पर भी,’ रूथ ने कहा।
'जो कुछ भी आप देखते हैं उस पर विश्वास नहीं करना चाहिए,' जूडिथ ने कहा।

दोपहर के समय मोर्स अपने कार्यालय में बैठे थे, तभी लुईस अंदर आए। 'तो, महोदय? कुछ अच्छा रहा?'
मोर्स ने अपना सिर हिलाया।
'बिल्कुल भी अच्छा नहीं?'
उसे लगा कि उनमें से दो या तीन शायद वह खुद हो सकती हैं।
'अच्छा, इससे मामला थोड़ा स्पष्ट हो गया है, महोदय।'
'ऐसा नहीं है। मैंने बचाव पक्ष के वकीलों को उन गवाहों को सिरे से खारिज करते सुना है जिन्होंने अपने दादा की कब्र पर कसम खाकर कहा था कि उन्हें पहचान के बारे में पूरा यकीन है। नहीं, लुईस। मुझे डर है कि इससे हमें कोई खास मदद नहीं मिलेगी।'
'आपके दूसरे विचार के बारे में क्या ख्याल है, महोदय? आपको पता है, उस लड़की की दौड़ने की शैली थोड़ी अजीब और फैली हुई थी।'
'ओह, हमने उन्हें सफलतापूर्वक दौड़ा लिया।'
लुईस को एहसास हुआ कि उसने एक संवेदनशील मुद्दे पर प्रहार कर दिया है। 'नहीं, महोदय।' यह एक कथन था, प्रश्न नहीं।
'बिल्कुल सही, लुईस। ये ठीक नहीं है। और शायद ये बात क्राइम स्क्वाड के सदस्यों के दिमाग में आई हो, लुईस, मेरे दिमाग में, लुईस, और तुम्हारे दिमाग में भी, कि सारी लड़कियाँ एक ही बेढंगे और घिनौने तरीके से भागती हैं।' उसने आखिरी कुछ शब्द अपने सार्जेंट पर चिल्लाते हुए कहे, जो तूफान के शांत होने का इंतजार कर रहा था।
'आपको एक गिलास बियर की जरूरत पड़ सकती है, महोदय।'
मोर्स थोड़ा खुश नजर आया। 'हो सकता है आप सही हों।'
'मेरे पास एक खबर है, महोदय।'
चलो इसे लेते हैं।
खैर, बस का तो सवाल ही नहीं उठता। मैंने कारफैक्स से शाम 6:30 बजे वाली 4E बस के ड्राइवर और कंडक्टर से बात की। वैसे भी बस में मुश्किल से एक दर्जन लोग ही थे, जिनमें से ज्यादातर नियमित यात्री थे। हमारी दोनों लड़कियां तो लगभग निश्चित रूप से वुडस्टॉक बस से नहीं पहुंची होंगी।
मोर्स ने कहा, 'हमें निश्चित रूप से नहीं पता कि वे दोनों वुडस्टॉक पहुंचे भी थे या नहीं।'
लेकिन सिल्विया तो वहाँ पहुँच गई थी, है ना महोदय, और दूसरी लड़की ने वहाँ जाने वाली बस के बारे में पूछा था?

'मुझे अब शक होने लगा है कि श्रीमती जारमन वाकई इतनी मददगार गवाह हैं या नहीं।'
मुझे लगता है कि वह है, क्योंकि यह तो केवल बुरी खबर है।
'क्या आपके पास कोई अच्छी खबर है?' मोर्स ने थोड़ा और खुशमिजाज दिखने की कोशिश की।
"हाँ, ये वही ट्रक है जिसके बारे में उस बुढ़िया ने हमें बताया था। इसे ढूँढना वाकई काफी आसान है। आप जानते हैं, काउली में कार-बॉडीज़ को लेकर एक सिस्टम है। जब वे..."
'हां, मुझे पता है। तुमने बहुत अच्छा काम किया, लुईस। लेकिन फालतू की बातें छोड़ दो।'
उन्हें वे याद हैं। मिस्टर जॉर्ज बेकर - ऑक्सफोर्ड में रहते हैं। और सुनिए, महोदय। उन्होंने दोनों लड़कियों को कार में बैठते देखा। एक लाल कार - उन्हें इस बात का पूरा यकीन था। गाड़ी एक आदमी चला रहा था - कोई महिला नहीं। उन्हें याद इसलिए रहा क्योंकि वे अक्सर लिफ्ट मांगते हैं, खासकर अगर वे लड़कियां हों; और उन्होंने इन दोनों को गोलचक्कर के ठीक आगे - लगभग पचास गज की दूरी पर देखा। उन्होंने कहा कि वे उन्हें लिफ्ट दे देते, लेकिन तभी एक दूसरी कार आकर रुकी और उन्हें आगे निकलने के लिए अपनी कार हटानी पड़ी। उन्होंने गोरी लड़की को अच्छी तरह देखा था।
'हम तो बड़े ही नीच लोग हैं, है ना?' मोर्स ने कहा। 'क्या तुम उन्हें उठा लेते?'
'मैं आमतौर पर ऐसा नहीं करता, महोदय। केवल तभी जब वे वर्दी में हों। जब मैं सेना में था तो मुझे भी कुछ लिफ्ट पाकर खुशी हुई थी।'
मोर्स ने नए सबूतों पर ध्यानपूर्वक विचार किया। हालात निश्चित रूप से बदल रहे थे।
'आपने एक पाइंट के बारे में क्या कहा?'
वे किडलिंगटन के व्हाइट हॉर्स पब में चुपचाप बैठे थे और मोर्स ने फैसला किया कि बीयर पीने लायक है। आखिरकार उसने चुप्पी तोड़ी। 'एक लाल कार, है ना?'
'जी श्रीमान।'
आपके लिए एक दिलचस्प शोध है। ऑक्सफोर्ड में कितने पुरुषों के पास लाल रंग की कारें हैं?
'काफी सारे, महोदय।'
'आपका मतलब कुछ हज़ार है।'
'मुझे ऐसा लगता है।
लेकिन क्या हम पता लगा सकते हैं?

'मुझे ऐसा लगता है।'
'क्या ऐसी समस्या हमारी कुशल सेना की क्षमता से परे नहीं होगी?'
'मुझे नहीं लगता, महोदय।'
लेकिन क्या होगा अगर वह ऑक्सफोर्ड में नहीं रहता हो?
'हाँ, ऐसा है।'
'लुईस, मुझे लगता है कि बीयर तुम्हारे दिमाग को सुस्त कर रही है।'
लेकिन अगर शराब लुईस की बौद्धिक क्षमता को कम कर रही थी, तो मोर्स पर इसका ठीक उल्टा असर हुआ। उनका दिमाग सहजता और स्पष्टता से काम करने लगा। उन्होंने लुईस को सप्ताहांत की छुट्टी लेने, आराम करने, सिल्विया केय को भूल जाने और अपनी पत्नी को खरीदारी के लिए ले जाने का आदेश दिया; और लुईस ने खुशी-खुशी ऐसा किया।
मोर्स, जो धूम्रपान का आदी नहीं था, ने बीस बड़ी सिगरेटें खरीदीं और दोपहर 2 बजे तक लगातार सिगरेट पीता और शराब पीता रहा। पिछले बुधवार की शाम वास्तव में क्या हुआ था? वह इस विचार से परेशान था कि घटनाओं का एक क्रम घटित हुआ था, जो अपने आप में असाधारण नहीं था; कि प्रत्येक घटना पिछली घटना का तार्किक परिणाम थी; कि वह इनमें से एक या दो घटनाओं के बारे में जानता था; कि यदि उसका मन स्वाभाविक रूप से कारण-कार्य संबंधों की एक श्रृंखला में ढल पाता, तो उसे सब कुछ समझ आ जाता। इसके लिए अज्ञान से ज्ञान की ओर किसी चौंकाने वाली, दूरदर्शी छलांग की आवश्यकता नहीं थी। बस तार्किक प्रगति की एक श्रृंखला। लेकिन हर प्रगति उसे एक गतिरोध पर ले आई, जैसे बच्चों की वार्षिक पत्रिकाओं में बने चित्र, जहाँ एक धागा खजाने तक ले जाता है और बाकी सभी पन्ने के किनारे तक। फिर से शुरू करो।
मकान मालिक ने कहा, 'मुझे खेद है कि मुझे आपसे अपना पेय समाप्त करने के लिए कहना पड़ेगा।'

अध्याय सात

शनिवार, 2 अक्टूबर, दोपहर।

2 अक्टूबर, शनिवार की दोपहर मोर्स ने अपने दफ्तर में हल्के नशे में बिताई। शाम 4:30 बजे तक उन्होंने सिगरेट का पूरा पैकेट खत्म कर दिया था और और सिगरेट मंगवाई। उनका दिमाग धीरे-धीरे साफ होता जा रहा था। उन्हें 29 सितंबर, बुधवार की शाम की घटनाओं में एक धुंधला सा पैटर्न दिखाई देने लगा। कोई नाम नहीं – अभी तक नामों का कोई अंदाजा नहीं – लेकिन एक पैटर्न जरूर था।

उसने टाउन एंड गाउन से कॉपी किए गए पत्रों को देखा: वे एक दुखद छोटे से पैकेज की तरह लग रहे थे। कुछ को उसने तुरंत खारिज कर दिया: नौ सबूतों में से पाँच पर तो एक विक्षिप्त मनोचिकित्सक भी सबसे कमजोर परिकल्पना नहीं बना सकता था। एक पोस्टकार्ड पर लिखा था: 'प्रिय रूथ, मौसम अच्छा है, कल दो बार तैराकी की। समुद्र तट पर एक मरी हुई जेलीफ़िश देखी। प्यार, टी।' जेलीफ़िश होना कितना दुखद है, मोर्स ने सोचा। केवल तीन संदेशों ने मोर्स का ध्यान खींचा; फिर दो; फिर एक। यह मिस जेनिफर कोल्बी को संबोधित एक टाइप किया हुआ नोट था और उस पर लिखा था:

प्रिय मैडम,

हमें प्राप्त हुए अनेक आवेदनों का मूल्यांकन करने के बाद, हमें खेदपूर्वक आपको सूचित करना पड़ रहा है कि हमारा आवेदन अस्वीकृत हो गया है। हालांकि, नवंबर की शुरुआत में कुछ और पद उपलब्ध होंगे, और ईमानदारी से कहूं तो मुझे उस समय आपके आवेदन पर पुनर्विचार करने का अवसर खोने का खेद होगा।

हमने मनोविज्ञान विभाग में सितंबर माह के लिए पदों का कोटा आवंटित कर दिया है; फिर भी यह संभावना है कि प्रधानाचार्य के कार्यालय के नियमित कार्यों को संभालने के लिए एक योग्य सहायक की आवश्यकता पड़ सकती है।

आपका विश्वासी,

इस पर किसी ऐसे व्यक्ति ने हस्ताक्षर किए थे जो अपना नाम सार्वजनिक रूप से प्रचारित किए जाने को लेकर विशेष रूप से चिंतित नहीं प्रतीत होता था। शुरुआती अक्षर 'जी' तो स्पष्ट था, लेकिन जिस अलंकृत तरीके से इसे उपनाम के साथ जोड़ा गया था, वह स्वयं महान शैम्पोलियन के लिए भी एक रहस्य बना रहता।

तो मिस जेनिफर कोल्बी नई नौकरी की तलाश में हैं, मोर्स ने मन ही मन सोचा। तो क्या हुआ? सैकड़ों लोग हर दिन नई नौकरियों के लिए आवेदन करते हैं। कभी-कभी वह खुद भी ऐसा करने के बारे में सोचता था। उसे आश्चर्य हुआ कि उसने उस पत्र पर दोबारा ध्यान क्यों दिया। हमेशा की तरह खराब लिखावट - माफ़ न करने लायक गलतियाँ। और

वर्तनी की गलतियाँ। आजकल स्कूलों में अंग्रेज़ी के बुनियादी नियमों की कोई परवाह नहीं करता था। वह एक सख्त स्कूल में पला-बढ़ा था: वर्तनी, विराम चिह्न और वाक्य रचना की गलतियों पर नाराज़ शिक्षकों द्वारा बेरहमी से सज़ा दी जाती थी, और इसका उस पर असर पड़ा था। वह किताबी ज्ञान का और नखरेबाज़ बन गया था और उसे दो दिन पहले अपने ही एक कर्मचारी की खराब लिखी रिपोर्ट याद आई, जब उसने मन ही मन गलतियों को ऐसे गिना था जैसे कोई परीक्षक किसी उम्मीदवार के काम का मूल्यांकन कर रहा हो। 'मूल्यांकन।' हाँ, इस पत्र में यह शब्द गलत था - और भी कई गलतियाँ थीं। प्रगतिशील शिक्षाविदों के तमाम बड़े-बड़े दावों के बावजूद, देश में निरक्षरता लगातार बढ़ती जा रही थी। लेकिन अगर उनकी अपनी सचिव ने ऐसा घटिया काम किया होता, तो आज ही उसे नौकरी से निकाल दिया जाता! पर वह अपवाद थी। किसी भी पत्र के नीचे जूली के नाम के पहले अक्षर, साफ-सुथरी और त्रुटिहीन टाइपिंग की पक्की मुहर होते थे। ज़रा रुकिए... मोर्स ने अपने सामने रखे पत्र को फिर से देखा। कोई संदर्भ नहीं था। क्या जी. थिंगमजिग ने इसे खुद टाइप किया था? अगर किया था तो वह क्या था? किसी विश्वविद्यालय विभाग का कोई वरिष्ठ प्रशासक? अगर किया था तो... मोर्स और भी ज़्यादा उलझन में पड़ गया। पत्र का शीर्षक क्यों नहीं था? क्या वह बेवजह परेशान हो रहा था?

खैर, इस मामले को सुलझाने का एक ही तरीका था। उसने अपनी घड़ी देखी। शाम के 5:30 बज चुके थे। उसने सोचा कि मिस कोल्बी शायद अब तक घर पर होंगी। वह कहाँ रहती थीं? उसने नॉर्थ ऑक्सफ़ोर्ड के पते के बारे में लुईस द्वारा दिए गए विस्तृत विवरण को देखा। एक दिलचस्प विचार? मोर्स को एहसास होने लगा कि उसने अभी तक कितने पहलुओं पर विचार करना भी शुरू नहीं किया है। उसने अपना ओवरकोट पहना और अपनी कार की ओर चल पड़ा। ऑक्सफ़ोर्ड की ओर दो मील की दूरी तय करते हुए, उसने ठान लिया कि वह मिस जेनिफर कोल्बी के प्रति अपने सभी पूर्वाग्रहों को यथासंभव दूर कर लेगा। लेकिन यह करना आसान नहीं था; क्योंकि, अगर श्रीमती जारमन की याददाश्त पर भरोसा किया जा सकता था, तो महत्वाकांक्षी मिस कोल्बी उन तीन लड़कियों में से एक थीं, जिन्होंने उस रात दिवंगत मिस सिल्विया केय के साथ वुडस्टॉक की यात्रा की होगी।

जेनिफर कोल्बी ने दो अन्य कामकाजी लड़कियों के साथ चार्लटन रोड में एक अर्ध-पृथक मकान किराए पर लिया था, जहाँ प्रत्येक लड़की बिजली और गैस सहित 8.25

पाउंड प्रति सप्ताह किराया देती थी। इसका मतलब था कि उदार मकान मालिक को लगभग 25 पाउंड प्रति सप्ताह का मोटा कमीशन मिलता था, जिसने लगभग छह साल पहले इसी तरह के दो मकान 6,500 पाउंड में खरीदे थे, जो अब मामूली रकम लगती है। लेकिन यह उन तीन मेहनती लड़कियों के लिए भी वरदान था, जो इतने कम खर्च में संकरे बाथरूम और उससे भी संकरे शौचालय को साझा करने में काफी खुश थीं। प्रत्येक लड़की का अपना एक शयनकक्ष था (एक नीचे की मंजिल पर), रसोई उनके शाम के भोजन के लिए पर्याप्त थी, और वे सभी लाउंज का उपयोग बैठने, बातचीत करने और टीवी देखने के लिए करती थीं। बाथरूम को छोड़कर, ये व्यवस्थाएँ आश्चर्यजनक रूप से अच्छी तरह से काम करती थीं। लड़कियाँ दिन में शायद ही कभी एक साथ होती थीं, और अब तक उनके बीच कोई बड़ा टकराव नहीं हुआ था। मकान मालिक ने पुरुष मित्रों को शयनकक्षों में आने से मना किया था और लड़कियों ने बिना किसी विरोध के इस आदेश को स्वीकार कर लिया था। बेशक, पाबंदी का कुछ उल्लंघन हुआ था, लेकिन घर में कभी भी खुलेआम अनैतिकता का माहौल नहीं बना था। लड़कियों ने खुद पर एक नियम लागू किया था - रिकॉर्ड प्लेयर नहीं; और कम से कम इसके लिए उनके बुजुर्ग पड़ोसी बेहद आभारी थे। घर साफ-सुथरा रखा जाता था, जैसा कि मोर्स ने तुरंत देखा जब एक उदास लड़की ने टमाटर का सैंडविच खाते हुए दरवाजा खोला।

‘मैं मिस कोल्बी से मिलने आया हूँ, अगर अनुमति हो तो। क्या वह यहाँ हैं?’

गहरी, सुस्त आँखों ने उसे ध्यान से देखा, और मोर्स को उसे आँख मारने का लालच हुआ।

‘बस एक मिनट।’ वह आराम से चली गई, लेकिन अचानक मुड़कर पूछा, ‘मैं किससे कहूँ?’

'एर, मोर्स। मुख्य निरीक्षक मोर्स।'

'ओह।'

ब्लाउज और जींस पहने, शांत और साफ-सुथरी दिखने वाली जेनिफर बिना किसी स्पष्ट उत्साह के मोर्स का अभिवादन करने के लिए बाहर आई।

‘क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूँ, इंस्पेक्टर?’

'क्या हम कुछ देर बात कर सकते हैं? क्या यह सुविधाजनक रहेगा?'

'मुझे लगता है कि ऐसा करना ही पड़ेगा। बेहतर होगा कि आप अंदर आ जाएं।'

मोर्स को लाउंज में ले जाया गया, जहां मिस डार्क-आइज आर्सेनल बनाम टोटेनहम मैच पर एक रिपोर्ट में पूरी तरह से मग्न होने का नाटक कर रही थीं।
'सू, मैं इंस्पेक्टर मोर्स बोल रहा हूँ। क्या आपको कोई आपत्ति नहीं होगी अगर हम यहाँ बात करें?'
सू खड़ी हुई और मोर्स को लगा कि उसने कुछ ज़्यादा ही नाटकीय अंदाज़ में टीवी बंद कर दिया। उसने सू की धीमी, सुंदर चाल देखी और मन ही मन मुस्कुराया, मानो उसे पसंद आ रही हो। 'मैं ऊपर जा रही हूँ, जेन।' जाने से पहले सू ने मोर्स की तरफ देखा, उसके होंठों के कोनों पर हल्की सी मुस्कान देखी और बाद में जेनिफर से कसम खाकर कहा कि मोर्स ने उसे आँख मारी थी।
जेनिफर ने मोर्स को सोफे पर बैठने का इशारा किया और खुद उसके सामने एक कुर्सी पर बैठ गई।
'इंस्पेक्टर, मैं आपकी कैसे मदद कर सकता हूँ?'
मोर्स ने देखा कि शार्लोट ब्रोंटे की विलेट की एक प्रति उनकी कुर्सी की भुजा पर एक सरकमफ्लेक्स एक्सेंट की तरह टिकी हुई थी।
'मैं – बिल्कुल नियमित रूप से, बेशक – सभी . . . व्यक्तियों की गतिविधियों की जाँच कर रहा हूँ . . .'
'संदिग्ध?'
नहीं, नहीं। जिन्होंने सिल्विया के साथ काम किया है, वे समझते हैं कि इस तरह की चीजें करनी ही पड़ती हैं।
'बिल्कुल। मुझे हैरानी है कि तुमने यह पहले क्यों नहीं किया।' मोर्स थोड़ा चौंक गया। सच में, उसने यह पहले क्यों नहीं किया था? जेनिफर ने आगे कहा। 'पिछले बुधवार शाम को, मैं रोज़ से थोड़ा देर से घर आई – मैं ब्लैकवेल्स गई थी एक बुक टोकन खर्च करने के लिए। पिछले हफ्ते मेरा जन्मदिन था। मुझे लगता है मैं करीब छह बजे घर आई थी। तुम्हें पता ही है पीक आवर में ट्रैफिक कैसा होता है।' मोर्स ने सिर हिलाया। 'खैर, मैंने थोड़ा खाया – बाकी लड़कियाँ भी यहाँ थीं – और फिर मैं करीब साढ़े छह बजे बाहर गई थी। मैं करीब आठ बजे वापस आई – शायद थोड़ा देर से।'
'क्या आप मुझे बता सकते हैं कि आप कहाँ गए थे?'
मैं समरटाउन पुस्तकालय गया था।
पुस्तकालय कितने बजे बंद होता है?

'सात बजकर तीस मिनट।'
आपने वहां करीब एक घंटा बिताया।
'यह एक तर्कसंगत निष्कर्ष प्रतीत होता है, इंस्पेक्टर।'
'काफी लंबा समय लगता है। मैं आमतौर पर लगभग दो मिनट बिताता हूं।'
'शायद आप इस बात को लेकर ज्यादा नखरे नहीं करते कि आप क्या पढ़ते हैं।'
मोर्स ने सोचा, "यह तो एक अहम बात है।" जेनिफर की बोलने की शैली सहज और स्पष्ट थी। उसे लगा, "अच्छी शिक्षा मिली है।" लेकिन बात सिर्फ इतनी ही नहीं थी। उस लड़की में एक अनुशासित आत्मनिर्भरता थी, और वह सोचने लगा कि पुरुषों के साथ उसका व्यवहार कैसा होगा। उसे लगा कि इस युवती के साथ आगे बढ़ना मुश्किल होगा - जब तक कि वह खुद ऐसा न चाहे। उसे शक था कि वह वाकई बहुत अच्छी हो सकती है।
क्या तुम इसे पढ़ रहे हो?
उसने अपने सलीके से संवारे हुए हाथों को विलेट पर हल्के से रखा। 'हाँ। क्या तुमने इसे पढ़ा है?'
''डरो मत,'' मोर्स ने कबूल किया।
'आपको करना चाहिए।'
'मैं याद करने की कोशिश करूंगा,' मोर्स ने बुदबुदाते हुए कहा। इस साक्षात्कार का संचालन कौन करने वाला था? 'अरे, आप एक घंटा रुके थे?'
मैंने तुम्हें यह बताया है।
'क्या किसी ने आपको वहां देखा?'
'अगर वे ऐसा न करें तो उनके लिए यह एक मुश्किल काम होगा, है ना?'
'हां, मुझे लगता है वे ऐसा करेंगे।' मोर्स को लगा कि वह रास्ता भटक रहा है। 'क्या आपको कुछ और मिला?' अचानक उसे थोड़ा बेहतर महसूस हुआ।
'आपको जानकर दिलचस्पी होगी कि मुझे वो भी मिल गई है।' उसने टीवी के सामने कालीन पर पड़ी एक बड़ी सी खुली किताब की ओर इशारा किया। 'मैरी ने उसे पढ़ना शुरू कर दिया है।' मोर्स ने उसे उठाया और शीर्षक देखा। जैक द रिपर कौन था?
'हम्म।'
मुझे यकीन है कि आपने वह पढ़ लिया होगा।
मोर्स का मनोबल एक बार फिर गिरने लगा। 'मुझे नहीं लगता कि मैंने वह विशेष विवरण पढ़ा है, नहीं।'

जेनिफर अचानक मुस्कुराई। 'माफ़ कीजिए, इंस्पेक्टर। मैं भी किताबों की बहुत शौकीन हूँ, और मुझे यकीन है कि मेरे पास आपसे कहीं ज़्यादा खाली समय है।'
'एक मिनट के लिए बुधवार की बात पर वापस आते हैं, मिस कोल्बी। आपने कहा था कि आप लगभग आठ बजे वापस आ गई थीं।'
'हां, लगभग उसी समय। शायद सवा या साढ़े दो बजे होंगे।'
जब आप वापस आए तो क्या घर में कोई था?
'हां। सू तो आई थी। लेकिन मैरी फिल्म देखने चली गई थी। मुझे लगता है कि वह 'डे ऑफ द जैकल' फिल्म थी; वह ग्यारह बजे तक वापस नहीं आई।'
'अच्छा ऐसा है।'
क्या मैं सू को नीचे आने के लिए कहूँ?
'नहीं। परेशान होने की कोई ज़रूरत नहीं है।' मोर्स को एहसास हुआ कि वह शायद अपना समय बर्बाद कर रहा है, लेकिन उसने हार नहीं मानी। 'पुस्तकालय तक पैदल जाने में कितना समय लगता है?'
लगभग दस मिनट।
लेकिन अगर आप साढ़े आठ बजे तक वापस नहीं आए तो शायद आपको लगभग एक घंटा लग गया होगा?
फिर वही मनमोहक मुस्कान, वही सफ़ेद दाँत, होठों पर हल्की सी शरारत भरी मुस्कान। 'इंस्पेक्टर जी, मुझे लगता है कि हमें सू से पूछना चाहिए कि क्या उसे समय याद है, है ना?'
'शायद हमें ऐसा करना चाहिए,' मोर्स ने कहा।
जब जेनिफर कमरे से चली गई, तो मोर्स उदास और थकी हुई आँखों से इधर-उधर देख रहा था, तभी अचानक उसके मन में एक विचार कौंधा। उसने फुर्ती से विलेट को उठाया, कवर के अंदर की तरफ मोड़ा और बड़ी कुशलता से उसे कुर्सी के आर्मरेस्ट पर रख दिया। सू अंदर आई और उसने तुरंत पुष्टि की कि जहाँ तक उसे याद है, जेनिफर आठ बजे के बाद किसी समय घर लौटी थी। वह इससे ज़्यादा सटीक समय नहीं बता सकती थी। मोर्स जाने के लिए उठ खड़ा हुआ। उसने उस बात का ज़िक्र नहीं किया था जिसके बारे में वह चर्चा करने आया था, और वह करने वाला भी नहीं था। वह बात बाद में हो सकती थी।

वह कुछ मिनटों तक अपनी कार की ड्राइविंग सीट पर बैठा रहा और उसका खून एक साथ गर्म और ठंडा होता रहा। उसे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। लेकिन उसने इसे स्पष्ट रूप से देखा था, या यूँ कहें कि सफेद पर गहरे नीले रंग का चित्र देखा था।

मोर्स ऑक्सफोर्ड पुस्तकालय की दिनचर्या से भली-भांति परिचित थे, क्योंकि वे खुद भी अनियमित रूप से उधार ली गई किताबें बिना विलंब शुल्क चुकाए शायद ही कभी लौटाते थे। पुस्तकालय में किताबों के उधार लेने का हिसाब दिनों के हिसाब से नहीं, बल्कि हफ़्तों के हिसाब से होता था, और हर 'हफ़्ते' की शुरुआत बुधवार से होती थी। अगर कोई किताब बुधवार को उधार ली जाती थी, तो उसे ठीक 14 दिन बाद यानी उसी बुधवार के पखवाड़े में लौटाना होता था। अगर कोई किताब गुरुवार को उधार ली जाती थी, तो उसे अगले बुधवार के पखवाड़े बाद यानी 20 दिन बाद लौटाना होता था। तारीख हर गुरुवार सुबह बदल दी जाती थी। बुधवार से बुधवार तक का यह नियम पुस्तकालय सहायकों के लिए काम को काफी आसान बना देता था और उन उधारकर्ताओं को भी बहुत पसंद आता था जिन्हें चौदह दिनों में सात-आठ सौ पन्ने पढ़ना बहुत मुश्किल लगता था। मोर्स को इसकी जाँच तो करनी ही पड़ती थी, लेकिन उन्हें पूरा यकीन था कि केवल बुधवार को किताबें उधार लेने वालों को ही 14 दिनों की तय समय सीमा के भीतर किताबें लौटानी होती थीं। किसी भी अन्य दिन किताब लेने वाले को कुछ अतिरिक्त दिनों की छूट मिल जाती थी। अगर जेनिफर कोल्बी ने पिछले बुधवार को विलेट को पुस्तकालय से लिया होता, तो वापसी की तारीख बुधवार, 13 अक्टूबर होती। लेकिन ऐसा नहीं था। उस पर बुधवार, 20 अक्टूबर लिखा था। मोर्स को इसमें कोई संदेह नहीं था कि जेनिफर ने हत्या की रात अपनी गतिविधियों के बारे में उससे झूठ बोला था। और क्यों? इस महत्वपूर्ण प्रश्न का एक बहुत ही सरल उत्तर प्रतीत होता था।

मोर्स घर के बाहर अपनी कार में चुपचाप बैठा रहा। उसकी नज़र कोने में पड़ी और उसने देखा कि लाउंज का पर्दा हल्का सा हिला, पर उसे कोई दिखाई नहीं दिया। जो भी हो, उसने सोचा कि कुछ देर और इंतज़ार करना ठीक रहेगा। वैसे भी, उसे ताज़ी हवा की ज़रूरत थी। उसने कार के दरवाज़े बंद किए और धीरे-धीरे सड़क पर आगे बढ़ा, फिर बाएँ मुड़कर बैनबरी रोड पर गया और अब तेज़ी से पुस्तकालय की ओर चलने लगा। उसने ध्यान से समय नोट किया: साढ़े नौ मिनट। दिलचस्प! वह 'पुश' लिखे

पुस्तकालय के दरवाज़े तक पहुँचा। लेकिन वह खुला नहीं। पुस्तकालय दो घंटे पहले ही बंद हो चुका था।

अध्याय आठ

शनिवार, 2 अक्टूबर

बर्नार्ड क्रॉथर की पत्नी मार्गरिट को सप्ताहांत बिल्कुल पसंद नहीं थे, और उन्होंने घर का कामकाज इस तरह संभाला था कि न तो उनके पति, न ही उनकी बारह वर्षीय बेटी और न ही उनका दस वर्षीय बेटा सप्ताहांत का आनंद ले पाते थे। मार्गरिट प्राच्य अध्ययन विद्यालय में अंशकालिक नौकरी करती थीं, और उन्हें शक था कि पूरे सप्ताह में वह अपने शांत, किताबी पति और आलसी, स्वार्थी बच्चों की तुलना में कहीं अधिक मेहनत करती थीं। सभी के अनुसार, सप्ताहांत आराम का समय होता था; लेकिन वे उनके बारे में सोचते तक नहीं थे। 'नाश्ते में क्या है, माँ?' 'क्या खाना अभी तक तैयार नहीं हुआ?' इसके अलावा, वह शनिवार दोपहर को पूरे सप्ताह के कपड़े धोती थीं और रविवार को घर की सफाई करने की पूरी कोशिश करती थीं। कभी-कभी उन्हें लगता था कि वह पागल हो रही हैं।
शनिवार, 2 अक्टूबर की दोपहर 5:30 बजे, वह सिंक के पास खड़ी थी और उसके मन में कई कड़वे विचार थे। उसने चाय के लिए उबले अंडे बनाए थे ('क्या, फिर से?') और अब चिपचिपी पीली प्लेटें धो रही थी। बच्चे टीवी से चिपके हुए थे और अगले एक घंटे तक बोर नहीं होने वाले थे। बर्नार्ड (उसे छोटी-छोटी राहतों के लिए शुक्रगुजार होना चाहिए था) घर के पीछे प्रिवेट की झाड़ी काट रहा था। वह जानती थी कि उसे बागवानी से कितनी नफरत है, लेकिन यह एक ऐसा काम था जो वह नहीं करने वाली थी। वह चाहती थी कि वह जल्दी करे। उस झाड़ी के हर एक वर्ग फुट की जिस बारीकी से वह देखभाल करता था, उससे उसे चिढ़ होती थी। वह जल्द ही आकर कहेगा कि उसकी बांहें दुख रही हैं। उसने उसकी तरफ देखा। अब उसके बाल झड़ रहे थे और वह मोटा हो रहा था, लेकिन फिर भी, उसे लगता था, कुछ महिलाओं के लिए वह आकर्षक था। हाल तक उसे कभी इस बात का पछतावा नहीं हुआ था कि उसने पंद्रह साल पहले

उससे शादी की थी। क्या उसे बच्चों का पछतावा था? वह निश्चित नहीं थी। जब से वे गोद में थे, तब से वह इस बात से परेशान थी कि वह दूसरे बच्चों के बारे में दूसरी माताओं के साथ खुलकर गपशप नहीं कर पाती थी। उसने मातृत्व पर एक किताब पढ़ी थी और इस चिंताजनक निष्कर्ष पर पहुंची थी कि मातृत्व का अधिकांश हिस्सा उसे अरुचिकर लगता था – यहाँ तक कि घिनौना भी। उसने महसूस किया कि उसकी मातृत्व की भावनाएँ दुखद रूप से अविकसित थीं। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होकर शिशु अवस्था में पहुँचे, उसे उनके साथ समय बिताना अधिक अच्छा लगने लगा, और कभी-कभी उसे खुद को यह समझाने में कोई कठिनाई नहीं होती थी कि वह उन दोनों से बहुत प्यार करती है। लेकिन अब वे बड़े और बिगड़ते जा रहे थे। लापरवाह, स्वार्थी और उद्दंड। शायद यह सब उसकी गलती थी – या बर्नार्ड की। उसने आखिरी प्लेटों को छानने वाले रैक पर सीधा रखते हुए फिर बाहर देखा।

एक और शानदार दिन के बाद शाम ढलने लगी थी। मधुमक्खियों की तरह वह भी सोच रही थी कि क्या ये सुहावने दिन कभी खत्म नहीं होंगे... बर्नार्ड ने पिछले पांच मिनट में करीने से छंटी और गोल आकार की हेज को आधा फुट आगे बढ़ा दिया था। वह सोच रही थी कि वह क्या सोच रहा होगा, लेकिन वह जानती थी कि वह उससे पूछ नहीं सकती।

सच तो यह था, और मार्गरिट को कई सालों से धुंधला सा एहसास होता जा रहा था, कि वे एक-दूसरे से दूर होते जा रहे थे। क्या इसमें उसकी भी गलती थी? क्या बर्नार्ड को इसका एहसास था? उसे लगता था कि उसे था। वह चाहती थी कि काश वह उसे छोड़कर, सब कुछ छोड़कर कहीं चली जाए और एक नई जिंदगी शुरू करे। लेकिन ज़ाहिर है, वह ऐसा नहीं कर सकती थी। उसे यह सब सहना ही होगा। जब तक कोई दुखद घटना न घट जाए - या क्या यह तब तक का इंतज़ार था जब तक कोई दुखद घटना घट न जाए? और फिर वह जानती थी कि वह हर हाल में उसके साथ खड़ी रहेगी।

मार्गरिट ने सिंक के चारों ओर लगे फॉर्मिका के टॉप को पोंछा, एक सिगरेट जलाई और डाइनिंग रूम में जाकर बैठ गई। वह लाउंज में होने वाले छोटे-मोटे झगड़ों और शोर को बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी। उसने वह किताब उठाई जिसे बर्नार्ड उस दोपहर पढ़ रहा था, अर्नेस्ट डॉसन की रचनाएँ। स्कूल के दिनों से यह नाम उसे कुछ जाना-पहचाना सा लग रहा था और उसने धीरे-धीरे कविताओं के पन्ने पलटे जब तक कि उसे वे पंक्तियाँ

नहीं मिल गईं जो उसकी कक्षा को याद करवाई गई थीं। उसे आश्चर्य हुआ कि वह उन्हें कितनी अच्छी तरह से याद कर पा रही थी।
मैं और भी जोशीले संगीत और और भी तेज़ शराब के लिए तरसता रहा, पर जब दावत खत्म हो जाती है और दीपक बुझ जाते हैं, तब हे सिनारा, तेरी परछाईं पड़ती है! रात तेरी है; और मैं उजाड़ और एक पुराने जुनून से बीमार हूँ।
हाँ, मैं अपनी चाहत के होठों के लिए तरस रहा हूँ:
मैं अपने तरीके से तुम्हारे प्रति वफादार रहा हूँ, सिनारा!
उसने उन्हें दोबारा पढ़ा और पहली बार उन्हें उनकी जादुई ध्वनि की लय समझ में आई। लेकिन उनका अर्थ क्या था? वर्जित फल, एक प्रकार का सुस्त, अवैध, पीड़ादायक आनंद। बेशक, बर्नार्ड उसे सब कुछ बता सकता था। उसने अपना पूरा जीवन कविता की सुंदर दुनिया की खोज और व्याख्या करने में बिताया था। लेकिन वह उसे नहीं बताएगा क्योंकि वह पूछ नहीं सकती थी।
बर्नार्ड के लिए हर हफ्ते किसी दूसरी महिला से मिलना कितना तनावपूर्ण रहा होगा। उसे कब से पता था? खैर, निश्चित रूप से, एक महीने से ज़्यादा नहीं। लेकिन एक अजीब से अंतर्ज्ञान से, उससे कहीं ज़्यादा समय से। छह महीने? एक साल? शायद उससे भी ज़्यादा। उस खास लड़की के साथ नहीं, लेकिन शायद और भी रही होंगी। उसका सिर दुख रहा था। लेकिन उसने हाल ही में इतनी सारी कोडीन ली थी। ओह, दर्द को सहो! क्या मुसीबत है! उसका दिमाग गोल-गोल घूम रहा था। प्रिवेट हेज, पोच्ड अंडे, अर्नेस्ट डॉसन, बर्नार्ड, पिछले चार दिनों का तनाव और धोखा। हे भगवान! वह क्या करेगी? यह ऐसे नहीं चल सकता।
बर्नार्ड अंदर आया। 'मेरी बेचारी बांहों में बहुत दर्द हो रहा है!'
‘क्या आपने बाड़ का काम पूरा कर लिया?’
मैं इसे सुबह खत्म कर दूंगा। ये वो घिनौनी कैंची हैं। मुझे नहीं लगता कि जब से हम यहां आए हैं, इन्हें तेज किया गया होगा।'
आप उन्हें हमेशा अपने घर में रख सकते हैं।
और उन्हें लगभग छह महीने में वापस ले आओ।
‘तुम अतिशयोक्ति कर रहे हो।’
मैं इसे सुबह तक खत्म कर दूंगा।
'शायद बारिश होगी।'

‘खैर, हमें बारिश की एक बूंद की जरूरत है। क्या आपने लॉन देखा है? यह तो अबीसीनिया के मैदानों जैसा है।’
‘तुम कभी अबीसीनिया नहीं गए हो।’
बातचीत रुक गई। बर्नार्ड अपनी डेस्क पर गया और कुछ कागज़ निकाले। 'मुझे लगा था कि तुम टीवी देख रहे होगे।'
मैं बच्चों के साथ रहना बर्दाश्त नहीं कर सकती।
बर्नार्ड ने उसे तीखी नज़रों से देखा। वह लगभग रोने ही वाली थी। 'नहीं,' उसने कहा। 'मैं समझ गया हूँ तुम क्या कहना चाहती हो।' उसने गंभीरता से और लगभग कोमल भाव से मार्गरिट को देखा। मार्गरिट, उसकी पत्नी! कभी-कभी वह उसके साथ बहुत ही लापरवाही से पेश आता था, बहुत ही लापरवाही से। वह आगे बढ़ा और उसने मार्गरिट के कंधे पर हाथ रखा।
‘ये लोग बड़े ही असहनीय हैं, है ना? लेकिन चिंता मत करो। सभी बच्चे एक जैसे होते हैं। मैं तुम्हें एक बात बताता हूँ...’
‘अरे, परेशान मत हो! तुमने ये सारे वादे पहले भी किए हैं। मुझे परवाह नहीं। मैं तुम्हें बता रही हूँ, मुझे परवाह नहीं। जहाँ तक मेरा सवाल है, वे सब भाड़ में जाएँ – और तुम भी उनके साथ!’
वह सिसक-सिसक कर रोने लगी और कमरे से भाग गई। उसने उसे ऊपर वाले बेडरूम में जाते सुना और सिसकियाँ जारी रहने की आवाज़ सुनी। उसने अपना सिर हाथों में थाम लिया। उसे कुछ करना होगा, और बहुत जल्द करना होगा। अब उसे सब कुछ खोने का असली खतरा था। शायद वह पहले ही सब कुछ खो चुका था... क्या वह मार्गरिट को सब कुछ बता सकता था? वह उसे कभी माफ़ नहीं करेगी। पुलिस का क्या होगा? उसने लगभग उन्हें बता ही दिया था, या कम से कम, उसने उन्हें कुछ हिस्सा बता ही दिया था। उसने डॉसन की रचनाओं पर नज़र डाली और देखा कि पृष्ठ खुला हुआ था। वह जानता था कि मार्गरिट इसे पढ़ रही थी और उसकी नज़र उसी कविता पर पड़ी:
निःसंदेह उसके खरीदे हुए लाल होंठों के चुंबन मीठे थे; लेकिन मैं उदास और एक पुराने जुनून से बीमार था।
जब मैं जागा और पाया कि सुबह धुंधली थी:
मैंने अपने तरीके से तुम्हारे प्रति वफादारी दिखाई है, सिनारा।

हाँ, यह काफी सुखद था, इससे इनकार करना बेईमानी होगी; लेकिन अब इसका स्वाद कितना कड़वा हो गया था। बहुत पहले ही सब कुछ खत्म कर देना कितना सुकून देता, सबसे बढ़कर झूठ और धोखे के उस जाल से मुक्त हो जाना जो उसने खुद अपने चारों ओर बुना था। फिर भी, विवाहेतर संबंधों की संभावना कितनी लुभावनी थी। अंतरात्मा। धिक्कार है उस अंतरात्मा पर। एक संवेदनशील माहौल में पली-बढ़ी। घातक।

हालांकि बर्नार्ड स्वयं आस्तिक नहीं थे, फिर भी उन्होंने पौलुस के इस कथन की व्यावहारिक सच्चाई को स्वीकार किया कि पाप का फल मृत्यु है। वे अपराधबोध और पश्चाताप से पूरी तरह छुटकारा पाना चाहते थे, और उन्हें अपने स्कूल के दिनों की बाइबल कक्षा की धुंधली सी याद थी कि कैसे उन सभी ने पाप पर कई बार ज़ोर-शोर से चर्चा की थी।

यद्यपि तुम्हारे पाप लाल रंग के समान हों, फिर भी वे बर्फ से भी अधिक सफेद हो जाएँगे। लेकिन इन दिनों वह प्रार्थना नहीं कर पाता था – उसका मन प्यासा और उदास था। उसकी सहज, उत्साही धार्मिकता अब मंद पड़ गई थी और उस पर ज्ञान, संस्कृति और संशय की गहरी और कठोर परत चढ़ गई थी। वह सभी धार्मिक विरोधाभासों से भलीभांति परिचित था, और अकादमिक विवादों की गरमाहट अब उसे आनंदित नहीं करती थी। सचमुच, बर्फ से भी अधिक सफेद! बल्कि जमी हुई कीचड़ जैसा।

वह खिड़की के पास गया, जो शांत सड़क की ओर खुलती थी। ज़्यादातर खिड़कियों में रोशनी थी। कुछ लोग आ-जा रहे थे; एक पड़ोसी अपने कुत्ते को किसी और फुटपाथ पर गंदगी फैलाने ले जा रहा था। एक एल-ड्राइवर अपनी कार को घुमाने की कोशिश कर रही थी, और बड़ी मुश्किल से कामयाब हो रही थी, हालाँकि मैक के सेल्फ-ड्राइव ज़ोडियाक में समरूपता की रेखा किसी भी एक मोड़ पर सात या आठ डिग्री से ज़्यादा नहीं बढ़ पाती थी। उसे लगा, यह तो तैंतीस-बिंदु मोड़ जैसा लग रहा था। प्रशिक्षक ज़रूर धैर्यवान व्यक्ति होगा। उसने एक बार मार्गरिट को गाड़ी चलाना सिखाने की कोशिश की थी... फिर भी, उसने उसकी भरपाई कर दी थी। अब उसके पास अपनी मिनी कार थी। वह कुछ मिनट तक देखता रहा। एक आदमी पास से गुज़रा, लेकिन हालाँकि उसे लगा कि वह जाना-पहचाना लग रहा है, बर्नार्ड उसे पहचान नहीं पाया। वह सोचता रहा कि वह कौन है और कहाँ जा रहा है, और उसे तब तक देखता रहा जब तक वह चार्लटन रोड में दाईं ओर नहीं मुड़ गया।

जब मोर्स वहां से गुजरा, तो वह भी सोच रहा था कि क्या करे। क्या जेनिफर से अभी बात कर लेनी चाहिए? उसे ठीक से पता नहीं था, लेकिन कुल मिलाकर उसे यही सही लग रहा था। उसे इस बात का एहसास था कि पिछले इंटरव्यू में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था, इसलिए उसने मन ही मन अपनी नई रणनीति का अभ्यास करने का फैसला किया।

‘क्या आप मुझसे कुछ और सवाल पूछना चाहते हैं?’

'हां।' एकदम शांत और निपुणता से।

‘क्या तुम अंदर नहीं आओगे?’

'हाँ।'

'कुंआ?'

‘अब तक तुमने मुझे झूठ के सिवा कुछ नहीं बताया। मेरा सुझाव है कि हम फिर से शुरुआत करें।’

‘मुझे नहीं पता आप किस बारे में बात कर रहे हैं...’ धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से वह कुर्सी से उठकर दरवाजे की ओर चल देता। वह एक शब्द भी नहीं बोलता। लेकिन जैसे ही वह दरवाजा खोलता, जेनिफर कहती, ‘ठीक है, इंस्पेक्टर।’ और वह सुनता। उसे लगा कि उसे अच्छी तरह पता है कि वह उसे क्या बताएगी।

उन्हें यह एहसास होने में अभी कुछ समय लगेगा कि वे गलत थे; क्योंकि उन्हें पता चला कि जेनिफर बाहर चली गई थी। सुस्त सू, जिसकी लंबी टांगें धूप में तपी और नंगी थीं, को पता नहीं था कि वह कहाँ गई है। 'इंस्पेक्टर, क्या आप अंदर आकर इंतज़ार नहीं करेंगे?' उसके भरे हुए होंठ हल्के से खुले और कांपे। मोर्स खुद को बेहद असुरक्षित महसूस कर रहे थे। उन्होंने हौसला पाने के लिए अपनी घड़ी देखी। 'आप बहुत दयालु हैं, लेकिन... शायद मुझे अंदर नहीं आना चाहिए।'

अध्याय नौ

रविवार, 3 अक्टूबर

मोर्स लगभग बारह घंटे तक गहरी नींद सोया और सुबह 8:30 बजे जागा। चार्लटन रोड पर अपनी दूसरी कॉल के बाद वह सिरदर्द और परेशान मन के साथ तुरंत घर लौट आया था। अब, जैसे ही वह नींद से जागा, उसे अपनी ताजगी पर मुश्किल से ही विश्वास हो रहा था।

मोर्स ने लाइब्रेरी से जो आखिरी किताब ली थी और जो अब तीन हफ्ते बाद उनकी राइटिंग डेस्क पर पड़ी थी, वह एडवर्ड डी बोनो की 'ए फाइव-डे कोर्स इन लैटरल थिंकिंग' थी। उन्होंने पूरी लगन से कोर्स का पालन किया, पहले से कोई जवाब देखने से इनकार कर दिया, और अनिच्छा से इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि उनकी लैटरल थिंकिंग क्षमता का सबसे सहानुभूतिपूर्ण आकलन भी ज़ीरो था। लेकिन उन्हें इसमें मज़ा आया था। इसके अलावा, उन्होंने यह भी सीखा था कि किसी जटिल समस्या पर तार्किक, प्रगतिशील, 'वर्टिकल' तरीके से हमला करना हमेशा सबसे अच्छा नहीं होता। उन्हें कुछ तकनीकी शब्द ठीक से समझ नहीं आए थे, लेकिन उन्होंने मुख्य बिंदुओं को समझ लिया था। 'अगर हेडलाइट्स काम नहीं कर रही हों तो कोई अंधेरी गली में कार कैसे चला सकता है?' जवाब चाहे जो भी हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। करने वाली बात यह थी कि ड्राइवर जो भी कर सकता है, उसका सुझाव दिया जाए: हॉर्न बजाना, रूफ रैक हटाना, बोनट उठाना। कोई फर्क नहीं पड़ता। व्यर्थ समाधानों पर विचार करना ही सही निष्कर्ष तक पहुँचने का एक शक्तिशाली माध्यम था: क्योंकि देर-सवेर हम अपनी आँखें बंद कर लेते और अचानक, सच्चाई सामने आ जाती। मोर्स ने अनाड़ीपन से इस तकनीक को आजमाया था और खुद को आश्चर्यचकित कर दिया था। यदि कोई नाम उनकी ज़बान पर होता, तो वे उसके बारे में सीधे सोचना बंद कर देते और जो कुछ भी उन्हें याद होता, उसे दोहरा देते – जैसे अमेरिका की राजधानियाँ – कुछ भी; और ऐसा लगता था कि यह तरीका कारगर साबित हो रहा है।

जागते हुए उसने सिल्विया काय की हत्या के मामले को कुछ समय के लिए टालने का फैसला किया। वह प्रगति कर रहा था - यह वह जानता था। लेकिन उसके दिमाग में तीक्ष्णता की कमी थी; वह थोड़ा सुस्त पड़ रहा था। आज आराम करने से (और वह आराम का हकदार था) वह सुबह फिर से पूरी तरह से सक्रिय हो जाएगा।

वह उठा, कपड़े पहने और दाढ़ी बनाई, अपने लिए बेकन, टमाटर और मशरूम का एक स्वादिष्ट मिश्रण पकाया और अच्छा महसूस किया। उसने रविवार के अखबारों पर सरसरी नज़र डाली, अपने दांव देखे, सोचा कि क्या वह इंग्लैंड में इकलौता आदमी है

जिसने अपने 'सोलह में से कोई आठ' वाले क्रम में एक भी स्कोर-ड्रॉ नहीं चुना है, और एक सिगरेट जलाई। वह दोपहर तक बैठकर समय बिताएगा, दो पाइंट पिएगा और कहीं बाहर जाकर दोपहर का भोजन करेगा। यह एक सभ्य योजना लग रही थी। लेकिन वह कुछ न कुछ किए बिना कभी खुश नहीं रहता था, और थोड़ी देर में मन ही मन सोचने लगा कि रिकॉर्ड प्लेयर पर वैगनर का संगीत चलाए या क्रॉसवर्ड हल करे। मॉर्स को क्रॉसवर्ड बहुत पसंद थे, हालांकि महान ज़िमनेस की मृत्यु के बाद से उसे कुछ ही संगीतकार पसंद आए थे। कुल मिलाकर, उसे लिस्नर की पहेलियाँ उतनी ही पसंद थीं जितनी किसी और को, और इसके लिए वह हर हफ्ते पत्रिका लेता था। दूसरी ओर, उसे वैगनर का ओपेरा बहुत पसंद था और उसके पास द रिंग का पूरा संग्रह था। उन्होंने दोनों करने का फैसला किया, और दास राइनगोल्ड के भव्य संगीत से सजे प्रील्यूड की शुरुआती धुनों के साथ, वे आराम से बैठ गए और लिसनर के अंतिम पृष्ठ से पहले वाले पृष्ठ पर आ गए। यही तो जीवन था। राइन की अप्सराएँ सुंदर ढंग से इधर-उधर तैर रही थीं और कुछ मिनटों बाद ही मोर्स को लगा कि संगीत को अपने ध्यान के किनारे पर जाने देना ठीक रहेगा। उन्होंने क्रॉसवर्ड की प्रस्तावना पढ़ी:

'प्रत्येक आड़ी-तिरछी पहेली में, परिभाषा में, जानबूझकर एक अक्षर की गलत छपाई है। प्रत्येक सीधी-तिरछी पहेली सामान्य है, हालांकि आरेख में दर्ज किए जाने वाले शब्दों में एक अक्षर की गलत छपाई होगी। 1 से 28 तक सीधी-तिरछी पहेलियों में गलत छपे अक्षर एक प्रसिद्ध उद्धरण बनाते हैं जिसे हल करने वाले...'

मोर्स ने आगे पढ़ना बंद कर दिया। वह उछलकर खड़ा हो गया। जैसे ही उसने रिकॉर्ड प्लेयर बंद किया और शेल्फ से अपनी कार की चाबियां उठाईं, एक एकल हॉर्न धीमी कराह के साथ बंद हो गया।

उनकी इनबॉक्स रिपोर्टों से भरी हुई थी, लेकिन उन्होंने उन पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने अपनी अलमारी खोली, सिल्विया केय हत्याकांड की फाइल निकाली और जेनिफर कोल्बी को संबोधित पत्र निकाला। उन्हें पता था कि इस पूरे मामले में कुछ गड़बड़ है। उनका मुंह सूख गया था और हाथ हल्के से कांप रहे थे, जैसे कोई स्कूली छात्र अपने ओ-लेवल के परिणाम खोल रहा हो।

प्रिय मैडम,

हमें प्राप्त हुए अनेक आवेदनों का मूल्यांकन करने के बाद, हमें खेदपूर्वक आपको सूचित करना पड़ रहा है कि हमारा आवेदन अस्वीकृत हो गया है। हालांकि, नवंबर की

शुरुआत में कुछ और पद उपलब्ध होंगे, और ईमानदारी से कहूं तो मुझे उस समय आपके आवेदन पर पुनर्विचार करने का अवसर खोने का खेद होगा।
हमने मनोविज्ञान विभाग में सितंबर माह के लिए पदों का कोटा आवंटित कर दिया है; फिर भी यह संभावना है कि प्रधानाचार्य कार्यालय के नियमित कार्यों को संभालने के लिए एक योग्य सहायक की आवश्यकता पड़ सकती है।
आपका विश्वासी,
वह कितना बड़ा भ्रम में था! उसे किसी बेवकूफ टाइपिस्ट की अशिक्षा और अक्षमता के बारे में घमंड से भरे अंदाज़ में सोचने के बजाय ठीक इसके विपरीत सोचना चाहिए था। वह मूर्ख था। सारे सुराग मौजूद थे। सब कुछ बनावटी था – उसने पहले यह क्यों नहीं देखा? संक्षेप में कहें तो यह एक बेतुका पत्र था। उसने पहले तो अलग-अलग गलतियों पर ध्यान केंद्रित करने की गलती की और पूरे पत्र को समग्र रूप से देखने की जहमत ही नहीं उठाई। लेकिन सिर्फ इतना ही नहीं। उसने अपनी गलती को और बढ़ा दिया। अगर उसने पत्र को एक पत्र के रूप में पढ़ा होता, तो वह गलतियों को गलतियाँ समझ लेता – जानबूझकर की गई गलतियाँ। उसने एक कागज़ लिया और लिखना शुरू किया: 'assessing' – 's' गायब; 'mny' – 'a' गायब; 'begining' – 'n' गायब; 'loose' – 'o' डाला गया; 'Psycology' – 'h' गायब। SANOH – इसका जो भी अर्थ हो। फिर से देखो। 'our' – क्या यह 'your' नहीं होना चाहिए? 'y' छूट गया; 'routnie' – 'n' और 'i' की जगह बदल गई। इससे उसे क्या मिला? SAYNOHNI. कुछ खास उम्मीद नहीं। एक बार फिर कोशिश करो, 'alloted' – क्या इसमें दो 't' हैं? 't' छूट गया। और अब यह उसके सामने था। हस्ताक्षर का 'G', जो उसमें एकमात्र पहचाना जाने वाला अक्षर था: कुछ मत कहो। कोई बहुत बेचैन था कि जेनिफर एक शब्द भी न बोले – और ऐसा लगता है कि जेनिफर को संदेश मिल गया था।
मोर्स को दो मिनट लगे थे, और उसे खुशी थी कि जेनिफर पिछली शाम बाहर गई थी। उसे पूरा यकीन था कि लाइब्रेरी जाने के बारे में उसके झूठ का पता चलने पर, वह माफी मांगती और कहती कि उससे गलती हो गई होगी। उसने सोचा होगा कि गुरुवार रहा होगा; बीते दिन की घटनाओं को याद करना कितना मुश्किल होता है, है ना? उसे सच में याद नहीं आ रहा था; लेकिन वह पूरी कोशिश करेगी। शायद वह टहलने गई हो - अकेले, ज़ाहिर है।

लेकिन अब उसके लिए हालात और भी मुश्किल होने वाले थे। अजीब बात है कि मोर्स को ज़रा भी खुशी महसूस नहीं हो रही थी। जब वे पहली बार मिले थे, तब से ही उसे जेनिफर के लिए एक अजीब सा लगाव महसूस हो रहा था, और अब पीछे मुड़कर देखने पर उसे समझ आ रहा था कि उसके लिए यह कितना मुश्किल रहा होगा। लेकिन उसे सच्चाई का डटकर सामना करना ही था। वह झूठ बोल रही थी। वह किसी को बख्श रही थी – उस व्यक्ति को जिसने संभवतः सिल्विया का बलात्कार और हत्या की थी। यह सोचना अच्छा नहीं था। अब हर सबूत इस बात की ओर इशारा कर रहा था कि 29 तारीख की रात को फेयर स्टेज 5 पर सिल्विया के साथ खड़ी जेनिफर कोल्बी ही थी; कि उसे किसी अज्ञात व्यक्ति या व्यक्तियों (लगभग निश्चित रूप से अज्ञात ही) ने वुडस्टॉक तक लिफ्ट दी थी; कि वहाँ उसने कुछ ऐसा देखा था जिसके बारे में उसे चुप रहने की चेतावनी दी गई थी। संक्षेप में, जेनिफर कोल्बी उस आदमी की पहचान जानती थी जिसने सिल्विया केय की हत्या की थी। मोर्स को अचानक लगा कि कहीं वह खतरे में तो नहीं है, और इसी डर ने उसे तुरंत जेनिफर को हत्या के अपराध में सहायक होने के संदेह में हिरासत में लेने का फैसला लेने के लिए प्रेरित किया। उसे लुईस की भी ज़रूरत पड़ेगी।

उसने अपना बाहरी फोन उठाया और अपने सार्जेंट के घर का नंबर डायल किया।

‘लुईस?’

'बोला जा रहा है।'

‘मोर्स यहाँ है। मुझे खेद है कि मैं आपका सप्ताहांत खराब कर रहा हूँ, लेकिन मुझे आपकी यहाँ आवश्यकता है।’

‘क्या अभी तुरंत, महोदय?’

'यदि आप कर सकते हैं।'

'मैं अपने रास्ते पर हूँ।'

मोर्स ने अपनी इन-ट्रे में देखा। रिपोर्टें ही रिपोर्टें। उन्होंने तुरंत अपने नाम के पहले अक्षर काट दिए, 'ब्रिटेन में ड्रग्स की समस्या', 'पुलिस और जनता', और 'ऑक्सफ़ोर्डशायर में हिंसक अपराधों के आँकड़े (दूसरी तिमाही)' जैसे अरुचिकर शीर्षकों पर उन्होंने बस एक नज़र डाली। फिलहाल उनकी दिलचस्पी सिर्फ एक आँकड़े में थी, जो निस्संदेह समय के साथ 'ऑक्सफ़ोर्डशायर में हिंसक अपराधों के आँकड़े (तीसरी तिमाही)' में दिखाई देगा। उनके पास रिपोर्टों के लिए समय नहीं था। उन्हें शक था कि लगभग 95%

लिखित सामग्री को कोई पढ़ता ही नहीं है। लेकिन दो चीज़ें थीं जिन्होंने उनका ध्यान खींचा। हत्या के हथियार पर फोरेंसिक लैब की एक रिपोर्ट, और सिल्विया केय पर पैथोलॉजी विभाग की एक पूरक रिपोर्ट। दोनों ने उनके पहले से ज्ञात या कम से कम संदेह किए गए तथ्यों की ही पुष्टि की। टायर-लीवर एक असाधारण रूप से नीरस नमूना साबित हुआ। मोर्स ने उसके आकार, माप, वजन के बारे में सब कुछ पढ़ा... लेकिन क्यों परेशान हों? लीवर में कोई रहस्य था ही नहीं। ब्लैक प्रिंस के मकान मालिक ने मंगलवार, 28 और बुधवार, 29 की दोपहरें एक पुरानी सनबीम कार की मरम्मत में बिताईं और अनजाने में अपना टूल किट आंगन के पीछे दाईं ओर स्थित गैरेज के बाहर छोड़ दिया, जहाँ वह कार रखता था। वहाँ कोई पहचानने योग्य निशान नहीं मिले – बस लीवर के घुमावदार सिरों में से एक पर एक भयावह सबूत मिला, जिससे पता चलता था कि वह किसी मानव खोपड़ी की हड्डी से ज़ोर से टकराया था। इसके बाद एक खूनी विश्लेषण हुआ, जिसे मोर्स ने खुशी-खुशी छोड़ दिया।

कुछ ही मिनटों के भीतर लुईस ने दरवाजा खटखटाया और अंदर प्रवेश किया।

‘आह, लुईस। मुझे लगता है, भगवान ने हमारी जांच पर हल्की सी कृपा की है।’ उन्होंने मामले में हुए घटनाक्रम का ब्योरा दिया। ‘मैं मिस जेनिफर कोल्बी को पूछताछ के लिए बुलाना चाहता हूँ। सावधान रहना। अगर चाहो तो महिला पुलिसकर्मी फुलर को भी साथ ले जाना। बस पूछताछ के लिए हिरासत में लेना है, समझे? औपचारिक गिरफ्तारी का तो सवाल ही नहीं उठता। अगर वह अपने कानूनी सलाहकारों को फोन करना चाहें, तो उन्हें बता देना कि आज रविवार है और वे सब गोल्फ खेल रहे हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि आपको ज्यादा परेशानी होगी।’ कम से कम आखिरी बात पर तो मोर्स का अनुमान सही निकला।

दोपहर 3:45 बजे तक जेनिफर पूछताछ कक्ष संख्या 3 में बैठी थी। मोर्स के निर्देशों पर, लुईस ने उसके साथ एक घंटा बिताया, और दोपहर में उसे दी गई जानकारी का ज़रा भी ज़िक्र नहीं किया। लुईस ने दबे स्वर में बताया कि तमाम पूछताछ के बावजूद, वे उस युवती का पता नहीं लगा पाए थे, जिसे दो स्वतंत्र गवाहों ने देखा था और जो सिल्विया केय की हत्या से लगभग एक घंटा पहले उसके साथ थी।

'आपको धैर्य रखना होगा, सार्जेंट।'

लुईस ने देवताओं की तरह क्षीण मुस्कान दी। 'ओह, हम काफी धैर्यवान हैं, महोदया, और मुझे लगता है कि थोड़े से सहयोग से हम वहाँ पहुँच जाएँगे।'

‘क्या आपको कोई सहयोग नहीं मिल रहा है?’
'क्या आप एक कप चाय लेना चाहेंगी, महोदया?'
मुझे कॉफी ज्यादा पसंद है।
पुलिसकर्मी फुलर जल्दी से चली गई; जेनिफर ने अपने होंठ गीले किए और घूंट भरा; लुईस चुपचाप सोच में डूबा रहा। उसके बाद छाई खींचतान भरी खामोशी में अंततः लुईस की ही जीत हुई।
'क्या आपको लगता है कि मैं सहयोग नहीं कर रहा हूँ, सार्जेंट?'
'क्या आप?'
‘देखो, मैंने इंस्पेक्टर को सब कुछ बता दिया है। क्या उसने मुझ पर विश्वास नहीं किया?’
‘आपने इंस्पेक्टर को क्या बताया, महोदया?’
‘क्या आप चाहती हैं कि मैं यह सब फिर से दोहराऊं?’ जेनिफर के चेहरे पर एक स्कूली छात्रा की तरह अधीरता झलक रही थी, जिसे कोई उबाऊ अभ्यास दोबारा लिखने को कहा गया हो।
हमें किसी भी हालत में एक हस्ताक्षरित बयान की आवश्यकता होगी।
जेनिफर ने आह भरी। 'ठीक है। आप चाहते हैं कि मैं बुधवार रात को अपनी गतिविधियों का हिसाब दूं - मुझे लगता है कि यही सही शब्द है, है ना?'
जी हां, महोदया।
‘बुधवार की रात को...’ लुईस ने बड़ी मुश्किल से लिखना शुरू किया। ‘क्या मैं इसे आपके लिए लिख दूं?’ जेनिफर ने पूछा।
‘मुझे लगता है कि मुझे इसे खुद लिख लेना चाहिए, महोदया, अगर आपको कोई आपत्ति न हो। मेरे पास अंग्रेजी की डिग्री नहीं है, लेकिन मैं पूरी कोशिश करूंगी।’ जेनिफर की आँखों में एक पल के लिए सावधानी की झलक दिखाई दी। वह तुरंत गायब हो गई, लेकिन वह थी और लुईस ने उसे देख लिया था।
आधे घंटे बाद, जेनिफर का बयान तैयार था। उसने इसे पढ़ा, पूछा कि क्या वह एक-दो संशोधन कर सकती है - 'केवल वर्तनी, सार्जेंट' - और हस्ताक्षर करने के लिए सहमति दी।
‘मैं इसे टाइप करवा लेता हूँ, महोदया।’
'इसमें कितना समय लगेगा?'
‘अरे, सिर्फ दस मिनट।’

‘क्या आप चाहेंगे कि मैं इसे करूँ? इसमें मुझे लगभग दो मिनट ही लगेंगे।’
'मुझे लगता है कि हमें इसे खुद ही कर लेना चाहिए, महोदया, अगर आपको कोई आपत्ति न हो। हमारे अपने नियम हैं, आप जानती ही हैं।'
‘मुझे लगा कि शायद मैं आपकी मदद कर सकूँ।’ जेनिफर को अब थोड़ा सुकून महसूस हुआ।
'क्या मैं आपके लिए एक और कप कॉफी लाऊं, मिस?'
‘यह अच्छा रहेगा।’ लुईस उठा और चला गया।
महिला पुलिसकर्मी फुलर बेहद चुप लग रही थी, और जेनिफर दस मिनट से अधिक समय तक चुपचाप बैठी रही। जब आखिरकार दरवाजा खुला तो मोर्स एक साफ-सुथरा टाइप किया हुआ पेपर लेकर अंदर आया।
'शुभ दोपहर, मिस कोल्बी।'
'शुभ दोपहर।'
‘हम पहले भी मिल चुके हैं।’ लुईस के जाने के साथ ही जो सुकून अपने चरम पर पहुँच गया था, वह तुरंत ही खत्म हो गया और उसकी घबराहट साफ झलकने लगी। ‘कल तुमसे विदा लेने के बाद मैं लाइब्रेरी तक पैदल गई थी,’ मोर्स ने आगे कहा।
आपको पैदल चलना पसंद होगा।
'लोग मुझसे कहते हैं कि पैदल चलना ही सदा मध्यम आयु का रहस्य है।'
बड़ी मुश्किल से जेनिफर मुस्कुराई। 'यह एक सुखद सैर है, है ना?'
'यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस रास्ते पर जाते हैं,' मोर्स ने कहा।
जेनिफर ने उसे और मोर्स को तीखी नजरों से देखा, और लुईस की तरह ही मोर्स ने भी इस अप्रत्याशित प्रतिक्रिया पर ध्यान दिया। 'ठीक है, मैं रुककर आपसे बात करना चाहूंगी, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप मुझे उस बयान पर हस्ताक्षर करने और घर वापस जाने देंगे। कल से पहले मुझे कई काम करने हैं।'
'मुझे उम्मीद है कि सार्जेंट लुईस ने इस बात का जिक्र किया होगा कि हमें आपको आपकी इच्छा के विरुद्ध रखने का कोई अधिकार नहीं है?'
'ओह हां। सार्जेंट ने मुझे बताया था।'
लेकिन अगर आप थोड़ी देर और रुकने के लिए सहमत हो जाएं तो मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा।

जेनिफर का गला सूख गया था। 'किसलिए?' उसकी आवाज़ अचानक थोड़ी कर्कश हो गई।
‘क्योंकि,’ मोर्स ने धीमी आवाज़ में कहा, ‘मुझे उम्मीद है कि आप इतनी मूर्खता नहीं करेंगी कि उस बयान पर हस्ताक्षर कर दें जिसे आप जानती हैं कि वह झूठा है’ – मोर्स ने अपनी आवाज़ ऊँची की – ‘और जिसे मैं भी झूठा जानता हूँ।’ उसने उसे जवाब देने का मौका नहीं दिया। ‘आज दोपहर मैंने आपको पूछताछ के लिए हिरासत में लेने के निर्देश दिए थे क्योंकि मुझे संदेह था, और अब भी संदेह है, कि आप ऐसी जानकारी छिपा रही हैं जो मिस काय के हत्यारे की पहचान करने में बहुत महत्वपूर्ण हो सकती है। जैसा कि आप जानती हैं, यह एक बहुत गंभीर अपराध है। अब ऐसा लगता है कि आप इतनी मूर्ख हैं कि इस मूर्खता के साथ-साथ पुलिस को ऐसी जानकारी देने का उतना ही गंभीर अपराध भी कर रही हैं जो न केवल गलत है बल्कि स्पष्ट रूप से झूठी भी है।’ मोर्स की आवाज़ ऊँची होती जा रही थी और उसने उनके बीच की मेज पर मुट्ठी से ज़ोरदार प्रहार करके अपनी बात समाप्त की।
हालांकि, जेनिफर उतनी शर्मिंदा नहीं दिखीं जितनी उन्होंने उम्मीद की थी।
‘क्या तुम्हें मेरी बात पर विश्वास नहीं है?’
'नहीं।'
‘क्या मैं पूछ सकती हूँ कि क्यों नहीं?’ मोर्स को काफी हैरानी हुई। उन्हें स्पष्ट हो गया था कि लड़की ने अपनी खोई हुई हिम्मत वापस पा ली थी। उन्होंने स्पष्ट और धैर्यपूर्वक उसे बताया कि वह बुधवार शाम को पुस्तकालय से किताबें नहीं निकाल सकती थी, और इसे बिना किसी संदेह के साबित किया जा सकता है। ‘ठीक है।’ मोर्स ने उसके दोबारा बोलने का इंतजार किया। यदि वह उसके पिछले प्रश्न पर थोड़ा हैरान थे, तो उसके अगले प्रश्न पर वे दंग रह गए। ‘इंस्पेक्टर, पिछले बुधवार शाम को हत्या के समय आप क्या कर रहे थे?’
वह क्या कर रहा था? उसे खुद भी ठीक से पता नहीं था, लेकिन ऐसा कुछ भी स्वीकार करने से उसके मौजूदा मकसद को कोई फायदा नहीं होता। उसने झूठ बोला। 'मैं वैगनर का संगीत सुन रहा था।'
‘कौन सा वैगनर?’
‘दास राइनगोल्ड।’
क्या कोई ऐसा है जो आपकी कहानी की पुष्टि कर सके? क्या किसी ने आपको देखा था?

मोर्स ने हार मान ली। 'नहीं।' खुद पर काबू न रखते हुए भी, उसे उस लड़की की प्रशंसा करनी पड़ी। 'नहीं,' उसने दोहराया, 'मैं अकेला रहता हूँ। मुझे शायद ही कभी आगंतुकों का सुख मिलता है - चाहे वे पुरुष हों या महिला।'
'कितना दुखद है।'
मोर्स ने सिर हिलाया। 'जी हाँ। लेकिन देखिए, मिस कोल्बी, मुझ पर अभी तक महिलाओं के कपड़े पहनकर वुडस्टॉक रोड के शीर्ष पर खड़े होकर सिल्विया केय से लिफ्ट मांगने का संदेह नहीं है।'
'और मैं हूँ?'
'और आप कर रहे हैं।'
लेकिन शायद मुझ पर सिल्विया के साथ बलात्कार और हत्या का संदेह नहीं है?
मुझे उम्मीद है कि आप मुझे थोड़ी-बहुत बुद्धिमत्ता दिखाने की अनुमति देंगे।
'तुम समझते नहीं हो।'
'आप क्या कहना चाह्ते है?'
'क्या तुम्हें यह ख्याल नहीं आया कि सिल्विया को शायद बलात्कार का आनंद आया होगा?' उसके स्वर में कड़वाहट थी और उसके गाल लाल हो गए थे।
'ऐसा लगता है कि इससे यह मान लिया जाता है कि मरने से पहले उसके साथ बलात्कार हुआ था, है ना?' मोर्स ने धीमी आवाज़ में कहा।
मुझे खेद है – मैंने बहुत ही गलत बात कह दी।
मोर्स ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'मेरा काम यह पता लगाना है कि सिल्विया और उसकी दोस्त – और मुझे लगता है कि वह आप ही थीं – वुडस्टॉक गोलचक्कर के दूसरी तरफ एक लाल कार में बैठने के क्षण से क्या हुआ। किसी कारणवश वह दूसरी लड़की सामने नहीं आई है, और मुझे नहीं लगता कि इसका कारण ढूंढना बहुत मुश्किल है। वह कार के ड्राइवर को जानती थी, और वह उसे बचा रही है। वह शायद बहुत डरी हुई है। लेकिन सिल्विया काय भी तो बहुत डरी हुई थी, मिस कोल्बी। उससे भी कहीं ज्यादा। उसके सिर के पिछले हिस्से पर इतनी बेरहमी से वार किया गया था कि उसकी खोपड़ी कई जगहों से टूट गई थी और उसके दिमाग में हड्डियों के टुकड़े मिले थे। क्या आपको यह सुनकर अच्छा लगा? हत्या एक घिनौना, भयानक दृश्य है और हत्या की समस्या यह है कि यह अक्सर अपराध के एकमात्र अच्छे गवाह – पीड़ित – को मिटा देती है। इसका मतलब है कि हमें अन्य गवाहों पर भरोसा करना होगा, जिनमें से ज्यादातर

सामान्य लोग हैं, जो अनजाने में इस घिनौने मामले में फंस जाते हैं। वे डर जाते हैं; ठीक है। वे इसमें शामिल नहीं होना चाहते; ठीक है।' उन्हें लगता है कि इससे उनका कोई लेना-देना नहीं है, ठीक है – लेकिन हमें उम्मीद करनी होगी कि उनमें से कुछ में इतनी हिम्मत और ईमानदारी होगी कि वे आगे आकर हमें वह सब बताएँगे जो वे जानते हैं। और इसीलिए आप यहाँ हैं, मिस कोल्बी। मुझे सच जानना ही होगा।'
उसने जेनिफर के बयान को फाड़कर टुकड़े-टुकड़े कर दिया। लेकिन वह उसके मन की बात नहीं जान सका। जब वह बोल रहा था, तब जेनिफर छोटे से दफ्तर की खिड़की से बाहर आंगन की ओर देख रही थी, जहां एक दिन पहले वह अपने दफ्तर के सहकर्मियों के साथ खड़ी थी।
'कुंआ?'
'माफ़ कीजिए, इंस्पेक्टर साहब। मैंने आपको काफ़ी परेशानी दी होगी। मैं गुरुवार को पुस्तकालय गया था।'
और बुधवार को?
मैं बाहर गया था। और मैं वुडस्टॉक जाने वाली सड़क पर भी गया था – लेकिन मैं वुडस्टॉक तक नहीं पहुँच पाया। मैं बेगब्रोक में गोल्डन रोज़ में रुका – जो वुडस्टॉक से लगभग दो मील पहले है। मैं लाउंज में गया और एक ड्रिंक खरीदी – एक लेगर और लाइम। मैंने उसे बगीचे में बैठकर पिया और फिर घर चला गया।
मोर्स ने अधीरता से उसकी ओर देखा। 'शायद अंधेरे में।'
'हां। लगभग साढ़े सात बजे।'
'अच्छा, तो आगे बढ़ो।'
'तुम्हारा मतलब क्या है – "आगे बोलो"? बस इतना ही था।'
'क्या तुम चाहते हो कि मैं...' मोर्स ने गुस्से से भरी आवाज में कहना शुरू किया। 'लुईस को बुलाओ!' वह चिल्लाया। महिला पुलिसकर्मी फुलर ने आंधी की चेतावनी पढ़ी और जल्दी से बाहर निकल गई।
जेनिफर अविचलित दिखीं, और मोर्स का गुस्सा शांत हो गया।
जेनिफर ने चुप्पी तोड़ी। 'इंस्पेक्टर, आप मुझसे ज़्यादा नाराज़ मत होइए।' उसकी आवाज़ लगभग फुसफुसाहट जैसी हो गई थी। उसने अपना हाथ माथे पर रखा और कुछ देर के लिए आँखें बंद कर लीं। मोर्स ने पहली बार उसे गौर से देखा। उसने पहले कभी ध्यान नहीं दिया था कि वह कितनी आकर्षक हो सकती है। उसने काले जम्पर के

ऊपर हल्के नीले रंग का समर कोट पहना था, साथ में काले रंग के दस्ताने भी थे। उसकी गाल की हड्डियाँ उभरी हुई थीं और उसके चेहरे पर एक अलग ही रौनक थी, उसका मुँह थोड़ा खुला हुआ था जिससे उसके सफ़ेद दाँतों की साफ़ रेखाएँ दिख रही थीं। मोर्स सोचने लगा कि क्या वह कभी उसके प्यार में पड़ सकता है, और हमेशा की तरह उसने तय कर लिया कि हाँ, पड़ सकता है।

मैं बहुत घबराया हुआ और बहुत डरा हुआ था।

उसकी बात सुनने के लिए उसे थोड़ा आगे झुकना पड़ा। उसने देखा कि लुईस अंदर आ गया है और उसने चुपचाप उसे कुर्सी पर बैठने का इशारा किया।

'सब ठीक हो जाएगा, आप देख रहे हैं ना।' मोर्स ने लुईस की ओर देखा और सिर हिलाया, क्योंकि सार्जेंट मिस जेनिफर कोल्बी के साक्ष्य का दूसरा मसौदा लिखने की तैयारी कर रहा था।

'तुम क्यों डर गए थे?' मोर्स ने नरमी से पूछा।

'खैर, ये सब बहुत अजीब रहा है – मुझे लगता है कि मैं तब से ठीक से जाग नहीं पा रही हूँ... मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सच है और क्या नहीं। बहुत सी अजीबोगरीब चीजें हो रही हैं।' वह अब भी अपना सिर हाथों में लिए बैठी थी और मेज के ऊपरी हिस्से को खाली निगाहों से देख रही थी। मोर्स ने लुईस की तरफ देखा। सब कुछ लगभग तैयार था।

'तुम्हारा मतलब क्या है – "मजेदार चीजें"?'

'सच में, सब कुछ। मुझे अब शक होने लगा है कि क्या मुझे पता भी है कि मैं क्या कर रही हूँ। मैं यहाँ क्या कर रही हूँ? मुझे लगा था कि मैंने तुम्हें बुधवार के बारे में सच बता दिया था – और अब मुझे एहसास हो रहा है कि मैंने सच नहीं बताया। और एक और अजीब बात हुई।' मोर्स ने उसे ध्यान से देखा। 'शनिवार सुबह मुझे एक चिट्ठी मिली जिसमें लिखा था कि मुझे नौकरी के लिए नहीं चुना गया है – और मुझे याद भी नहीं कि मैंने इसके लिए आवेदन किया था। क्या तुम्हें लगता है कि मैं पागल हो रही हूँ?'

तो यही उसकी कहानी होने वाली थी! मोर्स ने उस ब्रिज खिलाड़ी की पीड़ा का अनुभव किया जिसका इक्का ट्रम्प के दुक्के से ढक गया हो। दोनों पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को देखा, और दोनों को इस बात का एहसास था कि जेनिफर की निगाहें उन पर टिकी हुई हैं।

‘अच्छा, अब।’ मोर्स ने अपनी निराशा और अविश्वास को यथासंभव छिपाते हुए कहा, ‘चलिए बुधवार रात की बात पर वापस आते हैं, ठीक है? क्या आप मुझे जो अभी बताया उसे दोहरा सकते हैं? मैं चाहता हूँ कि सार्जेंट लुईस इसे लिख लें।’ उनकी आवाज़ में झुंझलाहट झलक रही थी।
जेनिफर ने अपना संक्षिप्त बयान दोहराया और लुईस, उससे पहले के इंस्पेक्टर की तरह, कुछ पल के लिए अचंभित दिखाई दिया।
‘आपका मतलब है,’ मोर्स ने कहा, ‘कि मिस केय वुडस्टॉक तक गईं, लेकिन आप केवल बेगब्रोक तक ही गए?’
'हां, मेरा मतलब बिल्कुल यही है।'
‘क्या आपने इस आदमी से आपको बेगब्रोक पर छोड़ने के लिए कहा था?’
‘आप किस आदमी की बात कर रहे हैं?’
‘जिस आदमी ने आपको लिफ्ट दी।’
लेकिन मुझे बेगब्रोक तक लिफ्ट नहीं मिली।
‘तुमने क्या किया?’ मोर्स चीख उठा।
मैंने कहा कि मुझे लिफ्ट नहीं मिली। मैं वैसे भी कभी लिफ्ट नहीं मांगता। मुझे लगता है कि आपको कुछ पता होना चाहिए, इंस्पेक्टर। मेरे पास कार है।'
जब लुईस दूसरा बयान टाइप करवा रहा था, मोर्स अपने कार्यालय में लौट गया। क्या वह शुरू से ही गलत था? अगर जेनिफर का दावा सच था, तो इससे कई बातें स्पष्ट हो जातीं। उसी सड़क पर, उसी रात और उसके कार्यालय के एक दोस्त की हत्या? ज़ाहिर है, वह डरी हुई होगी। लेकिन क्या यह उसके बार-बार टालमटोल करने का पर्याप्त कारण था? उसने फोन उठाया और बेगब्रोक स्थित गोल्डन रोज़ में फोन किया। हंसमुख लहजे वाला मकान मालिक मदद करने के लिए उत्सुक था। उसकी पत्नी बुधवार को लाउंज में ड्यूटी पर थी। क्या वह किडलिंगटन पुलिस मुख्यालय आ सकती है? हाँ। मकान मालिक उसे खुद ले आएगा। अच्छा। तो पंद्रह मिनट में।
क्या आपको याद है कि पिछले बुधवार को एक युवती लाउंज में आई थी? अकेली? लगभग साढ़े सात बजे?
गहनों से सजी और सुडौल छाती वाली वह महिला निश्चित नहीं थी।
लेकिन आपके यहाँ अक्सर महिलाएं अकेली नहीं आतीं, है ना?

'ऐसा अक्सर नहीं होता, नहीं। लेकिन आजकल यह कोई असामान्य बात भी नहीं है, इंस्पेक्टर साहब। आपको जानकर हैरानी होगी।'
मोर्स को लगा कि अब उसे बहुत कम ही आश्चर्य होगा। 'क्या आप ऐसे किसी व्यक्ति को पहचान पाएंगे? कोई ऐसा व्यक्ति जो अचानक एक रात आ जाए?'
'मुझे ऐसा लगता है, हाँ।'
मोर्स ने लुईस को फोन किया, जो अभी भी जेनिफर के साथ इंटरव्यू रूम में इंतजार कर रहा था।
'लुईस, उसे घर ले जाओ।'
जब जेनिफर लुईस के साथ वहां से गुजरीं, तो गोल्डन रोज की मालकिन पूछताछ डेस्क पर मोर्स के बगल में खड़ी थीं।
'क्या वो वही है?' उसने पूछा। यह उसका अंतिम प्रश्न था।
'हां, मुझे लगता है कि यह है।'
'मैं आपका बहुत आभारी हूं,' मोर्स ने झूठ बोला।
'मुझे खुशी है कि मैं आपकी मदद कर सका, इंस्पेक्टर जी।'
मोर्स ने उसे दरवाजे तक छोड़ा। 'मुझे नहीं लगता कि आपको याद होगा कि उसने क्या ऑर्डर किया था?'
'जी हाँ, दरअसल, मुझे लगता है कि मुझे याद है, इंस्पेक्टर साहब। मुझे लगता है कि वो लेगर और लाइम था। जी हाँ, लेगर और लाइम।'
लुईस के लौटने में आधा घंटा लग गया। 'क्या आपने उसकी बात पर विश्वास किया, महोदय?'
'नहीं,' मोर्स ने कहा। वह उदास होने के बजाय ज़्यादा निराश महसूस कर रहा था। उसे एहसास हुआ कि अपनी ही कमियों के कारण वह पहले ही काफ़ी उलझन और गड़बड़ी में फँस चुका था। उसने उपलब्ध सहायक कर्मियों के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था, और इसका मतलब यह था कि कई संभावित सुरागों में से कुछ की ही जाँच और दस्तावेज़ीकरण किया गया था। उदाहरण के लिए, सैंडर्स – जो किसी भी प्रशिक्षित अधिकारी के लिए तत्काल और गहन जाँच का सबसे स्पष्ट लक्ष्य होता – उसे उसने अब तक लगभग पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया था। वास्तव में, अब तक मामले में उसके आचरण की सरसरी जाँच से भी उसके दृष्टिकोण में लापरवाही की हद तक अव्यवस्था का पता चलता है। पिछले ही महीने उसने साथी जासूसों को किसी भी आपराधिक जाँच

में शुरू से ही हर पहलू में पूरी तरह से और अनुशासनपूर्वक जाँच करने के महत्व पर व्याख्यान दिया था।
और फिर भी, इन सब के बावजूद, उन्हें किसी सहज तरीके से (एक ऐसी प्रक्रिया जिसका उल्लेख उनके व्याख्यान में नहीं किया गया था) यह आभास हो रहा था कि वे अभी भी अस्पष्ट रूप से सही रास्ते पर हैं; कि जेनिफर को जाने देना उनका सही निर्णय था; कि यद्यपि उनका नवीनतम शॉट गोल लाइन से बाहर चला गया था, लेकिन देर-सवेर गोल जरूर होगा।
अगले एक घंटे तक दोनों अधिकारियों ने दोपहर की पूछताछ के बारे में नोट्स का आदान-प्रदान किया, जिसमें मोर्स अधीरता से लड़की के टालमटोल, इशारों और हावभाव पर लुईस की प्रतिक्रिया की जांच कर रहा था।
‘क्या तुम्हें लगता है कि वह झूठ बोल रही है, लुईस?’
अब मुझे इतना यकीन नहीं है।
अरे यार, ये सब छोड़ो। जब तुम मेरी उम्र के हो जाओगे तो तुम्हें झूठे की पहचान दूर से ही हो जाएगी!
लुईस को अब भी संदेह था: वैसे भी वह उम्र में कई साल बड़ा था। दोनों के बीच सन्नाटा छा गया।
अंत में लुईस ने कहा, 'अब हम यहाँ से कहाँ जाएँगे?'
मुझे लगता है कि हम दूसरे फ्लैंक से हमला करेंगे।
'क र ते हैं?'
हां। वो एक आदमी को बचा रही है। क्यों? क्यों? यही सवाल हम अब तक खुद से पूछते आ रहे हैं। और आपको पता है इस जांच से हमें क्या मिला? कुछ नहीं। वो झूठ बोल रही है, मुझे पता है; लेकिन हम उसे तोड़ नहीं पाए हैं – अभी तक नहीं। वो इतनी माहिर झूठी है कि किसी भी बेवकूफ को अपनी बातों पर यकीन दिला देगी।
लुईस को इसका निहितार्थ समझ आ गया। 'आप गलत हो सकते हैं, महोदय।'
मोर्स बड़बड़ाते हुए सोच रहा था कि क्या वह सही है। 'नहीं, नहीं, नहीं। हम बस मामले को गलत नजरिए से देख रहे हैं। लुईस, वे मुझसे कहते हैं कि अगर तुम आसान रास्ता अपनाओगे तो कालीन की चप्पलों में भी आइगर पर्वत पर चढ़ सकते हो।'
‘आपका मतलब है कि हम इसे कठिन तरीके से हल करने की कोशिश कर रहे हैं?’

नहीं। मेरा मतलब बिल्कुल उल्टा है। हम इसे आसान तरीके से हल करने की कोशिश कर रहे थे। अब हमें मुश्किल तरीका आजमाना होगा।
‘हम ऐसा कैसे करेंगे, महोदय?’
हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे थे कि दूसरी लड़की कौन थी, क्योंकि हमें लगा कि वह हमें उस आदमी तक पहुंचा सकती है जिसे हम चाहते हैं।
लेकिन आपके अनुसार हमने उसे पा लिया है।
'हाँ। लेकिन वो हमसे ज़्यादा चालाक और वफ़ादार है। उसे चुप रहने की चेतावनी दी गई है - वैसे, मेरी राय में उसे ज़्यादा समझाने की ज़रूरत नहीं थी। लेकिन फिलहाल हम फँस गए हैं और हमारे पास एक ही रास्ता बचा है। क्या वो लड़की हमें उस आदमी तक नहीं ले जाएगी? ठीक है। हम उस आदमी को ढूँढ़ लेते हैं।'
हम इसकी शुरुआत कैसे करें?
मुझे लगता है कि हमें थोड़ी अरिस्टोटेलियन तर्कशक्ति की आवश्यकता होगी, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?
'अगर आप ऐसा कहते हैं, महोदय।'
'मैं आपको इसके बारे में सुबह विस्तार से बताऊंगा,' मोर्स ने कहा।
दरवाजे पर पहुँचकर लुईस रुक गया। 'श्रीमान, मिस कोल्बी की पहचान के बारे में क्या आपको लगता है कि मकान मालकिन की बात पर भरोसा करना संतोषजनक था?'
'क्यों नहीं?'
खैर, यह सब कुछ थोड़ा अनौपचारिक था, है ना? मेरा मतलब है, यह बिल्कुल नियमों के अनुसार नहीं चल रहा था।
‘कौन सी किताब?’ मोर्स ने कहा।
लुईस ने फैसला किया कि आज के लिए उसका दिमाग काफी उलझन में पड़ चुका है, और वह चला गया।
मोर्स का दिमाग भी पूरी तरह से साफ नहीं था; फिर भी उलझन भरी स्थिति से एक नए विचार का बीज फूट रहा था। उसे शुरू से ही शक था कि जेनिफर कोल्बी झूठ बोल रही है; वह इस पर अपनी पेशेवर प्रतिष्ठा दांव पर लगा सकता था। लेकिन वह कम से कम एक मामले में गलत हो सकता था। उसने जेनिफर की कहानी को उजागर करने की कोशिश की थी, लेकिन क्या वह गलत समय पर कोशिश कर रहा था?

क्या होगा अगर उसने उसे जो कुछ भी बताया था वह बिल्कुल सच हो? ... वही फायदे और नुकसान के विचार उसकी आंखों के सामने मेले में झूलते हुए घोड़ों की तरह बार-बार घूमते रहे, जब तक कि उसका अपना दिमाग भी चक्कर खाने लगा और उसे एहसास हुआ कि अब आराम करने का समय आ गया है।

अध्याय दस

बुधवार, 6 अक्टूबर

ब्लैक प्रिंस का कॉकटेल लाउंज सुबह 11 बजे खुलने के बाद अक्सर खाली रहता था, और बुधवार, 6 अक्टूबर की सुबह भी इसका अपवाद नहीं थी। हत्या का सदमा अब कम हो रहा था और ब्लैक प्रिंस में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति लौट रही थी।
श्रीमती गे मैकफी ने एक और मार्टिनी ग्लास को चमकाते हुए और उसे बाकी ग्लासों के बीच करीने से रखते हुए सोचा, "यह आश्चर्य की बात है कि चीजें कितनी जल्दी पृष्ठभूमि में चली जाती हैं।" लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं था; उसी सुबह ही हीथ्रो में एक हवाई जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें 79 लोगों की जान चली गई थी। और सड़कों पर तो हर दिन...
'क्या चाहिए, दोस्तों?' बोलने वाला एक प्रतिष्ठित दिखने वाला व्यक्ति था, लगभग साठ वर्ष का, गठीला शरीर, चांदी जैसे भूरे बाल और लालिमा लिए हुए चेहरा। गे ने पहले भी कई बार उसकी सेवा की थी और वह उसे प्रोफेसर टॉमसेट (दोस्तों के बीच फेलिक्स के नाम से मशहूर, जिनके बारे में अफवाह थी कि वे बहुत ज्यादा दोस्त नहीं थे) के रूप में जानता था – ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एलिजाबेथन साहित्य के एमेरिटस प्रोफेसर और हाल ही में सेवानिवृत्त हुए लोंसडेल कॉलेज के वाइस-प्रिंसिपल। उसके दो साथी, एक दुबला-पतला, दाढ़ी वाला लगभग तीस वर्ष का व्यक्ति, और दूसरा लगभग पैंतालीस वर्ष का चश्मा पहने सौम्य दिखने वाला व्यक्ति, दोनों ने जिन और टॉनिक का ऑर्डर दिया।
'तीन जिन और टॉनिक।' टॉमसेट की आवाज़ तीखी और आदेशात्मक थी, और गे को आश्चर्य हुआ कि क्या वह अपने कॉलेज के स्काउट से अपनी सुबह की कॉफी को हिलाने

के लिए कहता था।
‘उम्मीद है, तुम हमारे साथ जीवन का आनंद लोगी, युवा मेलहुइश!’ टॉमसेट ने अपने दाढ़ी वाले साथी के कंधे पर हाथ रखा और जल्द ही ऐसी बातों में मग्न हो गया जिन्हें गे समझ नहीं पा रही थी। अमेरिकी सैनिकों का एक समूह अंदर आया और बिना समय गंवाए उससे बीयर के ब्रांड, मेनू, हाल ही में हुई हत्या और उसके घर के पते के बारे में पूछताछ करने लगा। लेकिन उसे अमेरिकी लोग पसंद थे और वह जल्द ही उनके साथ हंसने लगी। हमेशा की तरह, बीयर पंप से तरल पदार्थ से ज़्यादा झाग निकल रहा था और गे ने देखा कि बार के दूसरे छोर पर धैर्यपूर्वक इंतज़ार कर रहा था ऑक्सफोर्ड के तीन प्रमुख सदस्यों में से चश्मा पहने हुए।
'एक मिनट भी नहीं लगेगा, महोदय।'
‘चिंता मत करो। मुझे कोई जल्दी नहीं है।’ उसने धीरे से मुस्कुराते हुए उससे कहा, और उसने उसकी गहरी आँखों में एक चमक देखी, और उसने जल्दी से पड़ोसी अमेरिकियों के साथ हिसाब-किताब निपटा लिया।
‘जी हां, महोदय।’
‘हम सबको वही ड्रिंक दोबारा चाहिए, कृपया। तीन जिन और टॉनिक।’ गे ने दिलचस्पी से उसकी तरफ देखा। बार के मालिक ने एक बार उससे कहा था कि अगर कोई लगभग हर जगह बिकने वाले ‘जिन और टॉनिक’ की जगह ‘जिन और टॉनिक’ ऑर्डर करे, तो वो सच में कोई रईस है। गे चाहती थी कि वो फिर से बोले, क्योंकि उसे उसकी आवाज़, जिसमें ग्लेस्टरशायर का हल्का लहजा था, बहुत अच्छी लगती थी। लेकिन वो नहीं बोला। फिर भी, वो बार के उसी कोने में खड़ी रही और मार्टिनी के गिलासों को हल्के से चमकाने लगी।
‘तुम्हारे साथ क्या हुआ है, हनीबंच?’ और इसी तरह के स्नेहपूर्ण निमंत्रण उसके अन्य ग्राहकों से नियमित रूप से आते थे, लेकिन गे ने चुपचाप और चतुराई से उनकी चालों को ठुकरा दिया; इसके बजाय वह ग्लूस्टरशायर के उस आदमी को देखती रही। टॉमसेट पूरे जोश में था।
'जब वो राष्ट्रपति बने थे, तब तो वो मेरे शपथ ग्रहण समारोह में भी नहीं आए थे। इस बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है, पीटर, मेरे दोस्त?'
‘सच में, उसे दोष मत दो,’ पीटर ने कहा। ‘हम सब अपनी ही गद्य रचनाओं पर लार टपकाते हैं, मेलहुइश, और खुद को यह कहकर बहलाते हैं कि यह बहुत ही शानदार

है।'
एलिज़ाबेथन साहित्य के प्रोफेसर ने हंसते हुए अपना गिलास आधा खाली कर दिया।
'क्या तुम पहले भी यहाँ आ चुके हो, मेलहुइश?'
नहीं, मैंने नहीं देखा। काफी अच्छा है, है ना?
'अब तो ये थोड़ा बदनाम हो गया है, पता है ना। पिछले हफ्ते यहाँ हत्या हुई थी।'
'हां, मैंने इसके बारे में पढ़ा है।'
'युवती गोरी। घर के आंगन में ही बलात्कार और हत्या कर दी गई। अखबारों की मानें तो वह बहुत खूबसूरत युवती थी।'
लोंसडेल में नव नियुक्त जूनियर फेलो मेलहुइश, जो बेहद प्रतिभाशाली और बेहद चिंतित थे, अपने वरिष्ठ सहयोगियों के साथ थोड़ा और सहज महसूस करने लगे थे।
'क्या उसके साथ भी बलात्कार हुआ था?'
टॉम्पसेट ने अपना गिलास खाली कर दिया। 'ऐसा लोग कहते हैं। लेकिन मुझे खुद इस बलात्कार के मामले पर हमेशा से थोड़ा संदेह रहा है।'
'कन्फ्यूशियस कहते हैं, स्कर्ट ऊपर उठाई हुई लड़की, पैंट नीचे किए हुए आदमी से तेज दौड़ती है, है ना?'
दोनों बुजुर्ग व्यक्ति घिसे-पिटे मजाक पर विनम्रतापूर्वक मुस्कुराए, लेकिन मेलहुइश को लगा कि काश उसने इसे दोहराया न होता: बेसुरा और बहुत ही परिचित। गे ने टॉमसेट की स्पष्ट आवाज सुनी, जिसने बातचीत को संभाला। उसने सोचा, वह मूर्ख नहीं था।
हाँ, मेलहुइश, मैं आपसे सहमत हूँ। हमें बलात्कार को लेकर ज़्यादा गंभीर नहीं होना चाहिए। बिलकुल नहीं। यह तो रोज़ होता है। मुझे याद है कुछ साल पहले यहाँ एक युवती थी – पीटर, आपको याद होगा ना – तेज़ दिमाग वाली, मेहनती, कमाल की बच्ची। वह फाइनल परीक्षा दे रही थी और उसे तीन-तीन घंटे के आठ पेपर देने थे। उसने गुरुवार की सुबह अपना सातवाँ पेपर दिया – नहीं, यह शुक्रवार था, या शायद... खैर, यह बात मायने नहीं रखती। उसने सुबह अपना आखिरी से एक पहले वाला पेपर दिया और दोपहर में बस एक और पेपर देना बाकी था। खैर, वह दोपहर के भोजन के लिए हेडिंगटन स्थित अपने कमरे में गई और – हे भगवान! – वापस आते समय उसके साथ बलात्कार हो गया। सोचो उस बेचारी लड़की को कितना सदमा लगा होगा। पीटर, आपको याद है ना? खैर, उसने आखिरी पेपर देने पर ज़ोर दिया और मेलहुइश, आपको पता है – उसने आखिरी पेपर में बाकी सभी पेपरों से बेहतर प्रदर्शन किया!

मेलहुइश दिल खोलकर हँसा और खाली गिलास उठा लिए।
‘तुम्हें इसे अपने हिसाब से बनाना पड़ता है,’ पीटर ने बुदबुदाते हुए कहा।
‘खैर, यह एक अच्छी कहानी थी, है ना?’ टॉमसेट ने कहा।
गे कुछ मिनटों के लिए बातचीत से भटक गई, और जब उसने दोबारा सुनना शुरू किया, तो यह स्पष्ट था कि बातचीत ने थोड़ा गंभीर मोड़ ले लिया था। वे हमेशा कहते थे कि जिन एक अवसादक पेय है।
‘...जरूरी नहीं कि हत्या से पहले बलात्कार किया गया हो, आप जानते हैं।’
‘अरे, चुप रहो, फेलिक्स।’
'थोड़ा घिनौना है, मुझे पता है। लेकिन हम सबने क्रिस्टी की रचनाएँ पढ़ी हैं, है ना? वो बूढ़ा आदमी तो वाकई दुष्ट था!'
मेलहुइश ने पूछा, 'क्या उन्हें लगता है कि यहाँ यही हुआ था?'
‘क्या आपको पता है, मैं आपको यह बता सकता था,’ टॉम्पसेट ने कहा। ‘बूढ़ा मोर्स – अच्छा आदमी! – वह इस मामले का प्रभारी है, और वह कॉलेज की अतिथि सभाओं में भी आता रहा है। उसे आज रात भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन उसे आना नहीं पड़ा। एक छोटी सी दुर्घटना हो गई।’ टॉम्पसेट हँस पड़ा। ‘सीढ़ी से गिर गया! हे भगवान, कौन यकीन करेगा? एक आदमी हत्या की जांच का प्रभारी है और वह सीढ़ी से गिर गया!’ टॉम्पसेट को बहुत मज़ा आ रहा था।
अमेरिकियों ने सारी उम्मीदें छोड़ दी थीं और बार अब खाली हो चुका था। तीनों आदमी खिड़की के पास वाली मेज की ओर चले गए।
‘अच्छा, हमें देखना चाहिए कि वे दोपहर के भोजन में क्या परोस सकते हैं,’ पीटर ने कहा। ‘मैं मेनू लाता हूँ।’
गे ने एक बड़ा, महंगा दिखने वाला फोल्डर आगे बढ़ाया और उसे पहले से ही खोलकर ऐसे प्रस्तुत किया, जैसे कोई नौसिखिया किसी प्रभावशाली पुजारी के सामने दिन भर की प्रार्थना अर्पित कर रहा हो।
पीटर ने सरसरी नज़र डाली, उसके चेहरे पर हल्की सी व्यंग्यात्मकता झलक रही थी। उसने गे की ओर देखा और पाया कि वह उसे ही देख रही है। 'क्या तुम "डॉन्स डिलाइट" या "प्रॉक्टर्स प्लेजर" पढ़ने की सलाह दोगी?' उसने धीमी आवाज़ में पूछा।
'अगर मैं तुम्हारी जगह होती तो स्टेक नहीं खाती,' उसकी आवाज भी उतनी ही धीमी थी जितनी उसकी।

'क्या आज दोपहर आप खाली हैं?'
उसने कुछ सेकंड तक स्थिति का आकलन किया और फिर लगभग अदृश्य रूप से अपना सिर हिलाया।
‘मैं आपको किस समय लेने आऊं?’
‘तीन बजे?’
'कहाँ?'
मैं बस बाहर ही रहूंगा।
शाम चार बजे दोनों लोंसडेल कॉलेज में पीटर के कमरे में बने विशाल डबल बेड पर एक दूसरे के बगल में लेटे हुए थे। उसका बायां हाथ उसकी गर्दन के चारों ओर था, और दाहिना हाथ धीरे से उसके स्तनों को सहला रहा था।
‘क्या आपको लगता है कि एक युवा लड़की का बलात्कार हो सकता है?’ उसने पूछा।
गे ने इस समस्या पर विचार किया। मन और शरीर से संतुष्ट होकर, वह कुछ देर तक अलंकृत छत को निहारती रही। 'पुरुष के लिए तो यह बहुत मुश्किल होगा।'
‘हम्म।’
क्या आपने कभी किसी महिला का बलात्कार किया है?
‘मैं हफ्ते के किसी भी दिन तुम्हारा बलात्कार कर सकता हूँ।’
लेकिन मैं तुम्हें ऐसा करने नहीं दूंगा। मैं किसी भी तरह का प्रतिरोध नहीं करूंगा।
उसने एक बार फिर उसके भरे हुए होंठों को चूमा, वह उत्सुकता से उसकी ओर मुड़ी।
‘पीटर,’ उसने उसके कान में फुसफुसाते हुए कहा, ‘फिर से मेरा बलात्कार करो!’
शांत कमरे में अचानक फोन की तेज और तीखी आवाज गूंज उठी। धमाका!
‘ओह, हैलो बर्नार्ड। क्या? नहीं। यूँ ही बैठे-बैठे समय बर्बाद कर रहे हैं, जानते हो। क्या? ओह, आज रात। हाँ। लगभग सात बजे, मुझे लगता है। मेरे लिए क्यों न आ जाएँ? हम साथ में थोड़ी सी ड्रिंक ले सकते हैं। हाँ। फेलिक्स? ओह, वो तो पहले से ही काफी नशे में है। हाँ। हाँ। अच्छा, मुझे भी अच्छा लगेगा। हाँ। अलविदा।’
‘बर्नार्ड कौन है?’
‘ओह, ये तो यहाँ एक अंग्रेज प्रोफेसर हैं। बढ़िया आदमी हैं। लेकिन समय का अंदाजा लगाने में काफी नाकाम हैं।’
क्या उसके पास इस तरह के कमरों का एक सेट है?

नहीं, नहीं। बर्नार्ड एक पारिवारिक व्यक्ति है। उत्तरी ऑक्सफोर्ड में रहता है। शांत स्वभाव का आदमी है।
'तो फिर वो छोटी लड़कियों का बलात्कार नहीं करता?'
'क्या, बर्नार्ड? हे भगवान, नहीं। खैर, मुझे ऐसा नहीं लगता...'
'पीटर, तुम एक शांत स्वभाव के व्यक्ति हो।'
'मैं?' उसने प्यार से उसे सहलाया और अचानक नॉर्थ ऑक्सफोर्ड के शांत स्वभाव वाले पारिवारिक व्यक्ति श्री बर्नार्ड क्रॉथर के बारे में आगे की सारी चर्चा समाप्त कर दी।

भाग दो

एक आदमी की तलाश करें

अध्याय ग्यारह

बुधवार, 6 अक्टूबर

एक नीची (12 फीट की ऊंचाई वाली) रेलवे पुल के नीचे से शुरू होकर, यह सड़क कई सौ गज तक संकरी और तंग राहों से होकर गुजरती है, जहां किनारे पर बने जर्जर मकानों की कतारें एक-दूसरे से सटी हुई हैं। फिर यह सड़क धीरे-धीरे चौड़ी होकर एक विशाल दोहरी लेन वाली सड़क बन जाती है, जिस पर पश्चिम की ओर जाने वाला सारा यातायात फ़ेरिंगडन, स्विंडन और इनके बीच के कई छोटे-छोटे गांवों की ओर जाता है।

यहां मकान अब पड़ोसियों से इतनी निकटता में नहीं हैं, और ऑक्सफोर्ड के कई व्यापारियों ने यहां अपने परिसर स्थापित किए हैं।
चाकली एंड संस एक विशाल, दो मंजिला इमारत है, जो घरेलू साज-सामान, टाइलिंग, वॉलपेपर, पेंट और फर्नीचर में विशेषज्ञता रखती है। यह एक सुस्थापित स्टोर है, जहाँ ऑक्सफोर्ड के कई बढ़ई (छूट पर), इंटीरियर डेकोरेटर (छूट पर) और लगभग सभी स्वयं काम करने वाले लोग आते हैं। भूतल के शोरूम के सबसे दूर वाले छोर पर एक नोटिस लगा है, जो उन कुछ ग्राहकों को सूचित करता है जिन्हें अभी तक यह जानकारी नहीं है कि फॉर्मिका शॉप बाहर, आंगन के उस पार, बाईं ओर दूसरी दुकान पर स्थित है। इस दुकान में एक युवक लकड़ी की मेज पर फॉर्मिका की एक बड़ी चादर बिछा रहा है। मेज के बीचोंबीच एक गहरी, चौकोर खांच कटी हुई है। वह एक छोटी स्वचालित आरी को खींचकर अपनी ओर लाता है, जिसके स्लाइडर सुचारू रूप से चलते हैं, और उसके तेज धार वाले दांतों को पेंसिल से बनाए गए निशान के साथ सावधानीपूर्वक मिलाता है। फुर्ती से वह एक स्टील का रूलर निकालता है और नाप की जाँच करता है। वह मन ही मन किए गए त्वरित गणना से संतुष्ट प्रतीत होता है, एक बटन दबाता है और एक कर्कश आवाज के साथ, सख्त कपड़े को बड़ी सफाई और तेजी से काटता है। उसे अपनी इस तेजी में आनंद आता है! वह इस प्रक्रिया को कई बार दोहराता है: लंबाई में, चौड़ाई में, चौड़ाई में, चौड़ाई में, और नापी गई पट्टियों को दीवार के सहारे करीने से लगाता है। वह अपनी घड़ी देखता है; लगभग 12:45 बज रहे हैं। एक घंटा पंद्रह मिनट। वह अपने पीछे स्लाइडिंग दरवाजे बंद करता है, कर्मचारियों के वॉशरूम में जाता है, हाथों में साबुन लगाता है, बाल संवारता है और बिना किसी पछतावे के, श्री चाकली और उनके बेटों की दुकान से कुछ देर के लिए मुंह फेर लेता है। वह अपने ओवरकोट की दाहिनी जेब में हल्के से उभरे हुए एक छोटे से पैकेट को थपथपाता है। अभी भी वहीं है।
हालांकि उसका गंतव्य दस मिनट की पैदल दूरी से ज़्यादा दूर नहीं है, फिर भी वह बस से जाने का फैसला करता है। वह सड़क पार करता है और इस दौरान कई रेखाओं को पार करता है - निरंतर, टूटी हुई, चौड़ी, संकरी, पीली, सफेद - जितनी किसी ऑर्डनेंस सर्वे मानचित्र की कुंजी में मिल सकती हैं; क्योंकि ऑक्सफोर्ड नगर परिषद ने निजी वाहन चालकों के खिलाफ अपनी लंबी लड़ाई को और तेज़ कर दिया है और बॉटली रोड पर बस लेन की व्यवस्था लागू कर दी है। लगभग तुरंत ही एक बस आ जाती है, और गंभीर दिखने वाला पाकिस्तानी ड्राइवर चुपचाप अपने अनेक कर्तव्यों का निर्वहन करता

है। वह युवक हमेशा उम्मीद करता है कि बस लगभग भरी हो ताकि वह शहर लौट रही मिनी-स्कर्ट और घुटनों तक ऊँची बूट पहने युवतियों में से किसी एक के बगल में बैठ सके; लेकिन आज बस लगभग खाली है। वह बैठ जाता है और यंत्रवत अपने चारों ओर देखता है।

वह रेलवे पुल से पहले वाले स्टॉप पर उतरता है (जहाँ बस को लोहे के गर्डरों से टकराने से बचने के लिए दाईं ओर मुड़ना पड़ता है), जर्जर मकानों की कतारों के पीछे एक सुनसान गली में अपना रास्ता बनाता है और एक छोटी सी दुकान में प्रवेश करता है। श्री बैंस की मैली, उखड़ी हुई दुकान के दरवाजे के ऊपर लिखा है 'अखबार विक्रेता और तंबाकू विक्रेता'। लेकिन श्री बैंस की दुकान की प्रकृति ही ऐसी है कि वह सुबह और शाम के अखबार बांटने के लिए न तो शरारती लड़कों और लड़कियों को काम पर रखता है, न ही उसके पास सिगरेट के कुछ लोकप्रिय ब्रांडों से ज़्यादा तंबाकू का स्टॉक है। वह न तो जन्मदिन के कार्ड बेचता है, न आइसक्रीम और न ही मिठाई। श्री बैंस - हाँ, वह एक चतुर व्यक्ति है - हिसाब लगाता है कि वह एक त्वरित, सरल लेन-देन से उतना ही लाभ कमा सकता है जितना एक दिन के अखबार वितरण से या एक हजार सिगरेट की बिक्री से। दरअसल, श्री बैंस अश्लील सामग्री का व्यापारी है।

संकरी दुकान के दाहिनी ओर कई ग्राहक खड़े हैं। वे तरह-तरह की भड़कीली, चमकदार लड़कियों की पत्रिकाओं के पन्ने पलट रहे हैं, जिनके नाम रेशमी आनंद से भरे हैं: स्किन, स्कर्ट, लश, लस्ट, फ्लेश और फ्रिल्स। हालांकि इन पत्रिकाओं के कवर पर सजी कम कपड़ों वाली मॉडलों की आकृतियाँ पूरी तरह से कामुक और उत्तेजक हैं, फिर भी देखने वाले पन्ने लापरवाही और बेफिक्री से पलटते हुए प्रतीत होते हैं। लेकिन यह सिर्फ दिखावा है। श्री बैंस के अपने हाथ से लिखा एक नोटिस इन विदेशी उत्पादों के हर संभावित खरीदार को चेतावनी देता है कि 'ये पत्रिकाएँ खरीदी जानी हैं'; और श्रीमती बैंस काउंटर के पीछे अपनी सख्त कुर्सी पर बैठी हैं और अपने हर समर्पित ग्राहक पर पैनी नजर रखती हैं। युवक अपने दाहिनी ओर नग्नता से सजी पत्रिकाओं पर बस एक सरसरी नजर डालता है और सीधे काउंटर की ओर बढ़ता है। वह जोर से बीस एम्बेसी सिगरेट का एक पैकेट मांगता है और अपना पैकेट श्रीमती बैंस की ओर सरका देता है; फिर वह महिला काउंटर के नीचे हाथ डालकर उसी तरह का भूरे कागज का पार्सल उस युवक को दे देती है। श्री बैंस को तो यह बहुत पसंद आता! यह एक सरल, त्वरित और सहज लेन-देन है।

वह युवक सड़क के उस पार स्थित बुकबाइंडर आर्म्स पर रुकता है और ब्रेड, चीज़ और एक पाइंट गिनीज ऑर्डर करता है। उसे हमेशा की तरह बेचैनी महसूस हो रही है, लेकिन मन ही मन वह आशा से भर उठता है। पाँच बजने ही वाले हैं और रिंग-रोड कॉम्प्लेक्स के नए हिस्से के खुलने से वुडस्टॉक का सफर अब पहले से कहीं ज़्यादा तेज़ हो गया है। उसकी माँ उसका खाना तैयार रखेगी, और फिर वह अकेला होगा। अपने अजीब तरीके से, उसे इस सब की उम्मीद में लगभग आनंद आने लगा है, क्योंकि पिछले कुछ महीनों से यह एक साप्ताहिक रस्म बन गई है। बेशक, यह महँगा है, लेकिन व्यवस्था असंतोषजनक नहीं है, क्योंकि लौटाई गई हर चीज़ पर आधी कीमत वापस मिल जाती है। वह अपनी गिनीज पी जाता है।

कभी-कभी उसे अब भी थोड़ा-बहुत अपराधबोध होता है – हालाँकि पहले जितना नहीं। वह भली-भांति जानता है कि अश्लीलता के प्रति उसकी आसक्ति उसकी बची-खुची संवेदनशीलता को भी नष्ट कर रही है; उसकी यह लालसा उसके मन में किसी घातक रोग की तरह घर कर रही है, एक ऐसा मन जो अपनी तात्कालिक, विकृत संतुष्टि के लिए बढ़ती ही बेचैनी से तड़प रहा है। लेकिन वह इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता।

बुधवार, 6 अक्टूबर को दोपहर ठीक 2.00 बजे, श्री जॉन सैंडर्स फॉर्मिका की दुकान में वापस आ गए हैं, और एक बार फिर स्लाइडिंग दरवाजों के पीछे घूमती हुई आरी की दर्द भरी कराह सुनाई दे रही है।

स्कूल के दौरान बुधवार की शाम को क्रॉथर परिवार आमतौर पर शाम 7:00 बजे से 9:00 बजे तक सुनसान रहता था। श्रीमती मार्गरिट क्रॉथर, डब्ल्यूईए की शास्त्रीय सभ्यता पर आधारित एक शाम की कक्षा में कुछ उत्साही मध्यम आयु वर्ग के संस्कृति प्रेमियों के एक छोटे समूह में शामिल होती थीं; हर हफ्ते उनके बच्चे, जेम्स और कैरोलिन, पास के सामुदायिक केंद्र में बुधवार को होने वाली डिस्को पार्टी में अपनी अत्यधिक मांग वाली सदस्यता को और बढ़ा देते थे; श्री बर्नार्ड क्रॉथर को पॉप संगीत और पेरिकल्स दोनों ही नापसंद थे।

बुधवार, 6 अक्टूबर की रात को मार्गरिट अपने नियमित समय शाम 6:30 बजे घर से निकलीं। उनकी कक्षाएं हेडिंगटन हिल स्थित उच्च शिक्षा संस्थान में लगभग तीन मील दूर थीं, और वह अपनी चमचमाती मिनी 1000 के लिए एक सुरक्षित और केंद्रीय पार्किंग स्थल ढूंढने के लिए उत्सुक थीं, जिसे बर्नार्ड ने पिछले अगस्त में उनके लिए खरीदा था। झिझकते हुए उन्होंने गैरेज से गाड़ी निकाली (बर्नार्ड अपनी 1100 को सर्दियों की ठंड में

ड्राइववे में छोड़ने के लिए सहमत हो गए थे) और शांत सड़क पर मुड़ गईं। हालांकि उन्हें अभी भी अपनी ड्राइविंग क्षमताओं, खासकर अंधेरे में, को लेकर घबराहट थी, फिर भी उन्हें यह छोटी सी ड्राइव बहुत अच्छी लगी। इसमें एक अलग ही आज़ादी और स्वतंत्रता थी - यह उनकी कार थी, वह जहां चाहें जा सकती थीं। बाईपास पर उन्होंने हमेशा की तरह गहरी सांस ली और बहुत ध्यान केंद्रित किया। एक के बाद एक कारें बाहरी लेन से उनके पास से सरसराती हुई गुज़र रही थीं, और उन्होंने अपने दाहिने पैर को एक्सीलरेटर से हटाकर ब्रेक पैडल पर रखने की सहज प्रतिक्रिया को रोकने की कोशिश की। उसे सामने से आ रही सभी कारों की हेडलाइट्स और उनके ड्राइवरों का पूरा ध्यान था, उसे पूरा यकीन था, वह आत्मविश्वास से भरी हुई थी। उसने अपनी सेफ्टी बेल्ट को ठीक किया और डैशबोर्ड पर नज़र डाली ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसकी डिम लाइट्स बंद हैं। वैसे भी वह उन्हें कभी पूरी तरह से चालू नहीं रखती थी, क्योंकि उसे डर था कि डिम लाइट्स बंद करने की अचानक घबराहट में वह स्विच को गलत दिशा में दबा देगी और लाइट्स पूरी तरह से बंद हो जाएंगी। हेडिंगटन राउंडअबाउट पर उसने कुशलतापूर्वक लेन पार की और बिना किसी घटना के अपनी बाकी की यात्रा पूरी की।
जब उसने पहली बार आत्महत्या करने के बारे में सोचा था, तब कार में आत्महत्या करना एक बहुत ही वास्तविक संभावना लग रही थी। लेकिन अब वह जानती थी कि वह ऐसा कभी नहीं कर सकती। गाड़ी चलाने से उसकी सुरक्षा और आत्मरक्षा की सारी सहज प्रवृत्ति जागृत हो जाती थी। और वैसे भी, वह अपनी प्यारी नई मिनी कार को तोड़-फोड़ नहीं सकती थी। और भी तरीके थे...
उसने सावधानीपूर्वक गाड़ी पार्क की, कई बार अंदर-बाहर होकर तब तक गाड़ी में बैठी रही जब तक उसे पूरी तरह से यकीन नहीं हो गया कि गाड़ी सुरक्षित रूप से खड़ी है और पड़ोसियों से बराबर दूरी पर है। फिर वह शहर के परिपक्व छात्रों की जरूरतों को पूरा करने वाली चार मंजिला, कांच के अग्रभाग वाली विशाल इमारत में दाखिल हुई। उसने अपनी सहपाठी श्रीमती पामर को कमरा C26 की ओर सीढ़ियों से ऊपर जाते देखा।
'हैलो, श्रीमती क्रॉथर! पिछले हफ्ते हम सभी ने आपको बहुत याद किया। क्या आपकी तबीयत खराब थी?'
'उन दोनों में क्या खराबी है?' जेम्स ने पूछा।

मार्गरिट के जाने के पंद्रह मिनट बाद, बर्नार्ड क्रॉथर लोंसडेल कॉलेज के लिए बस में सवार हो गए, जहाँ वे सप्ताह में एक या दो रात भोजन करते थे। बच्चे अकेले थे।
'यह कोई असामान्य बात नहीं है, है ना?' कैरोलिन ने कहा।
वे आपस में मुश्किल से ही बात करते हैं।
मुझे लगता है कि सभी विवाहित लोग ऐसे ही हो जाते हैं।
पहले ऐसा नहीं होता था।
'तुम ज्यादा मदद नहीं करते।'
'और न ही आप।'
'तुम्हारा मतलब क्या है?'
'अरे – चुप रहो!'
'तुम दुख हो।'
'दफा हो जाओ!'
इन दिनों उनकी बातचीत बहुत कम ही लंबी चलती थी। कुछ मामूली बदलावों के साथ और माता-पिता की मौजूदगी में, मध्यमवर्गीय नैतिकता के कुछ नियमों का पालन करते हुए, उनके माता-पिता ने इसे कई बार सुना था। इससे मार्गरिट बहुत चिंतित होती थी और बर्नार्ड क्रोधित हो जाता था, और दोनों मन ही मन सोचते थे कि क्या सभी बच्चे उनके बच्चों की तरह ही दुष्ट, चिड़चिड़े और असहयोगी होते हैं। ऐसा नहीं था कि इस बुधवार शाम को जेम्स और कैरोलीन दोनों के मन में सबसे ऊपर थे।
अपने कॉलेज के वरिष्ठ फेलो होने के नाते, बर्नार्ड को स्वाभाविक रूप से पूर्व उप-प्रधानाचार्य के स्मृति समारोह में आमंत्रित किया गया था, जो पिछली गर्मियों में सेवानिवृत्त हुए थे। रात्रिभोज शाम 7.30 बजे शुरू होना था, और बर्नार्ड पीटर के कमरे में आधा घंटा पहले ही पहुँच गए। उन्होंने अपने लिए जिन और वर्माउथ का गिलास डाला और एक पुरानी कुर्सी पर आराम से बैठ गए। उन्हें लगा कि उन्हें फेलिक्स टॉमसेट पसंद हैं - वह बूढ़ा आदमी! निश्चित रूप से वह बहुत ज्यादा खाते-पीते थे और अगर अफवाहों पर विश्वास किया जाए (क्यों नहीं?), तो उन्होंने और भी बहुत कुछ हद से ज्यादा किया होगा। लेकिन वह एक अच्छे 'कॉलेज के आदमी' थे; उन्हीं की सलाह पर कॉलेज ने साठ के दशक की शुरुआत में बहुत सारी संपत्ति खरीदी थी और ब्याज दरों और निवेश ऋणों के बारे में उनकी समझ मशहूर थी। अजीब बात है, बर्नार्ड ने सोचा। उन्होंने अपना जिन

खत्म किया और गाउन पहन लिया। सीनियर कॉमन रूम में भोजन से पहले शेरी परोसी जाएगी, और दोनों दोस्त वहाँ चले गए।
‘अरे बर्नार्ड! कैसे हो, दोस्त?’ फेलिक्स की मुस्कान में अपने पुराने सहकर्मी का हार्दिक स्वागत झलक रहा था। ‘शिकायत करने का कोई कारण नहीं,’ बर्नार्ड ने बेरुखी से जवाब दिया।
और आपकी प्यारी पत्नी कैसी हैं?
बर्नार्ड ने शेरी की एक बोतल उठाई। 'ओह, बढ़िया, बढ़िया।'
‘सुंदर महिला।’ फेलिक्स मन ही मन सोचने लगा। उसने स्पष्ट रूप से अपनी वर्षगांठ को बड़े उत्साह से मनाना शुरू कर दिया था, लेकिन बर्नार्ड उसकी बराबरी नहीं कर सका। उसके चारों ओर चल रही बातचीत में उसे मार्गरिट की याद आ गई... तभी वह अचानक ध्यान देने लगा और मिनस्टर बार के जेंट्स टॉयलेट की दीवार पर हाल ही में मिले एक शिलालेख को देखकर फेलिक्स की हंसी पर जोर से हंस पड़ा।
‘बहुत बढ़िया, है ना?’ फेलिक्स खिलखिलाकर हँसा।
सभी लोग बगल वाले कमरे में चले गए और शाम के भोजन के लिए बैठ गए। बर्नार्ड को हमेशा लगता था कि उनके पास खाने के लिए बहुत कुछ है, और आज रात तो सचमुच बहुत ज़्यादा था। अंगूर के कॉकटेल, कछुए के सूप, स्मोक्ड सैल्मन, टूर्नेडोस रॉसिनी, गेटो, पनीर और फलों को जैसे-जैसे वह मुश्किल से खा रहा था, उसे दुनिया के उन लाखों लोगों की याद आ रही थी जिन्होंने हफ्तों या महीनों तक भरपेट खाना नहीं खाया था, और उसके मन में एशिया और अफ्रीका के अकाल पीड़ितों की दिल दहला देने वाली तस्वीरें उभर आईं...
'आज रात तुम शांत हो,' पादरी ने बर्नार्ड को क्लारेट देते हुए कहा।
‘माफ़ कीजिए,’ बर्नार्ड ने कहा। ‘यह सब खाने-पीने की वजह से ही होगा।’
“मेरे बेटे, तुम्हें ईश्वर द्वारा हम पर बरसाए गए उपहारों को स्वीकार करना सीखना चाहिए। तुम्हें पता है, जैसे-जैसे मैं बूढ़ा होता जा रहा हूँ, मुझे जीवन में दो चीजों की अधिक सराहना करने की आदत पड़ गई है - प्राकृतिक सुंदरता और पेट भरने वाले सुख।’
वह पीछे झुक गया और आधा गिलास पुरानी वाइन अपने विशाल पेट की ओर उड़ेल दी। बर्नार्ड जानता था कि कुछ पुरुष स्वाभाविक रूप से मोटे होते हैं - शायद चयापचय दर के कारण। लेकिन बेल्सन में कोई मोटा आदमी नहीं था...

लेकिन भले ही पादरी साहब कुछ और बातें बताने वाले थे, लेकिन महारानी के सम्मान में दिए गए टोस्ट और प्रिंसिपल के खड़े होकर फेलिक्स टॉमसेट की प्रशंसा शुरू करने से पहले ही उनकी खाँसी रुक गई। ये सब बातें सब पहले भी सुन चुके थे। घिसे-पिटे, पवित्र वाक्यों में कुछ ज़रूरी बदलाव – लेकिन मूल रूप से वही पुरानी बातें। फेलिक्स कॉलेज जीवन के कई पहलुओं में खालीपन छोड़ जाएँगे; इन खालीपनों को भरना मुश्किल होगा... बर्नार्ड ने मार्गरिट के बारे में सोचा। क्यों न इन खालीपनों को ऐसे ही छोड़ दिया जाए... अपनी पीढ़ी के अग्रणी विद्वानों में से एक... बर्नार्ड ने अपनी घड़ी देखी। रात के 9:15 बज रहे थे। वह अभी नहीं जा सकते थे। किस्से और हँसी... बर्नार्ड को पूरा यकीन था कि उन सबको दो साल पहले उस घटना की याद आ जाएगी जब एक नाराज़ छात्र ने फेलिक्स के कालीन पर पेशाब कर दिया था... फिर से अकादमिक बातों पर आते हैं। ऊपरी तौर पर। बनावटी... एलिज़ाबेथ युग के गीतकारों पर उनका काम... अरे, उस बूढ़े कमीने ने तो अपना ज़्यादातर समय ऑक्सफ़ोर्डशायर के ऐतिहासिक सराय स्थलों पर प्रत्यक्ष शोध करने में ही बिताया था। या फिर महिलाओं के साथ... पहली बार बर्नार्ड को लगा कि क्या फेलिक्स ने मार्गरिट से कोई संबंध बनाने की कोशिश की थी। बेहतर होगा कि उसने ऐसा न किया हो...

फेलिक्स ने अच्छी तरह से बात की। थोड़ा नशे में, मिलनसार, सभ्य... सचमुच बहुत प्रभावशाली। चलो! रात 9.45 बजे। प्रस्तुति हुई और रात 10.00 बजे तक सभी लोग चले गए। बर्नार्ड कॉलेज से भागा और ब्रॉड से होते हुए सेंट जाइल्स की ओर दौड़ा, जहाँ उसे तुरंत एक टैक्सी मिल गई। लेकिन टैक्सी रुकने से पहले ही उसने अंधेरे घर के बाहर कुछ हलचल देखी। उसका दिल घबराहट और निराशा से ज़ोर से धड़कने लगा। जेम्स और कैरोलीन सामने के दरवाजे के पास खड़े थे।

‘हो सकता है कि आपने ऐसा किया हो...’ कैरोलिन ने कहना शुरू किया।

बर्नार्ड ने मुश्किल से ही सुना। 'तुम्हारी माँ कहाँ है?' उसकी आवाज़ कठोर और चिंताजनक थी।

'पता नहीं। हमें लगा कि वह आपके साथ ही होगी।'

‘तुम लोग कब से इंतजार कर रहे हो?’ उसने एक ऐसे संक्षिप्त और अधिकारपूर्ण लहजे में कहा, जिसे बच्चों ने शायद ही कभी सुना हो।

लगभग आधा घंटा। माँ पहले भी यहाँ आ चुकी हैं...

बर्नार्ड ने सामने का दरवाजा खोला। 'हेडिंगटन में टेक्नीशियन को फोन करो। पूछो कि क्या उनका काम खत्म हो गया है।'
'तुम करो, कैरोलाइन।'
बर्नार्ड ने अपने दाहिने हाथ से जेम्स के चेहरे पर बेरहमी से प्रहार किया। 'करो!' वह फुफकारा।
वह द्वार तक गया। कोई नहीं था। उसने किसी भी गाड़ी की आवाज़ सुनने की प्रार्थना की। गाड़ी! जैसे ही वह गैरेज की ओर दौड़ा, उसके माथे पर पसीना आ गया। दरवाजा बंद था। उसने चाबी ढूंढी। उसका हाथ बुरी तरह कांप रहा था। उसने दरवाजा खोला।
'तुम आखिर कर क्या रहे हो?'
बर्नार्ड चौंक उठा, और मन ही मन उन सभी देवताओं को धन्यवाद दिया जो थे, हैं और होंगे। 'तुम कहाँ थे?' पल भर में उसका भयानक, पीड़ादायक भय क्रोध में बदल गया - राहत भरा, प्रचंड, सुंदर क्रोध।
दरअसल, मेरी मिनी कार का स्टार्टर-मोटर खराब हो गया है। मुझे इसे ठीक करने वाला कोई नहीं मिला और अंत में मुझे बस पकड़नी पड़ी।
'तुम मुझे बता सकते थे।'
'ओह जी हाँ, बिल्कुल। आप चाहती हैं कि मैं सभी गैरेज में फोन करूँ, फिर आपको, और फिर शायद बच्चों को।' मार्गरिट खुद बहुत गुस्से में आ रही थी। 'इतना हंगामा क्यों? सिर्फ इसलिए कि मैं देर से आई हूँ!'
बच्चे बहुत लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं।
'तो क्या हुआ!' मार्गरिट गुस्से में घर में घुस गई, और बर्नार्ड ने अंदर से तेज़ आवाज़ें सुनीं। उसने सामने का गेट और फिर गैराज बंद कर दिया। उसने सामने का दरवाज़ा ताला लगाकर कुंडी लगा दी। उसे खुशी महसूस हुई, कई दिनों और घंटों से ज़्यादा खुशी।

अध्याय बारह

बुधवार, गुरुवार; 6, 7 अक्टूबर

मोर्स को खुद नहीं पता था कि सात महीने के वादों और टालमटोल के बाद आखिर किस बात ने उन्हें रसोई के दरवाजे के ऊपर उस टूटे-फूटे छेद को भरने के लिए मना लिया था, जहाँ इलेक्ट्रीशियन ने नए पावर-पॉइंट के लिए तार बिछाए थे। वैसे भी, सब कुछ शुरू से ही गड़बड़ था। लगभग दो साल पहले खरीदा गया पॉलीफिला पाउडर पैकेट के अंदर ही जम कर अर्ध-कंक्रीट के ठोस ब्लॉक में बदल गया था; अंडे फोड़ने और दरारें भरने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला उनका चम्मच कहीं गायब हो गया था; और घर की पुरानी सीढ़ियाँ कभी भी अपने खस्ताहाल खंभों पर ठीक से खड़ी नहीं हो पाती थीं। शायद उन्होंने श्री एडवर्ड डी बोनो और उनकी अनोखी सोच की तरकीब से प्रेरणा ली हो। लेकिन उस बदहाल छेद को भरवाने की अचानक इच्छा के पीछे जो भी मकसद रहा हो, मोर्स सीढ़ियों के ऊपर से ऐसे कूद पड़े जैसे कोई पैराशूटिस्ट बिना किसी सहारे के नीचे आ रहा हो, जब खंभों को 30 डिग्री के कोण पर बांधने वाली रस्सी अचानक टूट गई और पूरा ढाँचा उनके नीचे एक सीधी रेखा में गिर पड़ा। हेफेस्टस की तरह, जो क्रिस्टल की दीवारों से नीचे गिर गया था, वह अपने दाहिने पैर पर ज़ोरदार झटके के साथ गिरा, दो-तीन मिनट तक मतली महसूस करता रहा, माथे पर आए ठंडे पसीने को पोंछता रहा, और अंत में लंगड़ाते हुए सामने वाले कमरे में पहुँचा और सोफे पर ज़ोर-ज़ोर से साँस लेते हुए लेट गया। थोड़ी देर बाद पैर थोड़ा ठीक हुआ और उसे कुछ राहत मिली; लेकिन आधे घंटे बाद सूजन शुरू हो गई और उसके पैर के ऊपरी हिस्से में रुक-रुक कर तेज़ दर्द होने लगा। उसने सोचा कि क्या वह गाड़ी चला सकता है, लेकिन जानता था कि कोशिश करना मूर्खता होगी। मंगलवार, 5 अक्टूबर की रात 8:30 बज रहे थे। अब एक ही रास्ता बचा था। वह लंगड़ाते और कूदते हुए टेलीफोन तक पहुँचा और लुईस को फोन किया, और आधे घंटे के भीतर वह रेडक्लिफ अस्पताल के दुर्घटना कक्ष में उदास बैठा एक्स-रे के परिणाम का इंतजार कर रहा था। मोर्स के बगल वाली बेंच पर बैठा एक छोटा लड़का दर्द से कराहते हुए अपना बायां हाथ मरोड़ रहा था (कार का दरवाजा), और सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हुए दो लोगों को प्राथमिकता के आधार पर इलाज के लिए व्हीलचेयर पर लाया गया। मोर्स को थोड़ी राहत मिली।

अंततः उनका परीक्षण एक लगभग अस्पष्ट चीनी डॉक्टर ने किया, जिसने उनके एक्स-रे चित्रों को इस तरह प्रकाश में दिखाया जैसे कोई ऊबा हुआ मेहमान अपने मेज़बान की छुट्टियों की तस्वीरों पर सरसरी नज़र डाल रहा हो। 'कोई हड्डी नहीं टूटी। क्रीप की पट्टियाँ नहीं टूटीं।' अब उन्हें जिस सक्षम नर्स के हवाले किया गया, उससे मोर्स को पता

चला कि कोई हड्डी नहीं टूटी है और उपचार के रूप में क्रेप की पट्टी और अस्पताल की बैसाखियों की सलाह दी गई है।
लुईस की ओर हिचकिचाते हुए बढ़ते हुए उन्होंने नर्स और डॉक्टर को धन्यवाद दिया। तभी डॉक्टर ने पीछे से चिल्लाकर कहा, 'आप! आप, मिस्टर मोर्स। दो दिन काम नहीं। आप आराम कीजिए। ठीक है?'
'मुझे लगता है मैं ठीक हो जाऊंगा, धन्यवाद,' मोर्स ने कहा।
'आप, श्री मोर्स। आप बेहतर हैं, है ना? कोई काम नहीं। दो दिन। आराम। ठीक है?'
'ठीक है।' हे भगवान!
मंगलवार की रात मोर्स मुश्किल से सो पाए; उनके पैर की दोनों उंगलियों में असहनीय दर्द हो रहा था। उन्होंने एक के बाद एक कई डिसप्रिन की गोलियां खाईं और आखिरकार भोर होते-होते अत्यधिक थकान के कारण सो गए। बुधवार की लंबी पीड़ा के दौरान लुईस ने कई बार फोन किया और रात करीब 9 बजे इंस्पेक्टर को गहरी नींद में सोते हुए देखा।
अगली सुबह जब लुईस ने मोर्स का अभिवादन किया, तो मोर्स बेहतर महसूस कर रहा था; और बेहतर महसूस करने के कारण, उसका मन फिर से सिल्विया केय की हत्या की ओर चला गया, और चूंकि अब उसका मन पूरी तरह से अपने दाहिने पैर की तकलीफों में उलझा नहीं था, इसलिए वह गहरे अवसाद में डूब गया। उसे ऐसा लग रहा था जैसे कोई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का प्रतियोगी हो जिसने लगभग कुछ सवालों के सही जवाब दे दिए हों, कुछ जवाब उसकी जुबान पर हों, लेकिन अंत में उसे कुछ भी याद न हो। हर कोई फिर से शुरुआत करना चाहता है...
वह इन परेशान करने वाले विचारों में डूबा हुआ लेटा था। लुईस इधर-उधर भाग रहा था। बेचारा लुईस। उसने सोचा, थाने में सब उसका खूब मज़ाक उड़ा रहे होंगे। सीढ़ी से गिरना कितना शर्मनाक है! खैर, वह सीढ़ी से गिरा नहीं था। वह तो सीढ़ी के आर-पार गिर गया था।
'लुईस! मुझे लगता है तुमने सबको सब कुछ बता दिया?'
'जी श्रीमान।'
'कुंआ?'
'उन्हें लगता है कि तुम झूठ बोल रहे हो। उन्हें लगता है कि तुम्हें सच में गठिया हो गया है। मतलब – तुमने बहुत ज्यादा पोर्ट वाइन पी ली है।'

मोर्स कराह उठा। वह कल्पना कर सकता था कि वह लंगड़ाते हुए इधर-उधर घूम रहा है और हर दूसरा व्यक्ति उसे रोककर आपदा के बारे में पूछताछ कर रहा है। वह सब कुछ लिख लेगा, उसकी फोटोकॉपी करवाएगा और स्टेशन पर साहित्य वितरित करेगा।
‘क्या अभी भी दर्द हो रहा है, महोदय?’
'बेशक, ऐसा ही है। तुम्हारे पैर की उंगलियों में लाखों तंत्रिकाएं फैली हुई हैं। तुम्हें पता है ना?'
'मेरे एक चाचा थे, महोदय, जिनके पैर की उंगलियों पर बीयर का बैरल चढ़ गया था।'
‘चुप रहो,’ मोर्स दर्द से कराह उठा। किसी भी चीज़ का, यहाँ तक कि बीयर के बैरल का भी, उसके घायल पैर से तीन फीट की दूरी पर होना उसके लिए असहनीय था। लेकिन बीयर का बैरल! मोर्स की हालत सुधर रही थी।
‘क्या पब खुल गए हैं?’
‘क्या आप एक पेय लेना चाहेंगे, महोदय?’ लुईस खुद से खुश लग रहा था।
मुझे एक जार मिल जाए तो कोई आपत्ति नहीं होगी।
दरअसल, मैं कल रात कुछ कैन लेकर आया था, महोदय।
'कुंआ?'
लुईस को कुछ गिलास मिले, और उसने 'पैर' से काफी दूरी पर एक कुर्सी रखकर बीयर उड़ेल दी।
‘कुछ नया नहीं?’ मोर्स ने पूछा।
'अभी तक नहीं।'
‘हम्म।’
दोनों आदमी चुपचाप पीते रहे। कुछ जवाब लगभग सही थे... कुछ ज़बान पर अटके हुए थे... मोर्स ने सोचा, अगर वह सही था, या लगभग सही था, तो क्या होता? काश वह फिर से शुरुआत कर पाता... अचानक वह उठ बैठा, अपनी असमर्थता भूल गया, 'ओह, मेरा पैर!' चिल्लाया और तकियों के अपने आशियाने में वापस लेट गया। वह फिर से शुरुआत कर सकता था, है ना? 'लुईस, मुझे तुमसे एक-दो काम करवाने हैं। मेरे लिए कुछ लिखने का कागज़ ले आओ - वह नीचे लिखने की मेज पर है; और दोपहर के भोजन के लिए कुछ फिश एंड चिप्स?'
लुईस ने सिर हिलाया। जैसे ही वह लिखने का कागज़ लेने गया, मोर्स ने उसे बीच में ही रोक दिया।

‘तीन काम करो। उनमें से कुछ डिब्बे खोल दो।’
कई दिनों से मोर्स के मन में एक विचार घूम रहा था, जो फिसलन भरे बाथटब में साबुन की टिकिया की तरह पकड़ में नहीं आ रहा था। शुरुआत में विचार था, फिर विचार शब्द बन गया और मोर्स ने ध्यान से शब्दों को खोलकर संदेश पढ़ा। Im Anfang war die Hypothese. (शुरुआत में परिकल्पना थी)। लेकिन किसी भी परिकल्पना को गढ़ने से पहले, चाहे वह कितनी भी मामूली क्यों न हो, मोर्स ने फैसला किया कि अच्छी तरह नहाने और दाढ़ी बनाने से वह शरीर, मन और आत्मा से तरोताजा महसूस करेगा। धीरे-धीरे और दर्द से वह बिस्तर से उठा, दीवारों के सहारे रेंगता हुआ बाथरूम के फर्श के आखिरी कुछ फीट पर कूदता हुआ पहुंचा। उसे अपना शौच पूरा करने में लगभग एक घंटा लग गया, लेकिन उसने खुद को एक नया इंसान महसूस किया। वह अपने अनियमित कदमों पर वापस लौटा और धीरे से अपना दाहिना पैर बिस्तर के नीचे रखे एक अतिरिक्त तकिए के पास आराम से रख दिया। वह थका हुआ था लेकिन अद्भुत रूप से तरोताजा महसूस कर रहा था। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और गहरी नींद में सो गया।
लुईस सोच रहा था कि क्या उसे जगाना चाहिए, लेकिन तले हुए घोल और सिरके की तीखी गंध ने उसे ऐसा करने की परेशानी से बचा लिया।
‘क्या समय हुआ है, लुईस? मैं सो रहा था।’
'सवा एक बज गया है, महोदय। क्या आप मछली और चिप्स प्लेट में लेना चाहेंगे? मैं और मेरी पत्नी हमेशा इन्हें कागज पर लपेटकर ही खाते हैं - पता नहीं क्यों, इससे स्वाद बेहतर लगता है।'
‘वे कहते हैं कि चिप्स पर अखबार की छपाई चिपक गई है,’ मोर्स ने अपने सार्जेंट से तेल से सना हुआ पैकेट लेते हुए और बड़े चाव से खाते हुए जवाब दिया। ‘जानते हो, लुईस, शायद हम इस मामले को गलत तरीके से सुलझा रहे हैं।’
‘क्या हमारे पास है, महोदय?’
‘हम हत्यारे को ढूंढने के लिए इस मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं, है ना?’
मुझे लगता है कि यही सामान्य धारणा है, है ना?
लेकिन शायद हमें दूसरे तरीके से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।
‘आपका मतलब है...’ लेकिन हालांकि मोर्स ने इंतजार किया, यह स्पष्ट था कि लुईस को बिल्कुल भी पता नहीं था कि उसका क्या मतलब था।

'मेरा मतलब है कि मामले को सुलझाने के लिए हमें हत्यारे को ढूंढना चाहिए।'
'मैं देख रहा हूँ,' लुईस ने बिना देखे कहा।
'मुझे खुशी है कि आप ऐसा करते हैं,' मोर्स ने कहा। 'यह बिल्कुल स्पष्ट है – और कृपया इन पर्दों को थोड़ा खोल दें?'
लुईस ने बात मान ली।
मोर्स ने आगे कहा, 'अगर मैं तुम्हें बता दूं कि हत्यारा कौन है और कहाँ रहता है, तो तुम जा सकते हो और उसे गिरफ्तार कर सकते हो, है ना?' लुईस ने अस्पष्ट रूप से सिर हिलाया और सोचने लगा कि कहीं उसका वरिष्ठ अधिकारी अपने कीमती दाहिने पैर पर गिरने से पहले रसोई के सिंक पर अपना सिर तो नहीं मार बैठा। 'तुम कर सकते हो, है ना? तुम उसे यहाँ मुझसे मिलवाने ला सकते हो, उसे मेरी गंभीर चोट से सुरक्षित दूरी पर रख सकते हो – और वह हमें सब कुछ बता सकता है, है ना? वह हमारा सारा काम कर सकता है, है ना?'
मोर्स लगातार बड़बड़ा रहा था, उसका मुंह फिश एंड चिप्स से भरा हुआ था, और लुईस को इंस्पेक्टर की मानसिक स्थिति पर संदेह होने लगा। सदमा एक अजीब चीज़ थी; उसने सड़क दुर्घटनाओं में इसे कई बार देखा था। कभी-कभी दो-तीन दिन बाद कुछ लोग पूरी तरह से पागल हो जाते थे। वे ठीक तो हो ही जाते थे... या मोर्स ने शराब पी रखी थी? बीयर तो नहीं। खुली हुई कैन अभी तक खाली नहीं हुई थीं। अचानक लुईस के कंधों पर एक भारी ज़िम्मेदारी आ गई। उसे हल्का पसीना आ रहा था। कमरा गर्म था, शरद ऋतु का सूरज बेडरूम की खिड़की के शीशे पर तेज़ चमक रहा था।
'क्या मैं आपके लिए कुछ ला सकता हूँ, महोदय?'
'हाँ। फलालैन, साबुन और तौलिया। हे भगवान, तुम्हारी पत्नी सही कह रही है, लुईस। मैं अब कभी भी इन्हें प्लेट में रखकर नहीं खाऊँगा।'
पंद्रह मिनट बाद, एक व्याकुल सार्जेंट मोर्स के फ्लैट के सामने वाले दरवाजे से बाहर निकला। वह थोड़ा चिंतित था और अगर वह उस समय बेडरूम में होता और मोर्स को खुद से बात करते हुए और कभी-कभी अपनी ही बातों से सहमत होते हुए सिर हिलाते हुए सुनता, तो उसकी चिंता और भी बढ़ जाती।
अब मेरी पहली परिकल्पना, देवियों और सज्जनों, और जैसा कि मैं देखता हूँ, सबसे महत्वपूर्ण परिकल्पना – मैं कई परिकल्पनाएँ करूँगा, जी हाँ, मैं कई परिकल्पनाएँ करूँगा – यह है कि हत्यारा उत्तरी ऑक्सफ़ोर्ड में रह रहा है। आप कहेंगे कि यह एक

साहसिक परिकल्पना है, और ऐसा ही है। हत्यारा डिडकोट या सिडकप या यहाँ तक कि साउथेम्प्टन में क्यों नहीं रह सकता? वह उत्तरी ऑक्सफ़ोर्ड में ही क्यों रह सकता है? घर के करीब आकर, सीधे ऑक्सफ़ोर्ड में ही क्यों नहीं? मैं बस इतना दोहरा सकता हूँ कि मैं एक परिकल्पना, यानी एक अनुमान, एक प्रस्ताव बना रहा हूँ, चाहे वह कितना भी बेतुका क्यों न हो, तर्क के लिए माना गया है; एक सिद्धांत जिसे तथ्यों के आधार पर सिद्ध (या असिद्ध – हाँ, हमें यह स्वीकार करना होगा) किया जाना है, और मैं अपनी परिकल्पना को तथ्यों से, न कि हवाई कल्पनाओं से, पुष्ट करने का प्रयास करूँगा। जैसा कि गोएथे ने कहा होगा, शुरुआत परिकल्पना से ही होती है। और कृपया यह न भूलें कि मैं जासूसों का मोर्स हूँ, जैसा कि डिकेंस ने कहा होगा। हाँ, एक जासूस। एक जासूस अपराध के प्रति संवेदनशील होता है – वह उसे महसूस करता है; उसे अपराध का पता लगाने से पहले उसे महसूस करना ही पड़ता है। कुछ संकेत नॉर्थ ऑक्सफ़ोर्ड की ओर इशारा करते हैं। हमें उन सभी की यहाँ समीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन माहौल नॉर्थ ऑक्सफ़ोर्ड जैसा ही है। और अगर मैं गलत हूँ, तो हमारी जाँच को कोई नुकसान नहीं होगा। हम एक परिकल्पना, यानी एक अनुमान, एक प्रस्ताव रख रहे हैं, चाहे वह कितना भी अजीब क्यों न हो... मैंने ये सब पहले भी कहा है। मैं कहाँ था? हाँ, याद आया। मैं चाहता हूँ कि आप मेरी पहली परिकल्पना को अस्थायी रूप से, संदेह के साथ, और ज़रूरत पड़ने पर निराशाजनक रूप से भी स्वीकार करें। हत्यारा नॉर्थ ऑक्सफ़ोर्ड का निवासी है। अब मैंने तथ्यों का उल्लेख किया है, और मैं आपको निराश नहीं करूँगा। मुझे लगता है कि अरस्तू ने जानवरों को उपविभाजित करके वर्गीकृत किया था, और उपविभाजन ही हमारी कार्यप्रणाली होगी। अरस्तू, वह महान व्यक्ति, ने प्रजातियों, उपप्रजातियों, वंशों (मोर्स उलझन में पड़ रहा था) वंशों, प्रजातियों, उपप्रजातियों और इसी तरह आगे बढ़ते हुए, प्रजाति के व्यक्तिगत नमूने तक पहुँचे। (यह बेहतर लग रहा था।) 'मैं भी विभाजन करूँगा। मान लीजिए, उत्तरी ऑक्सफ़ोर्ड में "x" लोग हैं। अब हम आगे यह परिकल्पना करते हैं कि हमारा हत्यारा पुरुष है। हम इस तथ्य के बारे में आश्वस्त क्यों हो सकते हैं? क्योंकि, देवियों और सज्जनों, मृत लड़की का बलात्कार हुआ था। यह एक तथ्य है, और हम मुकदमे में प्रतिष्ठित चिकित्सा कर्मियों के साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे...' मोर्स थोड़ा थक रहा था, और उसने एक और कैन बीयर पीकर खुद को तरोताज़ा किया। 'जैसा कि मैं कह रहा था, हमारा हत्यारा पुरुष है। इसलिए हम अपनी संख्या x को, मान लीजिए, चार से विभाजित कर सकते हैं - महिलाओं और बच्चों को

अपनी गणना से बाहर रखते हुए। अब क्या हम फिर से उपविभाजन कर सकते हैं, आप पूछेंगे? बिल्कुल, हम कर सकते हैं।' चलिए, अपने हत्यारे की उम्र का अनुमान लगाते हैं। मैं उसे – मैं थोड़ा संकोची हूँ, और आप मुझ पर उप-परिकल्पनाएँ गढ़ने का आरोप लगाएँगे – 35 से 50 के बीच मानता हूँ। हाँ, इसके कुछ कारण हैं...' लेकिन मोर्स ने उन्हें छोड़ दिया। शायद वे उतने ठोस नहीं थे, लेकिन उनके पास कारण थे, और वे अपनी परिकल्पना को मज़बूत बनाए रखना चाहते थे। 'तो हम अपनी संख्या x को दो से विभाजित कर सकते हैं। यह सबसे तर्कसंगत लगता है, है ना? चलिए आगे बढ़ते हैं। हम और क्या तर्कसंगत परिकल्पना कर सकते हैं? मेरा मानना है – उन कारणों से जो शायद आप सभी को पूरी तरह स्वीकार्य न हों – कि हमारा संदिग्ध एक विवाहित पुरुष है।' मोर्स का आत्मविश्वास लगातार कम होता जा रहा था। लेकिन आगे का रास्ता साफ़ होता जा रहा था; कोहरा छंट रहा था और सूरज की रोशनी में गायब हो रहा था, और उन्होंने अपनी पहले वाली तेज़ी से बात शुरू कर दी। 'अब इसका मतलब है कि x की घात में और कमी आएगी। हमारा x एक प्रबंधनीय इकाई बनता जा रहा है, है ना?' लेकिन अभी तक हमारे काल्पनिक कैमरे का फोकस हमारे भोले-भाले शिकार पर स्पष्ट रूप से नहीं टिका है। लेकिन रुकिए! हमारा आदमी नियमित रूप से शराब पीता है, है ना? यह निश्चित रूप से हमारे सबसे तर्कसंगत दावों में से एक है, और हमारी प्रक्रिया को न केवल काल्पनिक विश्वसनीयता प्रदान करता है, बल्कि अत्यधिक संभावना भी देता है। हमारा मामला ब्लैक प्रिंस पर केंद्रित है, और कोई कर निरीक्षक से सलाह लेने के लिए ब्लैक प्रिंस के पास नहीं जाता।' मोर्स फिर से मुरझा रहा था। उसके पैर में फिर से लयबद्ध दर्द होने लगा था, और उसका मन कुछ मिनटों के लिए कहीं और भटक गया। ज़रूर ये डिस्प्रिन की वजह से होगा। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और अपने दिमाग में चल रही कानूनी बहस को जारी रखा।

वह भी, निश्चित रूप से, कम से कम उच्च बुद्धि वाले 5% लोगों में तो होगा ही? जेनिफर किसी अज्ञानी मूर्ख के झांसे में तो नहीं आएगी, है ना? वह पत्र। चतुर व्यक्ति, अच्छी शिक्षा प्राप्त। अगर उसने लिखा है। अगर, अगर, अगर। आगे बढ़ो। हमारा x अब कहाँ है? आगे बढ़ो। वह महिलाओं को आकर्षित करता होगा। लेकिन कौन कह सकता है कि उन प्यारी प्राणियों को क्या आकर्षित करता है? लेकिन हाँ। हाँ कहो। उपविभाजित करो। कारें! हे भगवान, वह कारों के बारे में भूल ही गया था। हर किसी के पास कार नहीं होती। लगभग कितना अनुपात? कोई बात नहीं, उपविभाजित करो। बस एक मिनट -

लाल कार। उसे थोड़ा सा भ्रम होने लगा। बस एक पल और... यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण उपविभाजन होगा। x धीरे-धीरे दूर जा रहा था, और अब गायब हो गया था। दर्द कम हो गया था। आरामदायक... लगभग... आरामदायक...

लुईस के सामने का दरवाजा बिना किसी परेशानी के खोलने में असमर्थ होने के कारण शाम 4 बजे मोर्स की नींद खुल गई। जब लुईस ने घबराकर बेडरूम के दरवाजे से झाँका, तो उसने देखा कि मोर्स उतनी ही तेज़ी से कुछ लिख रहा था जितनी तेज़ी से कोलरिज ने तब लिखा होगा जब वह जागकर अपने मन में कुबला खान की पूरी कहानी को साकार रूप में पाकर उठा होगा।

‘बैठ जाओ, लुईस। तुम्हें देखकर खुशी हुई।’ वह दो-तीन मिनट तक तेज़ी से लिखते रहे। अंत में उन्होंने ऊपर देखा। ‘लुईस, मैं तुमसे कुछ सवाल पूछने जा रहा हूँ। ध्यान से सोचो – जल्दी मत करो! – और मुझे कुछ समझदारी भरे जवाब दो। मुझे पता है तुम्हें अनुमान लगाना पड़ेगा, लेकिन अपनी पूरी कोशिश करो।’

ओह, धिक्कार है! लुईस ने सोचा।

'नॉर्थ ऑक्सफोर्ड में कितने लोग रहते हैं?'

‘आप “नॉर्थ ऑक्सफोर्ड” को क्या कहते हैं, महोदय?’

मैं सवाल पूछ रहा हूँ, आप जवाब दे रहे हैं। बस सामान्य तौर पर सोचिए कि आपके अनुसार उत्तरी ऑक्सफोर्ड क्या है; मान लीजिए समरटाउन और उसके ऊपर का इलाका। अब बताइए!

‘मैं पता लगा सकता हूँ, महोदय।’

'अंदाजा लगा लो यार, क्या तुम नहीं लगा सकते?'

लुईस असहज महसूस कर रहा था। कम से कम वह देख सकता था कि बीयर के केवल तीन डिब्बे खाली थे। उसने हिम्मत करके जवाब देने का फैसला किया। 'दस हज़ार।' उसने यह बात उसी आत्मविश्वास और दृढ़ता से कही जैसे किसी को दो और दो का योग बताने को कहा गया हो।

मोर्स ने कागज की एक और शीट ली और उस पर 10,000 लिखा। 'इनमें से कितने पुरुष हैं?'

लुईस एक सांख्यिकी सलाहकार के आत्मविश्वास के साथ पीछे झुककर छत की ओर देखने लगा। 'लगभग एक चौथाई।'

मोर्स ने अपनी दूसरी प्रविष्टि पहली प्रविष्टि के ठीक नीचे बड़े करीने और सावधानीपूर्वक लिखी: 2,500। 'इनमें से कितने लोग 35 से 50 वर्ष की आयु के बीच हैं?'
लुईस ने सोचा, उत्तरी ऑक्सफोर्ड में काफी सारे सेवानिवृत्त लोग हैं, और एस्टेट्स में काफी सारे युवा पुरुष हैं। 'लगभग आधे, इससे ज्यादा नहीं।'
तीसरा आंकड़ा दर्ज किया गया: 1,250। 'आप क्या अनुमान लगाएंगे कि इनमें से कितने विवाहित हैं?'
लुईस ने सोचा। उनमें से अधिकतर, निश्चित रूप से? 'पांच में से चार, महोदय।'
मोर्स ने अपनी नवीनतम गणना के आंकड़े बड़ी सटीकता से तैयार किए: 1,000।
'उनमें से कितने लोग नियमित रूप से शराब पीने के लिए बाहर जाते हैं - आप समझ रहे हैं ना मेरा मतलब - पब, क्लब, इस तरह की जगहों पर?'
लुईस ने अपनी गली के बारे में सोचा। उतनी नहीं जितनी कुछ लोग सोचते थे। उसके दोनों ओर के पड़ोसियों को तो पता ही नहीं था - मतलब कुछ भी नहीं! उसने पूरी गली के बारे में सोचा। यह थोड़ा पेचीदा था। 'लगभग आधी।'
मोर्स ने अपनी बात पर फिर से गौर किया और अगला सवाल पूछा। 'लुईस, तुम्हें वह चिट्ठी याद है जो हमें मिली थी? वही चिट्ठी जिसके बारे में जेनिफर कोल्बी ने कहा था कि उसे कुछ पता नहीं था?' लुईस ने सिर हिलाया। 'अगर हम जो सोच रहे थे, या मैं जो सोच रहा था, वो सही थी, तो क्या तुम कहोगे कि हम एक बेहद बुद्धिमान व्यक्ति से निपट रहे थे?'
'यह तो एक बहुत बड़ी शर्त है, है ना महोदय?'
'देखो, लुईस। वो चिट्ठी हमारे आदमी ने लिखी थी – ये बात अपने दिमाग में बिठा लो। उससे यही सबसे बड़ी गलती हुई थी। यही हमारे पास सबसे अहम सुराग है। आखिर हमें पैसे किसलिए मिलते हैं? हमें सुरागों का पीछा करना ही होगा, है ना?' मोर्स को ज्यादा यकीन नहीं हुआ, लेकिन लुईस ने उसे भरोसा दिलाया कि उन्हें सुरागों का पीछा करना ही होगा। 'तो?'
'तो क्या हुआ, महोदय?'
क्या वह एक बुद्धिमान व्यक्ति था?
'बिल्कुल, मुझे तो यही लगता है।'
क्या आप उस तरह का पत्र लिखने के बारे में सोचेंगे?
'मैं? नहीं, महोदय।'

‘और आप काफी होशियार हैं, है ना सार्जेंट?’
लुईस ने अपने कंधे सीधे किए, गहरी सांस ली और अपनी बौद्धिक क्षमता को कम न आंकने का फैसला किया। 'मैं कहूंगा कि मैं शीर्ष 15% में था, महोदय।'
'शाबाश! और हमारा अनजान दोस्त? आपको याद होगा कि वह न केवल सभी मुश्किल शब्दों की सही स्पेलिंग जानता है, बल्कि उन्हें गलत तरीके से लिखना भी जानता है!'
'शीर्ष 5%, महोदय।'
मोर्स ने गणना लिख ली।
‘मध्यम आयु वर्ग के कितने पुरुष महिलाओं को आकर्षित करते हैं?’ बेतुका सवाल! मोर्स ने लुईस के चेहरे पर उपहास देखा। ‘तुम समझ रहे हो ना मेरा मतलब। कुछ पुरुष तो महिलाओं को बिलकुल भी पसंद नहीं आते!’ लुईस को यकीन नहीं हुआ। ‘मैं इन अधेड़ उम्र के रोमियो के बारे में सब जानता हूँ। हम सब अधेड़ उम्र के रोमियो हैं। लेकिन कुछ पुरुष महिलाओं को दूसरों से ज़्यादा आकर्षक लगते हैं, है ना?’
'मुझे पसंद करने वाली लड़कियां ज्यादा नहीं होतीं, सर।'
मैं आपसे यह नहीं पूछ रहा हूँ। भगवान के लिए, कुछ बोलिए!
लुईस ने फिर से छलांग लगाई। 'आधा? नहीं, उससे भी ज्यादा। पांच में से तीन।'
‘क्या आप वाकई यही कहना चाहते हैं?’
बेशक, उसे यकीन नहीं था। 'हाँ।'
एक और आंकड़ा। 'इस आयु वर्ग के कितने पुरुषों के पास कारें हैं?'
‘तीन में से दो।’ भला इससे क्या फर्क पड़ता है?
मोर्स ने अपना अंतिम से पहले वाला आंकड़ा लिख लिया। 'एक और सवाल। कितने लोगों के पास लाल रंग की कारें हैं?'
लुईस खिड़की के पास गया और आती-जाती गाड़ियों को देखने लगा। उसने गिनती की। दो काली, एक बेज, एक गहरा नीला, दो सफेद, एक हरा, एक पीला, एक काला। 'दस में से एक, महोदय।'
पिछले कुछ मिनटों से मोर्स के हावभाव में उत्साह बढ़ता जा रहा था। 'वाह! किसने सोचा होगा? लुईस, तुम तो जीनियस हो!'
लुईस ने तारीफ के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और पूछा कि उनकी प्रतिभा किसमें निहित है। 'मुझे लगता है, लुईस, कि हम एक ऐसे पुरुष की तलाश कर रहे हैं, जो उत्तरी ऑक्सफोर्ड में रहता हो, विवाहित हो - संभवतः उसका परिवार भी हो; वह नियमित रूप

से शराब पीने बाहर जाता हो, कभी-कभी वुडस्टॉक भी जाता हो; वह सुशिक्षित हो, शायद विश्वविद्यालय से भी पढ़ा हो; मेरी समझ से उसकी उम्र लगभग 35 से 45 वर्ष के बीच हो, उसमें एक खास तरह का आकर्षण हो - निश्चित रूप से, मुझे लगता है कि कुछ युवतियां उस पर मोहित हो सकती हैं; और अंत में, वह कार चलाता हो - सटीक रूप से कहें तो एक लाल कार।'

'मुझे लगता है कि वह किसी से कम नहीं होगा।'

‘खैर, भले ही हम कहीं-कहीं थोड़े गलत हों, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि वह इनमें से अधिकांश श्रेणियों में फिट बैठेगा। और, लुईस, क्या तुम जानते हो, मुझे नहीं लगता कि इस श्रेणी में बहुत से लोग आते हैं। यहाँ देखो।’ उसने आंकड़ों वाला कागज़ का पन्ना लुईस को थमा दिया।

नॉर्थ ऑक्सफोर्ड	10,000
पुरुष?	2,500
35–50?	1,250
विवाहित?	1,000
रिंकर?	500
शीर्ष 5%?	25
आकर्षण?	15
कार?	10
लाल रंग की कार?	1

इन गणनाओं के असाधारण परिणाम के लिए लुईस को अपराधबोध और ज़िम्मेदारी का एहसास हो रहा था। दोपहर की ढलती रोशनी में वह खिड़की के पास खड़ा था और उसने एक के बाद एक दो लाल कारों को जाते देखा। उत्तरी ऑक्सफ़ोर्ड में वास्तव में कितने लोग रहते थे? क्या वह सचमुच शीर्ष 15% में था? 25% संभावना अधिक थी।

'मुझे यकीन है, महोदय, हम इनमें से कई आंकड़ों की जाँच कर सकते हैं।' लुईस ने

अपने संदेह को व्यक्त करने के लिए विवश महसूस किया। 'मुझे नहीं लगता कि आप इस तरह आंकड़ों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं। आपको...' उसे धुंधला सा याद था कि आंकड़ों पर कुछ सांख्यिकीय नियम लागू करने की आवश्यकता थी; श्रेणियों को तार्किक क्रम में व्यवस्थित और कम करना था; उसे ठीक से याद नहीं था। लेकिन यह सब एक उत्तेजित दिमाग को बहलाने के लिए एक जटिल खेल से ज़्यादा कुछ नहीं था। मोर्स एक-दो दिन में उठ जाएगा। बेहतर होगा कि उसका ख्याल रखा जाए और जितना हो सके उसे खुश रखा जाए। लेकिन क्या इसमें कोई तर्क था? क्या यह सब इतना मूर्खतापूर्ण था? उसने आंकड़ों वाले कागज़ पर फिर से नज़र डाली और एक और लाल कार गुज़र गई। नौ 'अगर' थे। वह उदास होकर खिड़की से बाहर देखता रहा और बेमन से अगली दस कारों को गिनने लगा। सिर्फ़ एक लाल कार! नॉर्थ ऑक्सफ़ोर्ड तो ज़ाहिर तौर पर सबसे बड़ा जोखिम था। लेकिन उस आदमी को कहीं तो रहना ही था, है ना? शायद वह बूढ़ा आदमी उतना पागल नहीं था जितना उसने सोचा था। उसने कागज़ को एक बार फिर देखा... दूसरी बड़ी बात वह चिट्ठी थी। अगर कातिल ने उसे लिखा होता।
'तो फिर तुम क्या सोचते हो, लुईस?'
'कोशिश करके देखना शायद फ़ायदेमंद हो।'
आपको कितने पुरुष चाहिए?
'हमें पहले थोड़ा सोच-विचार करना होगा, है ना?'
'आपका क्या मतलब है?'
स्थानीय अधिकारी काफी मदद कर सकते हैं। सबसे पहले हमें निवासियों की कुछ अद्यतन सूचियाँ चाहिए होंगी।'
'हां। आप सही कह रहे हैं। कुछ भी करने से पहले हमें इस बारे में अच्छी तरह सोच लेना चाहिए।'
'मुझे भी यही लगा था, महोदय।'
'कुंआ?'
'अगर आप ठीक महसूस करें तो हम सुबह ही इस पर काम शुरू कर सकते हैं, महोदय।'
'या अगर आप चाहें तो हम अभी सीधे इस पर काम शुरू कर सकते हैं?'
मुझे लगता है हम ऐसा कर सकते हैं।

लुईस ने अपनी पत्नी को फोन किया और अगले दो घंटे तक मोर्स से बातचीत की। उनके जाने के बाद, मोर्स ने बिस्तर के पास रखे फोन की ओर हाथ बढ़ाया और सौभाग्य से चीफ सुपरिटेंडेंट को अपने कार्यालय में ही पाया। आधे घंटे बाद भी मोर्स उनसे बात कर रहे थे और शुल्क वापस लेना भूल जाने पर पछता रहे थे।

अध्याय तेरह

शनिवार, 9 अक्टूबर

शनिवार, 9 अक्टूबर की सुबह बर्नार्ड क्रॉथर अपने सामने वाले कमरे में अपनी मेज पर बैठकर मिल्टन की रचनाएँ पढ़ रहे थे, लेकिन हमेशा की तरह उन्हें उनमें उतना आनंद नहीं आ रहा था। इस सत्र में वे 'पैराडाइज़ लॉस्ट' पर व्याख्यान दे रहे थे और इस कृति पर अपनी गहन और विद्वतापूर्ण पकड़ के बावजूद उन्हें लगा कि उन्हें थोड़ा और होमवर्क कर लेना चाहिए। मार्गरिट खरीदारी करने के लिए समरटाउन जाने वाली बस में सवार हो गई थीं और दोपहर में उन्हें लेने के लिए उनकी कार बाहर खड़ी थी। बच्चे बाहर गए हुए थे। पता नहीं कहाँ...
उन्हें दरवाजे की घंटी बजने पर आश्चर्य हुआ, क्योंकि उनके यहाँ बहुत कम लोग आते थे। शायद कसाई आया होगा। उन्होंने दरवाजा खोला।
'अरे पीटर! ये तो बहुत बड़ी हैरानी है! अंदर आओ, अंदर आओ।' पीटर न्यूलव और बर्नार्ड सालों से पक्के दोस्त थे। दोनों ने एक ही सत्र में लोंसडेल कॉलेज में दाखिला लिया था और तब से उनके बीच एक गर्मजोशी भरा और सच्चा रिश्ता था। 'आप यहाँ कैसे आए? हमें अक्सर नॉर्थ ऑक्सफोर्ड में आपसे मिलने का सौभाग्य नहीं मिलता। वैसे भी, मुझे लगा था कि आप शनिवार की सुबह गोल्फ खेलते हैं।'
'आज सुबह तो मेरा मन ही नहीं हुआ। गोल्फ कोर्स पर थोड़ी ठंड थी, पता है ना।' पिछले दो दिनों से मौसम काफी ठंडा हो गया था और पतझड़ अचानक फीका पड़ गया था। दिन उदास और नीरस लग रहा था। पीटर बैठ गया। 'शनिवार सुबह काम पर जा रहे हो, बर्नार्ड?'
'बस अगले सप्ताह के लिए तैयारी कर रहा हूँ।'

पीटर ने मेज की ओर देखा। 'आह। पैराडाइज लॉस्ट, भाग 1। मुझे याद है। हमने इसे उच्च प्रमाण पत्र के लिए पढ़ा था।'
‘आपने इसे बाद में पढ़ ही लिया होगा, बेशक।’
‘सुबह से दोपहर तक वह गिरता रहा, दोपहर से ओस भरी शाम तक, एक गर्मी का दिन। इसमें क्या बुराई है?’
'बहुत बढ़िया।' बर्नार्ड ने खिड़की से बाहर देखा और अपने संकरे लॉन पर जमी सफेद बर्फ को अभी भी बिना पिघले हुए पाया।
'क्या सब ठीक है, बर्नार्ड?' ग्लूस्टरशायर के उस व्यक्ति ने अचानक और विनम्रता से पूछा।
‘बिल्कुल सब ठीक है। तुमने ऐसा क्यों कहा?’ पीटर को स्पष्ट था कि सब कुछ बिल्कुल भी ठीक नहीं था।
'ओह, मुझे नहीं पता। बुधवार रात को तुम कुछ परेशान लग रहे थे। खाना खाने के बाद तुम घबराए हुए खरगोश की तरह भाग गए।'
'मैं भूल गई थी कि मार्गरिट को देर हो जाएगी, और मुझे पता था कि बच्चे बाहर इंतजार कर रहे होंगे।'
'अच्छा ऐसा है।'
क्या यह इतना स्पष्ट था?
‘नहीं, ऐसा नहीं है। मैं बस आपको देख रहा था, बस इतना ही। जब हमने साथ में ड्रिंक की थी, तब आप पहले जैसे नहीं लग रहे थे, और मुझे लगा कि शायद आपकी तबीयत थोड़ी खराब है।’ बर्नार्ड ने कुछ नहीं कहा। ‘आप और, उह, मार्गरिट, सब ठीक हैं?’
'ओह, हाँ। ठीक है। वैसे मुझे उसे बारह बजे लेने जाना है। अभी क्या समय हुआ है?'
‘साढ़े ग्यारह बज गए।’ पीटर उठ खड़ा हुआ।
नहीं, मत जाओ! हमारे पास थोड़ी देर रुक कर एक ड्रिंक लेने का समय है। तुम क्या लोगे?
क्या आप एक लेने वाले हैं?
'बेशक मैं हूँ। व्हिस्की?'
'अच्छा।'
बर्नार्ड गिलास लेने के लिए रसोई में चला गया, और पीटर खिड़की के सामने खड़ा होकर संकरी गली में देखने लगा। एक कार, सफेद और हल्के नीले रंग की, जिसकी छत पर

एक बत्ती (चमकती नहीं) थी और किनारे पर मोटे काले अक्षरों में 'पुलिस' लिखा था, सड़क के उस पार, बाईं ओर दो-तीन दरवाज़े छोड़कर खड़ी थी। पीटर के आने पर वह वहाँ नहीं थी। जैसे ही उसने देखा, एक पुलिस कांस्टेबल, जिसकी टोपी पर काले और सफेद रंग की चेक वाली पट्टी थी, एक मुख्य द्वार से बाहर आ रहा था। एक अधेड़ उम्र की महिला उसके साथ चल रही थी और दोनों खुलकर बातें कर रहे थे, एक-दूसरे की ओर इशारा करते हुए। और बातें और इशारे। क्या वह यहाँ इशारा कर रही थी? कांस्टेबल के हाथ में एक सूची थी और वह स्पष्ट रूप से कुछ नामों की जाँच कर रहा था। महिला अपने एप्रन को अपने चारों ओर लपेटे खड़ी थी, ठंड से बचने के लिए अपनी बाहों को कमर के चारों ओर कसकर पकड़े हुए थी और लगातार बड़बड़ा रही थी।
बर्नार्ड अंदर आया, ट्रे पर रखे गिलासों की हल्की सी खड़खड़ाहट हुई। 'बताओ कब!'
'मुझे लगता है कि सड़क पर कुछ अपराधी हैं, बर्नार्ड।'
‘तुमने क्या कहा?’ बर्नार्ड ने अचानक ऊपर देखा।
‘क्या पुलिस हमेशा इसी तरह यहाँ मंडराती रहती है?’ पीटर इससे आगे कुछ नहीं कह पाया। दरवाज़े की घंटी दो बार बजी; तीखी, आदेशात्मक। बर्नार्ड ने दरवाज़ा खोला और युवा कांस्टेबल के सामने खड़ा हो गया।
‘क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूँ, अधिकारी?’
जी हां, मुझे लगता है ऐसा ही है, महोदय। एक मिनट से ज्यादा समय नहीं लगेगा। क्या यह आपकी कार है, महोदय?’ उन्होंने बाहर खड़ी लाल रंग की 1100 कार की ओर इशारा किया।
'हां यह है।'
‘बस जानकारी ले रहा था, महोदय। हाल ही में कई गाड़ियाँ चोरी हुई हैं। बस जानकारी ले रहा था।’ उसने अपनी पुस्तिका में नोट किया। ‘क्या आपको पंजीकरण संख्या याद है, महोदय?’
बर्नार्ड ने यंत्रवत ढंग से संख्या का पाठ किया।
‘तो फिर यह आपका ही है, महोदय। क्या आपके पास आपकी लॉगबुक तैयार है, महोदय?’
'क्या ये जरूरी है?'
'जी हाँ, अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो महोदय, यह काफी महत्वपूर्ण है। हम यथासंभव गहनता से जाँच कर रहे हैं।'

पीटर ने खुले दरवाजे से बातचीत सुनी और अजीब तरह से चिंतित हो गया। बर्नार्ड अंदर आया और अपनी डेस्क में बेतरतीब ढंग से कुछ ढूंढने लगा। 'मार्गरिट कहाँ है... वे चोरी की कारों की जाँच कर रहे हैं, पीटर। बस एक मिनट लगेगा।' उसका चेहरा पीला पड़ गया था, और उसे कुछ नहीं मिला। 'माफ़ कीजिए, अधिकारी जी,' उसने पुकारा। 'एक मिनट में आइएगा?'
'धन्यवाद महोदय। यदि आप लॉगबुक नहीं ढूंढ पा रहे हैं तो चिंता न करें। आप मुझे जानकारी स्वयं आसानी से दे सकते हैं।'
'आप क्या जानना चाहते हैं?'
'पूरा नाम बताइए, महोदय?'
'बर्नार्ड माइकल क्रॉथर।'
'उम्र, महोदय?'
'इकतालीस।'
'क्या आप विवाहित हैं, महोदय?'
'हाँ।'
'बच्चे?'
'दो।'
'पेशा?'
'महाविद्यालय के शिक्षक।'
'बस इतना ही, महोदय।' उन्होंने अपनी किताब बंद कर दी। 'ओह, बस एक और बात। क्या आपने हाल ही में अपनी कार बिना लॉक किए छोड़ी है? आप समझ रहे हैं ना मेरा मतलब। क्या वह अभी लॉक है, उदाहरण के लिए?'
'नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता।'
'नहीं, ऐसा नहीं है, महोदय। मैंने फोन करने से पहले सभी दरवाजे आजमाए थे। आप जानते हैं, यह कार चोरों को खुला निमंत्रण है।'
'हां, मुझे पूरा यकीन है कि आप सही कह रहे हैं। मैं याद रखने की कोशिश करूंगा।'
'क्या आप अपनी कार का बहुत इस्तेमाल करते हैं, महोदय?'
'ज्यादा कुछ नहीं। ऑक्सफोर्ड में थोड़ा-बहुत घूमना-फिरना। बस इतना ही।'
उदाहरण के लिए, जब आप ड्रिंक करने जाते हैं तो आप इसे बाहर नहीं निकालते?

पीटर को लगा कि उसे उजाला दिख गया है। क्या बर्नार्ड शराब पीकर गाड़ी चला रहा था?
‘नहीं, बहुत बार नहीं,’ बर्नार्ड ने उत्तर दिया। ‘मैं आमतौर पर फ्लेचर के घर जाता हूँ। यह ज्यादा दूर नहीं है; मैं हमेशा पैदल ही जाता हूँ।’
'अगर आप ऑक्सफोर्ड के बाहर शराब पीने जाते हैं तो क्या आप कार ले जाएंगे, महोदय?'
'मुझे डर है कि मैं ऐसा ही करूंगा,' बर्नार्ड ने धीमी, असहाय सी आवाज में कहा।
“खैर, अगर आप गाड़ी चला रहे हैं तो ज्यादा शराब मत पीना, साहब। लेकिन मुझे यकीन है कि आप इसके बारे में सब जानते हैं।” कांस्टेबल ने कमरे में चारों ओर जल्दी से नज़र घुमाई और व्हिस्की के दो बड़े गिलासों को रूखेपन से देखा; लेकिन दरवाजे तक पहुँचने तक उसने कुछ नहीं कहा। “क्या आप सड़क पर किसी और को जानते हैं जिसके पास लाल रंग की कार हो, साहब? मुझे कुछ और पूछताछ करनी होगी।”
बर्नार्ड सोच रहा था, लेकिन उसका दिमाग चकरा रहा था। उसे किसी का नाम याद नहीं आ रहा था। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और अपना बायाँ हाथ माथे पर रख लिया। स्कूल के दिनों में वह हर दिन सड़क के आखिरी छोर तक जाता था। लाल कार? लाल कार? उसे पूरा यकीन था कि सिर्फ़ उसी की कार थी।
‘कोई बात नहीं, महोदय। मैं बस एक-दो और बना लूँगा... खैर, आपकी मदद के लिए धन्यवाद, महोदय।’ वह चला गया। लेकिन पीटर ने गौर किया कि वह उस सड़क पर और कोई पूछताछ करने नहीं गया था। वह सीधे पुलिस की गाड़ी (जो खुली हुई थी) की ओर बढ़ा और तुरंत गाड़ी की रफ्तार बढ़ा कर चला गया।
लगभग दस मिनट बाद जब पीटर न्यूलव वुडस्टॉक की ओर गाड़ी चला रहे थे, तो उन्हें इस बात की खुशी हुई कि उन्होंने कभी शादी नहीं की थी। एक ही औरत के साथ तीस, चालीस, पचास साल! उनके बस की बात नहीं थी। वे कल्पना भी नहीं कर सकते थे कि बेचारा बूढ़ा बर्नार्ड उस दोपहर मार्गरिट के साथ आधे घंटे के मौज-मस्ती के लिए बिस्तर पर कूद पड़ेगा। जबकि... उन्हें गे के कपड़े उतारने का ख्याल आया और उनका दाहिना पैर एक्सीलरेटर पर ज़ोर से दब गया।
बेहद उत्साहित कांस्टेबल मैकफर्सन तेजी से थेम्स वैली मुख्यालय के प्रांगण में पहुंचे, जहां उसी सुबह उन्होंने बेचारे मोर्स को दर्द से कराहते हुए लड़खड़ाते देखा था, उनके दो तगड़े साथियों के कंधे उन्होंने मजबूती से पकड़ रखे थे। वाह! मैकफर्सन को ऐसा लग

रहा था जैसे उन्होंने तिहरे मौके वाले जुए में आठ ड्रा जीत लिए हों। नॉर्थ ऑक्सफोर्ड से किडलिंगटन तक कुछ मील की दूरी तय करते हुए, उन्हें अभूतपूर्व खुशी का अनुभव हुआ। पिछले चार वर्षों से उनका वर्दीधारी करियर एक समान रूप से साधारण रहा था; उन्होंने किसी बड़े अपराधी को गिरफ्तार नहीं किया था; उन्होंने नागरिक या आपराधिक संहिता के किसी भी यादगार उल्लंघन को नहीं देखा था। लेकिन आज तो वाकई उनका सौभाग्य था! जैसे ही वे बैनबरी रोड गोलचक्कर के पास पहुंचे, उन्होंने सायरन और टिमटिमाती नीली बत्ती चालू कर दी, और साथी वाहन चालकों द्वारा उन्हें दिए गए सम्मान से प्रसन्न हुए। उन्हें लगा जैसे वे बहुत महत्वपूर्ण हैं। क्यों नहीं? वे वाकई बहुत महत्वपूर्ण थे - कम से कम आज के लिए तो।

थाने के अंदर, मैकफर्सन ने एक-दो पल के लिए सोचा। क्या उसे लुईस को सूचना देनी चाहिए? या उसे अपनी जानकारी सीधे इंस्पेक्टर को देनी चाहिए? बाद में विचार करने पर दूसरा विकल्प अधिक उपयुक्त लगा, और वह गलियारों से होते हुए मोर्स के दरवाजे तक गया, दस्तक दी और दूसरी तरफ से धीमी आवाज में 'अंदर आओ' सुनाई दिया।

'और मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ, कांस्टेबल?'

मैकफर्सन ने अपनी रिपोर्ट सटीकता और तीक्ष्णता के साथ प्रस्तुत की, जो सराहनीय थी, और मोर्स ने उन्हें अपने कर्तव्य के शीघ्र और कुशल निर्वहन के लिए बधाई दी। मैकफर्सन, हालांकि इस प्रशंसा से अत्यंत प्रसन्न थे, लेकिन इस बात से थोड़ा आश्चर्यचकित थे कि मोर्स ने स्वयं तुरंत कानून के सहयोगियों को बुलाने की इच्छा क्यों नहीं जताई। लेकिन उन्होंने अपना काम कर दिया था - और बखूबी किया था।

'माफ़ कीजिएगा अगर मैं खड़ा नहीं हो पा रहा हूँ – गठिया है, आप जानते ही हैं – लेकिन...' उन्होंने मैकफर्सन से गर्मजोशी से हाथ मिलाया। 'यकीन मानिए, यह बात नज़रअंदाज़ नहीं होगी।'

मैकफर्सन के जाने के बाद, मोर्स कुछ मिनटों तक चुपचाप और सोच-विचार करते हुए बैठे रहे। जब कांस्टेबल अंदर आया था तब भी वे इसी तरह बैठे थे। मैकफर्सन को यह जानकर बहुत निराशा होती, और वैसे भी मैकफर्सन ही इसके पीछे का मुख्य कारण थे। नहीं, उनमें कभी यह स्वीकार करने की हिम्मत नहीं हुई होगी कि श्री बर्नार्ड क्रॉथर ने सुबह 11:45 बजे फोन किया था और कहा था कि वे बयान देना चाहते हैं।

क्रॉथर ने ज़ोर देकर कहा था कि वह स्वयं उपस्थित हो, किसी भी हालत में पुलिस उसे गिरफ्तार न करे, और वह उम्मीद करता था कि अधिकारी कम से कम एक गवाह को,

जो स्वेच्छा से बहुमूल्य जानकारी लेकर सामने आ रहा है, सामान्य शिष्टाचार के तहत आम अपराधी की तरह गिरफ्तार न होने दें। मोर्स सहमत हो गया था, और बर्नार्ड ने दोपहर 2:30 बजे उसके साथ रहने का वादा किया था।
मोर्स को अपनी निष्क्रियता के लिए माफी मांगनी पड़ी और क्रॉथर के बारे में उसकी पहली छाप आश्चर्यजनक रूप से सुखद थी। वह आदमी घबराया हुआ था - यह तो सभी को स्पष्ट दिख रहा था; लेकिन उस व्यक्ति में एक अजीब सा आकर्षण और गरिमा थी; उस तरह का अधेड़ उम्र का शिक्षक जिस पर कुछ लड़कियां मोहित हो सकती थीं।
'देखिए, इंस्पेक्टर साहब – मुझे लगता है आप चीफ इंस्पेक्टर हैं – मैं आज तक अपने जीवन में कभी पुलिस स्टेशन के अंदर नहीं गया हूँ। मुझे पुलिस की सामान्य कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं की जानकारी नहीं है। इसलिए मैंने एहतियात के तौर पर जल्दबाजी में, अपना बयान लिखकर देने का फैसला किया है।'

अध्याय चौदह

शनिवार, 9 अक्टूबर

बुधवार, 29 सितंबर की शाम को, मैं शाम 6.45 बजे साउथडाउन रोड स्थित अपने घर से निकला। मैंने अपनी कार बैनबरी रोड के उत्तरी छोर पर स्थित गोलचक्कर तक चलाई, जहाँ से मैंने बाएँ मुड़कर सदरलैंड एवेन्यू पर लगभग चार सौ गज चलकर वुडस्टॉक रोड के उत्तरी छोर पर स्थित गोलचक्कर तक पहुँचा। यहाँ से मैंने A40 से मुड़कर वुडस्टॉक की ओर जाने वाली उत्तरी सड़क पकड़ी। रात होने लगी थी और मैंने साइड लाइटें जला लीं, जैसा कि मैंने देखा, अधिकांश अन्य वाहन चालकों ने भी किया था। हालाँकि यह वह अजीब सी हल्की रोशनी थी जिसमें गाड़ी चलाना सबसे मुश्किल होता है, लेकिन हेडलाइटें पूरी तरह जलाने जितनी अंधेरी नहीं थी; इतनी अंधेरी तो बिल्कुल नहीं थी कि मैं गोलचक्कर से थोड़ी दूर सेल्फ-सर्विस पेट्रोल पंप के बगल में घास के किनारे पर खड़ी दो युवतियों को न देख पाऊँ। सड़क के पास वाली लड़की मुझे साफ दिखाई दी। वह आकर्षक थी, उसके लंबे सुनहरे बाल थे, उसने सफेद ब्लाउज, छोटी स्कर्ट पहनी थी और कोट उसके हाथ में था। दूसरी लड़की कुछ गज आगे चली गई थी

और उसकी पीठ मेरी ओर थी; ऐसा लग रहा था कि वह लिफ्ट दिलाने का काम अपने साथी पर छोड़ने में काफी खुश थी। लेकिन उसके बाल थोड़े गहरे रंग के थे, और अगर मुझे सही याद है तो वह अपनी सहेली से कुछ इंच लंबी थी।

अब मुझे आपके साथ पूरी तरह ईमानदार होने की कोशिश करनी चाहिए। मैं अक्सर रोमांटिक दिवास्वप्नों का शिकार रहा हूँ, यहाँ तक कि कुछ हद तक कामुक दिवास्वप्नों का भी, जिनमें मैं किसी बेहद आकर्षक महिला को पटाता हूँ और उसे बुद्धि और सुंदरता का एक दुर्लभ और मोहक संयोजन पाता हूँ। मेरी मूर्खतापूर्ण कल्पनाओं में, शुरुआती और संकोची झड़पें धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से सबसे कामुक आनंद में परिणत होती थीं। लेकिन याद रखिए, यह हमेशा एक दिवास्वप्न ही रहा है और मैं इसका जिक्र सिर्फ इसलिए कर रहा हूँ ताकि मैं यह कह सकूँ कि मैंने इस तरह के सपने देखना बंद कर दिया है। मुझे ऐसी बातों के लिए दोषी और क्षमाशील महसूस नहीं करना चाहिए; फिर भी ईमानदारी से कहूँ तो मैं ऐसा महसूस करता हूँ, और हमेशा से ऐसा ही महसूस करता आया हूँ।

लेकिन ये तो बस यूं ही बता दिया। मैंने झुककर सामने वाला दरवाज़ा खोला और कहा कि मैं वुडस्टॉक जा रही हूँ, अगर इससे कोई मदद मिले तो। गोरी लड़की ने कुछ ऐसा कहा, 'ओह, बढ़िया'। वह अपनी सहेली की तरफ मुड़ी और बोली (मुझे लगता है), 'मैंने तुमसे क्या कहा था?' और मेरे बगल वाली आगे की सीट पर बैठ गई। दूसरी लड़की ने पीछे का दरवाज़ा खोला और वह भी बैठ गई। जो भी बातचीत हुई, वह बेमतलब और निराशाजनक थी। मेरे बगल वाली लड़की बीच-बीच में दोहराती रही कि ये तो बस 'बहुत बड़ी किस्मत' है (उसका बोलने का तरीका ऑक्सफोर्ड जैसा था) क्योंकि उसकी बस छूट गई थी; मुझे लगता है पीछे बैठी लड़की ने सिर्फ एक बार बात की और वो भी समय पूछने के लिए। ब्लेंहेम पैलेस के गेट से गुज़रते हुए मैंने कहा कि बस इतना ही है, और मुझे समझ आ गया कि उनके लिए इतना काफी होगा। मुख्य सड़क पर पहुँचते ही मैंने उन्हें उतार दिया, लेकिन मुझे पता नहीं चला कि वे कहाँ गईं। मेरे लिए ये मानना स्वाभाविक था, जैसा कि मैंने सोचा, कि वे अपने बॉयफ्रेंड से मिलने जा रही होंगी।

अब और कुछ कहने को नहीं है। मैंने ऊपर जो लिखा है, वह घटनाओं का सच्चा विवरण है, और जैसा कि मुझे अब एहसास हो रहा है, उसी शाम को उन लड़कियों में से एक की हत्या हुई, जिन्हें मैं गाड़ी में लेकर गया था।

मैंने अभी-अभी अपने लिखे हुए को दोबारा पढ़ा है और मुझे एहसास है कि शायद इससे आपकी जांच में कोई खास मदद नहीं मिलेगी। मुझे यह भी पता है कि मेरे बयान से दो सवाल उठेंगे: पहला, मैं खुद 29 सितंबर की रात को वुडस्टॉक क्यों जा रहा था, और दूसरा, मैंने पहले ही अपना सबूत क्यों नहीं दिया? ये दोनों सवाल असल में एक ही हैं, और इनका जवाब देने से मुझे बहुत राहत मिलेगी; फिर भी, मेरी दिली इच्छा है कि पुलिस मेरी बातों को पूरी तरह गोपनीय रखे, क्योंकि अगर ये बात सबको पता चल गई तो कई निर्दोष लोगों को बहुत दुख होगा।

पिछले छह महीनों से मेरा एक दूसरी महिला के साथ अफेयर चल रहा है। हम हफ्ते में एक बार, लगभग हमेशा बुधवार शाम को मिलते हैं, जब मेरी पत्नी और बच्चे घर से बाहर होते हैं और कोई असहज सवाल उठने की संभावना नहीं होती। बुधवार, 29 तारीख को, मैं शाम 7:15 बजे ब्लेंहेम पैलेस के गेट के पास उस महिला से मिलने जा रहा था। मैंने अपनी कार बेयर होटल के बाहर खड़ी की और पैदल चलकर वहाँ पहुँचा। वह मेरा इंतज़ार कर रही थी। हम झील के किनारे ब्लेंहेम के बगीचों में गए और पेड़ों के बीच से गुज़रे - यह बहुत ही खूबसूरत जगह है। ज़ाहिर है, हमारे लिए यह थोड़ा खतरनाक था, क्योंकि ऑक्सफ़ोर्ड से बहुत से लोग वुडस्टॉक में खाना खाने जाते हैं। लेकिन हम हमेशा सावधान रहते थे, और शायद जोखिम का यही पहलू रोमांच का हिस्सा था।

मुझे और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है। मैंने हत्या का ब्यौरा पढ़ा और बाद में टीवी पर डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर मोर्स की अपील देखी। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मैंने लगभग उसी समय फ़ोन कर दिया था; दरअसल, उसी शाम साउथडाउन रोड स्थित एक टेलीफोन बूथ के बाहर मैं कई मिनट तक इंतज़ार करता रहा, इस दृढ़ निश्चय के साथ कि तुरंत सामने आऊँगा। लेकिन यह बहाने बनाना होगा, और मेरे पास कोई बहाना नहीं है। मैं पूरी तरह समझता हूँ, जैसा कि आप भी समझेंगे, कि इस देर से भी मैं अपनी मर्ज़ी से सामने नहीं आया हूँ। आज सुबह जब एक पुलिस कांस्टेबल मेरे घर आया, तो मुझे एहसास हुआ कि आप मुझ पर नज़र रख रहे हैं, और मैंने सोचा कि तुरंत यह बयान देना ही बेहतर होगा। मैंने अपनी पत्नी को वही सब बताया जो कांस्टेबल ने मुझे चोरी की कारों के बारे में बताया था, और मैंने उसे बताया कि मैं यहाँ आ रहा हूँ। मैं उसे दुख न पहुँचाने के लिए दुनिया में कुछ भी करूँगा (फिर भी, मुझे पता है, शायद मैंने उसे पहले ही दुख पहुँचाया है), और मैं बहुत आभारी रहूँगा यदि मेरे बयान का कोई भी हिस्सा जो आपकी जाँच के सख्त नियमों से संबंधित नहीं है, गुप्त रखा जा सके।

मुझे विश्वास है कि मैंने जो कुछ कहा है उससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि मुझे असुविधा और अनावश्यक अतिरिक्त काम के लिए वास्तव में खेद है। यदि ऐसा नहीं है, तो मैं अपने स्वार्थी और कायरतापूर्ण कार्य के लिए अभी से ही गहरी क्षमा मांगता हूँ।
आपका विनम्र सेवक,
बर्नार्ड माइकल क्रॉथर।
मोर्स ने धीरे-धीरे बयान पढ़ा। जब उन्होंने पढ़ लिया, तो उन्होंने मेज के उस पार क्रॉथर की ओर देखा, फिर बयान पर दोबारा नज़र डाली और और भी अधिक एकाग्रता से उसे पढ़ा। जब उन्होंने पढ़ना समाप्त कर लिया, तो वे अपनी काली चमड़े की कुर्सी पर पीछे झुक गए, अपने घायल दाहिने पैर को सावधानी से उठाया, उसे अपने बाएं घुटने पर रखा और प्यार से सहलाया।
‘मेरे पैर में चोट लग गई है, मिस्टर क्रॉथर।’
'क्या आपने कभी ऐसा किया है? यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। मेरे चिकित्सक मित्रों का कहना है कि पैर और हाथ चोट लगने के लिए सबसे खराब जगहें हैं - शायद इसलिए क्योंकि इनमें तंत्रिका तंत्र बहुत अधिक संख्या में होते हैं।'
उनकी आवाज़ और व्यवहार मधुर थे। मोर्स ने उनकी आँखों में आँखें डालकर देखा। कुछ सेकंड तक दोनों में से कोई भी विचलित नहीं हुआ, और मोर्स को लगा कि उन्हें उस व्यक्ति में बुनियादी ईमानदारी दिखाई दी। लेकिन वह अपने अंदर की निराशा और हताशा को छिपा नहीं सके; कॉन्स्टेबल मैकफर्सन की तरह उन्होंने भी पूल में बड़ी जीत की उम्मीद की थी, लेकिन 'टेलीग्राम की आवश्यकता' के बजाय पूर्वानुमान बहुत कम निकला। 'जी हाँ।' उन्होंने बातचीत को आगे बढ़ाया। 'आज रात मैं ब्लेंहेम पार्क में नहीं घूमूंगा, महोदय।'
'मैं भी नहीं,' बर्नार्ड ने कहा।
'मुझे लगता है कि इस तरह किसी और के साथ संबंध रखना बहुत रोमांटिक है।'
आप इसे बहुत ही भद्दा बना रहे हैं।
क्या ऐसा नहीं था?
'शायद ऐसा ही हो।'
क्या तुम अब भी उससे मिल रहे हो?
नहीं। मुझे उम्मीद है कि अब मेरे अय्याशी के दिन खत्म हो गए हैं।
‘क्या तुमने उसे उस रात के बाद से देखा है?’

नहीं। सब कुछ बंद है। पहले बेहतर लग रहा था।
क्या उसे पता है कि तुमने उन दोनों लड़कियों को उठाया था?
'हाँ।'
'क्या वह इस बात से दुखी है कि सब कुछ खत्म हो गया है?'
'मुझे लगता है, कुछ हद तक।'
'आप कैसे हैं?'
सच कहूं तो, यह बहुत बड़ी राहत है। मैं कोई बहुत कुशल कैसानोवा नहीं हूं और मुझे झूठ बोलना बिल्कुल पसंद नहीं था।
'आप निश्चित रूप से समझते हैं कि अगर यह युवती – क्या वह युवा है, वैसे? – तो इससे बहुत मदद मिलेगी।'
पहली बार बर्नार्ड हिचकिचाया। 'काफी युवा।'
मोर्स ने आगे कहा, 'अगर यह युवती आगे आकर आपके साक्ष्य की पुष्टि करे तो?'
'हां। मुझे पता है ऐसा ही होगा।'
लेकिन आप ऐसा नहीं चाहते।
'मैं चाहूँगा कि आप मेरी कहानी पर विश्वास न करें, बजाय इसके कि आप उसे इसमें घसीटें।'
'तुम मुझे यह नहीं बताओगे कि वह कौन है? मैं तुम्हें भरोसा दिलाता हूं कि मैं यह मामला खुद संभाल लूंगा।'
बर्नार्ड ने सिर हिलाया। 'मुझे माफ करना। मैं ऐसा नहीं कर सकता।'
'मैं उसे ढूंढने की कोशिश कर सकता हूँ, तुम्हें पता है,' मोर्स ने कहा।
मैं उसे रोक नहीं सका।
'नहीं, आप ऐसा नहीं कर सकते।' मोर्स ने अपना पैर सावधानीपूर्वक डेस्क के नीचे रखे कुशन पर वापस रख दिया। 'आप महत्वपूर्ण सबूत छिपा रहे होंगे, मिस्टर क्रॉथर।'
बर्नार्ड ने कुछ नहीं कहा। 'क्या वह शादीशुदा है?' मोर्स ने ज़ोर देकर पूछा।
'मैं उसके बारे में बात नहीं करने वाला,' उसने धीमी आवाज़ में कहा, और मोर्स ने उस आदमी में एक दृढ़ संकल्प महसूस किया।
'क्या आपको लगता है कि मैं उसे ढूंढ सकता हूँ?' उसके पैर में तेज़ दर्द हुआ और उसने उसे फिर से उठा लिया। अरे, छोड़ो भी, उसने सोचा; अगर इस लड़की को पेड़ों के नीचे उसके स्तनों को गुदगुदाना पसंद है, तो इससे मेरा क्या लेना-देना है? बर्नार्ड ने कोई

जवाब नहीं दिया और मोर्स ने अपनी बात बदल दी। 'मुझे यकीन है कि आपको पता होगा कि वह दूसरी लड़की, जो पीछे की सीट पर बैठी थी, वही हमें कुछ बता सकती है?' क्रॉथर ने सिर हिलाया। 'आपको क्या लगता है कि हमें उससे कोई खबर क्यों नहीं मिली?'
'मुझें नहीं पता।'
क्या आपको कोई कारण समझ नहीं आ रहा?
यह स्पष्ट था कि बर्नार्ड ऐसा कर सकता था, लेकिन उसने अपने विचारों को शब्दों में व्यक्त नहीं किया।
'आप बता सकती हैं, है ना, मिस्टर क्रॉथर? क्योंकि हो सकता है कि यही वजह हो जिसके कारण आप सामने आने से हिचकिचा रहे हैं।' बर्नार्ड ने फिर सिर हिलाया। 'वह शायद हमें बता सकती हैं कि सिल्विया केय का बॉयफ्रेंड कौन था, वह उससे कहाँ मिलने वाली थी, वे क्या करने वाले थे – वह हमें बहुत कुछ बता सकती हैं, क्या आपको नहीं लगता?'
मुझे ऐसा नहीं लगा कि वे एक दूसरे को बहुत अच्छी तरह जानते थे।
'तुम ऐसा क्यों कह रहे हो?' मोर्स ने तीखे स्वर में पूछा।
'खैर, वे आपस में ज्यादा बातचीत नहीं करती थीं। आप जानते ही हैं कि युवा लड़कियां कैसे करती हैं: पॉप संगीत, नृत्य, डिस्को, प्रेमी - वे बस ज्यादा बात नहीं करती थीं - बस इतना ही।'
'क्या आपने उसका नाम नहीं सुना?'
'नहीं।'
'क्या आपने यह सोचने की कोशिश की है कि क्या सिल्विया ने अपने नाम का इस्तेमाल किया था?'
मैंने आपको वह सब बताने की कोशिश की है जो मुझे याद है। मैं इससे ज्यादा नहीं बता सकता।
'बेटी, कैरोल, डायना, एवलिन... नहीं?' बर्नार्ड भावहीन बना रहा। 'गे, हीदर, आइरिस, जेनिफर...' मोर्स बर्नार्ड की आँखों में प्रतिक्रिया की हल्की सी भी झलक नहीं देख सका।
'क्या उसके पैर सुंदर थे?'
'मुझे नहीं लगता कि यह दूसरों के मुकाबले उतना अच्छा है।'
'क्या आपने उन्हें देखा?'
'तुम्हें क्या लगता है? वह मेरे बगल में बैठी थी।'

क्या आपको कभी कामुक दिवास्वप्न आते हैं?
‘हां,’ क्रॉथर ने पूरी ईमानदारी के साथ कहा।
“अच्छा हुआ कि यह कोई आपराधिक मामला नहीं है,” मोर्स ने आह भरते हुए कहा, “वरना हम सब जेल में होते।” उसने देखा कि क्रॉथर के चिंतित चेहरे पर एक पल के लिए हल्की सी मुस्कान आई। मोर्स ने सोचा, “मुझे लगता है कि वह कुछ महिलाओं को आकर्षक लग सकता है। उस रात तुम कितने बजे घर लौटे थे?”
लगभग पौने नौ बजे।
'क्या यह सामान्य समय था, आप जानते हैं, क्योंकि, अह, आपकी, अह, पत्नी वगैरह की वजह से?'
'हाँ।'
'हफ्ते में एक घंटा, बस इतना ही?'
‘ज्यादा देर नहीं।’
'क्या यह इसके लायक था?'
'उस समय तो ऐसा ही लग रहा था।'
‘क्या तुमने उस शाम ब्लैक प्रिंस से मुलाकात नहीं की थी?’
‘मैं कभी ब्लैक प्रिंस में नहीं गया।’ यह बात बहुत दृढ़ता से कही गई थी। मोर्स ने फिर से उस कथन पर नज़र डाली और सुंदर लिखावट को देखा; उसे टाइप करना व्यर्थ लग रहा था। उन्होंने क्रॉथर से आधे घंटे तक पूछताछ की और शाम 4 बजे के कुछ देर बाद पूछताछ बंद कर दी।
'हमें खेद है कि आपकी कार को कुछ देर यहीं रखना पड़ेगा।'
‘क्या आप ऐसा करेंगे?’ क्रॉथर निराश लग रहे थे।
‘हाँ, हमें शायद कुछ मिल जाए, जैसे बाल वगैरह। आजकल हमारे फोरेंसिक विशेषज्ञ कमाल के काम करते हैं।’ वह अपनी कुर्सी से उठे और क्रॉथर से अपनी बैसाखियाँ माँगीं। ‘मैं आपसे एक वादा करता हूँ,’ मोर्स ने कहा। ‘हम आपकी पत्नी को इससे दूर रखेंगे। मुझे यकीन है कि आप उन्हें बताने के लिए कुछ न कुछ बहाना बना लेंगे। आखिर, आप इस तरह की चीजों के आदी हैं, है ना, महोदय?’
मॉर्स लंगड़ाते हुए क्रॉथर के पीछे-पीछे बाहर निकला और डेस्क सार्जेंट को गाड़ी का इंतज़ाम करने का आदेश दिया। मॉर्स ने कहा, 'कृपया अपनी कार की चाबियाँ मेरे पास छोड़ दें, महोदय। आपको अगले सप्ताह की शुरुआत में कार वापस मिल जाएगी।' दोनों

ने हाथ मिलाया और क्रॉथर को कुछ ही मिनटों तक इंतज़ार करना पड़ा, जिसके बाद उसे पुलिस की गाड़ी में बिठा दिया गया। मॉर्स ने उसे जाते हुए मिली-जुली भावनाओं के साथ देखा। उसे लगा कि उसने मामले को संतोषजनक ढंग से सुलझा लिया है। अब उसे सोचने की ज़रूरत थी, बात करने की नहीं। वैसे, उस दूसरी लड़की के पैरों के बारे में जो बात हुई, वह अजीब थी; श्रीमती जारमन ने कहा था कि उसने स्लैक्स पहनी हुई थी...
उसने मदद के लिए पुकारा और उसे क्रॉथर की कार तक पहुँचाया गया। दरवाज़े खोले गए। वह जैसे-तैसे आगे की सीट पर बैठा और जितना हो सके सावधानी से अपना पैर पीछे करके बैठ गया, और अपने पैरों को जितना हो सके आगे फैला लिया। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और सिल्विया केय के लंबे, सांवले, सुडौल पैरों की कल्पना की, जो उसकी छोटी स्कर्ट तक ऊपर उठते थे। उसने सोचा कि शायद वह भी पीछे की ओर झुकी होगी। 'हॉट पैंट्स!' उसने लगभग खुद से कहा।
'माफ़ कीजिए, महोदय?' उस सार्जेंट ने कहा जिसने उसे कार में बैठने में मदद की थी।
एक अजीब संयोग से (या शायद संयोग ही था?) वाल्टन स्ट्रीट स्थित स्टूडियो 2 में दो ऐसी फ़िल्में दिखाई जा रही थीं, जिनके शीर्षक सबसे नीरस दर्शकों को भी उत्तेजित करने के लिए बनाए गए थे। पहली फ़िल्म दोपहर 2:00 से 3:05 बजे तक 'डेनिश ब्लू' थी (बाहर लगी तस्वीरों में दिख रहे नग्न दृश्यों को देखकर तो ऐसा नहीं लगता कि यह पनीर बनाने की प्रक्रिया पर बनी कोई फ़िल्म है) और दूसरी फ़िल्म दोपहर 3:20 से 5:00 बजे तक सप्ताह की सबसे लोकप्रिय फ़िल्म 'हॉट पैंट्स' दिखाई जा रही थी।
शाम 5 बजे, पहले आए हुए लोग जा रहे थे और कुछ लोग लॉबी में प्रवेश की प्रतीक्षा में खड़े थे। इनमें से एक व्यक्ति आमतौर पर जल्दी आने वालों में शामिल हो जाता, क्योंकि यह उसके लिए हर हफ्ते की बात थी। लेकिन मेसर्स चाकली एंड संस को फॉर्मिका की दुकान में दो घंटे के अतिरिक्त काम के लिए उसकी ज़रूरत थी। इस हफ्ते वह रुककर कार्यक्रम दोबारा नहीं देख पाएगा; लेकिन फिल्में शायद ही कभी उसकी बढ़ी हुई उम्मीदों या जल्द ही आने वाले ट्रेलरों के असीम वादों पर खरी उतरती थीं। ऐसे मौकों पर वह शायद ही कभी इधर-उधर देखता था, और शनिवार, 9 अक्टूबर की दोपहर को भी यही अच्छा हुआ कि उसने एक बार फिर अपने साथी दर्शकों से नज़रें फेर लीं। उससे चार फीट से भी कम दूरी पर खड़ा, अगले कार्यक्रम का समय देखने का दिखावा करते हुए, लेकिन खुद को सावधानीपूर्वक और चुपचाप लाइमलाइट से दूर रखते हुए, वह सार्जेंट था जिसे सिल्विया केय की हत्या की जांच के लिए डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर मोर्स

के साथ तैनात किया गया था। लुईस का मानना था कि यह मोर्स के सबसे संतोषजनक कार्यों में से एक था, और उन्हें संदेह था कि अगर वह दुर्घटना न हुई होती, तो शायद उनके प्रमुख ने इसे स्वयं ही अंजाम दिया होता।

अध्याय पंद्रह

सोमवार, 11 अक्टूबर

सप्ताहांत बीतता गया और पत्ते गिरते रहे। मोर्स पहले से ज़्यादा खुश था; अब वह अपने पैर पर काफ़ी वज़न डाल सकता था, और सोमवार सुबह, उसने सोचा कि वह बैसाखियों की जगह छड़ियों का इस्तेमाल कर सकता है, इसलिए उसने मैकफर्सन से उसे रेडक्लिफ़ इन्फ़र्मरी के बाह्य रोगी (दुर्घटना) विभाग तक ले जाने की व्यवस्था की।
गाड़ी चलाते समय मोर्स ने मैकफर्सन से कई सवाल पूछे। क्रॉथर के बारे में उनकी क्या राय थी? क्रॉथर की पहली प्रतिक्रिया क्या थी? घर पर वह कैसा रहता होगा? मैकफर्सन के आने पर वह क्या कर रहा था? मोर्स को युवा कांस्टेबल आश्चर्यजनक रूप से बुद्धिमान और चौकस लगा, और उसने उसे यह बात बताई भी। इसके अलावा, उसे दी गई जानकारी में कई ऐसी बातें मिलीं जिनमें उसकी रुचि थी और जिससे उसकी जिज्ञासा जागृत हुई।
‘वह क्या पढ़ रहा था – क्या आप देख पाए?’
'नहीं, महोदय। लेकिन साहित्य पर किताबें, मुझे लगता है। मतलब, कविता पर।' मोर्स ने इस बात को नज़रअंदाज़ कर दिया।
'आपका कहना है कि उनके पास एक लेखन डेस्क थी?'
जी हाँ, महोदय। आप जानते हैं, उस पर हर जगह कागज लगे हुए हैं।
मोर्स ने मन ही मन तय कर लिया कि वह अब तक मिले 'पता है' और आगे मिलने वाले 'पता है' की गिनती नहीं करेगा। 'क्या वहाँ कोई टाइपराइटर था?' उसने बड़ी सहजता से पूछा।
'हां। आप जानते हैं, उन पोर्टेबल चीजों में से एक।'

मोर्स ने और कुछ नहीं कहा। अस्पताल के संकरे आंगनों से गुज़रते हुए, जो मानो जानबूझकर घायल नागरिकों को तुरंत अस्पताल पहुंचने से रोक रहे थे, पुलिस की गाड़ी ने 'केवल एम्बुलेंस' के लिए चिह्नित कंक्रीट के चौड़े हिस्से पर, पोर्टर्स, वार्डली या ट्रैफिक वार्डन की बिना किसी आपत्ति के, खुद को पार्क कर लिया। एक पुलिसकर्मी का पार्किंग स्थल कभी-कभी इतना अप्रिय नहीं होता था। मोर्स ने बैसाखियों को लाठियों से बदलने को एक सीधा-सादा सौदा समझा था; लेकिन ऐसा नहीं हुआ। घायल भाइयों की दुनिया में एक अटूट समानता दिखाई देती थी, और मोर्स को अपनी उचित जगह पर बैठना पड़ा और औपचारिकताओं के पूरा होने तक उचित समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ी। वह उसी बेंच पर बैठा, पंच के उसी पुराने संस्करण को पढ़ा, और उसी बेचैनी का अनुभव किया; उसने उसी चीनी डॉक्टर को सुना, जिसका शांत स्वभाव एक छोटे बच्चे के एक जगह न बैठ पाने से विचलित प्रतीत होता था: 'अगर तुम ठीक होना चाहते हो, नन्हे बच्चे, तो बेहतर होगा कि तुम चुपचाप बैठ जाओ।'

मोर्स उदास निगाहों से फर्श को घूर रहा था और नर्सों के पैरों को आते-जाते देख रहा था। सच कहें तो, उनमें ऐसा कुछ खास नहीं था जिससे उसे गुस्सा आए। सिवाय एक जोड़ी पैरों के – बेहद खूबसूरत! मोर्स उस खूबसूरत युवती के बाकी शरीर को भी देखना चाहता था, लेकिन वह तेज़ी से आगे बढ़ गई। मोटी, ठीक-ठाक, पतली, ठीक-ठाक – और फिर वही पैर, और इस बार वे चमत्कारिक रूप से उसके सामने आकर रुक गए।

'मुझे उम्मीद है कि इंस्पेक्टर मोर्स, आपकी अच्छी तरह से देखभाल हो रही होगी?'

इंस्पेक्टर स्पष्ट रूप से स्तब्ध रह गया। उसने धीरे से ऊपर देखा, सीधे और गहराई से, प्यारी डार्क-आइज के उदास, लुभावने चेहरे को निहारते हुए, जो शांत स्वभाव वाली मिस जेनिफर कोल्बी की सह-निवासी थी। 'क्या तुम्हें मैं याद हूँ?' मोर्स ने कहा; उसके ठीक ऊपर खड़ी लड़की को लगा कि यह थोड़ा अतार्किक था।

‘क्या तुम्हें मैं याद नहीं?’ उसने पूछा।

इंस्पेक्टर ने आखिरकार गाड़ी को सुचारू रूप से आगे बढ़ाते हुए कहा, 'मैं तुम्हें कैसे भूल सकता हूँ?' वह कितनी प्यारी थी! 'तुम यहाँ काम करती हो?'

'अगर मैं कहूँ तो, इंस्पेक्टर, आपने अपने समय में इससे कहीं अधिक बुद्धिमानी भरे सवाल पूछे होंगे।' उसने अपनी वर्दी बड़े सलीके से पहनी थी - और मोर्स हमेशा सोचता था कि एक नर्स की वर्दी किसी लड़की पर फैशन हाउस के सभी महंगे परिधानों से कहीं अधिक सुंदर लगती है।

‘नहीं, यह बहुत अच्छा नहीं था, है ना?’ उसने स्वीकार किया। वह मुस्कुराई – बेहद खुशी से।
मोर्स ने कहा, 'बैठ जाइए, मैं आपसे थोड़ी बातचीत करना चाहता हूँ। हमने पहले ज्यादा बात नहीं की, है ना?'
'माफ़ कीजिए, इंस्पेक्टर साहब। मैं ऐसा नहीं कर सकता। मैं ड्यूटी पर हूँ।'
‘ओह।’ वह निराश हो गया।
'कुंआ । । ।'
‘बस एक मिनट रुकिए,’ मोर्स ने कहा। ‘आप जानते हैं, मैं आपसे कभी मिलना चाहूंगा। क्या मैं आपसे आपकी ड्यूटी खत्म होने के बाद मिल सकता हूं?’
मैं छह बजे तक ड्यूटी पर हूं।
‘अच्छा, मैं मिल सकता हूँ...’
'छह बजे मैं घर जाकर जल्दी से खाना खा लूंगा, और फिर सात बजे...'
‘तुम्हारी डेट तय हो गई है।’
ठीक है, मान लीजिए कि मैं व्यस्त हूँ।
‘किस्मत वाला बंदा,’ मोर्स ने बुदबुदाते हुए कहा। ‘कल?’
'कल नहीं।'
'बुधवार?' मोर्स ने उदास मन से सोचा कि क्या सप्ताह के शेष दिनों का यह क्रम महज़ एक खोखली औपचारिकता मात्र है; लेकिन उसने उसे आश्चर्यचकित कर दिया।
'अगर आप चाहें तो मैं आपसे बुधवार शाम को मिल सकता हूं।'
‘क्या आप कर सकते हैं?’ मोर्स की आवाज़ एक उत्सुक स्कूली बच्चे जैसी थी। उन्होंने शाम 7:30 बजे सेंट जाइल्स के ‘बर्ड एंड बेबी’ में मिलने का तय किया। मोर्स ने थोड़ा सहज लहजे में कहा, ‘मैं आपको घर छोड़ सकता हूँ, बिल्कुल, लेकिन शायद आपको लेने न आना बेहतर होगा। आप बस से जा सकती हैं, ठीक है?’
‘मैं बच्चा नहीं हूँ, इंस्पेक्टर साहब।’
‘अच्छा। फिर मिलते हैं।’ वह मुड़ गई। ‘अरे, एक मिनट रुकिए,’ मोर्स ने पुकारा। वह वापस उसके पास आई। ‘मुझे अभी आपका नाम नहीं पता, मिस...’
'मिस विडोसन। लेकिन आप मुझे सू कह सकते हैं।'
क्या यह सिर्फ खास दोस्तों के लिए है?
'नहीं,' मिस विडोसन ने कहा। 'सब लोग मुझे सू कहकर बुलाते हैं।'

मामले के पहले सप्ताह में मोर्स को अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा था, ठीक वैसे ही जैसे कोई स्कूली बच्चा गणित की किसी पेचीदा समस्या को हल करने में लगा हो और यह पता लगाने की कोशिश कर रहा हो कि उसके पास गुप्त रूप से उत्तर पुस्तिका किसकी है। मामले की शुरुआत से ही उसे लगा कि उसे एक बड़ी साजिश का आभास हो गया है – उसे हाथ लगे सबूतों के टुकड़ों को थोड़ा-बहुत इधर-उधर करना होगा, लेकिन वह पहेली का पैटर्न जानता था। इसी कारण उसने, जैसा कि उसे एहसास हुआ, सबूतों को सबूत के रूप में नहीं देखा, बल्कि केवल घटनाओं के अपने पूर्वाग्रही पुनर्निर्माण के संदर्भ में देखा। और जब वह अपनी समस्या का ऐसा उत्तर निकालने में असफल रहा जो उत्तर पुस्तिका में दिए गए स्वीकृत समाधान से जरा भी मिलता-जुलता हो, तो अब वह गंभीरता से सोचने लगा था कि कहीं उत्तर पुस्तिका ही गलत तो नहीं है। कभी-कभी किसी बड़ी घुड़दौड़ की पूर्व संध्या पर वह धावकों और सवारों की सूची पढ़ता, अपनी आँखें बंद करता और अगली सुबह के अखबार के खेल पृष्ठ की सुर्खियों की कल्पना करने की कोशिश करता। उसमें भी उसे कुछ खास सफलता नहीं मिली थी। फिर भी उसे लगता था कि वह सही रास्ते पर है। वह खुद को एक दृढ़ निश्चयी व्यक्ति मानता था, हालांकि वह इस संभावना से भलीभांति अवगत था कि लुईस (जो अब उसके सामने बैठा था) के लिए उसकी दृढ़ता को हठधर्मिता और उसके वरिष्ठों के लिए सरासर हठधर्मिता माना जा सकता है।

दरअसल, उस समय लुईस अपने प्रमुख के हठधर्मिता पर बिल्कुल भी विचार नहीं कर रहा था; वह अभी-अभी प्राप्त आदेशों पर बड़े ही अरुचि से विचार कर रहा था।

लेकिन क्या आपको लगता है कि इस तरह से करना उचित है, महोदय?

'मुझे इस पर संदेह है,' मोर्स ने कहा।

लेकिन यह कानूनी तो नहीं है, है ना?

'शायद नहीं।'

‘लेकिन आप चाहते हैं कि मैं यह करूं।’ मोर्स ने इस निरर्थक प्रश्न को अनसुना कर दिया।

‘कब?’

'आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि वह बाहर निकल गया हो।'

आप क्या सुझाव देते हैं...?

मोर्स ने उसे बीच में ही रोकते हुए कहा, 'अरे यार, तुम किसी के आँचल में तो नहीं हो। अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करो!'

लुईस को गुस्सा आ रहा था जब वह कैंटीन की ओर बढ़ा और एक कप कॉफी का ऑर्डर दिया।
‘क्या बात है, सार्जेंट?’ कांस्टेबल डिक्सन फिर से खाना खा रहा था।
'वह कमीना मोर्स - यही तो असली समस्या है,' लुईस ने बड़बड़ाते हुए अपना कप इतनी ज़ोर से नीचे रखा कि उसका आधा हिस्सा छलक कर तश्तरी में गिर गया।
‘सार्ज, मुझे लगता है कि आपको अपनी कॉफी आधी-आधी पसंद है,’ डिक्सन ने कहा।
‘आधी कप में और आधी तश्तरी में।’ वह बहुत खुश हुआ।
मैकफर्सन अंदर आया और कॉफी का ऑर्डर दिया। 'क्या आपने हत्या का मामला सुलझा लिया है, सार्जेंट?'
‘बिल्कुल नहीं, हमने ऐसा नहीं किया,’ लुईस ने झल्लाकर कहा। वह उठा और फीके रंग के माफीनामे को बिना छुए वहीं छोड़ गया – आधा कप में और आधा तश्तरी में।
मैकफर्सन ने पूछा, 'उसे क्या परेशान कर रहा है? भगवान, उसे पता ही नहीं कि वह कितना भाग्यशाली है। इंस्पेक्टर मोर्स वाकई कमाल का आदमी है। मैं आपको बता दूं, अगर वह वुडस्टॉक मामले की तह तक नहीं पहुंचा, तो कोई नहीं पहुंचाएगा।'
यह एक अच्छी तारीफ़ थी और मोर्स को इससे कुछ फ़ायदा हो सकता था। लुईस के जाने के बाद, वह काफ़ी देर तक बैठा रहा, अपने हाथों को चेहरे के सामने जोड़े, उंगलियों को आपस में सटाए, आँखें बंद किए, मानो किसी दयालु दैवीय शक्ति से अंधकारमय रास्ते में प्रकाश की प्रार्थना कर रहा हो। लेकिन मोर्स ने बहुत पहले ही, भले ही अनिच्छा से, किसी भी अलौकिक शक्ति के अस्तित्व को नकार दिया था। वह धैर्यपूर्वक अपने मन के अशांत जल में मशाल थामे बैठा था।
शाम करीब 4:30 बजे उसे ज़हर का टुकड़ा मिला और वह लंगड़ाते हुए वुडस्टॉक हत्याकांड की फाइल तक पहुँचा। जी हाँ, दोनों फाइलें वहीं थीं। उसने उन्हें निकाला और फिर से पढ़ा - मानो न जाने कितनी बार। वह ज़रूर सही होगा। उसे सही होना ही था। लेकिन फिर भी उसे संदेह था कि क्या वह सही है।
सबसे पहली बात (हालांकि यह एक छोटी मछली थी, शार्क नहीं) जिसने उनका ध्यान खींचा, वह यह थी कि (लगभग निश्चित रूप से) फर्जी नियोक्ता के पत्र और क्रॉथर के बयान दोनों में, लेखक ने 'आई शुड' का प्रयोग किया था। मोर्स, अंग्रेजी व्याकरण की कुछ बारीकियों से उतने परिचित नहीं थे जितना उन्हें होना चाहिए था, इसलिए वे अक्सर - अब जब वे इस बारे में सोचते हैं तो लगभग हमेशा - 'वुड' का प्रयोग करते थे। वे खुद

को यह कहते हुए सुन सकते थे: 'प्रिय महोदय, मुझे बहुत खुशी होगी...' क्या उन्हें 'आई शुड' कहना चाहिए था? उन्होंने फाउलर की 'मॉडर्न इंग्लिश यूसेज' उठाई। उसमें लिखा था: 'लाइक, प्रेफर, केयर, बी ग्लैड, बी इन्क्लाइंड, आदि क्रियाएं प्रथम पुरुष सशर्त वाक्यों (आई शुड लाइक टू नो आदि) में बहुत आम हैं। इनमें अंग्रेजी मुहावरे के अनुसार 'वुड' नहीं, बल्कि 'शुड' सही रूप है।' खैर, मोर्स ने सोचा, हम हर दिन कुछ नया सीखते हैं। लेकिन कोई तो इसके बारे में पहले से ही जानता था। इसलिए उन्हें जानना चाहिए था; वो अंग्रेज़ प्रोफेसर थे, है ना? मिस्टर जी के बारे में क्या? – वो अस्पष्ट से नाम वाले मनोविज्ञान विभाग से जुड़े थे, जिसका नाम गलत लिखा गया था? (अरे यार – उन्होंने तो अभी तक ये भी चेक नहीं किया था)। लेकिन मिस्टर जी भी तो विश्वविद्यालय से ही थे, है ना? मोर्स के दिमाग में एक धीमी सी आवाज़ गूंजी। बिलकुल छोटी सी मछली! वैसे दिलचस्प तो है।

उसने दस्तावेज़ों को फिर से पढ़ा। बस एक मिनट। रुकिए। हाँ। यह कोई मामूली बात नहीं थी। बिलकुल नहीं! 'फिर भी यह असंभव नहीं है...' यह वाक्यांश हर दस्तावेज़ में दिखाई दिया। एक बनावटी वाक्यांश। 'फिर भी' अपने वाक्य के आरंभ में लगा हुआ; यह वाक्य रचना की सबसे आम संरचना नहीं है। और 'असंभव नहीं' का क्या? यह एक अलंकारिक भाषा थी जो मोर्स ने स्कूल में सीखी थी। 'सेंट पॉल एक साधारण शहर का नागरिक नहीं था।' उसने फाउलर से फिर सलाह ली। बस यही था। लिटोट्स। समानांतर भाव उसके दिमाग में दौड़ पड़े। 'फिर भी यह संभव है...'; 'लेकिन यह संभव है...'; 'लेकिन ऐसा हो सकता है...'; 'शायद...'; 'मुझे लगता है...'; 'लेकिन मुझे लगता है...' अजीब। बहुत अजीब। एक बहुत ही बनावटी वाक्यांश।

और एक और संयोग था। हर पत्र में 'पूरी ईमानदारी से' वाक्यांश भी लिखा था। वह खुद क्या लिखते? 'स्पष्ट रूप से', 'ईमानदारी से', 'साफ-साफ कहूँ तो', 'सच्चाई से'? ज़रा सोचिए, इसका कोई खास मतलब नहीं था। तीन छोटे-छोटे गोलमोल शब्द। यह पत्र वाकई बहुत अजीब था। क्या उन्होंने इसके महत्व का जो शुरुआती आकलन किया था, वह कुछ ज़्यादा ही परिष्कृत या चालाकी भरा था? लेकिन लोग ऐसा करते थे। युद्ध के समय में पति-पत्नी ऐसा करते थे, एक-दूसरे को सेना के सेंसरों की नज़र से बचकर ढेर सारी तथ्यात्मक जानकारी देते थे। 'मुझे यह सुनकर दुख हुआ कि छोटे आर्ची को खांसी हो गई है। जल्द ही फिर लिखूँगा,' इस वाक्य में शायद यह सैन्य खुफिया जानकारी छिपी

हो सकती थी कि सैनिक स्मिथ को अगले शनिवार को एल्डरशॉट से काहिरा भेजा जाना था। क्या यह मनगढ़ंत था? नहीं! मोर्स को पूरा विश्वास था कि उनका अनुमान सही था। शाम की परछाइयाँ उसकी मेज पर फैल गईं, उसने वुडस्टॉक की फाइल वापस रखी और अलमारी को ताला लगा दिया। जवाब धीरे-धीरे आ रहा था, और ऐसा लग रहा था कि जवाब तो पहले से ही तय था।

अध्याय सोलह

मंगलवार, 12 अक्टूबर

मंगलवार की सुबह 11 बजे, क्रॉथर के शहर के केंद्र जाने वाली बस में सवार होने के आधे घंटे बाद, साउथडाउन रोड स्थित क्रॉथर के आवास के बाहर 'किम्मन्स टाइपराइटर' लिखा हुआ एक छोटा सा व्यावसायिक वाहन आकर रुका। जेब पर 'किम्मन्स' लिखा हुआ हल्के भूरे रंग का जैकेट पहने एक व्यक्ति वाहन से उतरा और सफेद गेट से होते हुए, घास के मैदान को पार करते हुए, दरवाजा खटखटाया। मार्गरिट क्रॉथर ने अपने एप्रन से हाथ पोंछते हुए दरवाजा खोला।
'हाँ?'
‘श्री क्रॉथर, कृपया यहाँ रहें?’
'हाँ।'
'क्या वह अंदर है?'
नहीं, अभी तो नहीं।
‘ओह। आप श्रीमती क्रॉथर हैं?’
'हाँ।'
'आपके पति ने हमें फोन करके अपना टाइपराइटर देखने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि टाइपराइटर का डिब्बा अटक रहा है।'
'ओह, मैं समझ गया। अंदर आइए, क्या आप अंदर आएंगे?'
टाइपराइटर चलाने वाले व्यक्ति ने बड़े ही दिखावे के साथ अपनी जेब से एक छोटा सा डिब्बा निकाला, जिसमें संभवतः काम के लिए आवश्यक औजार थे। वह स्पष्ट रूप से

संकोच के साथ संकरे गलियारे में दाखिल हुआ और उसे हॉल के दाहिनी ओर स्थित उस कमरे में ले जाया गया जहाँ बर्नार्ड क्रॉथर अंग्रेजी साहित्यिक विरासत की महिमा पर विचार करने में अपना काफी समय बिताते थे। उसने तुरंत टाइपराइटर को पहचान लिया।
'क्या आपको मेरी ज़रूरत है?' श्रीमती क्रॉथर अपने पाक संबंधी कर्तव्यों को फिर से शुरू करने के लिए उत्सुक लग रही थीं।
'नहीं, नहीं। कुछ ही मिनटों से ज्यादा नहीं लगेंगे – जब तक कि कोई बहुत बड़ी गड़बड़ी न हो।' उनकी आवाज में तनाव झलक रहा था।
'अच्छा, काम खत्म होने पर मुझे फोन कर देना। मैं अभी रसोई में ही हूँ।'
उसने चारों ओर ध्यान से देखा, टाइपराइटर पर कुछ औपचारिक टैपिंग की, कैरिज को कई बार खनकती आवाज़ के साथ आगे-पीछे सरकाया और ध्यान से सुना। उसे प्लेटों और तश्तरियों की खनक सुनाई दे रही थी; वह काफी सुरक्षित महसूस कर रहा था और साथ ही बहुत घबराया हुआ भी। उसने जल्दी से छोटी मेज के दाईं ओर का ऊपरी दराज खोला: पेपर क्लिप, बॉलपेन, रबर, इलास्टिक बैंड - कुछ भी संदिग्ध नहीं था। उसने व्यवस्थित रूप से नीचे के दो दराजों को देखा, और फिर बाईं ओर के तीन दराजों को। सब लगभग एक जैसे थे। क्लिप से बंधे नोट्स के बंडल, कॉलेज की बैठकों के लिए भारी एजेंडा, फाइल केस, लिखने का कागज, और भी बहुत कुछ - लाइनदार, सादा, शीर्षक वाला, फुलस्केप, फोलियो, क्वार्टो। उसने अपना दयनीय छोटा सा अभिनय दोहराया और सुखद प्रतिध्वनि के रूप में बर्तनों की खड़खड़ाहट सुनी। उसने लिखने के कागज के प्रत्येक ढेर से एक-एक पन्ना उठाया, उन्हें ध्यान से मोड़ा और अपनी अंदरूनी जेब में रख लिया। अंत में, उसने क्वार्टो आकार का एक कागज लिया, उसे टाइपराइटर में रखा, कैरिज को घुमाया और जल्दी से दो पंक्तियाँ टाइप कीं:
हमें प्राप्त हुए अनेक आवेदनों का मूल्यांकन करने के बाद, हमें खेदपूर्वक आपको सूचित करना पड़ रहा है कि हमारा आवेदन अस्वीकार कर दिया गया है।
श्रीमती क्रॉथर ने उसे दरवाजे तक छोड़ा। 'अच्छा, अब सब ठीक हो जाना चाहिए, श्रीमती क्रॉथर। गाड़ी के बेयरिंग में धूल जम गई है, बस इतना ही।' लुईस को उम्मीद थी कि सब ठीक लग रहा होगा।
'क्या आप चाहते हैं कि मैं आपको भुगतान करूं?'
'नहीं। अभी इसके बारे में चिंता मत करो।' वह चला गया।

दोपहर बारह बजे लुईस ने लोंसडेल कॉलेज के दूसरे प्रांगण में बर्नार्ड क्रॉथर के दरवाजे पर दस्तक दी और उन्हें एक युवा, चश्मा पहने, लंबे बालों वाले स्नातक छात्र के साथ ट्यूटोरियल समाप्त करते हुए पाया।
‘कोई जल्दी नहीं है, महोदय। मैं आपके काम खत्म होने तक पूरी तरह से इंतजार कर सकता हूँ।’
लेकिन क्रॉथर का काम समाप्त हो चुका था। वह पिछले शनिवार को लुईस से मिले थे और जो कुछ भी सुनना था, उसे सुनने के लिए उत्सुक थे। युवक को तुरंत यह कठिन निर्देश देकर विदा कर दिया गया कि वह 'सिम्बेलाइन में प्रतीकवाद' विषय पर आगामी व्याख्यान के लिए एक निबंध प्रस्तुत करे, और क्रॉथर ने दरवाजा बंद कर दिया। 'तो, सार्जेंट लुईस?'
लुईस ने उसे सुबह हुई सारी घटना विस्तार से बताई; उसने कोई लाग-लपेट नहीं की और स्वीकार किया कि उसे यह छल पसंद नहीं आया था। क्रॉथर ने ज्यादा हैरानी नहीं दिखाई और वह सिर्फ अपनी पत्नी को लेकर चिंतित लग रहा था।
‘जी महोदय,’ लुईस ने कहा। ‘अगर आप कहते हैं कि आपको उम्मीद थी कि किम्मोंस से कोई आदमी आकर आपके टाइपराइटर को देखेगा, तो इसमें कोई बुराई नहीं है। मैं आपको इस बात का आश्वासन देना चाहता हूं।’
‘क्या तुम मुझसे पूछ नहीं सकते थे?’
जी हाँ, महोदय, हम ऐसा कर सकते थे। लेकिन मुझे पता है कि इंस्पेक्टर मोर्स जितना हो सके कम हंगामा करना चाहते थे।
‘हां, मुझे यकीन है।’ क्रॉथर ने थोड़ी कड़वाहट भरी आवाज़ में कहा। लुईस उठकर जाने लगा। ‘लेकिन क्यों? आपको वहां क्या मिलने की उम्मीद थी?’
'हम यह पता लगाना चाहते थे, महोदय, कि क्या संभव हो सकता है, कि किस मशीन पर एक निश्चित, अह, एक निश्चित संदेश लिखा गया था।'
‘और आपको लगा कि मैं इसमें शामिल था?’
हमें जांच-पड़ताल करनी होगी, महोदय।
'कुंआ?'
‘तो क्या हुआ, महोदय?’
‘क्या आपको वह मिल गया जो आप चाहते थे?’
लुईस असहज लग रहा था। 'जी सर।'

'और?'
‘क्या हम यह कह सकते हैं, महोदय, कि हमें कुछ भी ऐसा नहीं मिला जो हमें दोषी ठहरा सके? यही हमारी स्थिति है, महोदय।’
'आपका मतलब यह है कि आपको लगा था कि मैंने टाइपराइटर पर कुछ लिखा था और अब आपको लगता है कि मैंने नहीं लिखा।'
‘अह, इसके बारे में आपको इंस्पेक्टर मोर्स से पूछना होगा, महोदय।’
लेकिन आपने अभी-अभी कहा कि पत्र पर नहीं लिखा गया था...
‘मैंने यह नहीं कहा कि यह एक पत्र था, महोदय।’
‘लेकिन लोग टाइपराइटर पर भी तो चिट्ठियाँ लिखते हैं, है ना सार्जेंट?’
'जी हां, श्रीमान।'
'सार्जेंट, आप मुझे दोषी महसूस कराने लगे हैं।'
“माफ़ कीजिए, महोदय। मेरा ऐसा करने का इरादा नहीं था। लेकिन हमारे जैसे काम में तो हर किसी पर शक करना ही पड़ता है। मैंने आपको सब कुछ बता दिया है, महोदय। जिस टाइपराइटर की हम तलाश कर रहे हैं, वह आपके घर में नहीं है। लेकिन दुनिया में एक से ज़्यादा टाइपराइटर तो होते ही हैं, है ना, महोदय?”
क्रॉथर ने इस कथन की सत्यता पर कोई आपत्ति नहीं जताई। एक बड़ी खाड़ी वाली खिड़की से दूसरे आंगन की रेशमी घास का शानदार दृश्य दिखाई देता था, जो बिलियर्ड टेबल की तरह चिकनी और हरी थी। खिड़की के सामने एक बड़ी महोगनी की मेज थी, जो कागजों, पत्रों, निबंधों और किताबों से भरी पड़ी थी। और इस साहित्यिक अव्यवस्था के केंद्र में, मेज पर एक बड़ा, प्राचीन, जर्जर टाइपराइटर रखा हुआ था।
किडलिंगटन लौटते समय लुईस सेंट जाइल्स के पेड़ों से घिरे चौड़े रास्ते से गुज़रा और उत्तरी ऑक्सफ़ोर्ड की ओर जाने वाली बैनबरी रोड पर जाने के लिए दाहिनी ओर मुड़ गया। जैसे ही वह अपने दाहिनी ओर स्थित बड़े इंजीनियरिंग ब्लॉक के पास से गुज़रा, उसने गहरे रंग की पैंट और एक भारी कोट पहने एक लंबी महिला को चलते देखा, जो हर कुछ कदम पर अंगूठा दिखा रही थी, मानो वह बेहद निराश और हताश हो। उसके लंबे सुनहरे बाल थे, जो देखने में प्राकृतिक लग रहे थे और उसकी कमर तक पहुँच रहे थे। लुईस को सिल्विया केय की याद आई। बेचारी बच्ची। वह उस गोरी महिला के पास से गुज़रा, ठीक उसी समय जब उसने अपना सिर घुमाया, और उसने पलकें झपकाईं।

हम कैसी दुनिया में रहते हैं! क्योंकि उस खूबसूरत गोरी महिला की दाढ़ी और ठुड्डी तक लंबे बाल थे। दिलचस्प विचार...
जब लुईस ने पहले मोर्स को रिपोर्ट दी थी और हास्यास्पद रूप से शीघ्रता से यह साबित कर दिया था कि जिस पत्र पर मोर्स ने अपना भरोसा टिका रखा था, वह न तो क्रॉथर के निजी टाइपराइटर पर लिखा गया था और न ही क्रॉथर के निजी भंडार से सावधानीपूर्वक चुराए गए किसी भी प्रकार के कागज पर, तो मोर्स अपनी झुंझलाहट छिपा नहीं पाए थे। उस समय उनकी एकमात्र चिंता पुलिस प्रक्रिया में अनियमितता की खामियों को छुपाना थी, और इसी कारण उन्होंने तुरंत लुईस को क्रॉथर से बात करने के लिए भेजा था। दोपहर 1 बजे जब लुईस वापस लौटे, तो मोर्स ने इस मुलाकात की रिपोर्ट को ध्यान से सुना, हालांकि उनमें उत्साह नहीं था।
'तो सार्जेंट, यह सुबह कुछ खास खुशनुमा नहीं है।'
नहीं। मैं दोबारा ऐसा कुछ नहीं करना चाहूंगा, महोदय।
मोर्स ने सहानुभूति जताई। 'मुझे नहीं लगता कि हमने कोई नुकसान किया है, है ना, लुईस? मुझे क्रॉथर की इतनी चिंता नहीं है – वह हमारे साथ ईमानदार तो बिल्कुल नहीं रहा, है ना? लेकिन श्रीमती क्रॉथर... चालाक हो सकती थीं। फिर भी, धन्यवाद।' उन्होंने सच्ची भावना से कहा। 'कोई बात नहीं, महोदय। कम से कम हमने कोशिश तो की।' लुईस को काफी अच्छा लगा।
'एक ड्रिंक लें?' मोर्स ने कहा। दोनों आदमी हल्के मूड में चले गए।
दोनों पुलिसकर्मियों में से किसी को भी यह बात सूझी नहीं थी कि श्रीमती मार्गरिट क्रॉथर जैसी बुद्धिमान और अनुभवी महिला किसी भी अनाड़ी व्यापारी की विश्वसनीयता पर बिना सोचे-समझे और बिना किसी सवाल के विश्वास कर लेंगी। इसके अलावा, श्रीमती क्रॉथर खुद बर्नार्ड से शादी करने से पहले एक गुप्त सचिव थीं; दरअसल, टाइपराइटर उन्हीं का था और उसी सुबह उन्होंने खुद उसी मशीन पर दो पत्र टाइप किए थे, एक अपने पति को और दूसरा इंस्पेक्टर मोर्स को, पता: थेम्स वैली पुलिस मुख्यालय, किडलिंगटन। टाइपराइटर बिल्कुल ठीक था, यह बात उन्हें पता थी; और उन्होंने किम्मोंस टाइपराइटर के उस घबराए हुए आदमी को बर्नार्ड की मेज के दराज खोलते हुए देखा था। उन्हें आश्चर्य हुआ कि वह क्या ढूंढ रहा था, लेकिन उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। थकी-हारी सी मुस्कान के साथ उन्होंने उसके पीछे दरवाजा बंद कर दिया। वह

जल्द ही दोनों पत्र पोस्ट करने के लिए तैयार हो जाएंगी। लेकिन वह पूरी तरह आश्वस्त होना चाहती थीं।
मोर्स दोपहर भर अपने डेस्क पर काम करते रहे। क्रॉथर की कार पर रिपोर्ट आ चुकी थी, लेकिन उससे कुछ खास पता नहीं चला। ड्राइविंग सीट के पीछे फर्श पर एक लंबा, सुनहरे बालों का गुच्छा मिला था, जिस पर खूब परॉक्साइड लगा हुआ था, बस इतना ही। दूसरी लड़की का कोई भी शारीरिक सुराग नहीं मिला। कई अन्य रिपोर्टें भी आईं, लेकिन उनसे भी जांच में कोई खास प्रगति नहीं दिखी। उन्होंने अपना ध्यान दूसरे कामों पर लगाया। उन्हें अगली सुबह मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश होना था: उन्हें कई दस्तावेज और ज्ञापन पढ़ने थे। उनका मन कुछ ठोस जानकारी को समझने के लिए पाकर खुश था और वे समय का ध्यान रखे बिना ही उस सामग्री को पढ़ते रहे। शाम 5 बजे जब उन्होंने अपनी घड़ी देखी तो उन्हें आश्चर्य हुआ कि दोपहर कितनी जल्दी बीत गई। एक और दिन खत्म हो गया - लगभग। कल नया दिन। किसी कारण से उन्हें संतोष महसूस हो रहा था और वे सोचने लगे कि क्या इस संतोष का संबंध वेडनेसडे और सू विडोसन से था।
उसने लुईस को फोन किया, जो घर जाने ही वाला था। हाँ, बिल्कुल, वह साथ आ सकता है। शायद वह अपनी बेचारी पत्नी को फोन कर ले? उसने शायद अभी-अभी खाना बनाना शुरू किया होगा। 'सुनो, लुईस, कि क्रॉथर के कॉलेज के कमरे में एक और टाइपराइटर है। मुझे लगता है हमें जाँच करनी चाहिए। ठीक है?'
'आप जो चाहें, महोदय।'
लेकिन इस बार आप इसे सीधे-सीधे करना चाहेंगे, है ना?
'मुझे लगता है कि यही सबसे अच्छा रहेगा, महोदय।'
‘लुईस, आप जो भी कहें।’
मोर्स लोंसडेल कॉलेज के प्रिंसिपल को अच्छी तरह से जानते थे और उन्होंने तुरंत उन्हें फोन किया। मोर्स के अनुरोध पर लुईस थोड़ा हैरान थे। इस बार प्रिंसिपल वाकई में ठीक से काम कर रहे थे। उन्होंने मोर्स की बात सुनी। ‘कितने टाइपराइटर चाहिए होंगे? हाँ। हाँ। उन्हें मिलाकर... हाँ। उतने ही? लेकिन क्या यह संभव है? खैर, इससे बहुत मदद मिलेगी, बिल्कुल... आप ऐसा ही चाहेंगे? नहीं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता... सप्ताह के अंत तक? अच्छा। बहुत आभारी हूँ। अब ध्यान से सुनिए...’
मोर्स ने अपने निर्देश दिए, अत्यधिक लंबे समय तक धन्यवाद दोहराया, और अंत में फोन मिलने पर अपने सार्जेंट की ओर मुस्कुराते हुए कहा, 'लुईस, वह तो वाकई सहयोगी

व्यक्ति है।'
'उसके पास ज्यादा विकल्प नहीं थे, है ना?'
'शायद नहीं। लेकिन इससे हमारा काफी समय और परेशानी बच जाएगी।'
'आपका मतलब है कि इससे मेरा काफी समय और परेशानी बच जाएगी।'
'लुईस, मेरे दोस्त, हम दोनों एक टीम हैं, है ना?' लुईस ने अनिच्छा से सहमति में सिर हिलाया। 'सप्ताह के अंत तक हमारे पास लोंसडेल कॉलेज के हर टाइपराइटर से सबूत होंगे। क्या कहते हो?'
'क्रॉथर सहित?'
'बिल्कुल।'
'क्या यह थोड़ा आसान नहीं होता...'
'सीधे निशाने पर गोली चलाना? हाँ, ऐसा ही होगा। लेकिन आपने कहा था कि आप यह काम अंग्रेजी कानून के निष्पक्ष सिद्धांतों के अनुसार करना चाहते हैं, है ना? हमारे पास क्रॉथर के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। वह शायद उतना ही निर्दोष है जितना मेरी चाची फ्रेडा।'
चूंकि लुईस ने आंटी फ्रेडा को कभी देखा या सुना नहीं था, इसलिए उन्होंने सीधे टिप्पणी करने से परहेज किया। 'क्या आपको लगता है कि क्रॉथर हमारा आदमी है, महोदय?'
मोर्स ने अपना अंगूठा अपने मुंह के कोने में दबा लिया। 'मुझे नहीं पता, लुईस। मुझे बस नहीं पता।'
'आज मुझे एक विचार आया, महोदय,' लुईस ने कुछ देर रुककर कहा। 'मैंने जिसे देखा, मुझे लगा कि वह एक लड़की है, लेकिन जब मैं उसके पास गया और वह मुड़ी तो वह लड़की नहीं, लड़का था।'
'सार्जेंट, आपने अपनी बात बहुत संक्षेप में समझाई।'
'लेकिन आप जानते हैं की मेरा क्या अर्थ है।'
'हां, मुझे ऐसा लगता है। जब हम लड़के थे, तो हम लड़कों की तरह दिखने की कोशिश करते थे; अगर आप लड़की जैसे दिखते थे तो आपको कमज़ोर समझा जाता था। आजकल तो युवा लड़के आंखों में मेकअप और हैंडबैग लिए घूमते हैं। यह देखकर हैरानी होती है।'
लेकिन मोर्स को उसकी बात पूरी तरह समझ नहीं आई थी और लुईस ने उसे पूरी बात समझाई। वह विचारों का धनी नहीं था, यह बात वह हमेशा से जानता था, और अपना

विचार रखने में उसे बहुत झिझक हो रही थी। 'देखिए महोदय, मैं बस सोच रहा था। हम जानते हैं कि श्रीमती जारमन ने उन दो लड़कियों को देखा था' (उसे आगे बोलने की ज़रूरत नहीं थी, लेकिन मोर्स चुप रहा) 'बस स्टॉप पर। वह ज़रूर सही रही होंगी। उन्होंने उनमें से एक से बात भी की थी और दूसरी लड़की सिल्विया केय थी। ठीक है। अगली बात यह है कि लॉरी ड्राइवर बेकर ने गोलचक्कर के दूसरी तरफ एक लाल कार में एक आदमी को उन लड़कियों को उठाते हुए देखा था। लेकिन अंधेरा हो रहा था। उसने कहा कि वे दो लड़कियां थीं। लेकिन वह गलत भी हो सकता है। मुझे पक्का यकीन है कि मैंने आज सुबह एक लड़की देखी थी - लेकिन मैं गलत था। सब लोग सिल्विया से चकाचौंध हो गए हैं - सबकी निगाहें उसी पर थीं और इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है। लेकिन क्या होगा अगर लॉरी ड्राइवर ने सिल्विया और किसी दूसरे व्यक्ति को देखा हो, और क्या होगा अगर वह दूसरा व्यक्ति लड़की जैसा दिखता हो लेकिन लड़की न हो?' दूसरा व्यक्ति पुरुष भी हो सकता था। याद रखिए, महोदय, श्रीमती जारमन ने जिस दूसरी लड़की को देखा था, उसने स्लैक्स पहनी हुई थी, और बेकर से मिले विवरण इतने सटीक थे कि हमें लगा कि वे दोनों एक ही व्यक्ति होंगे। लेकिन क्या होगा अगर दूसरी लड़की ने अंत में वुडस्टॉक जाने के लिए लिफ्ट न लेने का फैसला किया हो? क्या होगा अगर वह सिल्विया से मिली हो, उसे बताया हो कि वह वुडस्टॉक नहीं जा रही है, और क्या होगा अगर सिल्विया किसी ऐसे व्यक्ति से मिली हो, जिसे वह पहले से जानती हो, जो उसके आने से पहले लिफ्ट का इंतजार कर रहा था, और वे दोनों एक साथ लिफ्ट लेकर चली गई हों। मुझे पता है कि आपने शायद इस बारे में पहले ही सोच लिया होगा, महोदय' (मोर्स ने कोई संकेत नहीं दिया - उन्होंने नहीं सोचा था) 'लेकिन मुझे लगा कि मुझे इसका जिक्र करना चाहिए। हम उस आदमी को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं जिसने यह किया है और मुझे बस लगा कि वह शायद शुरू से ही सिल्विया के साथ कार में था।'

'सार्जेंट, आपको पता है हमारे पास क्रॉथर के सबूत हैं,' मोर्स ने धीरे से कहा।

'जी हां, महोदय। अगर मौका मिले तो मैं उसे दोबारा देखना चाहूंगा। जहां तक मुझे याद है, उन्होंने अपने दूसरे यात्री के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहा था, है ना?'

'नहीं, यह सच है,' मोर्स ने स्वीकार किया। 'और मुझे लगता है कि वह जितना हमें बता रहा है उससे कहीं ज़्यादा जानता है।' वह फाइलिंग कैबिनेट की ओर बढ़ा, अपनी फाइलों से बर्नार्ड क्रॉथर का बयान निकाला, पहला पन्ना पढ़ा, उसे लुईस को दिया, और

उसने दूसरा पन्ना पढ़ा। जब दोनों ने पढ़ लिया, तो वे मेज के ऊपर से एक-दूसरे की ओर देखने लगे।
'तो, महोदय?'
मोर्स ने इसे पढ़कर सुनाया: "सड़क के पास वाली लड़की को मैंने साफ़ देखा। वह आकर्षक थी, उसके लंबे सुनहरे बाल थे, उसने सफ़ेद ब्लाउज़, छोटी स्कर्ट पहनी थी और कोट उसके हाथ में था। दूसरी लड़की कुछ कदम आगे चली गई थी और उसकी पीठ मेरी तरफ़ थी; ऐसा लग रहा था कि वह लिफ़्ट लेने का काम अपनी सहेली पर छोड़कर खुश थी। लेकिन उसके बाल थोड़े गहरे रंग के थे, और अगर मुझे सही याद है तो वह अपनी सहेली से कुछ इंच लंबी थी..." आपको क्या लगता है?
'यह बहुत निश्चित नहीं है, महोदय?'
मोर्स ने दूसरे प्रासंगिक अंश की तलाश की: "'मुझे लगता है कि पीछे बैठी लड़की ने केवल एक बार बात की और वह भी समय पूछने के लिए...' तुम्हें शायद कुछ मिल गया हो, तुम्हें पता है,' मोर्स ने कहा।
लुईस को अपना सिद्धांत पसंद आया। 'मैंने अक्सर सुना है, महोदय, कि जब कोई जोड़ा लिफ्ट मांगता है तो लड़की एक पैर दिखाती है, और लड़का किनारे हट जाता है। आप जानते हैं, अचानक तब सामने आता है जब गाड़ी रुकती है और ड्राइवर के लिए मना करने में बहुत देर हो चुकी होती है।'
'लेकिन यहाँ ऐसा नहीं हुआ, सार्जेंट।'
'नहीं। मुझे पता है, महोदय। लेकिन यह कुछ हद तक मेल खाता है, है ना: "ऐसा लग रहा था कि वह लिफ्ट लेने का काम अपने साथी पर छोड़ने में काफी खुश थी।"' लुईस ने महसूस किया कि उसे अपने साक्ष्य को भी उद्धृत करना चाहिए।
'हम्म। लेकिन अगर आप सही हैं, तो दूसरी लड़की का क्या हुआ?'
'वह घर जा सकती थी, महोदय। कहीं भी जा सकती थी।'
'लेकिन श्रीमती जारमन के अनुसार, वह वुडस्टॉक जाना बहुत बुरी तरह चाहती थी, है ना?'
वह बस स्टॉप तक पहुंच सकती थी।
'कंडक्टर को वह याद नहीं है।'
लेकिन जब हमने उनसे पूछा तो हम दो लड़कियों के बारे में सोच रहे थे, एक के बारे में नहीं।

'हम्म। एक बार फिर से जांच करना बेहतर होगा।'
‘और एक बात, महोदय।’ ज्वार लगातार बढ़ता जा रहा था और मोर्स के भव्य डिजाइन के रेत के महलों को पहले ही अपनी चपेट में ले रहा था।
'हाँ?'
‘मुझे उम्मीद है कि आपको बुरा नहीं लगेगा अगर मैं इसका ज़िक्र करूँ, महोदय, लेकिन क्रॉथर का कहना है कि दूसरी लड़की सिल्विया से कुछ इंच लंबी थी।’ मोर्स कराह उठा, लेकिन लुईस ने ज्वार की तरह निर्दयता से बोलना जारी रखा। ‘अगर मुझे सही याद है तो सिल्विया केय की लंबाई 5' 9" थी। अगर दूसरी लड़की जेनिफर कोल्बी थी तो वह ज़रूर ऊँची एड़ी के जूते पहने होगी, महोदय। उसकी लंबाई तो लगभग 5' 6" ही है, है ना—’
लेकिन क्या तुम नहीं देखते, लुईस? इस तरह की बातों पर वह झूठ बोल सकता है। वह हमें गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। वह उस दूसरी लड़की की रक्षा करना चाहता है।
‘मैं तो बस हमारे पास मौजूद सबूतों के आधार पर ही आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा हूँ, महोदय।’
मोर्स ने सिर हिलाया। उसने गंभीरता से सोचा कि उसे शिक्षक बनना चाहिए - प्राथमिक विद्यालय उसके स्तर के लिए उपयुक्त रहेगा; वर्तनी, उसके विचार में, सबसे सुरक्षित विकल्प होगा। उसने ऊँचाई के बारे में पहले क्यों नहीं सोचा? लेकिन वह जानता था क्यों। ग्रांड डिज़ाइन में क्रॉथर ही दोषी था।
और अब लहरें रेत के आखिरी महल के बेहद करीब पहुँच रही थीं; उन्होंने खाई को भर दिया था और प्राचीर को तोड़ दिया था। शाम के 6 बज रहे थे, और लुईस के चिप्स का दूसरा बैच ठंडा हो रहा था।
मोर्स लंगड़ाते हुए लुईस के साथ इमारत से बाहर निकले और दोनों सार्जेंट की कार के पास खड़े होकर कई मिनट तक बातें करते रहे। लुईस को ऐसा लग रहा था जैसे वह मोर्स के कथित प्राथमिक विद्यालय का कोई छात्र हो जिसने अपने गुरु को किसी सरल शब्द की वर्तनी में गलती पकड़ ली हो, और वह उस छोटी सी बात का ज़िक्र करने में हिचकिचा रहा था जो कई दिनों से उसके मन में थी। क्या उसे इसे कल के लिए टाल देना चाहिए? लेकिन वह जानता था कि मोर्स का अदालतों में एक व्यस्त दिन था। फिर भी उसने बोलना शुरू कर दिया।

‘सर, आपको वह पत्र याद है, जो जेनिफर कोल्बी को संबोधित था?’
मोर्स को यह बात मुंह ज़बानी याद थी। 'इसमें क्या है?'
‘क्या मूल प्रति पर कुछ उंगलियों के निशान हो सकते थे?’
मोर्स ने सवाल सुना और दूर कहीं खाली निगाहों से देखने लगा। अंत में उसने उदास होकर सिर हिलाया। 'अब बहुत देर हो चुकी है।'
जैसे-जैसे समय बीतता गया, प्राथमिक विद्यालय की संभावना और भी पुख्ता होती गई। रेत का महल लड़खड़ाता हुआ आगे बढ़ा और गिरने ही वाला था। अब किसी और को ज़िम्मेदारी लेनी थी; उसे आयुक्त से मिलना था।
एक पुलिस कार उससे कुछ ही गज की दूरी पर रुक गई। 'क्या आपको कुछ मदद चाहिए, महोदय?'
‘मैं ठीक हूँ, धन्यवाद।’ मोर्स ने अपनी उदासी को दूर भगाते हुए कहा। ‘मैं अगले हफ्ते ट्रेनिंग पर वापस आ जाऊँगा। अगले घरेलू मैच में आप मुझे मुख्य टीम के स्क्वाड में देखेंगे।’
कांस्टेबल हँस पड़ा। ‘वैसे तो थोड़ी परेशानी तो है। खासकर तब जब आप गाड़ी चलाना नहीं जानते।’
मोर्स अपनी कार के बारे में लगभग भूल ही गया था। एक हफ्ते से ज़्यादा समय से वह बंद पड़ी थी। 'कांस्टेबल, मेरे साथ आगे बैठ जाइए, क्या आप बैठेंगे? अब तो मुझे भी कोशिश करनी चाहिए।' वह ड्राइविंग सीट पर चढ़ा, अपने दाहिने पैर को ब्रेक और एक्सीलरेटर पर हिलाया, ब्रेक पैडल पर मजबूती से पैर रखा और तय किया कि वह इसे संभाल लेगा। उसने इंजन स्टार्ट किया, यार्ड का चक्कर लगाया, सही काम करने की अपनी क्षमता का परीक्षण किया, गाड़ी रोकी, बाहर निकला और ऐसे मुस्कुराया जैसे किसी अनाथ बच्चे को टेडी बियर मिल गया हो।
'बुरा नहीं है, है ना?' कांस्टेबल ने मोर्स को इमारत में प्रवेश करने और उसके कार्यालय तक ले जाने में मदद की।
‘आप कल फिर से अपनी कार का इस्तेमाल कर पाएंगे, है ना महोदय?’
‘मुझे लगता है मैं ऐसा करूँगा,’ मोर्स ने कहा।
वह बैठ गया और कल के बारे में सोचने लगा। कमिश्नर। दोपहर का समय सबसे अच्छा रहेगा, शायद। उसने कमिश्नर के नंबर पर फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। शाम को उसकी किसी और से भी मुलाकात थी। वह सू विडोसन से मिलने के लिए

उत्सुक था - दिखावा करने का कोई फायदा नहीं था। लेकिन उसने सब गड़बड़ कर दिया था। वाकई, 'बर्ड एंड बेबी' वाली बात! आखिर उसने उसे एलिजाबेथ या सोरबोन या शेरिडन में क्यों नहीं बुलाया? और किसी भी सभ्य आदमी की तरह उसे लेने का इंतजाम क्यों नहीं किया? जेनिफर कोल्बी को धिक्कार है! हालांकि, अभी भी देर नहीं हुई थी, है ना? वह अब तक घर आ गई होगी। उसने अपनी घड़ी देखी: शाम 6:30 बज रहे थे, ऑक्सफोर्ड मेल उसकी मेज पर पड़ा था और उसने मनोरंजन पृष्ठ पर नजर डाली। उसने देखा कि 'हॉट पैंट्स एंड डैनिश ब्लू' को 'जनता की मांग पर' दूसरे हफ्ते के लिए भी रखा गया था। वह उसे सिनेमा ले जा सकता था, बेशक। शायद स्टूडियो 2 में नहीं। रेस्टोरेंट। वहां कुछ खास नहीं था। तभी उसकी नज़र शेरिडन डिनर डांस पर पड़ी। 'शेरिडन डिनर डांस: डबल टिकट – 6 पाउंड। शाम 7:30 से 11:30 बजे तक। बार की सुविधा। अनौपचारिक पोशाक।' उसने शेरिडन को फोन किया। जी हां, कुछ डबल टिकट अभी भी उपलब्ध थे, लेकिन उसे आज रात ही लेने होंगे। क्या वह लगभग पंद्रह मिनट बाद दोबारा फोन कर सकता है? जी हां। वे उसके लिए एक डबल टिकट आरक्षित रखेंगे।

जेनिफर कोल्बी का टेलीफोन नंबर फाइल में कहीं था और उसने जल्द ही उसे ढूंढ लिया। उसने सोचा कि उसे क्या कहना चाहिए। 'मिस विडोसन - यही सबसे अच्छा रहेगा।' उसे उम्मीद थी कि सू फोन उठाएगी।

Brr. Brr. He felt excited. Fool.

'जी?' एक छोटी लड़की की आवाज, लेकिन किसकी? फोन में कटकटाहट सुनाई दी।

क्या यह ऑक्सफोर्ड 54385 है?

'जी हाँ, यही है। क्या मैं आपकी मदद कर सकती हूँ?' मोर्स का दिल बैठ गया। यह निस्संदेह जेनिफर कोल्बी की शांत, स्पष्ट आवाज़ थी। मोर्स ने किसी अधूरी कोशिश से ऐसे बोलने का नाटक किया जैसे वह मोर्स न हो। 'अगर मिस विडोसन यहाँ हों, तो कृपया मैं उनसे बात करना चाहता हूँ।'

'हां, वह है। मैं किसे बताऊं कि फोन आ रहा है?'

'ओह, उसे बता देना कि यह उसकी पुरानी स्कूल की सहेलियों में से एक है,' उस कर्कश आवाज ने जवाब दिया।

'इंस्पेक्टर मोर्स, मैं उसे तुरंत ले आता हूँ।'

‘सू! सू-यू!’ उसने उसे चिल्लाते हुए सुना। ‘लाइन पर तुम्हारी एक पुरानी स्कूल की दोस्त है!’
'नमस्ते। यहां सू विडोसन।'
‘हैलो।’ मोर्स को समझ नहीं आ रहा था कि खुद को क्या कहें। ‘मोर्स बोल रहा हूँ। मैं बस यह जानना चाहता था कि क्या आप कल रात ड्रिंक के बजाय शेरिडन में आना चाहेंगे? वहाँ डिनर-डांस है और मेरे पास टिकट हैं। आपका क्या ख्याल है?’
‘यह बहुत अच्छा होगा।’ मोर्स को उसकी आवाज़ पसंद आई। ‘बिल्कुल शानदार। मेरे कई दोस्त जा रहे हैं। बहुत मज़ा आएगा।’
ओह नहीं! मोर्स ने सोचा। 'उम्मीद है, ज्यादा लोग नहीं होंगे। मैं तुम्हें बहुतों के साथ साझा नहीं करना चाहता, तुम्हें पता है।' उसने भारी मन से हल्के से कहा।
'हाँ, काफी सारे,' सू ने स्वीकार किया।
चलिए इसे किसी और जगह पर आयोजित करते हैं, क्या आप कोई जगह जानते हैं?
'अरे, हम ऐसा नहीं कर सकते। वैसे भी आपके पास टिकट हैं। हम इसका आनंद लेंगे - आप खुद देख लेंगे।'
मोर्स सोच रहा था कि क्या वह कभी सच बोलना सीख पाएगा। 'ठीक है। अब मैं आपको लेने आ सकता हूँ, अगर आप चाहें। क्या यह आपको ठीक लगेगा?'
‘ओह, जी हाँ, कृपया। जेनी मुझे अपनी कार से कुचलने वाली थी – लेकिन अगर आप...’
‘ठीक है। मैं आपको 7.15 बजे लेने आऊंगा।’
‘तो ठीक है, 7.15 बजे। क्या लंबी पोशाकें पहननी हैं?’ मोर्स को पता नहीं था। ‘कोई बात नहीं – मैं आसानी से पता लगा सकती हूँ।’
मोर्स ने सोचा, 'निश्चित रूप से यह तुम्हारे कई दोस्तों में से किसी एक की तरफ से होगा।'
'अच्छा। मुझे इसका इंतजार रहेगा।'
‘मैं भी।’ उसने रिसीवर नीचे रख दिया और मोर्स की ओर से प्यार भरी विदाई अनकही रह गई। क्या वह सचमुच इसके लिए उत्सुक था? ये चीज़ें अक्सर थोड़ी निराशाजनक होती हैं। फिर भी, इससे उसे अच्छा लगेगा। या उसके साथ जो होना चाहिए, वही होगा। उसे ज़्यादा परवाह नहीं थी। उसे वैसे भी अच्छा खाना मिल जाएगा, और किसी जवान लड़की को फिर से अपनी बाहों में लेकर झूमना अच्छा लगेगा... अरे! वह तो यह सब भूल ही गया था। वह पागल हो रहा था, कितना बेवकूफ और नासमझ था वह। वह न तो खूबसूरत मिस विडोसन को किसी स्वप्निल वाल्ट्ज़ के आनंद में शामिल होने के लिए

आमंत्रित कर सकता था, न ही किसी रब्बी को सूअर के मांस की थाली में आमंत्रित कर सकता था। वह लंगड़ाते हुए पूछताछ डेस्क पर पहुँचा। 'सार्जेंट, मेरे लिए एक गाड़ी का इंतज़ाम कीजिए।'
कुछ ही मिनटों में एक आ जाएगा, महोदय। हमें जाना होगा...
'सार्जेंट, मुझे अभी एक गाड़ी दिलवाइए। और मेरा मतलब है, अभी।' आखिरी शब्द खुले हॉल में गूंज उठा और कई लोगों ने मुड़कर देखा। डेस्क सार्जेंट ने फोन उठाया। 'मैं बाहर इंतजार कर रहा हूँ।'
'क्या आपको कोई मदद चाहिए, महोदय?' डेस्क सार्जेंट एक दयालु व्यक्ति थे और इंस्पेक्टर को कई वर्षों से जानते थे। मोर्स डेस्क के पास इंतजार कर रहे थे। वे खुद से नाराज़ थे और इसके कई कारण थे। लेकिन उन्हें यह समझ नहीं आ रहा था कि वे अपने पुराने दोस्त पर अपना गुस्सा क्यों निकाल रहे हैं। उन्होंने अपने स्वार्थ और असभ्यता को कोसा।
'जी हां, सार्जेंट, मुझे कुछ मदद की जरूरत है।' आज मोर्स का दिन अच्छा नहीं था।

अध्याय सत्रह

बुधवार, 13 अक्टूबर, सुबह

बुधवार की सुबह तड़के ऑक्सफोर्ड इलाके में एक भयंकर तूफान आया, जिसने चिमनियों को तोड़ दिया, टेलीविजन के एंटेना गिरा दिए और छतों की टाइलें उखाड़ दीं। सुबह 7:00 बजे के समाचार में ऑक्सफोर्ड के किडलिंगटन में तबाही का ब्योरा दिया गया, जहां श्रीमती विनीफ्रेड फिशर बाल-बाल बचीं जब एक गैराज की छत टूटकर ऊपर की खिड़की से टकरा गई। उन्होंने कहा, 'मैं इसका वर्णन नहीं कर सकती। भयानक।' बिस्तर के पास वाली मेज पर पोर्टेबल रेडियो, टेलीफोन और अलार्म घड़ी रखी थी, जिसने सुबह 6:50 बजे मोर्स को एक लंबी, शांतिपूर्ण नींद से जगा दिया था।
समाचार समाप्त होते ही वह बिस्तर से उठा और पर्दों के पीछे से झाँका। कम से कम उसका अपना गैराज तो सही-सलामत लग रहा था। अजीब बात यह थी कि तूफान ने उसे जगाया नहीं था। धीरे-धीरे कल की घटनाओं की याद उसके मन में घर कर गई और

उसके दिमाग की गहराई में एक भारी तलछट की तरह जम गई। नींद में उसकी रक्षा करने वाले देवदूतों के सपने गायब हो गए थे और वह अपने बिस्तर के किनारे बैठा अपनी ठुड्डी पर उगी खुरदरी दाढ़ी को सहला रहा था और सोच रहा था कि आज का दिन क्या लेकर आएगा। जैसे-जैसे मामला आगे बढ़ता गया, उसके मनोदशाओं का ग्राफ एक ऊबड़-खाबड़ पर्वत श्रृंखला की तरह दिखने लगा, जिसमें चोटियाँ और घाटियाँ, गर्त और उल्लास थे।

पौने आठ बजे तक वह दाढ़ी बना चुका था, नहा-धोकर कपड़े पहन चुका था और तरोताज़ा व आत्मविश्वासी महसूस कर रहा था। उसने रात को पी गई हॉर्लिक्स की बची हुई बूंदें मुंह से निकालीं, रात को पी गई व्हिस्की का गिलास साफ किया, केतली में पानी भरा और अपना ध्यान एक बड़ी समस्या की ओर मोड़ा।

पिछले कुछ दिनों से वह अपने ज़ख्मी पैर पर ढीले-ढाले, एड़ी से कटे हुए, बड़े साइज़ के सफ़ेद प्लिमसोल जूते पहने हुए था। अब सामान्य जूते पहनने का समय आ गया था। वह ऐसे अजीब जूतों में दरबार में जाने से कतरा रहा था और उसे यकीन नहीं हो रहा था कि मिस विडोसन नृत्य में ऐसे आधे-अधूरे प्लिमसोल वाले साथी को देखकर खुश होंगी। उसके पास सिर्फ़ दो जोड़ी जूते थे और मोज़ों का स्टॉक भी बहुत कम था; और इतने सीमित विकल्पों के साथ, उस दिन ठीक से जूते पहनना लगभग नामुमकिन था। उसने अपने पुराने, घिसे-पिटे प्लिमसोल जूते फिर से पहन लिए और अपने पसंदीदा स्टोर एम एंड एस से एक बड़े साइज़ के जूते खरीदने का फैसला किया। आज का दिन काफ़ी खर्चीला होने वाला था। उसने एक कप चाय पी और खिड़की से बाहर देखा। उसके कूड़ेदान का ढक्कन सामने के गेट से टिका हुआ था और चारों तरफ़ कूड़ा बिखरा हुआ था। उसे छत की टाइलों पर एक नज़र डालनी चाहिए...

बीते दिनों को याद करते हुए उसे लगा कि कल की घटनाओं को उसने पूरी तरह से गलत समझा था; वह पेड़ों के बहुत करीब खड़ा था, और अब उसे फिर से वही जाना-पहचाना जंगल दिखाई दे रहा था, भूलभुलैया जैसा, बेशक पहले जैसा ही – लेकिन फिर भी वही। वह अपने पुराने दृढ़ निश्चय को महसूस कर रहा था, या लगभग वैसा ही। लेकिन उसने जो कठोर कदम उठाने का सोचा था – उसका क्या? उसे फिर से विचार करना होगा; उसके मन में एक और तात्कालिक समस्या थी। उसकी कलम, उसकी कंघी और उसका बटुआ कहाँ थे? हैरानी से, और गहरी राहत के साथ, उसने उन सभी को बेडरूम के मेंटलपीस पर एक ही ढेर में पाया।

वह भरोसेमंद पुरानी लैंसिया अभी भी वहीं थी। यह एक अच्छा सौदा साबित हुई थी। शक्तिशाली, भरोसेमंद, और एक फुल टैंक में 300 मील तक चलती थी। उसने इसे बदलने के बारे में कई बार सोचा था, लेकिन कभी हिम्मत नहीं जुटा पाया। उसने ड्राइवर सीट के दरवाजे और गैरेज की सफेदी की हुई दीवार के बीच की तंग जगह में खुद को आराम से बिठाया। यह हमेशा एक मुश्किल काम होता था और वह दुबला भी नहीं हो रहा था। लेकिन फिर से स्टीयरिंग व्हील पर बैठना अच्छा लगा। उसने पुरानी कार को सामान्य से थोड़ा ज़्यादा चोक दिया - आखिरकार वह एक हफ्ते से खड़ी थी - और स्टार्टर दबाया। चटर... चटर... चटर... चटर... नहीं। थोड़ा और चोक? लेकिन उसे इंजन में ज़्यादा पेट्रोल नहीं डालना चाहिए। फिर से। चटर... चटर... चटर... चटर... चटर... अजीब। उसे पहले कभी इतनी दिक्कत नहीं हुई थी। लेकिन तीसरी बार किस्मत साथ देगी। चटर... चटर... ... चटर... बैटरी थोड़ी कम हो रही होगी। अरे बाप रे! इसे एक-दो मिनट आराम करने दो। इसे सांस लेने दो। इस बार, ठीक है! चटर... चटर... धत् तेरे की! एक बार फिर। चट... 'मेरी किस्मत ही खराब है,' उसने मन ही मन कहा। 'मैं इसके बिना कैसे चल-फिर पाऊंगा...' वह रुक गया और अनजाने में कांप उठा। उसके मन में एक धुंधली सुबह हो रही थी और सुबह के बैंगनी रहस्य उगते सूरज की किरणों से जगमगा रहे थे। 'उस सुबह में जीवित रहना कितना आनंददायक था!' वर्ड्सवर्थ की कविता थी, है ना? पिछले हफ्ते टाइम्स के क्रॉसवर्ड में थी। लहरें आखिरकार किनारे से पीछे हट रही थीं। लहरों की सफेद चोटियाँ लगातार और बिना थके किनारे की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन उनकी ताकत खत्म हो चुकी थी। उसने अपने सामने भव्य रचना देखी और आखिरी छोटा सा रेत का किला शक्तिशाली समुद्र से बच गया था।

ऑक्सफ़ोर्ड में बार्कर के गैराज के मैनेजर इंस्पेक्टर मोर्स के विनम्र व्यवहार से इतने प्रभावित हुए कि दस मिनट में ही नई बैटरी भेज दी गई और पंद्रह मिनट में लगा दी गई। आसमान में ऊँचे-ऊँचे सफ़ेद बादल थे और सूरज चमक रहा था। मौसम बिल्कुल सुहाना था, जैसा कि जेन ऑस्टेन ने कहा होगा। मोर्स ने कूड़ेदान का ढक्कन उठाया और अपने बगीचे से सारा कूड़ा बड़े ध्यान से इकट्ठा किया।

आज सुबह, माइकलमास सत्र के तीसरे पूरे दिन, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय शहर में काफी चहल-पहल थी। प्रथम वर्ष के स्नातक छात्र, अपने कंधों पर चमकीली नई कॉलेज स्कार्फ डाले, उत्सुकता से ब्रॉड की किताबों की दुकानों का पता लगा रहे थे, और थोड़ा संकोच के साथ हाई स्ट्रीट से होते हुए भीड़भाड़ वाले कॉर्नमार्केट, वूलवर्थ्स और मार्क्स

एंड स्पेंसर में जा रहे थे, और फिर अपनी पसंद के अनुसार पास के पब और कॉफी शॉप में पहुँच रहे थे। दोपहर 1 बजे, मोर्स एम एंड एस के तहखाने में स्थित पुरुषों के जूते के सेल्फ-सर्विस विभाग में एक कुर्सी पर बैठे थे। वे आम तौर पर 8 नंबर के जूते पहनते थे, लेकिन अब धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ प्रयोग कर रहे थे। 9 नंबर का जूता उन्हें कुछ खास काम का नहीं लग रहा था, और जूते के काउंटर और अपनी चुनी हुई कुर्सी के बीच मोजे पहने पैरों को काफी घुमाने के बाद, उन्होंने 10 नंबर के काले चमड़े के स्लिप-ऑन जूते चुने। वे बहुत बड़े लग रहे थे और जाहिर तौर पर लंबे समय में बेकार साबित हो सकते थे। लेकिन किसे परवाह थी? वे अपने बाएं पैर में दो जोड़ी मोजे पहन सकते थे। जिससे उन्हें एक बात याद आई। उसने जूतों के पैसे चुकाए, अपने प्लिमसोल को ठीक किया, जिससे एक बड़ी, उदास दिखने वाली कैशियर, जो खुद शायद 10 नंबर के जूते पहनती हो, काफी हैरान रह गई। फिर वह मोजे की दुकान पर गया जहाँ उसने हल्के मोजों के आधे दर्जन भड़कीले जोड़े खरीदे। अगर वह चल पाता, तो हल्के कदमों से कॉर्नमार्केट की ओर निकल जाता। गाड़ी ठीक थी, अदालती कार्यवाही खत्म हो चुकी थी, और मामला ज़ोरों से चल रहा था।
अन्य लोग भी खरीदारी कर रहे थे। आज सुबह व्यापार खूब फल-फूल रहा था, और केवल ऑक्सफोर्ड शहर के केंद्र में स्थित मुख्य सड़कों के बड़े-बड़े स्टोरों में ही नहीं। लगभग उसी समय जब विशालकाय मोर्स ने अपनी खरीदारी को बगल में दबा लिया, बॉटली रोड के पीछे की जर्जर गली में एक और त्वरित, सरल लेन-देन हो रहा था, और यह कहा जा सकता है कि कम से कम इस बार जॉन सैंडर्स ने बेहतर सौदा किया था।

अध्याय अठारह

बुधवार, 13 अक्टूबर, दोपहर।

लोंसडेल कॉलेज में बुधवार, 13 तारीख को माइकलमास सत्र की पहली पूरी अतिथि रात्रि थी और बर्नार्ड क्रॉथर सामान्य से थोड़ा पहले घर से निकल गए। शाम 6.15 बजे उन्होंने पीटर न्यूलव के कमरे का दरवाजा खटखटाया और बिना किसी जवाब का इंतजार किए अंदर चले गए।

‘क्या तुम हो, बर्नार्ड?’
'यह मैं हूं।'
‘अपने लिए एक ड्रिंक बना लो। बस एक मिनट लगेगा।’
बर्नार्ड लॉज के पास से गुज़रते हुए अंदर आया और उसने अपने कबूतरखाने से तीन पत्र उठाए। उसने दो पत्रों को बेतरतीब ढंग से खोला और जल्दी से अपनी जैकेट की जेब में रख लिया। तीसरे पत्र पर 'गोपनीय' लिखा था और उसमें 'प्रिंसिपल की ओर से' का एक कार्ड था।
वुडस्टॉक में हाल ही में हुई हत्या की जांच के दौरान पुलिस एक टाइप किए हुए पत्र के स्रोत का पता लगाने के लिए उत्सुक है, जो उनके कब्जे में आया है और जिसे वे अपनी जांच में महत्वपूर्ण सबूत मानते हैं। पुलिस ने मुझे कॉलेज के सभी टाइपराइटरों की जांच करवाने का निर्देश दिया है और मैं अपने सभी सहयोगियों से इस अनुरोध का पालन करने का आग्रह करता हूं। कोषाध्यक्ष ने यह जिम्मेदारी लेने पर सहमति जताई है और मेरा और उप-प्रधानाचार्य का भी यही मानना है कि हमें इस उचित अनुरोध को सहर्ष स्वीकार करना चाहिए। इसलिए मैंने हत्या की जांच का नेतृत्व कर रहे मुख्य निरीक्षक मोर्स को सूचित किया है कि हम कॉलेज के सदस्य के रूप में हर संभव तरीके से सहयोग करने के लिए पूरी तरह तत्पर हैं। कोषाध्यक्ष के पास कॉलेज के सभी टाइपराइटरों की सूची है; लेकिन कुछ छात्रों के कमरों में निजी टाइपराइटर हो सकते हैं, और मैं अनुरोध करता हूं कि उनके बारे में जानकारी तुरंत कोषाध्यक्ष को दी जाए। आपकी सहायता के लिए धन्यवाद।
‘क्या हाल है, बर्नार्ड? क्या तुम कुछ पीना नहीं चाहोगे?’ पीटर बाथरूम से अंदर आया और अपने कम होते बालों को कंघी से संवारने लगा।
क्या आपने इनमें से कोई खाया है?
'मुझे वास्तव में हमारे आदरणीय और पूजनीय प्रधानाचार्य से एक संदेश प्राप्त हुआ है, यदि आपका यही मतलब है।'
'ये सब किसके बारे में हैं?'
'पता नहीं, प्यारे बच्चे। लेकिन यह रहस्यमय है, है ना?'
‘वह बड़ी जांच कब होने वाली है?’
‘भुगतान का समय? हो गया। कम से कम मेरा तो हो गया। छोटी बच्ची आज दोपहर आई थी - ज़ाहिर है, कोषाध्यक्ष के साथ। उसने कुछ रहस्यमय संदेश टाइप किया और फिर

चली गई। सच में अफ़सोस। प्यारी सी बच्ची थी। मुझे छात्रवृत्ति विभाग में थोड़ा और समय बिताने की कोशिश करनी चाहिए।'
मुझे डर है कि मैं खुद ज्यादा मदद नहीं कर पाऊंगा। मेरी वह घटिया चीज मध्य युग में बनी थी और उसमें छह महीने से एक भी रिबन नहीं लगा है। मुझे लगता है कि इसे "जाम" कहते हैं।
'अच्छा, अब एक संदिग्ध कम हो गया, बर्नार्ड। अब तुम ड्रिंक लोगे या नहीं?'
क्या आपको नहीं लगता कि आज रात हमारे पास पर्याप्त शराब होगी?
'नहीं, प्यारे बेटे, मेरे पास नहीं है।' पीटर बैठ गया और उसने महंगे, भारी भूरे रंग के ब्रोग शूज़ पहने: साइज़ 10 के, लेकिन मार्क्स एंड स्पेंसर के सेल्फ-सर्विस शू डिपार्टमेंट से नहीं खरीदे गए।
'मुझे लगता है कि हमारे पास बस थोड़ी देर के लिए ही समय है।' शाम के लगभग 7:30 बज रहे थे। 'आप क्या लेना चाहेंगे?'
'मेरे लिए ड्राई शेरी, कृपया। मुझे बस एक मिनट लगेगा। मुझे अपना मेकअप ठीक करना है।' वह क्लोकरूम की ओर चली गई। लाउंज बार में कुछ ही लोग थे और मोर्स को तुरंत ड्रिंक्स परोसी गईं, वह ड्रिंक्स लेकर कमरे के कोने में गई और बैठ गई।
शेरिडन ऑक्सफोर्ड के होटलों में सबसे शानदार था और रंगमंच, सिनेमा, खेल और टेलीविजन जगत के अधिकांश सितारे सेंट जाइल्स के पास स्थित इस भव्य, विशाल, पत्थर की इमारत में ही ठहरते थे। फुटपाथ पर एक धारीदार चंदवा फैला हुआ था और घूमने वाले दरवाजों से सड़क की ओर जाने वाली छोटी सीढ़ियों पर चमकती हुई नेमप्लेट के बगल में एक नौकर खड़ा था। मोर्स को शक था कि होटल प्रबंधन ने कहीं न कहीं लाल कालीन लपेटकर रखा होगा। हालांकि आज शाम उसे बिछाया नहीं गया था; दरअसल, होटल के संकरे आंगन में उन्हें पार्किंग की कोई जगह नहीं मिली थी और उन्हें अपनी कार सेंट जाइल्स के किनारे पार्क करनी पड़ी थी। शायद यह अच्छी शुरुआत नहीं थी, और दोनों ने एक-दूसरे से ज्यादा बात नहीं की थी।
जब वह वापस आई तो उसने उसे देखा। उसने अपना कोट उतार दिया था और बड़ी शान से उसकी ओर चल पड़ी थी, उसकी लंबी गहरे लाल रंग की मखमली पोशाक उसके सुडौल शरीर की बनावट को खूबसूरती से उभार रही थी। अचानक, उसके दिल की धड़कन तेज़ हो गई, उनकी नज़रें मिलीं और वह मुस्कुराई। वह उसके बगल में बैठ

गई और उसे फिर से उसी एहसास का अनुभव हुआ, जैसा कि कार में उसके बगल में बैठने पर हुआ था, उसके इत्र की अनोखी और मनमोहक खुशबू का।
‘शुभकामनाएं, सू।’
'शुभकामनाएं, इंस्पेक्टर।'
उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि इस नाम की समस्या का क्या करें। उन्हें ऐसा लग रहा था जैसे कोई बूढ़ा शिक्षक अपने किसी पुराने छात्र से मिल रहा हो और हर दूसरे वाक्य में 'सर' सुनकर शर्मिंदा हो रहा हो, और फिर भी उसे यह दिखावा लग रहा हो कि ऐसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने 'इंस्पेक्टरों' को जाने दिया। बेशक, हालात बदल सकते थे। मोर्स ने उन्हें सिगरेट की पेशकश की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। जब वह अपनी शेरी पी रही थीं, मोर्स ने उनकी लंबी और करीने से सजी उंगलियों पर ध्यान दिया: न कोई अंगूठी, न कोई नेल पॉलिश। उन्होंने उनसे उनके दिन के काम के बारे में पूछा और उन्होंने उन्हें बताया। बातचीत थोड़ी तनावपूर्ण थी। उन्होंने अपने पेय समाप्त किए और लाउंज से बाहर निकलकर इवांस रूम की सीढ़ियों पर चढ़ गए। सीढ़ियाँ चढ़ते समय सू ने अपनी पोशाक को थोड़ा ऊपर उठाया, और मोर्स अपने दाहिने जूते की जकड़न को भूलने की कोशिश कर रहे थे और जूते को पूरी तरह से गिरने से रोकने के लिए अपने बाएं पैर को तेज़ी से मोड़ रहे थे।
कमरा शांत और सुरुचिपूर्ण ढंग से सजाया गया था: एक छोटे, पॉलिश किए हुए डांस फ्लोर के चारों ओर नियमित अंतराल पर मेजें लगी थीं, सफेद मेज़पोशों पर चांदी के चम्मच-कांटे चमक रहे थे और प्रत्येक मेज पर एक लाल मोमबत्ती जल रही थी, जिसकी नीली और पीली लौ पतली होती जा रही थी, लगभग उतनी ही सुंदर, जितनी मोर्स को सू विडोसन स्वयं लग रही थी। कई जोड़े पहले से ही बैठे थे और मोर्स को दुखद रूप से यह स्पष्ट हो गया कि उसके कुछ दुखी दोस्त भी उनमें शामिल थे। एक छोटा सा बैंड कोई धीमी धुन बजा रहा था जो मन में गूंज रही थी और जैसे ही उन्हें उनकी मेज पर ले जाया गया, एक युवा जोड़ा खुशी-खुशी और बेफिक्र होकर एक-दूसरे की आंखों में गहराई से खोया हुआ मंच पर आ गया।
‘क्या आप पहले भी यहाँ आ चुके हैं?’
सू ने सिर हिलाया, और मोर्स ने अपनी निगाहें उस युवा जोड़े पर टिकाए रखीं और अपनी कल्पना को बहुत अधिक उड़ान न देने का फैसला किया। एक वेटर मेनू लेकर उनके पास आया, और मोर्स ने इस बदलाव का आनंद लिया।

क्या वे साथ में शराब भी देते हैं?
हम दोनों मिलकर एक बोतल लेंगे।
'बस इतना ही?'
क्या यह काफी नहीं है?
'खैर, यह एक खास अवसर है, है ना?' सू ने कोई निश्चित जवाब नहीं दिया। 'शैम्पेन की एक बोतल कैसी रहेगी?'
'तुम्हें मुझे घर तक छोड़ना होगा, याद है ना?'
हम टैक्सी ले सकते हैं।
'आपकी कार का क्या हुआ?'
'शायद पुलिस इसे उठा ले।' सू हँसी और मोर्स ने उसके सफेद दाँत और भरे हुए होंठ देखे। 'क्या कहती हो?'
'मैं आपके हाथों में हूँ, इंस्पेक्टर।' काश, वह मन ही मन सोच रहा था।
अब कई अन्य जोड़े भी नाच रहे थे और सू उन्हें देख रही थी। 'क्या आपको नाचना पसंद है?' सू ने नाचने वालों पर अपनी नज़रें टिकाए रखीं और सिर हिलाया। एक आकर्षक युवक ने उनकी ओर हाथ हिलाया।
''लो सू। सब ठीक है?' सू ने अभिवादन में हाथ उठाया।
'वह कौन है?' मोर्स ने आक्रामक लहजे में पूछा।
'डॉक्टर आयर्स। वो रेडक्लिफ होटल में काम करने वाले नौकरों में से एक हैं।' वह इस दृश्य को देखकर मानो सम्मोहित हो गई थी। लेकिन शैम्पेन आते ही वह मोर्स की ओर मुड़ गई और थोड़ी देर बाद बातचीत सहज हो गई। मोर्स ने जितना हो सके दोस्ताना और दिलचस्प अंदाज़ में बातें कीं और सू काफी सहज महसूस कर रही थी। उन्होंने अपना खाना ऑर्डर किया और मोर्स ने शैम्पेन का एक और गिलास भर दिया। बैंड बंद हो गया; कमरे में बैठे जोड़ों ने कुछ सेकंड के लिए बेमन से ताली बजाई और किनारे की मेजों पर चले गए। डॉक्टर आयर्स और उनकी सजी-धजी युवा प्रेमिका मोर्स की मेज की ओर बढ़े और सू उन्हें देखकर खुश हुई।
'डॉक्टर आयर्स, ये इंस्पेक्टर मोर्स बोल रहे हैं।' दोनों ने हाथ मिलाया। 'और ये सैंड्रा हैं। सैंड्रा, ये इंस्पेक्टर मोर्स बोल रहे हैं।' पता चला कि उदास आँखों वाली सैंड्रा भी एक नर्स थी और रेडक्लिफ अस्पताल में सू के साथ काम करती थी। बैंड ने फिर से अपना मधुर संगीत बजाना शुरू कर दिया।

'इंस्पेक्टर, क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं सू के साथ थोड़ा नाच लूँ?'
'बिल्कुल नहीं,' मोर्स मुस्कुराया। 'तुम घटिया, लंपट डॉक्टर।' सैंड्रा बैठ गई और अपनी आँखों में स्पष्ट रुचि लिए मोर्स को देखने लगी।
उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत खेद है कि मैं आपको नृत्य के लिए आमंत्रित नहीं कर सकता, लेकिन मेरे पैर में चोट लग गई है। हालांकि, अब लगभग ठीक हो गया है।'
सैंड्रा के चेहरे पर सहानुभूति झलक रही थी। 'हे भगवान! यह कैसे हुआ?'
पिछले सात दिनों में पचासवीं बार मोर्स ने अपने इस कारनामे की घटनाओं को दोहराया। लेकिन उसका सारा ध्यान सू पर था। जब वह नौकर को कमरे तक छोड़ने गई, तो उसे कोलरिज की याद आ गई:
दुल्हन हॉल में प्रवेश कर चुकी है।
वह गुलाब की तरह लाल है।
वह उन्हें नाचते हुए देख रहा था; उसने देखा कि सू की बाहें अपने साथी की गर्दन के चारों ओर कसकर लिपटी हुई थीं, उसका शरीर उसके शरीर से सटा हुआ था; और फिर उसका गाल उसके बालों को छू रहा था, उसका सिर खुशी से उसके कंधे पर टिका हुआ था। मोर्स को ईर्ष्या और डर से बेचैनी होने लगी। उसने चुंबन करते जोड़ों से अपनी नज़रें हटा लीं। 'जानती हो, मुझे लगता है कि मैं भी इस नृत्य को कर सकता हूँ,' उसने कहा। 'क्या मैं कर सकता हूँ?' उसने उसका हाथ पकड़ा, उसे नृत्य-मंच पर ले गया और अपनी दाहिनी बांह उसकी कमर के चारों ओर कसकर रखकर उसे अपनी ओर खींच लिया। हालाँकि, जल्द ही उसे अपनी मूर्खता का एहसास हो गया। उसका घायल पैर तो ठीक चल रहा था, लेकिन दूसरे पैर को नृत्य-मंच से एक सेंटीमीटर से ज़्यादा उठाने का आत्मविश्वास न होने के कारण वह जल्द ही अपनी साथी के पैर की उंगलियों पर एकरस और अप्रिय तरीके से लात मारने लगा। शुक्र है कि नृत्य जल्दी ही समाप्त हो गया, और अपने नासमझ पैरों के लिए बार-बार माफी मांगते हुए मोर्स लड़खड़ाते हुए अपनी मेज की शरण में वापस चला गया। सू अभी भी डॉक्टर आयर्स से जोश भरे अंदाज में बात कर रही थी, और सैंड्रा के उनके साथ वापस आने के बाद, तीनों ठहाकों से हंसने लगे।
दस मिनट पहले मोर्स को पहले ही अंदाज़ा हो गया था कि आज रात सबसे लज़ीज़ स्टेक भी सूखे-सूखे सेबों जैसा लगेगा, लेकिन फिर भी उसने बड़ी मुश्किल से अपना खाना खाया। कम से कम वो खा तो सकता था। भले ही वो नाच न सके, भले ही वो भूल गया हो कि अब वो अधेड़ हो गया है, भले ही सू किसी और के लिए तरस रही हो, फिर भी वो खा

तो सकता था। और खाना बहुत स्वादिष्ट था। उन्होंने ज़्यादा कुछ नहीं कहा और जब भी कॉफी पीते हुए कुछ कहा गया, तो वो उनके लिए बड़ा आश्चर्य साबित हुआ।
‘आपने मुझे डेट पर क्यों बुलाया, इंस्पेक्टर?’
मोर्स ने उसे देखा, उसके हल्के भूरे बाल उसके चेहरे से धीरे से ऊपर उठे हुए थे, उसका चेहरा ताजगी और खुशी से भरा हुआ था, गाल अब शराब से हल्के लाल हो गए थे; और सबसे बढ़कर उसकी चौड़ी और उदास आँखों का जादू था। क्या उसने उससे किसी दृढ़ इरादे से पूछा था? उसे यकीन नहीं था। उसने अपनी कोहनियाँ मेज पर रखीं, अपनी ठुड्डी को अपने जुड़े हुए हाथों पर टिकाया। 'क्योंकि मैं तुम्हें बहुत सुंदर पाता हूँ और मैं तुम्हारे साथ रहना चाहता था।'
सू ने कुछ सेकंड तक उसे निहारती रही, उसकी आँखें बिना पलक झपकाए कोमल थीं। 'क्या तुम्हारा मतलब यही है?' उसने धीमी आवाज़ में पूछा।
‘मुझे नहीं पता कि जब मैंने तुमसे पूछा था तब मेरा मतलब यही था या नहीं। लेकिन अब मेरा मतलब यही है – मुझे लगता है तुम जानती हो कि मेरा मतलब यही है।’ उसने सरल और शांत स्वर में कहा और बोलते हुए उसकी आँखों में आँखें डालकर देखा। उसने देखा कि उसकी पलकों पर दो खूबसूरत आँसू आ रहे हैं और उसने हाथ बढ़ाकर उसके हाथ पर रख दिया।
‘आओ और मेरे साथ नाचो,’ उसने फुसफुसाते हुए कहा।
मंच खचाखच भरा था और वे बैंड की मधुर, धीमी धुन पर बस हल्के-हल्के झूम रहे थे। सू ने अपना सिर हल्के से उसके गाल पर टिका दिया और मोर्स को उसकी आँखों में नमी का अद्भुत एहसास हुआ। उसने चाहा कि दुनिया रुक जाए और यह स्वर्गिक क्षण अनंत सागरों में विलीन हो जाए। उसने उसके कान पर चुंबन किया और कुछ अटपटी, लेकिन प्यार भरी बातें कहीं, और सू उसकी बाहों में और गहराई से सिमट गई और उसे और भी करीब खींच लिया। संगीत समाप्त होने पर वे दोनों साथ खड़े रहे, और सू ने उसकी ओर देखा। 'क्या अब हम जा सकते हैं, कृपया? कहीं अकेले?'
मोर्स को अगले कुछ मिनटों की बहुत कम याद थी। वह घूमते दरवाजों के पास एक स्वप्निल अवस्था में इंतजार कर रहा था और दोनों हाथ में हाथ डाले धीरे-धीरे सेंट जाइल्स रोड से होते हुए कार की ओर चले गए थे।
जब वे कार में बैठे थे, तब सू ने कहा, 'मैं तुमसे बात करना चाहती हूं।'
मैं सुन रहा हूँ।

‘आपको पता है जब आपने ऐसा कहा था तो शायद आपका मतलब वो नहीं था... शायद आपका मतलब वो नहीं था जो आपने कहा। ओह, मैं पूरी तरह से उलझन में पड़ रही हूँ। मेरा मतलब है – आप मुझसे कुछ पूछना तो चाहती थीं, है ना?’
‘क्या मैंने ऐसा किया?’ मोर्स ने पूछा।
‘तुम्हें पता है तुमने ऐसा किया था। जेनिफर के बारे में। हम दोनों की कहानी यहीं से शुरू हुई थी, है ना? तुम्हें लगा था कि वुडस्टॉक हत्याकांड में उसका कुछ हाथ है...’ मोर्स ने सिर हिलाया। ‘और तुम मुझसे उसके बॉयफ्रेंड वगैरह के बारे में पूछना चाहते थे।’
मोर्स अपनी कार के अंधेरे में चुपचाप बैठा रहा। ‘मैं अभी तुमसे नहीं पूछूंगा, सू। चिंता मत करो।’ उसने अपना हाथ उसके कंधे पर रखा और उसे अपनी ओर खींचकर उसके सबसे कोमल, सबसे दिव्य होंठों को प्यार से चूमा। ‘हम फिर कब मिल सकते हैं, सू?’
जैसे ही उसने ये कहा, उसे पता चल गया कि कुछ गड़बड़ है। उसने महसूस किया कि उसका शरीर तन गया है; वह उससे दूर हट गई, अपना रूमाल ढूंढा और अपनी नाक पोंछी। वह रोने ही वाली थी। ‘नहीं,’ उसने कहा, ‘हम नहीं मिल सकते।’
मोर्स को ऐसा दर्द महसूस हुआ जो उसने पहले कभी नहीं जाना था, और उसकी आवाज़ तनावपूर्ण और अविश्वास से भरी थी। 'लेकिन क्यों? क्यों? बेशक हम फिर मिल सकते हैं, सू।'
‘हम नहीं मिल सकते।’ उस पल उसकी आवाज़ में एक अटल सच्चाई और दृढ़ निश्चय झलक रहा था। ‘हम दोबारा नहीं मिल सकते, इंस्पेक्टर, क्योंकि... क्योंकि मेरी सगाई हो चुकी है।’ उसने जैसे-तैसे आखिरी शब्द बोला और मोर्स के कंधे पर सिर रखकर फूट-फूटकर रोने लगी। मोर्स ने अपना हाथ उसके चारों ओर कसकर रखा और असीम उदासी के साथ उसकी सिसकियों को सुनता रहा। सामने की खिड़की उनकी साँसों से भाप से भर गई थी और मोर्स ने सरसरी तौर पर अपने दाहिने हाथ के पिछले हिस्से से नमी पोंछ दी। बाहर उसने सेंट जॉन कॉलेज की विशाल बाहरी दीवार देखी। रात के केवल 10 बजे थे और स्नातक छात्रों का एक समूह पोर्टर लॉज के बाहर खुशी से हँस रहा था। मोर्स इसे अच्छी तरह जानता था। वह खुद भी वहाँ स्नातक रह चुका था; लेकिन यह बीस साल पहले की बात है और तब से जीवन उसके लिए मानो बीत चुका था।
वे चुपचाप नॉर्थ ऑक्सफोर्ड तक गाड़ी चलाते रहे और मोर्स ने लैंसिया को सीधे सू के घर के सामने रोक दिया। जैसे ही उसने गाड़ी रोकी, दरवाजा खुला और जेनिफर कोल्बी अपनी कार की चाबियां हाथ में लिए बाहर निकली और उनकी ओर चलने लगी।

'हेलो, सू। तुम जल्दी घर आ गई हो, है ना?'
सू ने खिड़की नीचे कर ली। 'हम शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में पकड़े नहीं जाना चाहते थे।'
‘क्या आप कॉफी पीने के लिए अंदर आ रहे हैं?’ जेनिफर ने पूछा। यह सवाल अप्रत्यक्ष रूप से कार की खिड़की से मोर्स की ओर निर्देशित था।
नहीं। मुझे लगता है कि मुझे घर जाना चाहिए।
जेनिफर ने सू से कहा, 'एक मिनट में मिलते हैं। मैं बस गाड़ी खड़ी करने जा रही हूँ।' वह एक छोटी सी शानदार फिएट में बैठी और आराम से अगली गली में स्थित अपने किराए के गैरेज की ओर चली गई।
'फिएट जैसी छोटी कारें अच्छी होती हैं,' मोर्स ने कहा।
‘क्या ये अंग्रेजी कारों से बेहतर हैं?’ सू ने पूछा। वह बहादुरी से दोबारा खुद को मूर्ख साबित न करने की कोशिश कर रही थी।
‘मुझे बताया गया है कि ये बहुत भरोसेमंद हैं। और अगर कुछ गड़बड़ भी हो जाए, तो आस-पास ही कोई अच्छा एजेंट मौजूद है, है ना?’ मोर्स को उम्मीद थी कि उसकी बात में सहजता झलक रही होगी, लेकिन उसे इसकी परवाह नहीं थी।
'जी हां, बिलकुल दरवाजे के सामने ही।'
मुझे तो हमेशा से बार्कर्स काफी अच्छा लगा है।
'वह भी ऐसा ही करती है,' सू ने कहा।
'अच्छा, मुझे लगता है कि मुझे अब जाना चाहिए।'
क्या आप वाकई कॉफी पीने के लिए अंदर नहीं आएंगे?
'हां। मुझे पूरा यकीन है।'
सू ने उसका हाथ पकड़ा और हल्के से अपने हाथ में थाम लिया। 'तुम जानते हो ना कि मैं रोते-रोते सो जाऊंगी?'
‘ऐसा मत कहो।’ वह और अधिक चोट नहीं खाना चाहता था।
'काश तुम मेरे साथ सोते,' उसने फुसफुसाते हुए कहा।
'काश तुम मेरे साथ हमेशा के लिए सोती, सू।'
उन्होंने और कुछ नहीं कहा। सू कार से बाहर निकली, धीरे-धीरे आगे बढ़ती लैंसिया को देखकर हाथ हिलाया और आंसुओं से भीगी हुई आँखों से सामने के दरवाजे की ओर मुड़ गई।

मोर्स भारी मन से किडलिंगटन के लिए रवाना हुआ। उसे याद आया कि उसने मिस डार्क-आइज को पहली बार कब देखा था और अब उसे आखिरी बार देखने का ख्याल आया। काश हालात कुछ और होते! उसे कविता की सबसे दुखद पंक्ति याद आई जो उसने कभी पढ़ी थी:
मैंने उसकी लिखी एक पंक्ति भी नहीं पढ़ी, न ही उसके बाल का एक भी टुकड़ा।
और इस विचार से उसे कोई राहत नहीं मिली। वह घर नहीं जाना चाहता था; उसे पहले कभी एहसास नहीं हुआ था कि वह कितना अकेला हो गया है। वह व्हाइट हॉर्स पर रुका, एक डबल व्हिस्की मंगवाई और एक खाली कोने में बैठ गया। उसने उसका नाम तक नहीं पूछा था... उसने डॉक्टर आयर्स और उसकी काली आँखों वाली सैंड्रा के बारे में सोचा और बिना किसी ईर्ष्या के अनुमान लगाया कि वे शायद अब तक बिस्तर पर जा रहे होंगे। उसने बर्नार्ड क्रॉथर के बारे में सोचा और संदेह किया कि ब्लेंहेम पार्क में अपनी प्रेमिका के साथ उसके नाजायज संबंधों में शायद उतना दुख नहीं था जितना उसे खुद अब महसूस हो रहा था। उसने सू और उसके मंगेतर के बारे में सोचा और उम्मीद की कि वह एक अच्छा इंसान होगा। उसने एक और डबल व्हिस्की खरीदी और भावुक और मदहोश होकर, मकान मालिक के समय की घोषणा करते ही चला गया।
उसने बड़ी सावधानी से कार पार्क की और दरवाज़ा खोलने से पहले ही उसे फ़ोन की घंटी सुनाई दी। उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा। फ़ोन बंद होते ही वह दौड़कर हॉल में पहुँचा। क्या वो थी? क्या वो सू थी? वो बाद में फ़ोन कर सकता था। नंबर क्या था? उसे नहीं पता था। पुलिस मुख्यालय में उसकी फाइलों में था। वो वहाँ फ़ोन कर सकता था। उसने फ़ोन उठाया और रख दिया। ये सू नहीं हो सकती। अगर वो होती भी, तो वो वापस फ़ोन कर सकती थी। शायद जब से वो व्हाइट हॉर्स में बैठा था, तब से वो लगातार फ़ोन कर रही थी। धत् तेरे की। फिर से फ़ोन करो, सू। बस मुझे तुम्हारी आवाज़ सुनने दो। फिर से फ़ोन करो, सू। लेकिन उस रात फ़ोन की घंटी फिर नहीं बजी।

अध्याय उन्नीस

गुरुवार, 14 अक्टूबर

गुरुवार की सुबह बर्नार्ड क्रॉथर को हैंगओवर था। उन्हें सुबह 11 बजे स्कूल में व्याख्यान देना था और वे 'मिल्टन की काव्य शैली पर प्रभाव' विषय पर अपने नोट्स को लेकर चिंतित थे। मार्गरिट पौने नौ बजे उनके लिए एक कप गर्म काली कॉफी लाई थी; वह हमेशा जानती थी - और अक्सर बता भी देती थी। वह सुबह साढ़े छह बजे से उठी हुई थी, बच्चों का नाश्ता बनाया, कुछ कमीजें और ब्लाउज धोए, बिस्तर ठीक किए, कमरों में वैक्यूम क्लीनर चलाया और अब हॉल में अपना कोट पहन रही थी। उसने दरवाजे से अंदर झाँका। 'आप ठीक हैं?' बर्नार्ड को यह याद दिलाना कितना बुरा लगता था!
'अच्छा।'
‘क्या तुम्हें शहर से कुछ चाहिए – मिल्क ऑफ मैग्नीशिया की गोलियां?’ वे दोनों एक-दूसरे को लंबे समय से विवादित सीमा पर घूरते हुए, मानो हमेशा उग्र आक्रामकता की स्थिति में हों। मार्गरिट! मार्गरिट! काश वह उससे बात कर पाता।
नहीं। धन्यवाद। देखो, मार्गरिट, मुझे भी थोड़ी देर में नीचे जाना है। क्या तुम कुछ मिनट इंतजार कर सकती हो?
नहीं। मुझे जाना होगा। क्या तुम दोपहर के भोजन के लिए घर पर हो?
इसका क्या मतलब था? ‘नहीं। मैं कॉलेज में कुछ खा लूँगी।’ उसने सामने का दरवाज़ा ज़ोर से बंद होने की आवाज़ सुनी और देखा कि वह तेज़ी से सड़क के अंत तक गई, कोने से मुड़ी और आँखों से ओझल हो गई। वह रसोई में गया, एक गिलास में ठंडा पानी भरा और उसमें घुलनशील डिस्प्रिन की दो गोलियाँ डाल दीं।
उस सुबह नौ से दस बजे तक मोर्स और लुईस ने बातचीत की। कई अधूरे काम पूरे करने थे और कई दिलचस्प सुरागों की पड़ताल करनी थी। कम से कम, मोर्स ने लुईस को यही बताया था। लुईस के जाने के बाद, उन्हें ऑक्सफोर्ड मेल के एक युवा रिपोर्टर का फोन आया, जिसके परिणामस्वरूप शाम के संस्करण में एक संक्षिप्त पैराग्राफ प्रकाशित हुआ। सामान्य जवाब। वह किसी को ज्यादा कुछ नहीं बता सकते थे, लेकिन उन्होंने यथासंभव आत्मविश्वास दिखाने की कोशिश की। इससे मनोबल बढ़ता है।
उन्हें काय की फाइल मिली और उन्होंने अगला एक घंटा मामले से जुड़े दस्तावेजों को दोबारा पढ़ने में बिताया। सुबह 11 बजे उन्होंने फाइल एक तरफ रख दी, ऑक्सफोर्ड एंड डिस्ट्रिक्ट टेलीफोन डायरेक्टरी उठाई, 'सी' अक्षर के नीचे अपना मनचाहा नंबर ढूंढा और बॉटली रोड स्थित चाकली एंड संस के मैनेजर को फोन किया। उनकी किस्मत

खराब थी। जॉन सैंडर्स उस सुबह ऑफिस नहीं आए थे; उनकी मां ने फोन किया था - शायद उन्हें सर्दी-जुकाम था।
‘उसके बारे में आपकी क्या राय है?’ मोर्स ने पूछा।
‘वह ठीक है। शांत स्वभाव का, शायद थोड़ा चिड़चिड़ा। लेकिन आजकल ज्यादातर लोग ऐसे ही होते हैं। मुझे लगता है कि यह ठीक-ठाक काम करता है।’
‘खैर, आपको परेशान करने के लिए मुझे खेद है। मैं बस उनसे थोड़ी देर बात करना चाहता था, बस इतना ही।’
‘वुडस्टॉक में हुई उस हत्या के बारे में?’
'हां। उसे वो लड़की मिल गई, तुम्हें पता है।'
'हां। मैंने इसके बारे में पढ़ा था और बेशक हर किसी ने उससे इस बारे में बात करने की कोशिश की थी।'
क्या उसे बहुत कुछ कहना था?
'नहीं, ऐसा नहीं लगा। बात करना ही नहीं चाहता था। शायद समझ में आता है।'
'जी हां। अच्छा, एक बार फिर धन्यवाद।'
आपका बहुत-बहुत स्वागत है। क्या आपको उनका घर का पता चाहिए?
'नहीं, धन्यवाद। मेरे पास यह यहाँ है।'
लुईस अपेक्षाकृत अधिक भाग्यशाली था। श्रीमती जारमन घर पर थीं और सीढ़ियों की सफाई कर रही थीं।
लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा, सार्जेंट। मुझे यकीन है कि वे दोनों लड़कियां थीं।
लुईस ने सिर हिलाया। 'बस एक-दो चीजों की जाँच कर रहा था।'
‘लेकिन जैसा कि आप जानते हैं, मैंने उनमें से एक से बात की थी, और दूसरी बेचारी लड़की से – खैर, आप जानते ही हैं... और मुझे लगा कि उनकी लंबाई लगभग बराबर थी; लेकिन याद रखना कितना मुश्किल होता है...’ हाँ, लुईस जानता था। उसने उसे सीढ़ियों की धूल साफ करने के लिए छोड़ दिया।
उन्होंने ग्लूसेस्टर ग्रीन स्थित कैंटीन में बस कंडक्टर को कॉफी पीते हुए पाया।
‘एक लड़की बस में चढ़ रही है? लेकिन आपने पहले दो कहा था।’
'हां, मुझे पता है। लेकिन हमें लगता है कि शायद उनमें से केवल एक ही आगे बढ़ पाया।'
'माफ़ कीजिए। मुझे याद नहीं आ रहा। मुझे सच में खेद है - लेकिन अब बहुत समय हो गया है।'

‘जी हाँ। चिंता मत करो। जैसा मैंने कहा – बस एक विचार है। अगर तुम्हें कुछ सूझता है तो...’
'बिल्कुल।'
जॉर्ज बेकर अपने बगीचे में खुदाई कर रहा था। ''हेलो दोस्त। मैंने तुम्हें पहले भी देखा है।''
‘सार्जेंट लुईस, थेम्स वैली पुलिस।’
‘अरे हाँ, बिल्कुल। मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ?’
लुईस ने अपनी यात्रा का कारण बताया, लेकिन जॉर्ज का जवाब अन्य लोगों के जवाबों की तुलना में थोड़ा ही कम निराशाजनक था।
खैर, मुझे लगता है कि वह कोई पुरुष भी हो सकता था, लेकिन कसम से, मुझे तो ऐसा लग रहा था कि वे दोनों महिलाएं थीं।
यादें धुंधली पड़ रही थीं और मामला पुराना होता जा रहा था। लुईस दोपहर के भोजन के लिए घर चला गया।
दोपहर 2 बजे उन्हें बैनबरी रोड स्थित बार्कर्स गैराज के कार सर्विस मैनेजर के कार्यालय में ले जाया गया, जहाँ उन्होंने एक घंटे से अधिक समय तक 22 और 27 सितंबर से शुरू होने वाले सप्ताहों के कार मरम्मत संबंधी सैकड़ों वर्कशीट, ग्राहकों के बिल, बुकिंग लेजर और अन्य विविध रिकॉर्डों की कार्बन कॉपी को व्यवस्थित रूप से खंगाला। उन्हें कुछ नहीं मिला। उन्होंने सितंबर की शुरुआत से लेकर अब तक के रिकॉर्ड खंगालने में एक और घंटा लगाया, और उन्हें यह एहसास होता जा रहा था कि उनका काम व्यर्थ है। मिस जेनिफर कोल्बी का बार्कर्स गैराज में खाता तो था, लेकिन उन्होंने जुलाई के बाद से अपनी कार किसी भी मरम्मत या सर्विस के लिए नहीं लाई थी। उन्होंने तीन साल पहले गैराज से नई कार खरीदी थी; HP लगभग खत्म हो चुका था; भुगतान में कोई परेशानी नहीं थी; कोई गंभीर यांत्रिक खराबी नहीं थी। 14 जुलाई को 6,000 किलोमीटर की सर्विस हुई, जिसमें कुछ छोटी-मोटी कमियाँ ठीक की गईं। £13.55 का बिल 30 जुलाई को चुकाया गया।
लुईस को निराशा तो हुई, लेकिन आश्चर्य नहीं हुआ। मोर्स को इस कोल्बी नाम की महिला से कुछ ज़्यादा ही परेशानी थी। शायद इससे वह हमेशा के लिए उससे दूर हो जाए? पर उसे इस पर शक था। वह सड़क पार करके अखबार बेचने वाली दुकान पर गया और

शाम का अखबार खरीदा। पहले पन्ने के निचले दाहिने कोने के पास एक कैप्शन ने उसका ध्यान खींचा:

वुडस्टॉक की हत्या के पास सफलता मिली

गहन जांच-पड़ताल के बाद, पुलिस को पूरा भरोसा है कि 29 सितंबर की रात को वुडस्टॉक के ब्लैक प्रिंस होटल में बलात्कार और हत्या का शिकार हुई सिल्विया केय के हत्यारे को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। थेम्स वैली मुख्यालय के मुख्य निरीक्षक मोर्स, जो हत्या की जांच का नेतृत्व कर रहे हैं, ने आज कहा कि कई प्रमुख गवाह पहले ही सामने आ चुके हैं और उन्हें विश्वास है कि दोषी को न्याय के कटघरे में लाने में बस कुछ ही समय लगेगा।

लुईस को लगा कि यह एक धोखा होना चाहिए।

हत्या की जांच के आत्मविश्वासी प्रमुख, अगर कभी उन्हें अपने आठ शोधपत्रों को लेकर किसी सुनसान द्वीप पर जाने का निमंत्रण मिलता, तो इस अपरिहार्य प्रश्न के उत्तर में वे 'समितियाँ' ही देते कि वे किससे दूर रहना सबसे ज़्यादा पसंद करेंगे। पेंशन, पदोन्नति और नियुक्तियों पर विचार करने के लिए इस गुरुवार दोपहर को बुलाई गई बैठक एक सूखे रेगिस्तान की तरह अंतहीन खिंचती चली गई। पूरी बैठक के दौरान उनका एकमात्र योगदान कांस्टेबल मैकफर्सन की प्रशंसा करना ही था। यह उनकी सामान्य और कटु चुप्पी के विपरीत एक उचित बहाना प्रतीत हुआ। बैठक अंततः शाम पाँच बजकर पाँच मिनट पर समाप्त हुई, जब वे जम्हाई लेते हुए अपने कार्यालय लौटे और वहाँ उन्होंने लुईस को अगले शनिवार को ब्लैकपूल में ऑक्सफोर्ड यूनाइटेड के दौरे की संभावनाओं को पढ़ते हुए पाया।

‘क्या आपने यह देखा है, महोदय?’ लुईस ने उन्हें अखबार थमाते हुए उस कैप्शन की ओर इशारा किया जिसमें वुडस्टॉक हत्यारे के लिए न्याय के दिन की भविष्यवाणी की गई थी।

मोर्स ने थकी हुई गंभीरता से वह खबर पढ़ी। 'ये पत्रकार बातों को थोड़ा तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं, है ना?'

सू विडोसन का दिन भी नीरसता से बीत रहा था। पिछली रात वह मोर्स से फिर बात करना चाहती थी। कौन जाने वह क्या कहती? क्या उसका फोन खराब था? लेकिन सुबह

की ठंडी रोशनी में उसे एहसास हुआ कि यह कितना मूर्खतापूर्ण होता। डेविड शनिवार को सप्ताहांत के लिए आ रहा था, और वह उससे स्टेशन पर हमेशा की तरह तय समय पर मिलने वाली थी। प्यारे डेविड। उसे उस सुबह एक और पत्र मिला था। वह कितना अच्छा था और वह उसे बहुत पसंद करती थी। लेकिन... नहीं! उसे मोर्स के बारे में सोचना बंद करना ही था। यह लगभग असंभव था। सैंड्रा के मन में ढेर सारे सवाल थे और डॉक्टर आयर्स ने उसके नितंबों को बहुत ही अंतरंगता से थपथपाया था, और वह बुरी तरह से, निराशाजनक रूप से दुखी थी।
श्रीमती एमी सैंडर्स अपने बेटे को लेकर चिंतित थीं। पिछले एक हफ्ते से वह सुस्त और अस्वस्थ लग रहा था। पहले भी वह कभी-कभार एक-दो दिन की छुट्टी ले लेता था, और कई बार तो उन्हें चाकली साहब को अपने प्यारे बेटे की किसी काल्पनिक बीमारी के लक्षणों के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर बताना पड़ा था। लेकिन आज वह सचमुच चिंतित थीं। जॉन रात में दो बार बीमार पड़ गया था और जब उन्होंने सुबह 7 बजे उसे फोन किया तो वह कांप रहा था और पसीने से तरबतर था। उसने दिन भर कुछ नहीं खाया था और अपने बेटे की इच्छा के विरुद्ध उन्होंने शाम 5 बजे डॉक्टर के क्लिनिक में फोन किया। नहीं, उन्हें यह कोई अत्यावश्यक मामला नहीं लगा, लेकिन अगर डॉक्टर कुछ समय निकाल सकें तो उन्हें बहुत खुशी होगी।
शाम 7:30 बजे घंटी बजी और श्रीमती सैंडर्स ने सामने का दरवाजा खोला तो उन्हें एक ऐसा आदमी मिला जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था। खैर, आजकल डॉक्टर तो बदलते ही रहते हैं।
क्या श्री जॉन सैंडर्स यहाँ रहते हैं?
जी हाँ। अंदर आइए, डॉक्टर साहब। मुझे बहुत खुशी है कि आपने फोन किया।
मुझे खेद है कि मैं डॉक्टर नहीं हूँ। मैं एक पुलिस इंस्पेक्टर हूँ।
चिपिंग नॉर्टन स्थित बेल होटल के मालिक ने रात 8:30 बजे खुद बुकिंग ली। उन्होंने रजिस्टर देखा और फिर से फोन उठाया।
‘आपने कहा था कि कल रात और शनिवार रात के लिए?’
'हाँ।'
'मुझे लगता है हम यह आसानी से कर सकते हैं, महोदय। डबल रूम। क्या आपको निजी बाथरूम चाहिए?'

'यह अच्छा रहेगा। और अगर आपके पास डबल बेड हो तो वह भी दे दीजिएगा। इन ट्विन बेड पर हमें कभी अच्छी नींद नहीं आती।'
'हां। हम ऐसा कर सकते हैं।'
मुझे खेद है कि मेरे पास इसे लिखित रूप में पुष्टि करने का समय नहीं होगा।
'अरे, इसकी चिंता मत कीजिए, महोदय। अगर आप मुझे अपना नाम और पता बता दें तो अच्छा होगा।'
'श्रीमान और श्रीमती जॉन ब्राउन, हिल टॉप, ईगल्सफील्ड (एक ही शब्द), ब्रिस्टल।'
मुझे वो मिल गया है।
'अच्छा। मेरी पत्नी और मैं आपसे मिलने के लिए उत्सुक हैं। हम लगभग पांच बजे तक वहाँ पहुँच जाएँगे।'
'हमें उम्मीद है कि आपको यहां अच्छा लगेगा, महोदय।'
मकान मालिक ने फोन रखा और बुकिंग रजिस्टर में श्रीमान और श्रीमती जे. ब्राउन के नाम लिख दिए। उनकी पत्नी ने एक बार बेल होटल में बुक किए गए जॉन ब्राउन की संख्या गिनी थी: अकेले एक महीने में सात बुकिंग हुई थीं। लेकिन इस बारे में ज्यादा चिंता करना उनका काम नहीं था। खैर, वह आदमी बहुत ही विनम्र और पढ़ा-लिखा लग रहा था। आवाज़ भी अच्छी थी: पश्चिमी देहाती लहजे वाली – बिल्कुल उनकी अपनी आवाज़ जैसी। और कहीं न कहीं एक-दो असली जॉन ब्राउन ज़रूर होंगे।

अध्याय बीस

शुक्रवार, 15 अक्टूबर, सुबह।

शुक्रवार की सुबह मोर्स देर से जागा। टाइम्स अखबार पहले से ही हॉल में फर्श पर पड़ा था और एक चिट्ठी लेटर बॉक्स से मुश्किल से बाहर निकली हुई थी। यह बार्कर्स का बिल था - 9.25 पाउंड का। उसने इसे, कुछ अन्य चिट्ठियों के साथ, मेंटलपीस पर लगी घड़ी के पीछे चिपका दिया।
पहले हल्के स्पर्श से ही कार स्टार्ट हो गई। उसके पास कार के पीछे स्टिक्स थीं और उसने ऑफिस जाने से पहले रेडक्लिफ इन्फर्मरी जाने का फैसला किया। वुडस्टॉक रोड

पर धीरे-धीरे रेंगती, अंतहीन गाड़ियों की कतार में शामिल होते ही वह अपने आगे के कदम पर विचार करने लगा। वह उसे संयोग से देख सकता था, बिल्कुल - जैसा कि पिछली बार हुआ था; या वह उससे पूछ सकता था। लेकिन क्या वह ऐसा चाहेगी? वह बस उसे फिर से देखने के लिए तरस रहा था और, धिक्कार है!, वह वहीं होगी। इससे ज़्यादा स्वाभाविक क्या हो सकता है? उसने पिछली रात सू के बारे में सपना देखा था, लेकिन एक अस्पष्ट, मायावी तरीके से जिसने उसे उसके मन के प्रांगण में खड़ा छोड़ दिया था। क्या बुधवार रात को फोन पर वही थी?

वह मुड़ा, यातायात के बीचोंबीच, रेडक्लिफ के प्रांगण में, दोहरी पीली रेखाओं पर रुका, पास के एक कुली को पकड़ा, उसे लाठियाँ और उन्हें लौटाने का वचन पत्र दिया, और उसे यह काम करने के लिए कहा। पुलिस!

ऑक्सफ़ोर्ड से निकलते समय सड़क साफ़ थी और वह हर पल खुद को कोस रहा था। उसे अंदर ही रहना चाहिए था – बेवकूफ़। वह जानता था कि वह बेवकूफ़ नहीं था, लेकिन इससे कोई खास फ़र्क नहीं पड़ता था।

लुईस उसका इंतजार कर रहा था। 'तो, कार्यक्रम क्या है, महोदय?'

‘मैंने सोचा था कि थोड़ी देर बाद हम आराम से बस से जाएँगे, लुईस।’ खैर, उसे वजह पूछने की ज़रूरत नहीं। ‘हाँ। मैंने सोचा था कि हम साथ में बस से वुडस्टॉक जाएँगे। क्या कहते हो?’

‘क्या गाड़ी फिर से खराब हो गई है?’

नहीं। सब कुछ बढ़िया चल रहा है। ऐसा ही होना चाहिए। आज सुबह बैटरी का बिल आया। अंदाज़ा लगाओ कितना है!

'छह, सात पाउंड।'

‘नौ पाउंड पच्चीस!’

लुईस ने नाक सिकोड़ी। 'अगर तुम हेडिंगटन में टायर और बैटरी वालों के पास जाते तो सस्ता पड़ता। वे मजदूरी का कोई शुल्क नहीं लेते। मैंने हमेशा उन्हें बहुत अच्छा पाया है।'

'तुम्हारी बातों से ऐसा लगता है जैसे तुम्हारी कार में हमेशा कोई न कोई समस्या रहती है।'

'नहीं, ऐसा नहीं है। हालांकि, हाल ही में कुछ टायर पंचर हुए हैं।'

क्या आप खुद टायर नहीं बदल सकते?

'जी हां, बिल्कुल। मैं कर सकती हूं। मैं बूढ़ी औरत तो नहीं हूं, लेकिन एक अतिरिक्त तो होना ही चाहिए।'
मोर्स सुन नहीं रहा था। उसे अपनी बाहों में खून जमने की जानी-पहचानी सिहरन महसूस हो रही थी। 'सार्जेंट, आप तो जीनियस हैं। मुझे टेलीफोन डायरेक्टरी दीजिए। येलो पेजेस देखिए। लीजिए, सिर्फ दो नंबर हैं। पहले कौन सा ट्राई करें?'
'पहले वाले के बारे में क्या कहेंगे, महोदय?'
कुछ ही सेकंड बाद मोर्स काउली टायर एंड बैटरी सर्विसेज से बात कर रहे थे। 'मुझे यहाँ के बॉस से बात करनी है। बहुत ज़रूरी है। पुलिस यहाँ है।' उन्होंने लुईस को आँख मारी। 'अरे, नमस्कार। चीफ इंस्पेक्टर मोर्स बोल रहा हूँ। थेम्स वैली... नहीं, नहीं। ऐसा कुछ नहीं... अब, मैं चाहता हूँ कि आप 27 सितंबर से शुरू होने वाले सप्ताह के अपने रिकॉर्ड देखें... हाँ। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या आपने मिस जेनिफर कोल्बी को बैटरी दी थी या उनके टायर का पंचर ठीक किया था। कोल्बी। हाँ। यह किसी भी दिन हो सकता है – शायद मंगलवार या बुधवार। आप मुझे वापस कॉल करेंगे? कृपया तुरंत करें। यह बहुत ज़रूरी है। अच्छा। आपके पास मेरा नंबर है? अच्छा। धन्यवाद।' उन्होंने दूसरे नंबर पर कॉल किया और वही बात दोहराई। लुईस मोर्स की मेज पर खुली पड़ी सिल्विया के फाइल को पलट रहे थे। उसने तस्वीरों का अध्ययन किया – बड़ी, चमकदार, काली-सफेद तस्वीरें जिनमें आकृतियाँ आश्चर्यजनक रूप से स्पष्ट थीं। उसने फिर से सिल्विया केय की उन तस्वीरों को देखा जिनमें वह उस रात ब्लैक प्रिंस के आंगन में लेटी हुई थी। उसने सोचा, वह वाकई कुछ खास थी। सफेद ब्लाउज बाईं ओर से बुरी तरह फटा हुआ था, और केवल चार बटनों में से नीचे वाला बटन ही लगा हुआ था। बायां स्तन पूरी तरह से खुला हुआ था और लुईस को गर्ल मैगज़ीन में मॉडलों के उत्तेजक पोज़ की याद आ गई। उन तस्वीरों को देखना लगभग एक कामुक अनुभव हो सकता था; लेकिन लुईस को सुनहरे बालों वाले सिर का पिछला हिस्सा और बेरहमी से चकनाचूर खोपड़ी याद आ गई। उसने अपनी प्यारी बेटी के बारे में सोचा – अब तेरह साल की; उसका शरीर सुडौल हो रहा था... हे भगवान, बच्चों का पालन-पोषण करने के लिए यह कैसी दुनिया है। उसने आशा और प्रार्थना की कि वह ठीक हो जाए, और उसे सिल्विया केय के साथ ऐसा करने वाले व्यक्ति को ढूंढने की तीव्र इच्छा हुई।
मोर्स ने अपना कार्य समाप्त कर दिया था।
'क्या आप मुझे पूरी बात समझा सकते हैं, महोदय?' लुईस ने पूछा।

मोर्स कुछ मिनट सोचने के लिए पीछे हट गया। 'मुझे लगता है कि मुझे तुम्हें पहले ही बता देना चाहिए था, लुईस। लेकिन मैं एक-दो बातों को लेकर पक्का नहीं कह सकता था – खैर, अब भी नहीं कह सकता। शुरू से ही मुझे लगा कि मुझे पूरी बात का अंदाज़ा है। मैंने सोचा था कि मामला कुछ इस तरह है। दो लड़कियाँ वुडस्टॉक जाने के लिए लिफ़्ट चाहती हैं और हमारे पास इस बात के काफ़ी पुख्ता सबूत हैं कि उन्हें लिफ़्ट दी गई थी – दोनों को।' लुईस ने सिर हिलाया। 'अब न तो ड्राइवर और न ही दूसरी लड़की सामने आई। मैंने खुद से सवाल किया कि "क्यों?" ये दोनों चुप क्यों रहना चाहती थीं? उनमें से एक के चुप रहने के साफ़ कारण हो सकते थे। लेकिन दोनों क्यों? मुझे तो यह बहुत ही असंभव लगा कि वे दोनों अपराध में भागीदार हो सकती हैं। तो अब हमारे पास क्या बचा है? मेरी नज़र में एक बहुत मज़बूत संभावना यह थी कि वे एक-दूसरे को जानती थीं। लेकिन यह किसी तरह काफ़ी नहीं लग रहा था। ज़्यादातर लोग सबूत नहीं छिपाते, कम से कम जटिल झूठ तो नहीं बोलते, सिर्फ़ इसलिए कि वे एक-दूसरे को जानते हैं।' लेकिन क्या होगा अगर उनके बीच कोई ऐसा गुप्त कारण हो जिसके चलते वे इस मामले को पूरी तरह से छिपाना चाहते हों? और क्या होगा अगर वह गुप्त कारण यह हो कि वे एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जानते हों? क्या होगा अगर वे - सीधे शब्दों में कहें तो - एक-दूसरे के साथ प्रेम संबंध में हों? उनके लिए स्थिति अच्छी नहीं है, है ना? और पृष्ठभूमि में एक हत्या भी हो - बिल्कुल भी अच्छी नहीं है।' लुईस ने सोचा कि काश वह आगे बढ़ पाता। 'लेकिन चलिए थोड़ा पीछे चलते हैं। पहली नज़र में हमारे सबूतों से शुरू से ही यही संकेत मिलता है कि दोनों लड़कियों और कार चालक की मुलाकात महज एक संयोग थी: श्रीमती जारमन का बयान इस बात को पूरी तरह से स्पष्ट करता है। अब हमने, काफी अनावश्यक परेशानी के बाद, पता लगाया है कि लाल कार का चालक कौन था: क्रॉथर। अपने बयान में उसने स्वीकार किया है कि उसका किसी दूसरी महिला के साथ प्रेम संबंध है और इन विवाहेतर मुलाकातों का स्थान ब्लेंहेम पार्क है। इसके अलावा, उसके अपने बयान के अनुसार, वह बुधवार, 29 सितंबर की रात को अपनी प्रेमिका से मिलने जा रहा था। अब इस मोड़ पर मैंने एक जोखिम भरा कदम उठाया। क्या पता वो प्रेमिका उन्हीं लड़कियों में से एक हो जिन्हें वो उठाता था?

'लेकिन...' लुईस ने कहना शुरू किया।

'बीच में मत बोलो, लुईस। अब, क्या वो प्रेमिका सिल्विया केय थी? मुझे नहीं लगता। हम जानते हैं कि श्री जॉन सैंडर्स की 29 तारीख को सिल्विया के साथ एक मुलाकात थी, भले

ही वह स्पष्ट न हो। इससे बात पक्की नहीं होती, लेकिन सिल्विया दोनों में से कम संभावित विकल्प है। तो, अब हमारे पास दूसरी यात्री बची है - मिस या मिसेज़ एक्स। मिसेज़ जारमन के बयान से यह स्पष्ट है कि मिस एक्स चिंतित और उत्साहित लग रही थीं, और मुझे लगता है कि वुडस्टॉक जाने को लेकर कोई इतना चिंतित और उत्साहित नहीं होता जब तक कि उसकी कोई खास मुलाकात न हो, और वो भी कोई महत्वपूर्ण मुलाकात, और उसके पास ज्यादा समय न हो। क्रॉथर ने कहा था कि ज़्यादा से ज़्यादा एक घंटा, याद है?'

लेकिन...' उसने अपना इरादा बदल दिया।

श्रीमती जारमन की बातों से हमें यह भी पता चला कि सिल्विया उस दूसरी लड़की को जानती थी। सुबह-सुबह इस बारे में हंसी-मजाक भी हुआ था। तो, हमने सिल्विया के काम करने की जगह पर पता लगाया और हमें मिस जेनिफर कोल्बी को लिखा एक असाधारण, बिल्कुल समझ से परे पत्र मिला, जो मिस X के खिताब के लिए मेरी प्रबल दावेदार बन गई हैं। मैं मानती हूं कि पत्र के सबूत निर्णायक नहीं हैं; फिर भी इस पर आगे जांच करना जरूरी है। हमारी जेनिफर एक होशियार लड़की है। उसके पास दो पेचीदा सवाल हैं। पहला, ऐसा लगता है कि वह ब्लेंहेम पार्क के बजाय वुडस्टॉक के इस तरफ किसी पब में थी; दूसरा - और यह बात मुझे बहुत परेशान करती है और अभी भी करती है - अगर उसके पास कार है तो उसे वुडस्टॉक जाने के लिए बस या लिफ्ट क्यों लेनी पड़ी? जो कि, जैसा कि हम जानते हैं, उसके पास है। यह एक गंभीर आपत्ति लग रही थी। लेकिन क्या सच में ऐसा है? बुधवार की सुबह मेरी कार स्टार्ट नहीं हुई क्योंकि बैटरी डिस्चार्ज हो गई थी। आपने कहा था कि हाल ही में आपके कुछ टायर पंचर हुए थे और आपने कहा था कि आप उन्हें ठीक कर सकती हैं। आपने कहा था कि आप बूढ़ी औरत नहीं हैं। जेनिफर कोल्बी बूढ़ी तो नहीं हैं, लेकिन एक महिला ज़रूर हैं। मान लीजिए कि उनकी कार स्टार्ट नहीं हो रही? तो वो क्या करतीं? अपने गैरेज को फोन करतीं। ये तो ज़ाहिर सी बात है, इसीलिए आप बार्कर्स गए थे, जहाँ आपको कोई जानकारी नहीं मिली। लेकिन आज सुबह मुझे कुछ समझ आया। मेरे पास कार की बैटरी का बिल था और आपने टायर और बैटरी वालों का ज़िक्र किया था। तो असली सवाल ये है कि जेनिफर को कब पता चला कि उनकी कार खराब है? यकीनन उन्हें शाम करीब 5:30 बजे काम से लौटने से पहले तो पता नहीं चला होगा। आजकल ज़्यादातर गैरेज वाले उस समय कुछ नहीं करते; सारे कर्मचारी जा चुके होते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि आपके छोटे

टायर और बैटरी वाले यूनियन के तय समय पर काम नहीं करते, इसलिए उनसे संपर्क करना बनता है। मेरा मानना है कि उस रात जेनिफर को अपनी कार ठीक करवाने के लिए कोई नहीं मिला होगा – इसलिए नहीं कि वो काम कर नहीं सकते थे, बल्कि इसलिए कि वो समय पर नहीं कर पाए। हो सकता है उन्हें शाम करीब 6:15 या 6:30 बजे तक परेशानी का पता ही न चला हो। लेकिन मुझे लगता है कि उसने कुछ करने की कोशिश की – और नाकाम रही। खैर, अब वो क्या करे? ज़ाहिर है, वो बस ले सकती है। उसने पहले कभी बस से सफ़र नहीं किया था, लेकिन उसने वुडस्टॉक की बसें अक्सर देखी थीं और इसीलिए मुझे लगता है कि जिस रात सिल्विया की हत्या हुई थी, उस रात फेयर स्टेज 5 पर जेनिफर ही देखी गई थी। उसकी मुलाकात एक अधीर सहयात्री सिल्विया से होती है और दोनों लिफ्ट लेने का फैसला करती हैं। वे गोलचक्कर से आगे बढ़ती हैं और एक कार रुकती है: क्रॉथर की कार। ये महज़ एक संयोग नहीं है, है ना? उसे भी वुडस्टॉक जाना है, और वो लगभग उसी समय वहाँ पहुँच रहा होगा जब जेनिफर जा रही होगी। क्या उसे पता था कि वो जेनिफर है – काफ़ी अंधेरा हो रहा था – मुझे नहीं पता। मुझे शक है कि उसे पता था।' मोर्स रुक गया।
'और फिर उसके बाद क्या हुआ, आपके विचार से, महोदय?'
'क्रॉथर ने हमें बताया है कि अगले कुछ मील तक क्या हुआ।'
क्या आप उस पर विश्वास करते हैं?
मोर्स सोच-विचार करते हुए बैठे रहे और उन्होंने तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। फोन की घंटी बजी। मोर्स ने कहा, 'नहीं, मुझे उस पर विश्वास नहीं है।' लुईस इंस्पेक्टर को देखते रहे। उन्हें फोन के दूसरी तरफ क्या कहा जा रहा था, वह सुनाई नहीं दे रहा था। मोर्स भावहीन होकर सुनते रहे।
अंत में उसने कहा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद।' 'कौन सा समय सुविधाजनक रहेगा? ठीक है। धन्यवाद।' उसने फोन रख दिया, और लुईस ने उम्मीद भरी निगाहों से उसकी ओर देखा।
'तो, महोदय?'
'मैंने तुमसे कहा था लुईस। तुम एक जीनियस हो।'
'उसकी कार खराब हो गई थी?'
मोर्स ने सिर हिलाया। 'मिस जेनिफर कोल्बी ने बुधवार, 29 सितंबर की शाम 6.15 बजे काउली टायर एंड बैटरी कंपनी को फोन किया। उन्होंने कहा कि मामला अत्यावश्यक

है - आगे का टायर पूरी तरह से पंचर हो गया है। वे लगभग सात बजे तक नहीं पहुंच सकते थे और उन्होंने कहा कि तब तक बहुत देर हो चुकी होगी।'
‘हम प्रगति कर रहे हैं, महोदय।’
'जी हां, बिल्कुल। अब हमारी बस यात्रा का क्या?'
दोनों आदमी वुडस्टॉक जाने वाली 11.35 बजे की 4A बस में चढ़े। बस आधी खाली थी और वे ऊपरी डेक पर आगे की सीट पर बैठ गए। मोर्स चुप था और लुईस मामले में हो रहे अजीब घटनाक्रमों पर विचार कर रहा था। बस अच्छी गति से चल रही थी और वुडस्टॉक पहुँचने से पहले केवल चार बार रुकी। इन चार पड़ावों में से तीसरे पर मोर्स ने अपने सार्जेंट की पसलियों में एक धक्का मारा और लुईस ने बाहर देखा कि वे कहाँ हैं। बस बेगब्रोक के ठीक बाहर एक उथले बंदरगाह में रुकी, एक बड़े, फूस की छत वाले घर के पास, जिसका बगीचा चमकीली धारीदार छतरियों के नीचे मेजों और कुर्सियों से भरा हुआ था; उसने अपना सिर खिड़की के नीचे झुकाकर पब का नाम देखा और दो शब्द पढ़े: गोल्डन रोज़।
‘दिलचस्प?’ मोर्स ने कहा।
'बिल्कुल,' लुईस ने जवाब दिया। उसने सोचा कि उसे कुछ कहना चाहिए।
वे वुडस्टॉक में उतरे और मोर्स आगे-आगे चलने लगा। 'एक पाइंट के लिए तैयार हैं, सार्जेंट?'
वे ब्लैक प्रिंस के कॉकटेल बार में दाखिल हुए। 'सुप्रभात, श्रीमती मैकफी। मुझे लगता है कि आपको मैं याद नहीं हूँगी?'
'इंस्पेक्टर, मुझे आप बहुत अच्छी तरह याद हैं।'
‘क्या गजब की याद है,’ मोर्स ने कहा।
‘मैं आपके लिए क्या ला सकती हूँ, सज्जनों?’ वह स्पष्ट रूप से खुश नहीं थी।
'दो पाइंट बेहतरीन बिटर बियर, कृपया।'
‘सरकारी काम?’ मोर्स के तौर-तरीकों के प्रति उसकी नापसंदगी उसकी स्वाभाविक जिज्ञासा को दबाने के लिए काफी नहीं थी।
‘नहीं। नहीं। बस आपसे दोबारा मिलने आया था।’ लुईस ने सोचा, आज सुबह वह अच्छे मूड में है।
‘मैंने अखबार में पढ़ा है कि आप उम्मीद कर रहे हैं...’ वह शब्दों को ढूंढने में हिचकिचाई।

‘हम प्रगति कर रहे हैं, है ना, सार्जेंट?’
'ओह जी हाँ,' लुईस ने कहा। आखिरकार, वह उन गहन पूछताछों का दूसरा हिस्सा था।
‘क्या वे तुम्हें कभी कुछ घंटों की छुट्टी नहीं देते?’ मोर्स ने पूछा।
‘ओह, वे सचमुच बहुत अच्छे हैं।’ उसका उसके प्रति थोड़ा नरमी भरा रवैया हो रहा था; उसे यह याद दिलाना हमेशा अच्छा लगता था कि वह कितनी मेहनत करती है। ‘दरअसल, मुझे आज रात और पूरे शनिवार और रविवार की छुट्टी मिली है।’
‘हम कहाँ जाएँगे?’ मोर्स ने पूछा।
मेजबान ने पेशेवर मुस्कान के साथ कहा, 'आप कहाँ जाने का सुझाव देते हैं, इंस्पेक्टर?'
लुईस ने मन ही मन सोचा, शाबाश!
मोर्स ने मेनू मांगा और उसका विस्तार से अध्ययन किया।
‘यहां का खाना कैसा है?’ मोर्स ने पूछा।
‘आप खुद क्यों नहीं कोशिश करते?’
मोर्स ने संभावना पर विचार किया, लेकिन इसके बजाय पूछा कि क्या आस-पास कोई अच्छी फिश-एंड-चिप की दुकान है। कोई नहीं थी। कई ग्राहक अंदर आ चुके थे और पुलिसकर्मी बगल के प्रवेश द्वार से निकलकर आंगन में चले गए। उनके दाहिनी ओर, एक कार खड़ी थी, जिसके आगे के दोनों पहिये निकले हुए थे। कार के नीचे, ग्रीस और तेल से सुरक्षित, और एक मजबूत रिंच लिए हुए, ब्लैक प्रिंस का मालिक लेटा हुआ था, और उसके बगल में फोल्डिंग टूल-बॉक्स था जिसमें कुछ देर पहले एक लंबा और भारी टायर-स्पैनर रखा हुआ था।
मोर्स और लुईस के परिसर से निकलते समय उनकी नज़रों से बचकर एक युवक कॉकटेल बार में दाखिल हुआ और उसने टॉनिक वॉटर का ऑर्डर दिया। ऐसा लगता है कि श्री जॉन सैंडर्स कंपकंपी वाले बुखार से काफी हद तक उबर चुके थे और वुडस्टॉक के सामाजिक जीवन में फिर से शामिल होने के लिए तैयार थे, भले ही वे मेसर्स चाकली एंड संस में अपने कर्तव्यों को दोबारा शुरू न कर सकें।
वापसी की बस यात्रा के दौरान मोर्स मिडलैंड काउंटीज़ की बस समय सारिणी और उत्तरी ऑक्सफ़ोर्ड के नक्शे में मग्न था। बीच-बीच में वह अपनी घड़ी देखता और एक नोटबुक में कुछ लिख लेता। लुईस को भूख लग रही थी। फिश-एंड-चिप की दुकान का न होना अफ़सोस की बात थी।

अध्याय इक्कीस

शुक्रवार, 15 अक्टूबर, दोपहर।

दोपहर 3:30 बजे मोर्स की मेज पर 'गोपनीय' लिखा एक मोटा लिफाफा आया - 'प्रिंसिपल की ओर से'। यह स्पष्ट था कि उन्होंने बहुत सावधानीपूर्वक और पूरी तरह से काम किया था। ऐसा प्रतीत हुआ कि लोंसडेल कॉलेज में तिरानवे टाइपराइटर थे। इनमें से अधिकांश कॉलेज के थे और फेलो छात्रों के कमरों में अलग-अलग तरीकों से पहुँच गए थे; बीस से अधिक कॉलेज के सदस्यों की निजी संपत्ति थे। तिरानवे कागज़ के पन्ने, प्रत्येक पर क्रमांक अंकित, एक क्लिप के नीचे करीने से रखे गए थे। दो और पन्ने, एक साथ स्टेपल किए हुए, टाइप किए गए नमूनों की कुंजी प्रदान करते थे, और, उचित रूप से, प्रिंसिपल के टाइपराइटर को क्रमांक 1 दिया गया था। मोर्स ने पन्नों को पलटा। यह उनके अनुमान से कहीं अधिक बड़ा काम होने वाला था, और उन्होंने प्रयोगशाला के लड़कों को फोन किया। उन्हें पता चला कि इसमें लगभग एक घंटा लगेगा।
लुईस ने दोपहर का अधिकांश समय अपनी रिपोर्ट टाइप करने में बिताया और वह शाम 4.15 बजे तक मोर्स के कार्यालय में नहीं लौटा।
'क्या तुम सप्ताहांत में छुट्टी लेने की उम्मीद कर रहे हो, लुईस?'
'नहीं, अगर आपको मुझसे कोई काम करवाना हो तो नहीं, महोदय।'
मुझे डर है कि हमारे पास करने के लिए बहुत कुछ है। मुझे लगता है कि अब थोड़ा आमना-सामना करने का समय आ गया है, क्या आप सहमत नहीं हैं?
'टकराव?'
'हां। मिस कोल्बी और मिस्टर क्रॉथर के बीच एक मामूली सी नोकझोंक। आपको क्या लगता है?'
इससे शायद कुछ हद तक गलतफहमी दूर हो जाए।
जी हाँ। क्या आपको लगता है कि पुराने प्रतिष्ठान में सुबह चार साफ कप कॉफी की व्यवस्था हो सकती है?
'क्या आप चाहते हैं कि मैं आपके साथ शामिल हो जाऊं?'

‘हम एक टीम हैं, लुईस, मेरे बेटे। मैंने तुम्हें यह पहले भी बताया है।’ मोर्स ने टाउन एंड गाउन को फोन किया और मिस्टर पामर से बात करने को कहा।
‘मुझे कौन सा शंख सुनाई दे रहा है?’ यह बात सजी-धजी छोटी जूडिथ ने कही।
‘मिस्टर प्लोड,’ मोर्स ने कहा।
'कृपया चिल्लाते रहिए, श्रीमान प्लोड... आप हार चुके हैं।'
'मुझे आपका नाम ठीक से सुनाई नहीं दिया, महोदय? मैं पामर हूँ।'
‘मोर्स। इंस्पेक्टर मोर्स।’
‘अरे, नमस्कार इंस्पेक्टर साहब!’ बेवकूफ लड़की!
‘मैं मिस कोल्बी से बात करना चाहता हूँ। गोपनीय। मुझे आश्चर्य है कि...’
पामर ने बीच में ही टोकते हुए कहा, 'मुझे बहुत खेद है, इंस्पेक्टर। वह आज दोपहर यहाँ नहीं हैं। वह लंदन में लंबा सप्ताहांत बिताना चाहती थीं और... खैर... हम कभी-कभी थोड़ी सी लचीलापन दिखाते हैं, आप जानते हैं। इससे कभी-कभी कामकाज सुचारू रूप से चलाने में मदद मिलती है...'
‘लंदन, आप कह रहे हैं?’
'हां। उसने कहा कि वह सप्ताहांत कुछ दोस्तों के साथ बिताने जा रही है। उसने दोपहर के समय वाली ट्रेन पकड़ी।'
क्या उसने कोई पता छोड़ा था?
मुझे खेद है। मुझे नहीं लगता कि उसने ऐसा किया। मैं कोशिश कर सकता हूँ...
नहीं। परेशान मत होइए।
'क्या मुझे एक सन्देश मिल सकता है?'
नहीं। उसके वापस आने पर मैं उससे संपर्क करूँगा। शायद वह सू से दोबारा मिल सके... "वैसे, वह कब वापस आएगी?"
मुझे ठीक से पता नहीं। शायद रविवार शाम को।
ठीक है। धन्यवाद।
मुझे खेद है कि मैं नहीं आ सका...
‘इसमें आपकी कोई गलती नहीं है।’ मोर्स ने बेहद कम शिष्टाचार के साथ फोन रख दिया।
'लुईस, हमारा एक साथी चला गया है।' उसने अपना ध्यान बर्नार्ड क्रॉथर की ओर मोड़ा और पहले कॉलेज में कोशिश करने का फैसला किया।

‘पोर्टर लॉज।’
'क्या आप कृपया मुझे मिस्टर क्रॉथर के कमरे से जोड़ सकते हैं?'
‘बस एक मिनट, महोदय।’ मोर्स ने अपने बाएं हाथ की उंगलियों से मेज पर थपथपाया। जल्दी आइए!
‘क्या आप वहां हैं, महोदय?’
'हां। मैं अभी भी यहीं हूं।'
'मुझे खेद है, महोदय, कोई उत्तर नहीं।'
क्या वह आज दोपहर कॉलेज में है?
‘मैंने उसे आज सुबह देखा था, महोदय। बस एक मिनट।’ तीन मिनट बाद मोर्स सोच रहा था कि क्या वह बेचारा कुली चौक में टहलने निकला था।
‘क्या आप वहां हैं, महोदय?’
'हां, मैं अभी भी यहीं हूं।'
‘वह सप्ताहांत के लिए कहीं बाहर गए हैं, महोदय। यह किसी प्रकार का सम्मेलन है।’
क्या आपको पता है कि वह कब वापस आने वाला है?
'माफ़ कीजिए महोदय। क्या मैं आपको कॉलेज कार्यालय से बात करा दूं?'
नहीं, चिंता मत करो। मैं बाद में फिर फोन करूंगा।
'धन्यवाद महोदय।'
मोर्स ने कुछ सेकंड के लिए फोन अपने हाथों में पकड़े रखा और अंत में बड़ी सावधानी से उसे नीचे रख दिया। 'मुझे आश्चर्य हो रहा है। मुझे आश्चर्य हो रहा है...' वह सोच में डूब गया था।
'ऐसा लगता है कि हमारे दोनों पक्षी उड़ गए हैं, महोदय।'
मुझे आश्चर्य है कि क्या यह सम्मेलन लंदन में आयोजित हो रहा है।
‘आपको नहीं लगता...?’
मोर्स ने कहा, 'मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सोचूं।'
आधे घंटे बाद जब प्रयोगशाला के निष्कर्षों की सूचना फोन पर दी गई, तो लुईस को समझ नहीं आ रहा था कि क्या प्रतिक्रिया दे। लुईस इंस्पेक्टर की उत्सुक प्रतिक्रियाओं को देख रहा था।
क्या आप निश्चित हैं...? आपको पूरा यकीन है...? हाँ। अच्छा, बहुत-बहुत धन्यवाद। क्या आप उन्हें ले आएंगे? अच्छा। धन्यवाद।

'अच्छा, लुईस, तुम्हें एक बड़ा सरप्राइज मिलने वाला है।'
‘उस नोट के बारे में?’
'हां। उस नोट के बारे में - वह नोट जो किसी ने उस युवती को लिखा था जो इस समय लंदन में "कुछ दोस्तों" से मिलने गई हुई है। वे कहते हैं कि उन्हें पता है कि वह टाइपराइटर किसका था।'
और यह किसका था?
'यही बात मुझे हैरान कर रही है। हमने उनके बारे में पहले कभी नहीं सुना! वह मिस्टर पीटर न्यूलव हैं।'
‘और मिस्टर पीटर न्यूलव कौन हैं?’
‘अब पता लगाने का समय आ गया है।’ उन्होंने उसी दोपहर दूसरी बार लोंसडेल कॉलेज को फोन किया और पाया कि वही सुस्त दरबान लॉज की देखरेख कर रहा था।
‘श्रीमान न्यूलव, महोदय? नहीं, मुझे खेद है कि वे कॉलेज में नहीं हैं। मैं अपनी पुस्तिका में देख लेता हूँ... नहीं, महोदय। वे सोमवार तक अनुपस्थित हैं। क्या मैं कोई संदेश ले सकता हूँ? नहीं? ठीक है। अलविदा, महोदय।’
‘बस, बात यहीं खत्म होती है,’ मोर्स ने कहा। ‘हमारे सारे पक्षी उड़ चुके हैं। और मुझे यहाँ रुकने का कोई खास मतलब नहीं दिखता, क्या आपको दिखता है?’ लुईस को नहीं दिखता था।
'चलिए, इस सारी गड़बड़ी को ठीक कर लेते हैं,' मोर्स ने कहा।
लुईस ने मेज के अपने हिस्से पर रखे कागज़ों को इकट्ठा किया - सिल्विया केय की तस्वीरें और ब्लैक प्रिंस के आंगन के सावधानीपूर्वक बनाए गए रेखाचित्र, जिन पर पतली, मकड़ी के जाले जैसी लिखावट में वहाँ मौजूद हर चीज़ का विवरण लिखा था। उसने वहाँ पड़ी मृत लड़की की तस्वीरों को फिर से देखा और उसके खूबसूरत शरीर की कठोर नग्नता को ढकने की एक पिता तुल्य सुरक्षात्मक भावना से भर गया।
‘मैं उस कमीने को पकड़ना चाहता हूँ जिसने यह किया है,’ उसने बुदबुदाते हुए कहा।
‘यह क्या है?’ मोर्स ने उससे तस्वीरें ले लीं।
‘वह ज़रूर एक कामुक पागल होगा, क्या आपको ऐसा नहीं लगता, महोदय? उसके कपड़े इस तरह फाड़कर उसे सबके सामने छोड़ दिया। हे भगवान, काश मुझे पता होता कि वह कौन है!’
'ओह, मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई खास दिक्कत है,' मोर्स ने कहा।

लुईस ने अविश्वास भरी निगाहों से उसकी ओर देखा। 'तुम्हारा मतलब है कि तुम जानते हो?'
मोर्स ने धीरे से सिर हिलाया और सिल्विया केय की फाइल को लॉक कर दिया।

भाग तीन

हत्यारे की तलाश जारी है।

अध्याय बाईस

रविवार, 17 अक्टूबर

रविवार शाम 7:13 बजे सू ने डेविड को बर्मिंघम ट्रेन से विदा किया। उसने डेविड को बताया कि सप्ताहांत कितना शानदार रहा था – और वाकई में ऐसा ही था। शनिवार को वे सिनेमा गए, स्वादिष्ट चाइनीज़ खाना खाया और साथ में खूब आनंद लिया। रविवार का अधिकांश समय उन्होंने हेडिंगटन में डेविड के माता-पिता के घर बिताया, जो मिलनसार और दयालु लोग थे, और इतने समझदार थे कि उन्होंने इन दोनों प्रेमी जोड़ों को दिन के अधिकांश समय अकेला छोड़ दिया। वे अगले पतझड़ में शादी करने की उम्मीद कर रहे थे, जब डेविड वारविक विश्वविद्यालय में धातु विज्ञान में स्नातकोत्तर अनुसंधान का वर्ष पूरा कर लेंगे। उन्हें (प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने के कारण) कहीं व्याख्याता पद मिलने की आशा थी, और सू ने उन्हें प्रोत्साहित किया: वह एक औद्योगिक रसायनज्ञ या धातु विज्ञानियों के किसी भी पेशे के बजाय एक व्याख्याता से शादी करना पसंद करेंगी। उन्हें

लगता था कि डेविड के बारे में केवल एक ही बात थी जिससे वह पूरी तरह सहमत नहीं थीं – धातु विज्ञान को चुनने का उनका निर्णय। इसका संबंध उसके अपने स्कूली दिनों और धातु के काम की कार्यशाला की गंध और चांदी के टुकड़ों के बीच हमेशा से महसूस होने वाली अरुचि से था। धातु का काम करने वाले लोगों के हाथों में भी कुछ खास बात थी: एक तरह की अंतर्निहित गंदगी, चाहे उन्हें कितनी भी धैर्य से साफ किया जाए।
ट्रेन ऑक्सफोर्ड स्टेशन पर कई मिनट तक रुकी रही और जब डेविड एक खाली डिब्बे की खिड़की से बाहर झुका तो सू ने उसे पूरी तरह से और खुलकर चूमा।
'तुम्हें दोबारा देखकर बहुत अच्छा लगा, डार्लिंग,' डेविड ने कहा।
'बहुत अच्छा।'
‘आपको मजा आया, है ना?’
‘बिल्कुल मैंने पूछा।’ वह खिलखिलाकर हंस पड़ी। ‘आखिर तुमने यह क्यों पूछा?’
डेविड मुस्कुराया। 'बस यह जानकर अच्छा लगा, बस इतना ही।' उन्होंने फिर से एक-दूसरे को चूमा, और ट्रेन के चलने तक सू कुछ कदम उसके साथ-साथ चलती रही।
दो हफ्ते बाद मिलते हैं। लिखना मत भूलना।
‘मैं नहीं जाऊंगी,’ सू ने कहा। ‘बाय।’ उसने तब तक हाथ हिलाया जब तक ट्रेन प्लेटफार्म से चली नहीं गई और फिर वह उसे उत्तर की ओर मुड़ते हुए देखती रही, पीछे वाले डिब्बे पर लगी लाल बत्ती अंधेरे में टिमटिमाती हुई चमक रही थी।
वह धीरे-धीरे प्लेटफार्म से नीचे उतरी, सबवे के साथ-साथ चली और दूसरी तरफ बैरियर तक गई। उसने अपना प्लेटफार्म टिकट जमा कराया और कारफैक्स की ओर चल पड़ी। यहाँ उसे नंबर 2 बस आने के लिए आधे घंटे तक इंतजार करना पड़ा, और नॉर्थ ऑक्सफोर्ड में उतरने से पहले आठ बज चुके थे। उसने सड़क पार की और सिर झुकाए चार्लटन रोड पर चलने लगी और पिछले दो दिनों के बारे में सोचने लगी। वह डेविड को बुधवार रात के बारे में कभी नहीं बता सकती थी। वैसे भी बताने लायक कुछ था ही नहीं, था क्या? बस एक छोटी सी गलती। उसने सोचा कि ज्यादातर लोगों से कभी न कभी नादानी हो जाती है - यहाँ तक कि सगाईशुदा लोगों से भी - और कुछ बातें ऐसी होती हैं जिन्हें बताया नहीं जा सकता। ऐसा नहीं था कि डेविड को जलन होती; वह उस तरह का इंसान बिल्कुल नहीं था - शांत, सौम्य, संतुलित डेविड। शायद अगर उसे थोड़ी जलन होती तो उसे कोई आपत्ति नहीं होती। लेकिन वह जानती थी, या उसे लगता था कि वह जानती है, कि उसे जलन नहीं थी; वह दूर से ही जलन पहचान सकती थी। उसने

मोर्स के बारे में सोचा। शेरिडन में डॉक्टर आयर्स के साथ वो सचमुच बहुत शरारत कर रही थी, और मोर्स को जलन हो रही थी – हद से ज़्यादा, भयंकर जलन। उसे चुपके से उसे जलन दिलाने में मज़ा आ रहा था जब तक कि... खैर, अब वो उसके बारे में और नहीं सोचेगी... लेकिन उसने डेविड के लिए कभी नहीं रोया था... उसे हैरानी हो रही थी कि क्या मोर्स ने उसकी बात पर यकीन किया होगा जब उसने कहा था कि वो बुधवार की रात रोते-रोते सो जाएगी। उसे उम्मीद थी कि उसने यकीन किया होगा, क्योंकि ये सच था। फिर वही बात, डेविड से शुरू होकर उसी पर खत्म। शायद उसने उसके बारे में दोबारा सोचा भी नहीं होगा... डेविड! वो उसका आदमी था। डेविड से शादी करके वो आखिरकार खुश होगी। शादी। एक बड़ा कदम, सब कहते थे। लेकिन अब वो तेईस साल की हो चुकी थी... उसे उम्मीद थी कि मोर्स ने उसके बारे में दोबारा सोचा होगा... उसे भूल जाओ!

लेकिन उसे उसे भूलने नहीं दिया जा सकता था। घर पहुँचते ही उसने बाहर लांसिया कार देखी। उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा और अनायास ही खुशी की लहर उसके खून में दौड़ गई। वह अंदर गई और सीधे बैठक में चली गई। वहाँ वह मैरी से बातें कर रहा था। उसके आते ही वह खड़ा हो गया।

'नमस्ते।'

'हैलो,' उसने कमजोर आवाज में कहा।

'मैं वास्तव में मिस कोल्बी से मिलने आया था, लेकिन मुझे लगता है कि वह अभी कुछ समय के लिए वापस नहीं आएंगी। इसलिए मैं यहां मैरी के साथ एक छोटी सी मजेदार बातचीत कर रहा हूं।'

मैरी! मोटी, झाइयों वाली, छोटी सी आदमखोर! मैरी, तुम क्यों नहीं चली जाती? मैरी, हमें कुछ मिनटों के लिए अकेला क्यों नहीं छोड़ देती? प्लीज़! उसे बहुत जलन हो रही थी। लेकिन मैरी उस आकर्षक इंस्पेक्टर से बहुत प्रभावित लग रही थी और हार मानने का कोई संकेत नहीं दे रही थी। सू, अभी भी अपना समर कोट पहने, कुर्सी के आर्मरिस्ट पर बैठी थी, उस हताशा की लहर को रोकने की कोशिश कर रही थी जो उसे पूरी तरह से घेरने की धमकी दे रही थी।

उसने खुद को कहते सुना: 'मुझे लगता है कि वह पैडिंगटन से 8.15 बजे वाली ट्रेन पकड़ लेगी। शायद दस बजे के आसपास यहाँ पहुँच जाएगी।'

दो घंटे बीत गए। पूरे दो घंटे। काश मैरी चली जाती! शायद वो उसे ड्रिंक के लिए बुला लेता और वे बातें कर लेते। लेकिन भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा और वो कमरे से निकलकर ऊपर की ओर भागी। उसके जाते ही मोर्स उठ खड़ा हुआ और मैरी को उसकी मेहमाननवाज़ी के लिए धन्यवाद दिया। जैसे ही उसने सामने का दरवाज़ा खोला, वो मैरी की ओर मुड़ा। क्या वो सू को थोड़ी देर के लिए नीचे बुला लेगी? वो उससे थोड़ी देर बात करना चाहता था। मैरी भी ऊपर चली गई और मानो दृश्य से ओझल हो गई। मोर्स कंक्रीट के ड्राइववे में बाहर निकला और सू दरवाज़े पर खड़ी दिखाई दी। वो वहीं रुक गई।

‘आप मुझसे बात करना चाहते थे, इंस्पेक्टर?’

‘सू, तुम किस कमरे में सोती हो?’ वह बाहर निकली और उसके बगल में खड़ी हो गई। उसका हाथ उसके हाथ से छू गया जब उसने सामने के दरवाजे के ठीक ऊपर वाली खिड़की की ओर इशारा किया, और मोर्स को अपनी कनपटी के बीच एक चुभन महसूस हुई। वह लंबा आदमी नहीं था और उसने जो ऊँची एड़ी के जूते पहने थे, उनमें वह लगभग उसकी ही ऊँचाई की लग रही थी। उसने अपना हाथ नीचे किया और उनके हाथ एक अचानक, खूबसूरत तरीके से मिल गए। अपना हाथ वहीं रखो, सू। वहीं रखो, मेरी जान। उसने स्पर्श की बिजली सी दौड़ महसूस की और धीरे से, कोमलता से अपनी उंगलियों को उसकी कलाई पर फेरा।

‘तुम यह क्यों जानना चाहते हो?’ उसकी आवाज कर्कश और सांस फूलने वाली लग रही थी।

'मुझे नहीं पता। शायद अगर मैं गाड़ी चलाते हुए वहां से गुजरूं और आपकी खिड़की में बत्ती जलती देखूं तो मुझे पता चल जाएगा कि आप अंदर हैं।'

सू अब और बर्दाश्त नहीं कर सकी। उसने अपना हाथ उसके हाथ से छुड़ाया और मुँह फेर लिया। 'तो तुम जेनिफर से मिलने आए हो?'

'हाँ।'

‘मैं उसे बता दूंगा, बिल्कुल – जब वह आएगी।’ मोर्स ने सिर हिलाया।

'आपको लगता है कि वुडस्टॉक मामले से उसका कुछ लेना-देना है, है ना?'

'शायद कुछ।'

वे एक मिनट तक चुपचाप खड़े रहे। सू ने बिना आस्तीन की पोशाक पहनी हुई थी और वह ठंड से कांपने से बचने की कोशिश कर रही थी।

‘अच्छा, मुझे अब चलना चाहिए।’
'तो फिर शुभरात्रि।'
शुभ रात्रि।’ वह द्वार की ओर मुड़ा और लगभग द्वार तक पहुँच ही गया था कि अचानक पीछे मुड़ा। ‘सू?’ वह द्वार पर खड़ी थी।
'हाँ?'
वह वापस लौट आया। 'सू, क्या तुम थोड़ी देर के लिए मेरे साथ बाहर चलना चाहोगी?'
‘ओह...’ सू इससे आगे कुछ नहीं कह पाई। उसने अपनी बाहें उसके गले में डाल दीं और खुशी से उसके कंधे पर सिर रखकर रोने लगी, और दोनों को सामने का गेट खुलने की आवाज सुनाई नहीं दी।
'अगर आप मुझे अनुमति दें तो?' एक शांत, सलीके से बोलने वाली आवाज ने कहा, और जेनिफर कोल्बी उनके बीच से निकलकर घर में प्रवेश कर गईं।
अन्य यात्री भी लौट रहे थे। बर्नार्ड क्रॉथर लंदन से जेनिफर कोल्बी के साथ उसी ट्रेन से लौटे थे; लेकिन वे ट्रेन के अलग-अलग हिस्सों में थे, और प्लेटफार्म नंबर 2 पर उन्हें उतरते हुए देखने वाले किसी को भी जरा सा भी शक नहीं हो सकता था कि उनमें से कोई भी दूसरे के अस्तित्व से वाकिफ है।
इसी समय के आसपास, पीटर न्यूलव वुडस्टॉक की चर्च स्ट्रीट में एक लाल बालों वाली, तेजस्वी लड़की से विदा ले रहे थे। उन्होंने फिर से उत्सुकता और असीम लालसा के साथ चुंबन किया।
‘मैं आपसे संपर्क में रहूंगी, गे।’
'ज़रूर ऐसा करें - और एक बार फिर धन्यवाद।'
यह एक महंगा सप्ताहांत था; वास्तव में बहुत महंगा। लेकिन पीटर की राय में, यह लगभग हर पैसे के लायक था।

अध्याय तेईस

सोमवार, 18 अक्टूबर

सोमवार की सुबह, मोर्स ने फैसला किया कि चाहे कितनी भी शर्मिंदगी क्यों न हो, उसे अपना काम करना ही है। हालांकि, उसे इस बात का कितना डर था! यही वो अहम पल था, मामले का निर्णायक मोड़ (जिसके बारे में उसे पूरा भरोसा था) और फिर भी उसे ऐसा लग रहा था जैसे वह खुद ही दोषी हो। लुईस ने जेनिफर कोल्बी को अपनी कार में बिठाया; मोर्स को लगा कि वह उसे सरकारी औपचारिकताओं से बचा सकता है। बर्नार्ड क्रॉथर ने कहा कि अगर ठीक हो तो वह खुद ही आ जाएगा। ठीक था। मोर्स ने सबसे संभावित रास्तों के बारे में सोचने की कोशिश की थी, लेकिन उसकी एकाग्रता बुरी तरह से भंग हो रही थी। उसने फैसला किया कि अब सब कुछ अपने आप होने दिया जाए।
सुबह 10.25 बजे क्रॉथर पांच मिनट पहले पहुंचे, और मोर्स ने उन्हें कॉफी दी और उनसे 'सम्मेलन' के बारे में कुछ अनौपचारिक प्रश्न पूछे।
‘ओह। वही रोज़ की बात, जानते हो। एक लंबी जम्हाई,’ क्रॉथर ने कहा।
‘यह असल में किस बारे में था?’
‘विश्वविद्यालय में दाखिले। ए-लेवल की ज़रूरतों को लेकर बहस चल रही है। हम स्कूल काउंसिल के बीच ज़्यादा लोकप्रिय नहीं हैं, आप जानते हैं। उन्हें लगता है कि ऑक्सफ़ोर्ड अकादमिक अभिजात्य वर्ग का आखिरी गढ़ है। फिर भी, मुझे लगता है कि यह सच में...’
उन्हें अपनी बात आगे बढ़ाने का मौका ही नहीं मिला। लुईस, जेनिफर कोल्बी के साथ अंदर आए और क्रॉथर खड़े हो गए।
‘क्या आप दोनों एक-दूसरे को जानते हैं?’ मोर्स ने पूछा। उनकी आवाज़ में ज़रा भी व्यंग्य नहीं था। मोर्स को ऐसा ही लगा कि जेनिफर और क्रॉथर ने अजीब तरह से हाथ मिलाया। ‘शुभ प्रभात’ का आदान-प्रदान हुआ और मोर्स, थोड़ा हैरान होकर, दो और कॉफ़ी डालीं।
‘क्या आप दोनों एक दूसरे को जानते हैं?’ उनकी आवाज में कुछ अनिश्चितता झलक रही थी।
'हम एक-दूसरे के काफी करीब रहते हैं, है ना, मिस्टर क्रॉथर?'
'जी हां, हम करते हैं। मैंने आपको अक्सर बस में देखा है। मुझे लगता है कि आप मिस कोल्बी हैं, है ना? आप एसपीसीसी के लिए आती हैं।'
जेनिफर ने सिर हिलाया।
मोर्स उठे और चीनी का कटोरा सबको देने लगे। उन्हें लग रहा था कि वे एक जगह स्थिर नहीं बैठ सकते।

अगले कुछ मिनटों के दौरान लुईस को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि क्या इंस्पेक्टर का नियंत्रण पूरी तरह से बिगड़ गया है। वह हिचकिचाया, 'सच कहूँ तो' और 'हमारे पास यह मानने का कुछ कारण है' कहता रहा और अंत में लगभग माफी मांगते हुए अपने दो मुख्य संदिग्धों से यह कहने में कामयाब रहा कि शायद उन दोनों का आपस में प्रेम संबंध है।

जेनिफर लगभग ज़ोर से हंस पड़ी और बर्नार्ड शर्माते हुए मुस्कुराया। बर्नार्ड ने ही पहले बोलना शुरू किया। 'इंस्पेक्टर, मुझे यकीन है कि मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूँ, और शायद मैं चाहता हूँ कि मेरा मिस कोल्बी के साथ कोई गुप्त प्रेम संबंध हो। लेकिन मुझे खेद है कि इसका जवाब ना है। मैं और क्या कह सकता हूँ?'

'मिस कोल्बी?'

'मुझे लगता है कि मैंने अपने जीवन में मिस्टर क्रॉथर से सिर्फ दो बार बात की है – उनसे एसपीसीसी के लिए दान मांगने के लिए। मैं कभी-कभी उन्हें शहर जाने वाली बस में देख लेता हूँ – हम एक ही स्टॉप पर चढ़ते और उतरते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि वह हमेशा ऊपर जाते हैं और मैं कभी नहीं जाता। मुझे सिगरेट की गंध से नफरत है।'

अपनी तीसरी सिगरेट पी रहे मोर्स को एक बार फिर लगा कि जेनिफर कोल्बी के साथ सब कुछ उनके लिए सबसे बुरा साबित हो रहा है। उन्होंने क्रॉथर की ओर रुख किया।

'मुझे आपसे यह पूछना ही होगा, महोदय। कृपया उत्तर देने से पहले बहुत सोच-समझकर जवाब दें, और याद रखें कि आप यहाँ एक हत्या के सिलसिले में आए हैं, उस लड़की की हत्या के सिलसिले में जो आपकी कार में यात्रा कर रही थी।' मोर्स ने जेनिफर के चेहरे पर हैरानी का भाव देखा। 'क्या मिस कोल्बी वही दूसरी यात्री थीं जिन्हें आपने उस रात अपनी कार में बिठाया था?'

बर्नार्ड ने इतनी तत्परता और दृढ़ विश्वास के साथ उत्तर दिया कि मोर्स बुरी तरह परेशान हो गया। 'नहीं, इंस्पेक्टर, वह नहीं थी। आप इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त रह सकते हैं।'

और आप, मिस कोल्बी। क्या आप इस बात से इनकार करती हैं कि आप मिस्टर क्रॉथर की कार में दूसरी यात्री थीं?

'जी हां। मैं इनकार करता हूं। बिलकुल।'

मोर्स ने अपनी कॉफी खत्म कर दी।

'क्या आप चाहते हैं कि हम किसी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करें, इंस्पेक्टर?' जेनिफर के चेहरे पर गहरी निराशा झलक रही थी।
मोर्स ने सिर हिलाया। 'नहीं। सार्जेंट लुईस ने आप दोनों की बातों पर नोट्स बना लिए हैं। लेकिन मिस कोल्बी, अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो एक और सवाल है। क्या आप मुझे उन दोस्तों का पता दे सकती हैं जिनके साथ आप इस सप्ताहांत लंदन में रुकी थीं?'
जेनिफर ने अपने हैंडबैग से एक सादा लिफाफा निकाला और उस पर लैंकेस्टर गार्डन्स का पता लिखा। बाद में उसने उसमें टेलीफोन नंबर भी जोड़ दिया और लिफाफा मोर्स को दे दिया।
उनके चले जाने के बाद मोर्स ने कहा, 'वे दोनों झूठ बोल रहे हैं।'
क्रॉथर को ऑक्सफोर्ड के केंद्र तक जाना था और उसने अपने साथी संदिग्ध को लिफ्ट देने की कृपा दिखाई थी। मोर्स सोच रहा था कि वे किस बारे में बात कर रहे होंगे। लुईस ने कुछ नहीं कहा था।
‘क्या तुमने मुझे सुना?’ मोर्स गुस्से में था।
'जी श्रीमान।'
‘मैंने कहा कि वे दोनों पक्के झूठे हैं। झूठे!’ लुईस चुप रहा। उसे लगा कि इंस्पेक्टर गलत था, बहुत गलत। वह खुद भी झूठ बोलने वालों से पूछताछ करने में माहिर था और उसे पूरा यकीन था कि क्रॉथर और कोल्बी दोनों सच बोल रहे थे।
मोर्स ने अपने सार्जेंट की ओर घूरकर देखा। 'चलो! सच बताओ!'
‘आपका क्या मतलब है, महोदय?’
‘मेरा मतलब क्या है? तुम समझ रहे हो ना। तुम्हें लगता है मैं पागल हो गया हूँ, है ना? तुम्हें लगता है मैं दिमागी तौर पर विक्षिप्त हो गया हूँ। तुम सबकी बातों पर यकीन कर लेते हो, पर मेरी बात पर नहीं। बताओ तो सही! मैं जानना चाहता हूँ।’
लुईस परेशान था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे, और मोर्स अपना आपा खो रहा था, उसकी आँखें गुस्से से लाल हो रही थीं और उसकी आवाज़ क्रूर और जानलेवा होती जा रही थी। 'बताओ ना। मुझे बताओ। तुमने सुना मैंने क्या कहा। मैं जानना चाहता हूँ!'
लुईस ने उसकी ओर देखा और इंस्पेक्टर की आँखों में घोर विफलता देखी। वह चाहता था कि काश वह सब कुछ ठीक कर पाता, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकता था। यही वह

गुण था जिसने शुरू से ही मोर्स को उसका प्रिय बना दिया था। यही उसकी बुनियादी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा थी।
‘मुझे लगता है आप गलत हैं, महोदय।’ यह बात कहने में उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन उन्होंने कह दी, और वे मोर्स के क्रूर जवाब से कहीं बेहतर के हकदार थे।
‘तुम्हें लगता है कि मैं गलत हूँ? तो सुनो, लुईस। अगर यहाँ कोई गलत है, तो वो मैं नहीं, तुम हो। समझ रहे हो? तुम, मैं नहीं। अगर तुममें इतनी अक्ल नहीं है कि देख सको कि वो दोनों धूर्त लोग झूठ बोल रहे हैं, अपनी जान बचाने के लिए झूठ बोल रहे हैं, तो तुम्हें इस मामले में नहीं होना चाहिए। समझ रहे हो? तुम्हें इस मामले में नहीं होना चाहिए।’
लुईस को गहरा दुख हुआ; लेकिन खुद के लिए नहीं। 'शायद आपको अपने साथ किसी और को रखना चाहिए, महोदय। मेरा मतलब है, इस मामले में।'
'हो सकता है आप सही हों।' मोर्स थोड़ा शांत हो रहा था और लुईस ने इसे महसूस कर लिया।
‘ये रहा न्यूलव नाम का आदमी, साहब। क्या हमें ऐसा नहीं करना चाहिए...’
‘न्यूलव? ये कौन है भला?’ लुईस ने गलत बात कह दी थी, और मोर्स का दबा हुआ गुस्सा और कुंठा फिर से चरम पर पहुँच गई। ‘न्यूलव? हमने इस कमीने आदमी का नाम पहले कभी नहीं सुना। ठीक है – उसके पास टाइपराइटर है। ये कोई पाप तो नहीं है, है ना? उसने वो चिट्ठी नहीं लिखी। क्रॉथर ने लिखी थी! और अगर तुम्हें ये समझ नहीं आ रहा तो तुम बिलकुल अंधे हो!’
लेकिन क्या आपको नहीं लगता...?
‘अरे, दफा हो जाओ, लुईस। तुम मुझे बोर कर रहे हो।’
‘क्या इसका मतलब यह है कि मुझे इस मामले से मुक्त कर दिया गया है, महोदय?’
‘मुझे नहीं पता। मुझे परवाह नहीं। बस चले जाओ और मुझे अकेला छोड़ दो।’ लुईस बाहर चला गया और उसे अकेला छोड़ दिया।
कुछ मिनट बाद फोन की घंटी बजी। मोर्स ने रिसीवर उठाया और सब कुछ भुला दिया।
'मैं यहाँ नहीं हूँ,' उसने झल्लाकर कहा, 'मैं घर चला गया हूँ।' उसने रिसीवर पटक दिया और अपने भीतर गहरे गम में डूबा बैठा रहा। वह सू को भी भूल गया। आख़िरकार उसका आख़िरी किला ढह गया। इतने लंबे समय तक बाढ़ का सामना करने के बाद, अब वह आकारहीन रेत का एक चपटा ढेर बन गया था। लेकिन जैसे ही वह ढहा, उसके मन में एक अजीब सी स्पष्टता उभरने लगी। वह अपनी चमड़े की कुर्सी से उठा, अलमारी

खोली और सिल्विया केय की फाइल निकाली। उसने उसे शुरू से खोला और दोपहर ढलने तक पढ़ता रहा, जब कमरे में अंधेरा छाने लगा और उसे पढ़ना मुश्किल हो गया, और उसके व्याकुल मन की गहराइयों में एक नया और भयानक विचार जन्म लेने लगा। यह चौंकाने वाली खबर सवा सात बजे आई। मार्गरिट क्रॉथर ने आत्महत्या कर ली थी।

अध्याय चौबीस

सोमवार, 18 अक्टूबर

जेनिफर कोल्बी को हाई स्कूल छोड़ने के बाद, बर्नार्ड क्रॉथर को बेयर लेन में पार्किंग की जगह मिल गई, जो उनकी किस्मत थी। अब तो प्रोफेसरों को भी कॉलेज के बाहर गाड़ी पार्क करने की इजाज़त नहीं थी। उन्होंने सीनियर कॉमन रूम में दोपहर का भोजन किया और दोपहर व शाम का शुरुआती समय काम करते हुए बिताया। दोनों बच्चे पास के व्हिटहैम वुड्स में स्कूल की कैंपिंग की छुट्टी पर एक हफ्ते के लिए गए हुए थे। ऐसी छुट्टियों में माता-पिता का हफ्ते में एक शाम बच्चों से मिलने जाना आम बात थी, लेकिन क्रॉथर बच्चों ने अपने माता-पिता से कहा था कि वे न आएं; और बात वहीं खत्म हो गई। कम से कम बर्नार्ड और मार्गरिट को कुछ अच्छे भोजन करने का मौका तो मिलेगा, बजाय हर चीज़ के साथ चिप्स और टमाटर सॉस खाने के।
बर्नार्ड लगभग सवा छह बजे कॉलेज से निकला। सड़कें अब तक फिर से खाली हो रही थीं और घर तक का उसका सफर आसान था। उसने येल की चाबी से अंदर प्रवेश किया और अपना कोट टांग दिया। अजीब सी गंध आ रही थी। क्या ये गैस की गंध है?
'मार्गरिट?' उसने अपना ब्रीफकेस सामने वाले कमरे में रख दिया। 'मार्गरिट?' वह रसोई की ओर गया और देखा कि दरवाजा बंद है। 'मार्गरिट!' उसने रसोई के दरवाजे की कुंडी घुमाई, लेकिन वह दूसरी तरफ से मजबूती से बंद थी। उसने दरवाजे पर जोर से दस्तक दी। 'मार्गरिट! मार्गरिट! क्या तुम वहाँ हो?' अब उसे गैस की गंध और भी तेज महसूस हो रही थी। उसका मुँह पूरी तरह सूख गया था और उसकी आवाज में घबराहट साफ झलक रही थी। 'मार्गरिट!' वह भागकर सामने वाले दरवाजे पर गया, बगल वाले गेट से होते हुए, और पीछे वाले दरवाजे को भी आजमाया। वह भी बंद था। वह बच्चे की तरह

रोने लगा। उसने सिंक के ऊपर लगी बड़ी खिड़की से रसोई में झाँका। बिजली की बत्ती जल रही थी और एक पल के लिए उम्मीद की एक आखिरी किरण जगी, चमकी और फिर बुझ गई। उसकी आँखों के सामने जो अवास्तविक दृश्य आया, वह इतना विचित्र और असंभावित था कि वह उसकी आँखों की रेटिना पर एक अर्थहीन चित्र के रूप में अंकित हो गया – एक महत्वहीन दृश्य – एक मोम की मूर्ति, चमकीली आँखों और चटख रंगों वाली, एक स्थिर, टकटकी भरी मुस्कान के साथ। वह फर्श पर इस तरह क्यों बैठी थी? क्या वह ओवन साफ कर रही थी?

उसने दीवार के किनारे पड़ी एक ईंट उठाई, खिड़की का शीशा तोड़ दिया और कुंडी पकड़कर अंदर से खिड़की खोलने की कोशिश में उसकी उंगलियां बुरी तरह कट गईं। गैस की घिनौनी गंध ने उसे लगभग शारीरिक आघात पहुँचाया, और कुछ सेकंड बाद, अपने चेहरे पर रुमाल रखे हुए, वह बड़ी मुश्किल से खिड़की से अंदर चढ़ा और गैस बंद कर दी। मार्गरिट का सिर ओवन के ठीक अंदर, एक मुलायम लाल तकिये पर टिका हुआ था। सुन्न और बेसुध होकर उसने सोचा कि उसे तकिये को वहीं वापस रख देना चाहिए जहाँ से वह आया था; वह लाउंज में सोफे से था। उसने सदमे से भरी, बेजान आँखों से अपने हाथ पर लगे गहरे घावों को देखा और यंत्रवत रूप से उन्हें अपने रुमाल से पोंछा। उसने दरवाजे और खिड़की के बीच के खाली हिस्सों में चिपचिपा भूरा कागज देखा, और गौर किया कि मार्गरिट ने किनारों को उतनी ही सफाई से काटा था जितना वह हमेशा बच्चों के जन्मदिन के उपहार लपेटते समय करती थी। बच्चे! भगवान का शुक्र है कि वे दूर थे! उसने वाशिंग मशीन के ऊपर लगे फॉर्मिका टॉप पर कैंची देखी और एक यंत्र की तरह उसे उठाकर दराज में रख दिया। बदबू अभी भी बेहद घिनौनी थी और उसे उल्टी आने जैसा महसूस हो रहा था। और अब उस सब की भयावहता धीरे-धीरे उसके दिमाग में समा रही थी, जैसे स्याही सोख्ता कागज पर फैल जाती है। वह जानता था कि वह मर चुकी है।

उसने रसोई का दरवाजा खोला, हॉल में रखा फोन उठाया और स्तब्ध, अस्पष्ट आवाज में पुलिस को बुलाया। टेलीफोन डायरेक्टरी के बगल में उसके नाम का एक पत्र पड़ा था। उसने उसे उठाया और अपनी जेब में रख लिया और रसोई में लौट गया।

दस मिनट बाद पुलिस ने उसे वहाँ पाया, वह अपनी पत्नी के बगल में फर्श पर बैठा था, उसका हाथ उसके बालों पर था, उसकी आँखें सूनी और भावहीन थीं। उसने दरवाजे की घंटी की तेज आवाज नहीं सुनी थी।

पुलिस की गाड़ी और एम्बुलेंस के कुछ ही मिनट बाद मोर्स वहाँ पहुँचे। ऑक्सफोर्ड सिटी पुलिस के इंस्पेक्टर बेल ने मोर्स को बुलाया था; क्रॉथर ने इस पर ज़ोर दिया था। दोनों इंस्पेक्टर पहले भी कई बार मिल चुके थे और गलियारे में दबी आवाज़ में बातें कर रहे थे। पुलिस डॉक्टर बर्नार्ड को रसोई से बिना किसी विरोध के बाहर ले आए थे और अब वह लाउंज में सिर हाथों में झुकाए बैठे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उन्हें पता ही नहीं चल रहा कि क्या हो रहा है या क्या कहा जा रहा है, लेकिन जब मोर्स लाउंज में आए तो वह जैसे मानो फिर से सजग हो गए।

‘हैलो, इंस्पेक्टर।’ मोर्स ने क्रॉथर के कंधे पर हाथ रखा, लेकिन उसे कुछ भी ऐसा नहीं सूझा जिससे मदद मिल सके। कुछ भी मदद नहीं कर सकता था। ‘यह उसने छोड़ा है, इंस्पेक्टर।’ बर्नार्ड ने अपनी जेब में हाथ डाला और सीलबंद लिफाफा निकाला।

'यह आपके लिए है, महोदय; यह आपको संबोधित है - मुझे नहीं,' मोर्स ने धीमी आवाज़ में कहा।

‘मुझे पता है। लेकिन आप इसे पढ़ लीजिए। मैं नहीं पढ़ सकता।’ उसने फिर से अपना सिर अपने हाथों में रख लिया और धीरे-धीरे रोने लगा।

मोर्स ने अपने साथी इंस्पेक्टर की ओर जिज्ञासा भरी नजरों से देखा। बेल ने सिर हिलाया और मोर्स ने सावधानीपूर्वक पत्र खोला।

प्रिय बर्नार्ड,

जब आप इसे पढ़ेंगे, तब तक मैं मर चुकी होंगी। मैं जानती हूँ कि इसका आप पर और बच्चों पर क्या असर होगा, और इसी वजह से मैं पहले ऐसा नहीं कर पाई थी – लेकिन अब मैं ज़िंदगी और नहीं जी सकती। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूँ – लेकिन मैं चाहती हूँ कि आप जान लें कि इसमें आपकी कोई गलती नहीं है। मैं आपके लिए एक पत्नी के तौर पर जो होना चाहिए था, वो नहीं कर पाई और बच्चों के साथ भी बुरी तरह नाकाम रही हूँ। सब कुछ इतना बढ़ गया है कि अब मुझे इन सबसे दूर जाकर आराम और शांति चाहिए। मैं अब और नहीं जी सकती। मुझे एहसास है कि मैं कितनी स्वार्थी हूँ और मैं जानती हूँ कि मैं बस हर चीज़ से भाग रही हूँ। लेकिन अगर मैं नहीं भागी तो पागल हो जाऊँगी। मुझे भागना ही होगा – अब मुझमें हिम्मत नहीं बची है कि मैं हालात का सामना कर सकूँ।

आपकी मेज पर आपको सभी खाते मिल जाएंगे। श्री एंडरसन के सेब के पेड़ों की छंटाई के बिल को छोड़कर बाकी सभी बिल चुका दिए गए हैं। हमें उन्हें 5 पाउंड देने हैं, लेकिन

मुझे उनका पता नहीं मिल पाया।
मुझे वो पुराने दिन याद आ रहे हैं जब हम बहुत खुश थे। वो पल हमसे कोई नहीं छीन सकता। बच्चों का ख्याल रखना। ये मेरी गलती है, उनकी नहीं। मैं प्रार्थना करती हूँ कि आप मेरे बारे में बुरा न सोचें और मुझे माफ कर दें।
मार्गरिट।
इससे ज्यादा राहत तो नहीं मिलने वाली थी, लेकिन क्रॉथर को कभी न कभी इसका सामना करना ही था।
'कृपया इसे पढ़िए, महोदय।'
बर्नार्ड ने इसे पढ़ा, लेकिन उसने कोई भावना नहीं दिखाई। उसकी निराशा इससे अधिक गहरी नहीं हो सकती थी। अंत में उसने कहा, 'बच्चों का क्या होगा?'
'आप चिंता न करें, महोदय। हम सब संभाल लेंगे।' पुलिस डॉक्टर की आवाज़ चुस्त थी। वह ऐसी स्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ थे और आगे की प्रक्रिया उन्हें भली-भांति पता थी। वह ज़्यादा कुछ तो नहीं कर सकते थे – लेकिन कुछ तो कर सकते थे।
'देखिए महोदय, मैं चाहता हूँ कि आप ये लें...'
'बच्चों का क्या होगा?' वह पूरी तरह टूट चुका था, और मोर्स ने उसे डॉक्टर के भरोसे छोड़ दिया। वह बेल के साथ सामने वाले कमरे में चला गया, और उसने खातों, बीमा, गिरवी भुगतान और शेयर बाजार में रखे शेयरों की सूची देखी, जिसे मार्गरिट ने मेज पर रखे पेपरवेट के नीचे बड़े करीने से रखा था। लेकिन उसने उन्हें छुआ तक नहीं। वे पति-पत्नी के बीच का रिश्ता थे, एक ऐसी पत्नी जो उस दिन क्रॉथर से मुलाकात के समय जीवित थी।
'तो आप उसे जानते हैं?' बेल ने पूछा।
मोर्स ने कहा, 'मैंने उसे आज सुबह देखा था। मैंने उसे वुडस्टॉक हत्याकांड के सिलसिले में देखा था।'
'सचमुच?' बेल आश्चर्यचकित होकर देखने लगी।
'वही लड़का लड़कियों को पटाता था।'
'क्या आपको लगता है कि वह इसमें शामिल था?'
'मुझे नहीं पता,' मोर्स ने कहा।
क्या इस कारोबार का इससे कोई लेना-देना है?
'मुझें नहीं पता।'

एम्बुलेंस अभी भी बाहर खड़ी थी और सड़क के किनारे लगे सभी पर्दों से उत्सुक निगाहें झाँक रही थीं। रसोई में मोर्स ने मार्गरिट क्रॉथर की ओर देखा। उसने उसे पहले कभी नहीं देखा था, और यह जानकर वह हैरान रह गया कि वह कितनी आकर्षक रही होगी। लगभग चालीस साल की? बाल थोड़े सफेद हो रहे थे, लेकिन शरीर सुगठित और आकर्षक था, और चेहरा अब थोड़ा टेढ़ा और नीला पड़ गया था।
बेल ने कहा, 'उसे यहां रखने का कोई फायदा नहीं है।'
मोर्स ने सिर हिलाया। 'बिल्कुल भी फायदा नहीं।'
'इसमें बहुत समय लगता है, आप जानते हैं, यह उत्तरी सागर की गैस।'
दोनों व्यक्ति कुछ मिनट तक बेतरतीब ढंग से बातें करते रहे, और मोर्स जाने की तैयारी करने लगा। लेकिन जैसे ही वह अपनी कार की ओर बढ़ा, पुलिस डॉक्टर ने उसे वापस बुला लिया।
‘इंस्पेक्टर, क्या आप एक मिनट के लिए वापस आ सकते हैं?’ मोर्स घर में दोबारा दाखिल हुए।
वह कहता है कि उसे आपसे बात करनी ही है।
क्रॉथर कुर्सी की पीठ पर सिर टिकाकर बैठा था। उसकी सांसें तेज़ चल रही थीं और माथे पर पसीना साफ झलक रहा था। वह गहरे सदमे में था और उसे पहले से ही बेहोशी की दवा दी जा चुकी थी।
‘इंस्पेक्टर,’ उसने थकी हुई आँखों से आँखें खोलीं। ‘इंस्पेक्टर, मुझे आपसे बात करनी है।’
उसे यहाँ तक पहुँचने में बड़ी मुश्किल हुई, और मोर्स ने डॉक्टर की ओर देखा, जिसने धीरे से अपना सिर हिलाया।
‘कल, महोदय,’ मोर्स ने कहा। ‘मैं आपसे कल मिलूंगा।’
'इंस्पेक्टर जी, मुझे आपसे बात करनी है।'
'हां, मुझे पता है। लेकिन अभी नहीं। हम कल बात करेंगे। तब सब ठीक हो जाएगा।'
मोर्स ने अपना हाथ क्रॉथर के माथे पर रखा और वहां की चिपचिपी नमी को महसूस किया।
‘इंस्पेक्टर!’ लेकिन दीवारों का ऊपरी कोना, जहाँ क्रॉथर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहा था, उसकी आँखों के सामने धीरे-धीरे विघटित हो रहा था; कोण पिघलते, घूमते और गायब होते जा रहे थे।

मोर्स धीरे-धीरे साउथडाउन रोड से निकला और उसे एहसास हुआ कि क्रॉथर, जेनिफर कोल्बी के कितने करीब रहता था। रात काली थी और चाँद घने बादलों के पीछे छिपा हुआ था। सामने के कमरों की ज़्यादातर खिड़कियों से पर्दों से ढकी रोशनी की पतली-सी लकीरें दिख रही थीं, और कई खिड़कियों में मोर्स को टेलीविजन स्क्रीन की हल्की नीली चमक दिखाई दे रही थी। उसने खास तौर पर एक घर को देखा और उसकी एक खिड़की पर नज़र डाली, जो दरवाज़े के ठीक ऊपर थी। लेकिन अँधेरा था, इसलिए वह आगे बढ़ गया।

अध्याय पच्चीस

मंगलवार, 19 अक्टूबर, सुबह।

मोर्स को बहुत खराब नींद आई थी और सिरदर्द के साथ जागा। उसे आत्महत्या से नफरत थी। उसने ऐसा क्यों किया? क्या आत्महत्या किसी गहरे निराशा से बचने का कायरों का सहारा थी? या यह अपने तरीके से साहस का एक ऐसा कार्य था जो एक विकृत प्रकार की वीरता को प्रकट करता था? हालांकि, ऐसा नहीं था। कई अन्य जीवन आपस में जुड़े हुए थे: कोई बोझ कम नहीं हुआ - वे बस एक के कंधों से दूसरे के कंधों पर स्थानांतरित हो गए। मोर्स का दिमाग चैन से नहीं बैठा था, बल्कि किसी अंतहीन मेले के झूले पर चक्कर लगा रहा था।
नौ बज चुके थे जब वह अपनी चमड़े की कुर्सी पर बैठा, और उसका उदास चेहरा उसके झुके हुए कंधों पर साफ झलक रहा था। उसने लुईस को बुलाया, जिसने अंदर जाने से पहले हिचकिचाते हुए दरवाजे पर दस्तक दी; लेकिन मोर्स को मानो पिछले दिन की उस अप्रिय घटना की कोई याद नहीं थी। उसने लुईस को मार्गरिट क्रॉथर की आत्महत्या के बारे में सारी बातें बताईं।
'क्या आपको लगता है कि वह हमें कुछ महत्वपूर्ण बात बताना चाहता है, महोदय?'
इससे पहले कि लुईस अपने सवाल का जवाब जान पाता, दरवाजे पर दस्तक हुई और एक युवती डाक लेकर आई, उसने मुस्कुराते हुए 'सुप्रभात' कहा और चली गई। मोर्स ने लगभग एक दर्जन पत्रों को पलटा और उसकी नज़र एक बंद लिफाफे पर पड़ी जिस पर

'अत्यंत गोपनीय' लिखा था और जो उसी के नाम संबोधित था। लिफाफा बिल्कुल वैसा ही था जैसा उसने पिछली शाम देखा था।
‘मुझे नहीं पता कि क्रॉथर के पास हमें बताने के लिए कुछ है या नहीं; लेकिन ऐसा लगता है कि उनकी दिवंगत पत्नी के पास कुछ है।’ उन्होंने एक चाकू से लिफाफा बड़े करीने से खोला और उसमें टाइप की हुई बातें लुईस को जोर से पढ़कर सुनाईं।
प्रिय निरीक्षक,
मैं आपसे कभी नहीं मिला, लेकिन मैंने अखबारों में पढ़ा है कि आप सिल्विया केय की मौत की जांच के प्रभारी हैं। मुझे यह बात आपको बहुत पहले बता देनी चाहिए थी, लेकिन मुझे उम्मीद है कि अब भी देर नहीं हुई है। देखिए, इंस्पेक्टर, मैंने ही सिल्विया केय की हत्या की है। (शब्दों को दो बार रेखांकित किया गया था।)
मुझे अपनी बात स्पष्ट करनी होगी। अगर मैं थोड़ा उलझन में पड़ जाऊं तो कृपया मुझे क्षमा कर दें, लेकिन यह सब बहुत पहले की बात लगती है।
मुझे करीब छह महीने से पता था – खैर, निश्चित रूप से छह महीने से – शायद उससे भी कहीं ज़्यादा समय से – कि मेरे पति का किसी दूसरी औरत के साथ अफेयर चल रहा है। मेरे पास कोई सबूत नहीं था और अब भी नहीं है। लेकिन किसी पुरुष के लिए अपनी पत्नी से इस तरह की बात छुपाना बहुत मुश्किल होता है। हमारी शादी को पंद्रह साल हो गए हैं और मैं उन्हें बहुत अच्छी तरह जानती हूँ। उनके शब्दों, हरकतों और हाव-भाव से साफ पता चल रहा था – मुझे लगता है कि वे बहुत दुखी रहे होंगे।
बुधवार, 22 सितंबर को, मैं शाम 6:30 बजे हेडिंगटन में अपनी शाम की क्लास के लिए घर से निकली – लेकिन मैं तुरंत नहीं गई। इसके बजाय, मैं बैनबरी रोड के पास अपनी कार में इंतज़ार करती रही। मुझे ऐसा लगा जैसे बहुत देर हो गई हो और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूँगी। फिर लगभग पौने सात बजे, मेरे पति बर्नार्ड चार्लटन रोड के जंक्शन पर पहुँचे और उत्तरी गोलचक्कर की ओर दाहिने मुड़ गए। मैंने यथासंभव उनका पीछा किया – मैं ऐसा इसलिए कह रही हूँ क्योंकि मैं अच्छी ड्राइवर नहीं हूँ – और वैसे भी अंधेरा बढ़ता जा रहा था। ज़्यादा ट्रैफिक नहीं था और मैं उन्हें दो-तीन कार आगे साफ़ देख पा रही थी। वुडस्टॉक रोड गोलचक्कर पर वे A34 पर मुड़ गए। हालाँकि, वे मुझसे ज़्यादा तेज़ गाड़ी चला रहे थे और मैं उनसे और पीछे होती चली गई। मुझे लगा कि मैंने उन्हें पीछे छोड़ दिया है – लेकिन आगे सड़क निर्माण का काम चल रहा था और लगभग एक मील तक ट्रैफिक को एक लेन में चलना पड़ा। आगे एक धीमी गति से चलने

वाला भारी ट्रक था और मैं जल्द ही उसके पास पहुँच गया – बर्नार्ड मुझसे लगभग छह या सात कारें आगे था। अगले गोलचक्कर पर ट्रक ब्लेडन की ओर मुड़ गया और मैं बर्नार्ड को देखता रहा और उसे वुडस्टॉक में बाईं ओर पहला मोड़ लेते हुए देखा। मैं थोड़ा घबरा गया और समझ नहीं पा रहा था कि क्या करूँ – मैं अगली गली में मुड़ा, कार रोकी और वापस पैदल चलने लगा। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मैं वापस हेडिंगटन चला गया और अपनी शाम की क्लास के लिए केवल बीस मिनट लेट हुआ।

अगले बुधवार, 29 सितंबर को, मैं फिर से वुडस्टॉक के लिए निकल पड़ी। मैं रोज़ से पूरे दस मिनट पहले घर से निकली, गाँव में थोड़ा आगे जाकर गाड़ी खड़ी की और उस गली में वापस चली गई जहाँ बर्नार्ड पिछले हफ्ते मुड़ा था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि कहाँ इंतज़ार करूँ और मैं खुद को बेवकूफ और ध्यान खींचने वाली महसूस कर रही थी, लेकिन मैंने सड़क के बाईं ओर एक सुरक्षित जगह ढूंढ ली – मुझे डर था कि बर्नार्ड मुझे देख लेगा – अगर वह आया तो – और मैं वहीं इंतज़ार करती रही और कोने से आने वाली हर गाड़ी को देखती रही। गाड़ियों को मुड़ते देखना और उनमें बैठे लोगों को देखना तो बच्चों का खेल था। वह सवा सात बजे आया और मैं बुरी तरह कांपने लगी। वह अकेला नहीं था – लंबे सुनहरे बालों वाली एक युवती सफेद ब्लाउज पहने उसके बगल में आगे की सीट पर बैठी थी। मुझे लगा कि उन्होंने मुझे ज़रूर देख लिया होगा क्योंकि गाड़ी – मुझसे सिर्फ छह या सात गज आगे – ब्लैक प्रिंस की पार्किंग में मुड़ गई। मेरे पैर कांप रहे थे और कानों में खून की धड़कन तेज़ हो रही थी, लेकिन किसी चीज़ ने मुझे हिम्मत दी। मैं सावधानी से यार्ड तक गया और अंदर झाँका। वहाँ पहले से ही कई कारें खड़ी थीं और मुझे कई मिनट तक बर्नार्ड की कार दिखाई नहीं दी। मैं यार्ड के ठीक बाईं ओर खड़ी एक कार के पीछे से घूमकर गया और फिर मुझे वे दोनों दिखाई दिए। कार उसी तरफ, आखिरी छोर पर खड़ी थी, जिसका बूट दीवार की ओर था - उसने शायद उसे पीछे की ओर पार्क किया होगा। वे आगे बैठे थोड़ी देर बातें कर रहे थे। मेरे अंदर गुस्सा फूट पड़ा। बर्नार्ड और एक भद्दी सी गोरी लड़की - लगभग सत्रह साल की लग रही थी! मैंने उन्हें चुंबन करते देखा। फिर वे आगे से निकलकर पीछे बैठ गए। उसके बाद मैं कुछ नहीं देख पाया - कम से कम उस दृश्य से तो बच गया।

मैं अपने उस एहसास को शब्दों में बयान नहीं कर सकती। अब जब मैं लिख रही हूँ, तो सब कुछ बेजान और किसी तरह से महत्वहीन सा लग रहा है। मुझे ईर्ष्या से ज़्यादा गुस्सा आ रहा था – यह मैं जानती हूँ। इस बात का गहरा गुस्सा कि बर्नार्ड ने मुझे इतना शर्मिंदा

किया था। करीब पाँच मिनट बाद वे लोग बाहर निकले। उन्होंने कुछ कहा – लेकिन मैं सुन नहीं पाई। वहाँ एक लीवर था – एक लंबा टायर लीवर – मुझे वो आँगन के फर्श पर पड़ा मिला, और मैंने उसे उठा लिया। पता नहीं क्यों। मैं बहुत डरी हुई और बहुत गुस्से में थी। और अचानक कार का इंजन चालू हुआ और फिर बत्तियाँ और पूरा आँगन रोशन हो गया। कार आँगन से निकल गई, और उसके जाने के बाद अँधेरा पहले से भी ज़्यादा घना लगने लगा। लड़की वहीं खड़ी थी जहाँ उसने उसे छोड़ा था, और मैं हमारे बीच खड़ी तीन-चार कारों के पीछे से रेंगती हुई उसके पास पहुँची। मैंने कुछ नहीं कहा और मुझे यकीन है कि उसने मुझे नहीं सुना। मैंने बड़ी आसानी से उसके सिर के पिछले हिस्से पर ज़ोर से वार किया। यह एक सपने जैसा लग रहा था। मुझे कुछ भी महसूस नहीं हुआ – न पछतावा – न डर – कुछ भी नहीं। मैंने उसे वहीं, दूर वाली दीवार के सहारे छोड़ दिया। अभी भी बहुत अंधेरा था। मुझे नहीं पता था कि वह कब और कैसे मिलेगी - और मुझे इसकी परवाह भी नहीं थी।

बर्नार्ड को शुरू से ही पता था कि मैंने सिल्विया केय की हत्या की है – ऑक्सफोर्ड लौटते समय वह मेरे पास से गुजरा था। उसने मुझे जरूर देखा होगा क्योंकि मैंने उसे देखा था। वह कुछ देर तक मेरे ठीक पीछे था और उसने मेरी नंबर प्लेट जरूर देखी होगी। जब उसने मुझे ओवरटेक किया तो मैंने उसकी कार को साफ-साफ देखा था।

मुझे पता है कि आपको बर्नार्ड पर क्या शक था। लेकिन आप गलत थीं। मुझे नहीं पता उसने आपको क्या बताया – लेकिन मुझे पता है कि आपने उससे बात की है। अगर उसने आपसे झूठ बोला है, तो सिर्फ मुझे बचाने के लिए बोला है। लेकिन अब मुझे किसी के सहारे की ज़रूरत नहीं है। बर्नार्ड का ख्याल रखना और मेरी वजह से उसे ज़्यादा तकलीफ मत होने देना। उसने वही किया जो सैकड़ों मर्द करते हैं, और इसके लिए मैं खुद को दोषी मानती हूँ, किसी और को नहीं। मैं न तो उसकी अच्छी पत्नी बन पाई और न ही उसके बच्चों की अच्छी माँ। मैं बस थक चुकी हूँ – हर चीज़ से बुरी तरह थक चुकी हूँ। मैंने जो किया है उसके लिए मुझे बहुत पछतावा है – लेकिन मुझे एहसास है कि यह कोई बहाना नहीं है। मैं और क्या कहूँ – और क्या कहा जा सकता है?

मार्गरिट क्रॉथर।

मोर्स की आवाज़ धीरे-धीरे शांत हो गई और कमरा एकदम सन्नाटा छा गया। पत्र को जोर से पढ़ते हुए सुनकर लुईस बहुत भावुक हो गया, मानो मार्गरिट क्रॉथर वहीं मौजूद हों।

लेकिन वह अब कभी नहीं बोलेंगी। उसने मार्गरिट से अपनी मुलाकात के बारे में सोचा और अंदाज़ा लगाया कि पिछले कुछ महीनों में उन्होंने कितनी पीड़ा सही होगी।
‘आपको लगा था कि कुछ ऐसा ही होगा, है ना महोदय?’
'नहीं,' मोर्स ने कहा।
'यह थोड़ा चौंकाने वाला है, है ना? एकदम अचानक से।'
‘मुझे उसकी अंग्रेज़ी शैली ज़्यादा पसंद नहीं आई,’ मोर्स ने कहा। उसने पत्र लुईस को सौंप दिया। ‘वह मेरी पसंद से कहीं ज़्यादा डैश का इस्तेमाल करती है।’ यह टिप्पणी निर्मम और बेतुकी लगी। लुईस ने पत्र को मन ही मन पढ़ा।
‘वैसे भी, वह एक अच्छी और साफ-सुथरी टाइपिस्ट है, महोदय।’
'क्या आपको नहीं लगता कि यह थोड़ा अजीब है कि उसने अंत में अपने हस्ताक्षर का उपयोग करने के बजाय अपना नाम टाइप किया?'
मोर्स को एक पत्र दे दो और उसकी कल्पना उज्ज्वल आंखों वाले देवदूतों के लोकों तक पहुंच जाती। लुईस मन ही मन आह भरता है।
‘आपको लगता है कि इसे उसने ही लिखा है, है ना महोदय?’
मोर्स ने अनिच्छा से अपने उग्र विचारों को नियंत्रित किया। 'हाँ। उसने ही इसे लिखा है।'
लुईस को लगा कि वह इंस्पेक्टर की भावनाओं को समझ गया है। थोड़ी-बहुत सफाई तो करनी ही पड़ेगी, लेकिन मामला अब लगभग सुलझ चुका था। उसने उस चिड़चिड़े और अस्थिर स्वभाव वाले इंस्पेक्टर के साथ काम करने में काफी आनंद लिया था, लेकिन अब... फोन की घंटी बजी और मोर्स ने उठाया। उसने एक दर्जन बार 'ठीक है' कहा और रिसीवर रख दिया।
‘क्रॉथर रेडक्लिफ अस्पताल में हैं – उन्हें हल्का दिल का दौरा पड़ा है। उन्हें कम से कम दो दिनों तक किसी से भी मिलने की अनुमति नहीं है।’
'शायद वह हमें इससे ज्यादा कुछ नहीं बता सकते,' लुईस ने सुझाव दिया।
‘हाँ, वह कर सकता है,’ मोर्स ने कहा। वह पीछे झुक गया, शरारती स्कूली बच्चे की तरह अपने हाथ सिर पर रख लिए और दीवार के सबसे दूर वाले कोने को खाली निगाहों से घूरने लगा। लुईस ने चुप रहना ही बेहतर समझा, लेकिन जैसे-जैसे मिनट बीतते गए, वह बेचैन होता चला गया।
‘क्या आप कॉफ़ी लेना चाहेंगे, महोदय?’ मोर्स ने मानो उसकी बात सुनी ही नहीं। ‘कॉफ़ी? क्या आप कॉफ़ी लेना चाहेंगे?’ मोर्स उसे एक ऐसे बहरे व्यक्ति की याद दिला रहा था

जिसने अपनी श्रवण यंत्र बंद कर रखी हो। मिनट दर मिनट बीतते गए, फिर उसकी धूसर आँखों ने आसपास की दुनिया पर ध्यान केंद्रित किया।
‘अच्छा, इससे एक बात तो साफ हो गई, लुईस। हम श्रीमती क्रॉथर को संदिग्धों की सूची से हटा सकते हैं, है ना?’

अध्याय छब्बीस

मंगलवार, 19 अक्टूबर, दोपहर।

दोपहर के समय पीटर न्यूलव अपने कमरे में बैठे थे। उन्हें किसी के आने की उम्मीद नहीं थी। आम तौर पर बर्नार्ड इस समय तक जिन पीने के लिए आ जाते, लेकिन उस सुबह कॉलेज में यह खबर फैल चुकी थी: मार्गरिट ने आत्महत्या कर ली थी और बर्नार्ड को दिल का दौरा पड़ गया था। और इस दोहरी खबर का सबसे गहरा असर पीटर पर पड़ा। वह मार्गरिट को अच्छी तरह जानते थे और उन्हें पसंद करते थे; और बर्नार्ड उनके सबसे अच्छे दोस्त थे, उस अकादमिक, शौकिया दोस्ती के अंदाज में जो ज्यादातर कॉलेजों में देखने को मिलती है। उन्होंने अस्पताल में फोन किया था, लेकिन गुरुवार से पहले बर्नार्ड से मिलने की कोई उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कुछ फूल भेजे थे: बर्नार्ड को फूल पसंद थे और अब उनकी कोई पत्नी नहीं थी जिसे वे फूल भेज सकें... उन्होंने बच्चों के बारे में भी पूछा था। वे हेंडन में अपनी एक चाची के पास रहने गए थे, हालांकि पीटर समझ नहीं पा रहे थे कि इस तरह की व्यवस्था से उन्हें कितनी मदद मिल सकती है।
दरवाजे पर दस्तक हुई। 'दरवाजा खुला है।'
वह इंस्पेक्टर मोर्स से पहले कभी नहीं मिला था और यह देखकर उसे सुखद आश्चर्य हुआ कि उसके पेय के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया। मोर्स ने स्पष्ट और सीधे शब्दों में बताया कि वह क्यों आया था।
‘और यह उस पर लिखा था?’ न्यूलव ने मेज पर रखे खुले पोर्टेबल टाइपराइटर को देखते हुए भौंहें चढ़ाईं।
'इसके बारे में कोई संदेह नहीं है।'
न्यूलव थोड़ा हैरान दिख रहा था, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा।

'क्या आप जेनिफर कोल्बी नाम की एक युवती को जानती हैं, मिस जेनिफर कोल्बी?'
'मुझे डर है कि मैं नहीं कर सकती।' न्यूलव के माथे पर शिकन और गहरी हो गई।
'वह हाई स्कूल में काम करती है, जो यहाँ से ज्यादा दूर नहीं है। टाउन एंड गाउन। बीमा संस्थान।'
न्यूलव ने अपना सिर हिलाया। 'हो सकता है मैंने उसे देखा हो, बेशक। लेकिन मैं उसे नहीं जानता। मैंने उसका नाम पहले कभी नहीं सुना।'
'और आपने उस नाम के किसी व्यक्ति को कभी पत्र नहीं लिखा?'
नहीं। मैं ऐसा कैसे कर सकता हूँ? जैसा कि मैंने कहा, मैंने उस महिला के बारे में कभी सुना ही नहीं है।
मोर्स ने अपने होंठ सिकोड़े और आगे कहा, 'आपके टाइपराइटर का इस्तेमाल और कौन कर सकता था, महोदय?'
'खैर, मुझे सच में नहीं पता। मुझे लगता है कि लगभग हर कोई एक तरह से। मैं जगह को बहुत ज्यादा बंद नहीं करता जब तक कि कोई प्रश्न पत्र न हो।'
'क्या आपका मतलब यह है कि आप अपने दरवाजे खुले छोड़ देते हैं और किसी को भी अंदर आने देते हैं और वह आपकी शराब, आपकी किताबें - या आपका टाइपराइटर - खुद ही ले सकता है?'
नहीं, ऐसा नहीं है। लेकिन फेलो में से काफी लोग आते-जाते रहते हैं।
'आप विशेष रूप से किसे कहेंगे?'
उदाहरण के लिए, इस सत्र में यहां एक नए युवा प्रोफेसर हैं, मेलहुइश। वह हाल ही में कई बार आ चुके हैं।'
'और?'
'और एक दर्जन अन्य।' उनकी आवाज में थोड़ी बेचैनी झलक रही थी।
'क्या आपने कभी अपने इन दोस्तों में से किसी को आपका टाइपराइटर इस्तेमाल करते देखा है?'
नहीं, मुझे नहीं लगता कि मैंने ऐसा किया है।
वे तो अपने ही इस्तेमाल करेंगे, है ना?
'हां। मुझे लगता है कि वे ऐसा करेंगे।'
'इसमें ज्यादा कुछ "अनुमान" लगाने की जरूरत नहीं है, है ना महोदय?' मोर्स ने कहा।
'नहीं।'

‘तो आपको बिल्कुल भी अंदाजा नहीं है?’
मुझे पता है कि मैं ज्यादा मदद नहीं कर पा रहा हूँ। लेकिन मुझे इस बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं है।
मोर्स ने अचानक अपना प्रश्न बदल दिया। 'क्या आप श्रीमती क्रॉथर को जानते थे?'
'हाँ।'
‘क्या तुमने उसके बारे में सुना है?’
‘हां,’ न्यूलव ने धीमी आवाज़ में कहा।
‘और बर्नार्ड क्रॉथर?’ न्यूलव ने सिर हिलाया। ‘मुझे पता चला है कि वह आपके सबसे अच्छे दोस्तों में से एक हैं?’ न्यूलव ने फिर सिर हिलाया। ‘मैं आज सुबह उनके कमरे में गया था, महोदय। अगर आप सीधे शब्दों में कहें तो मैं इधर-उधर ताक-झांक कर रहा था। लेकिन देखिए, मुझे अक्सर ताक-झांक करनी पड़ती है। मुझे इसमें कोई खास आनंद नहीं आता।’
‘मैं समझ गया,’ न्यूलव ने कहा।
‘मुझे आश्चर्य है कि क्या आप समझते हैं, महोदय।’ अब उनकी आवाज़ में थोड़ी सी अधीरता थी। ‘वह अक्सर आपसे मिलने आते हैं, क्या यह सही है?’
'अक्सर।'
और क्या आपको लगता है कि अगर उसे कुछ चाहिए होगा तो वह आपके पास आएगा?
‘आपका मतलब किसी और के बजाय किसी और से है?’
'हाँ।'
वह मेरे पास आया था।
क्या आपको पता है कि उसका टाइपराइटर अल्पविराम भी ठीक से टाइप नहीं कर पाता?
‘नहीं, मैंने नहीं किया,’ न्यूलव ने झूठ बोला।
मॉर्स को लोंसडेल कॉलेज छोड़ने के बाद, लुईस को अपने कुछ कर्तव्य निभाने थे। लाख कोशिश करने पर भी उसे इस खास काम का मकसद समझ नहीं आ रहा था, लेकिन मॉर्स ने कहा था कि यह बेहद ज़रूरी है। इंस्पेक्टर में अचानक से नई ऊर्जा भर आई थी। लेकिन यह वो हंसमुख और जोशीला मॉर्स नहीं था जो इस मामले की शुरुआत में हुआ करता था। उस पर कुछ गंभीर सा छा गया था और लुईस को कभी-कभी वो थोड़ा

डरावना भी लगता था। उसे बस यही उम्मीद थी कि उन्हें अब और कोई चिट्ठी न मिले जिस पर मॉर्स अपनी कुटिल चतुराई का इस्तेमाल कर सके।
उन्होंने सरकारी पुलिस कार को समरटाउन हेल्थ सेंटर के छोटे से प्रांगण में खड़ा किया, जो बैनबरी रोड और मार्स्टन फेरी रोड के कोने पर स्थित था। यह एक भव्य, विशाल, लाल पत्थर की इमारत थी, जिसके सामने के दरवाजे तक सीढ़ियाँ थीं और एक सफेद बरामदा था - उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में बैनबरी रोड के किनारे धनी लोगों द्वारा बनाए गए कई खूबसूरत बड़े घरों में से एक। लुईस का इंतज़ार हो रहा था और उन्हें वरिष्ठ पार्टनर के परामर्श कक्ष में ले जाने से पहले केवल एक मिनट का इंतज़ार करना पड़ा।
‘बस इतना ही है, सार्जेंट।’ डॉ. ग्रीन ने लुईस को एक फाइल सौंप दी।
'क्या आपको यकीन है कि सब कुछ यहीं है, महोदय? इंस्पेक्टर मोर्स चाहते थे कि मैं सब कुछ ले आऊं।'
डॉ. ग्रीन कुछ पल चुप रहे। ‘एकमात्र चीज़ जो यहाँ मौजूद नहीं है, वह यह है कि हमारे पास मिस काय के साथ उनकी निजी यौन जीवन के बारे में हुई किसी भी बातचीत का कोई रिकॉर्ड नहीं है। आप समझते हैं, सार्जेंट, मुझे पता है, कि डॉक्टर और मरीज के बीच के गोपनीय संबंध का एक नैतिक पहलू भी है।’
'आपका मतलब है कि वह गर्भनिरोधक गोलियां ले रही थी, डॉक्टर?' लुईस ने अपने पुलिसवाले के बूटों के साथ उस जगह पर बेखौफ कदम रखा, जहां फरिश्ते जैसी दिखने वाली ग्रीन ने बड़ी सावधानी से कदम रखने से डर महसूस किया था।
‘अह... मैंने ऐसा नहीं कहा, है ना, सार्जेंट? मैंने कहा कि यह अनुचित है, हाँ, अनुचित है कि हम परामर्श कक्ष में सुनी गई गोपनीय बातों को धोखा दें।’
'अगर वह गर्भनिरोधक गोलियां नहीं ले रही होती तो क्या आप हमें बताते?' लुईस ने मासूमियत से पूछा।
अब ये तो बहुत ही मुश्किल सवाल है। आप मेरे मुंह में शब्द डाल रहे हैं ना, सार्जेंट? मैं बस इतना कह रहा हूँ कि...
लुईस सोच रहा था कि वरिष्ठ डॉक्टर घातक कैंसर से पीड़ित मरीज से क्या कहेंगे। उसे पूरा यकीन था कि यह एक बहुत लंबा और उबाऊ साक्षात्कार होगा। उसने अच्छे डॉक्टर को धन्यवाद दिया और जितनी जल्दी हो सके वहां से निकल गया, हालांकि

बरामदे की सीढ़ियों से आधा उतरने के बाद आखिरकार वह डॉक्टर ग्रीन के लगातार दबाव से पीछा छुड़ा पाया। उसे अपनी पत्नी को डॉक्टर ग्रीन के बारे में बताना ही होगा।
जैसा कि उन्होंने तय किया था, लुईस ने दोपहर एक बजे लोंसडेल कॉलेज के बाहर मोर्स को ले लिया। उसने इंस्पेक्टर को पेशेवर गोपनीयता के मुद्दे पर डॉ. ग्रीन की अंतरात्मा की दबी हुई स्थिति के बारे में बताया, लेकिन मोर्स पर इसका कोई खास असर नहीं हुआ।
'हमें पता है कि वह गर्भनिरोधक गोलियां ले रही थी, याद है?' लुईस को याद रखना चाहिए था। उसने रिपोर्टें पढ़ी थीं; दरअसल, मोर्स ने उसे खास तौर पर कहा था कि वह उन्हें जितना हो सके अच्छे से जान ले। उस समय यह बात इतनी महत्वपूर्ण नहीं लगी थी। शायद, तब भी मोर्स ने इसकी अहमियत समझी हो? लेकिन उसे इस पर शक था, और जैसा कि हुआ, उसका शक बिल्कुल सही साबित हुआ।
जैसे ही लुईस शहर से बाहर निकला, मोर्स ने उससे वुडस्टॉक गोलचक्कर पर स्थित मोटल की ओर मुड़ने को कहा। 'चलो एक पाइंट बियर और एक सैंडविच खाते हैं, ठीक है?'
वे मॉरिस बार में बैठे थे, मोर्स सिल्विया केय की मेडिकल रिपोर्ट में मग्न थे। रिपोर्ट में, अलग-अलग चरणों में, उनके दुखद रूप से संक्षिप्त जीवन का पूरा ब्यौरा था, दो दिन की उम्र में पीलिया के हल्के हमले से लेकर उनकी मृत्यु से पहले अगस्त में उनके हाथ के अजीबोगरीब फ्रैक्चर तक। खसरा, उंगलियों पर मस्से, कान के बीच के हिस्से में संक्रमण, मासिक धर्म में दर्द, सिरदर्द (निकट दृष्टि दोष?)। एक काफी सामान्य चिकित्सा इतिहास। अधिकांश नोट्स काफी पठनीय थे, और अजीब बात यह थी कि अनिर्णय के प्रतीक, कर्तव्यनिष्ठ ग्रीन की लिखावट बेहद साफ और गोल थी। सिल्विया से उनका सीधा संपर्क केवल अंतिम दो बीमारियों, सिरदर्द और टूटे हुए हाथ के दौरान ही हुआ था। मोर्स ने फाइल लुईस को सौंप दी और गिलास भरने चले गए। कुछ विवरण वैसे भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आ चुके थे, लेकिन लुईस की याददाश्त उतनी अच्छी नहीं थी।
'क्या आपने कभी अपना हाथ तोड़ा है?' मोर्स ने पूछा।
'नहीं।'
'वे कहते हैं कि यह बहुत दर्दनाक होता है। इसका संबंध तंत्रिका तंत्र से जुड़ी किसी चीज से है। जैसे जब आपके पैर में चोट लगती है, लुईस। बहुत, बहुत दर्दनाक।'
आपको पता होना चाहिए, महोदय।

“लेकिन अगर आपका स्वास्थ्य मेरी तरह मजबूत है, तो आप जल्दी ठीक हो जाते हैं।” लुईस ने बात को यहीं खत्म कर दिया। मोर्स ने आगे कहा, “क्या आपने गौर किया कि ग्रीन ने उसे उसकी मृत्यु से एक दिन पहले देखा था?”

लुईस ने फाइल दोबारा खोली। उसने प्रविष्टि पढ़ ली थी, लेकिन तारीख पर ध्यान नहीं दिया था। उसने फिर से देखा और पाया कि मोर्स सही था। सिल्विया 28 सितंबर, मंगलवार को समरटाउन स्वास्थ्य केंद्र गई थी, उसके पास रेडक्लिफ इन्फर्मरी के ऑर्थोपेडिक सर्जन का एक पत्र था। उसमें लिखा था: 'बांह अभी भी बहुत अकड़ी हुई है और दर्द हो रहा है। आगे के इलाज की आवश्यकता है। पहले की तरह फिजियोथेरेपी उपचार जारी रखने की सलाह दी जाती है - मंगलवार और गुरुवार सुबह।'

लुईस उस परामर्श की कल्पना कर सकता था। और अचानक उसके मन में एक विचार कौंधा। मोर्स के साथ होने की वजह से ही ऐसा हुआ था। उसके मनगढ़ंत संदेह इंस्पेक्टर के संदेहों जितने ही बेतुके होते जा रहे थे। 'आपको नहीं लगता कि...' वह ग्रीन की तरह ही बिगड़ता जा रहा था।

‘वह क्या?’ मोर्स ने कहा, उसका चेहरा अजीब तरह से गंभीर था।

‘क्या ग्रीन का सिल्विया के साथ अफेयर चल रहा था?’

मोर्स ने फीकी मुस्कान के साथ अपना गिलास खाली किया। 'मुझे लगता है, हम पता लगा सकते हैं।'

लेकिन आपने कहा था कि यह चिकित्सा संबंधी बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं।

'यह तो बहुत कम कहा गया था।'

‘क्या आपको वह मिल गया जो आप चाहते थे, महोदय?’

'हां। आप ऐसा कह सकते हैं। मान लीजिए कि मुझे बस थोड़ी पुष्टि चाहिए थी। मैंने कल ग्रीन से फोन पर बात की थी।'

‘क्या उसने... क्या उसने...’ लुईस ने नकल करते हुए कहा। यह मामले के आखिरी गंभीर दिनों में हंसी-मजाक का एक अकेला क्षण था।

सू को मंगलवार दोपहर की छुट्टी मिली थी, और उसे इस बात की खुशी थी। आपातकालीन विभाग में काम करना थका देने वाला था, खासकर खड़े रहना। बाकी लड़कियाँ बाहर गई हुई थीं, इसलिए उसने अपने लिए टोस्ट बनाया और छोटी सी रसोई में बैठकर अपनी सुंदर, उदास आँखों से सफेद फर्श की टाइलों को घूरने लगी। उसने डेविड को पत्र लिखने का वादा किया था और उसे आज दोपहर ही यह काम करना था।

वह सोच रही थी कि क्या लिखे। वह उसे काम के बारे में बता सकती थी, वह उसे बता सकती थी कि पिछले सप्ताहांत उससे मिलकर कितना अच्छा लगा था, और वह उसे यह भी बता सकती थी कि वह उससे दोबारा मिलने के लिए कितनी उत्सुक थी। फिर भी, सब कुछ आनंदहीन लग रहा था। वह अपने स्वार्थ के लिए खुद को कोस रही थी; लेकिन ऐसा करते हुए भी, वह जानती थी कि वह दूसरों की इच्छाओं और आकांक्षाओं से ज़्यादा अपनी इच्छाओं और आकांक्षाओं की परवाह कर रही थी। डेविड की - खासकर डेविड की। उसके बारे में सोचना व्यर्थ था, बिलकुल असंभव था, सरासर मूर्खतापूर्ण था, यहाँ तक कि खतरनाक भी था - मतलब मोर्स के बारे में सोचना। लेकिन वह उसे बहुत चाहती थी। वह चाहती थी कि वह फोन करे - वह बस उसे देखना चाहती थी। कुछ भी... और जब वह उस छोटी सी रसोई में बैठी सफेद टाइलों को घूर रही थी, तो उसे आत्म-निंदा, अकेलेपन और दुख की एक जबरदस्त भावना महसूस हुई।

मंगलवार दोपहर को जेनिफर व्यस्त थी। पामर ने उसे एक पत्र का मसौदा भेजा था और उसे पढ़ने के लिए कहा था। क्रिसमस के बाद लगभग सभी चीज़ों के प्रीमियम में 10% की बढ़ोतरी होने वाली थी और कंपनी के सभी ग्राहकों को इसकी सूचना देनी थी। जेनिफर ने सोचा, बेचारा आदमी; सच में इतना समझदार नहीं है। उसके पत्र का पहला पैराग्राफ उसे लैटिन गद्य के उन पेचीदा अभ्यासों की याद दिला रहा था जो उसे दिए गए थे। 'Which' के बाद 'Which', फिर 'Which' और उसके बाद एक और 'Which'। 'Which' का एक समूह, उसने सोचा और इस कल्पना पर मुस्कुरा दी। उसने पूरे आत्मविश्वास के साथ पैराग्राफ में संशोधन किया; एक पूर्ण विराम यहाँ, एक नया पैराग्राफ वहाँ, एक बेहतर शब्द यहाँ - अब ज़्यादा स्पष्ट। पामर जानता था कि वह कार्यालय में सबसे होशियार लड़की थी, और महत्वपूर्ण मसौदों पर वह हमेशा उससे सलाह लेता था। हालाँकि, वह वहाँ ज़्यादा समय तक नहीं रहने वाली थी। उसने पिछले सप्ताह दो नौकरियों के लिए आवेदन किया था। लेकिन वह किसी को भी बताने की हिम्मत नहीं कर रही थी, यहाँ तक कि मिस्टर पामर को भी नहीं। ऐसा नहीं था कि जहाँ वह काम कर रही थी वहाँ उसे कोई परेशानी थी - बिलकुल भी नहीं। और उसकी कमाई लगभग मैरी और सू की कुल कमाई के बराबर थी... सू! उसे रविवार शाम याद आई जब वह लंदन से लौटी थी। उन्हें उस हालत में देखकर उसे कितनी खुशी हुई थी! उसने उस दृश्य को फिर से याद किया और उसके होठों पर एक क्रूर मुस्कान आ गई।

वह संशोधित मसौदे को मिस्टर पामर के कार्यालय ले गई, जहाँ जूडिथ अपने नियोक्ता द्वारा पत्र लिखवाए जा रहे बेहद धीमे समय के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रही थी। उसने मसौदा उन्हें सौंप दिया। 'मैंने कुछ सुझाव दिए हैं।'
“ओह, बहुत-बहुत धन्यवाद। मैंने इसे बस जल्दी-जल्दी लिख दिया, आप जानते हैं। जो पहली बातें मेरे दिमाग में आईं, वही लिख डालीं। मुझे एहसास हुआ कि यह थोड़ा सा कच्चा-पक्का है। बहुत-बहुत धन्यवाद। बहुत बढ़िया।”
जेनिफर ने और कुछ नहीं कहा। वह चली गई, और जब वह टाइपिस्टों के कमरे की ओर गलियारे में चल रही थी, तो उसके सुंदर होंठों पर वही घिनौनी मुस्कान फिर से उभर आई।
तीनों में से तीसरी, निडर, दुबली-पतली, झाइयों वाली छोटी मैरी, रेडियो ऑक्सन में काम करती थी। बीबीसी में उसे 'कंटिन्यूटी गर्ल' का प्रतिष्ठित खिताब मिल सकता था; लेकिन स्थानीय रेडियो स्टेशन में उसकी नौकरी में कोई भविष्य नहीं था। जेनिफर की तरह वह भी बदलाव के बारे में सोच रही थी, हालांकि जेनिफर के विपरीत उसके पास ज्यादा योग्यताएं नहीं थीं। जेनिफर के पास कुछ ए लेवल की डिग्री और शॉर्टहैंड व टाइपिंग के सारे सर्टिफिकेट थे; मैरी सोचती थी कि वह स्कूल में बहुत होशियार रही होगी। एकदम कूल, जैसे सब कुछ जानती हो... तीनों का साथ रहना ठीक-ठाक चल रहा था; लेकिन उसे कहीं और जाने में कोई आपत्ति नहीं थी। सू ठीक थी, मैरी उसे काफी पसंद करती थी, हालांकि हाल ही में वह थोड़ी मूडी और उदास रहने लगी थी। मर्दों की वजह से। क्या वह उस इंस्पेक्टर लड़के के प्यार में पड़ गई थी? हालांकि, वह उसे दोष नहीं देती। कम से कम सू तो इंसान थी। जेनिफर के बारे में वह इतनी आश्वस्त नहीं थी।
मंगलवार को दोपहर के भोजन के बाद एक सहायक उससे बातचीत करने आया। उसकी दाढ़ी थी, वह हंसमुख स्वभाव का था, उसके पाँच छोटे बच्चे थे और उसकी नज़रें महिलाओं पर टिकी रहती थीं। मैरी ने उसकी इस हरकत को रोकने की कोई कोशिश नहीं की।

अध्याय सत्ताईस

गुरुवार, शुक्रवार; 21, 22 अक्टूबर

वार्ड सिस्टर के शब्दों में, बर्नार्ड क्रॉथर की स्थिति 'संतोषजनक' थी, और गुरुवार दोपहर को वह अपने पहले आगंतुक से मिलने के लिए बिस्तर पर बैठे हुए थे। हैरानी की बात यह थी कि मोर्स ने अपने दावों को आगे बढ़ाने की कोई उत्सुकता नहीं दिखाई और कतार में सबसे आगे खड़े होकर अपने अधिकारों का त्याग कर दिया था।
पीटर न्यूलव अपने पुराने दोस्त को इतना तरोताज़ा देखकर खुश हुआ। कुछ मिनटों तक वे सहजता और शांति से बातें करते रहे। कुछ बातें कहनी ज़रूरी थीं, लेकिन पीटर ने उन्हें कहने के बाद दूसरी बातों पर ध्यान दिया और वह जानता था कि बर्नार्ड समझ गया है। जाने का समय लगभग हो गया था। लेकिन बर्नार्ड ने अपने दोस्त के हाथ पर हाथ रखा और पीटर बिस्तर के पास फिर से बैठ गया। बर्नार्ड के सिर के पीछे धातु के फ्रेम पर एक ऑक्सीजन ट्यूब लटकी हुई थी और बिस्तर के दूसरी तरफ एक मल्टी-डायल मशीन निगरानी कर रही थी।
‘मैं तुम्हें कुछ बताना चाहता हूँ, पीटर।’
पीटर थोड़ा आगे झुककर उसकी बात सुनने लगा। बर्नार्ड अब ज़्यादा मुश्किल से बोल रहा था और हर शब्द से पहले गहरी साँस ले रहा था। 'हम कल फिर बात कर सकते हैं। अभी परेशान मत हो।'
‘कृपया रुकिए।’ बर्नार्ड की आवाज़ तनावपूर्ण और बेचैन थी। ‘मुझे आपको कुछ बताना है। क्या आप वुडस्टॉक में हुए उस हत्याकांड के बारे में सब जानते हैं?’ पीटर ने सिर हिलाया। ‘मैंने उन दोनों लड़कियों को उठाया था।’ उसने फिर से गहरी साँस ली और उसके होठों पर हल्की सी मुस्कान आ गई। ‘मज़ेदार बात है। मैं वैसे भी उनमें से एक से मिलने जा रहा था। लेकिन उनकी बस छूट गई और मैंने उन्हें उठा लिया। ज़ाहिर है, इससे सब कुछ बिगड़ गया। वे एक-दूसरे को जानती थीं और – खैर, इससे मैं डर गया।’ वह थोड़ी देर रुका, और पीटर ने अपने पुराने दोस्त को ध्यान से देखा और अपनी आँखों में अविश्वास का भाव छिपाने की कोशिश की।
संक्षेप में कहूँ तो, मेरा अंत दूसरी वाली से हुआ। सोचो, पीटर! मेरा अंत दूसरी वाली से हुआ! वो बेहद खूबसूरत थी, हे भगवान! पीटर, क्या तुम मुझे सुन रहे हो?’ वह पीछे झुक गया, उदास होकर सिर हिलाया और एक गहरी साँस ली।
‘मैंने उसे कार की पिछली सीट पर बिठाया था। उसने मुझे एक बूढ़े बकरे की तरह कामुक बना दिया था। और फिर – और फिर मैंने उसे छोड़ दिया। यही तो अजीब बात है। मैंने उसे छोड़ दिया। मैं वापस घर चला गया। बस इतना ही।’

‘तुमने उसे ब्लैक प्रिंस के पास छोड़ दिया, तुम्हारा मतलब है?’
बर्नार्ड ने सिर हिलाया। 'हाँ। उन्होंने उसे वहीं पाया था। मुझे खुशी है कि मैंने आपको बता दिया।'
क्या तुम पुलिस को बताने वाले हो?
‘पीटर, मैं तुमसे यही पूछना चाहता हूँ। देखो, मैं...’ वह रुक गया। ‘मुझे नहीं पता कि तुम्हें बताऊँ या नहीं, और तुम्हें मुझसे वादा करना होगा कि तुम यह बात किसी को नहीं बताओगे’ – उसने पीटर की ओर चिंता से देखा, लेकिन उसे पीटर पर पूरा भरोसा था – ‘लेकिन मुझे लगभग यकीन है कि उस रात मैंने आँगन में किसी और को देखा था। बेशक, मुझे नहीं पता था कि वह कौन था।’ हर बार बोलते-बोलते वह और भी थका हुआ होता जा रहा था, और पीटर घबराकर खड़ा हो गया।
‘मत जाओ।’ चढ़ाई लगभग पूरी हो चुकी थी। ‘मुझे पता नहीं था – बहुत अंधेरा था। मुझे चिंता हो रही थी। मैंने पास के एक पब में डबल व्हिस्की पी और घर चला गया।’ शब्द अब धीरे-धीरे निकल रहे थे। ‘मैं उसके पास से गुजरा। मैं कितना बेवकूफ था। उसने मुझे देख लिया।’
‘तुम्हारा मतलब किससे है? तुमने किसे पीछे छोड़ा, बर्नार्ड?’
बर्नार्ड की आँखें बंद थीं और ऐसा लग रहा था जैसे वह कुछ सुन ही नहीं रहा हो। ‘मैंने पता किया। वह अपनी रात की क्लास में नहीं गई।’ उसने अपनी भारी आँखें खोलीं; उसे खुशी थी कि उसने किसी को बताया, और खुशी इस बात की थी कि उसने पीटर को बताया। लेकिन पीटर हैरान और परेशान लग रहा था। वह खड़ा हुआ और झुककर बर्नार्ड के कान में जितना हो सके धीरे से, लेकिन स्पष्ट रूप से बोला।
‘तुम्हारा मतलब है कि तुम्हें लगता है कि मार्गरिट ने ही उसकी हत्या की थी?’ बर्नार्ड ने सिर हिलाया।
‘और इसीलिए वह...’ बर्नार्ड ने एक बार फिर अपना थका हुआ सिर हिलाया।
‘मैं कल फिर आऊंगा। आराम करने की कोशिश करो।’ पीटर जाने के लिए तैयार हो गया और रास्ते में ही था कि उसने अपना नाम फिर से पुकारा जाते सुना।
बर्नार्ड की आंखें खुली थीं और उसने अपना दाहिना हाथ बड़ी ही नाजुकता से ऊपर उठाया। पीटर वापस लौट गया।
'अभी नहीं, बर्नार्ड। सो जाओ।'
'मुझे आपसे क्षमा मांगनी है।'

'क्षमा माँगना?'
उन्हें टाइपराइटर के बारे में पता चल गया है, है ना?
'हां। यह मेरा ही था।'
‘मैंने इसका इस्तेमाल किया था, पीटर। मुझे तुम्हें बताना चाहिए था।’
'भूल जाओ। इससे क्या फर्क पड़ता है?'
लेकिन यह मायने रखता था। बर्नार्ड यह जानता था; लेकिन वह बहुत थका हुआ था और अब और सोच नहीं सकता था। मार्गरिट मर चुकी थी। यही कड़वी सच्चाई थी। वह अब जाकर उस भयानक सच्चाई से हुए घोर विनाश को समझने लगा था: मार्गरिट मर चुकी थी।
वह लेट गया और नींद में डूबते हुए एक स्वप्न में खो गया। दृश्य के सभी पात्र एकत्रित थे और उसने सब कुछ फिर से देखा, फिर भी एक पृथक, अवैयक्तिक तरीके से, मानो वह स्वयं से बिल्कुल बाहर खड़ा हो।
जब उसने उन्हें देखा तो वह तुरंत समझ गया कि वह वही है, लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह लिफ्ट क्यों मांग रही है। उन्होंने एक-दूसरे से कुछ नहीं कहा और वह पीछे बैठ गई। उसे भी, उसकी तरह, यह महसूस हुआ होगा कि अचानक हालात कितने खतरनाक हो गए हैं; वह दूसरी लड़की को जानती थी। जब उसने कहा कि वह बेगब्रोक में उतर रही है, तो उसे लगभग राहत मिली। उसने सिगरेट लेने का बहाना बनाया और वे दोनों घबराकर फुसफुसाए। उस रात के लिए इसे भूल जाना ही बेहतर था। वह चिंतित था। वह जोखिम नहीं उठा सकता था। लेकिन वह उसे बाद में ज़रूर ले सकता था, है ना? उसने बढ़ते गुस्से के साथ पूछा। गाड़ी चलाते समय उसने महसूस किया कि आगे बैठी लड़की के उससे बात करने पर उसे जलन हो रही होगी। ऐसा नहीं था कि उसने उसे कोई प्रोत्साहन दिया हो। कम से कम तब तो नहीं। लेकिन वह सचमुच चिंतित था, और उसने उसे यह बताया भी। वे अगले हफ्ते फिर मिल सकते हैं: वह हमेशा की तरह पत्र लिखेगा। यह आधे मिनट की घबराहट भरी फुसफुसाहट थी - इससे ज़्यादा नहीं; गोल्डन रोज़ के दरवाज़े के ठीक अंदर। उसकी आँखों में झुंझलाहट और अंधाधुंध क्रोध की झलक थी। लेकिन वह उसकी भावनाओं को समझता था। वह भी उसे पहले की तरह ही फिर से पाना चाहता था।
वह वापस कार में बैठा और वुडस्टॉक की ओर चल पड़ा। अब जब मैदान पूरी तरह खाली था, तो सुनहरे बालों वाली वह लड़की और भी ज्यादा बेफिक्र लग रही थी। वह

सहज और खुले मन से कामुकता से पीछे झुक गई। उसकी पतली, सफेद ब्लाउज का ऊपर वाला बटन खुला हुआ था, और ब्लाउज रेशमी बीज-कोष की तरह लग रही थी जो फटने को तैयार थी, उसके स्तन उसके नीचे दो धूप में पके बीजों की तरह उभरे हुए थे।
'आप क्या करते हैं?'
मैं विश्वविद्यालय में हूँ।
'व्याख्याता?'
'जी हां।' उनकी निगाहें मिलीं। वुडस्टॉक पहुंचने तक यही सिलसिला चलता रहा।
'अच्छा, मैं आपको कहां छोड़ दूं?'
'ओह, कहीं भी।'
'क्या तुम अपने बॉयफ्रेंड से मिलने जा रही हो?'
'आधे घंटे तक नहीं। मेरे पास काफी समय है।'
'आप उनसे कहाँ मिल रहे हैं?'
'द ब्लैक प्रिंस। क्या आप इसे जानते हैं?'
'क्या आप पहले मेरे साथ ड्रिंक पर आना चाहेंगे?' वह बहुत घबराया हुआ और उत्साहित महसूस कर रहा था।
'क्यों नहीं?'
आंगन में थोड़ी जगह थी और वह पीछे हटकर बाईं ओर की दीवार से सट गया।
उसने कहा, 'शायद यहां ड्रिंक करना अच्छा विचार नहीं है।'
नहीं, शायद नहीं।
वह सीट पर फिर से लेट गई, उसकी स्कर्ट उसकी जांघों के आसपास ऊपर उठ गई। उसकी टांगें फैली हुई थीं, लंबी, आकर्षक, थोड़ी सी अलग।
'क्या तुम्हारी शादी हो चुकी है?' उसने पूछा। उसने सिर हिलाया। उसका दाहिना हाथ गियर लीवर से बेतरतीब ढंग से खेल रहा था, उसकी उंगलियां नॉब को सहला रही थीं। खिड़कियों पर उनकी सांसों से धीरे-धीरे धुंध जम रही थी और वह डैशबोर्ड के पास वाले कंपार्टमेंट की ओर झुका। ऐसा करते समय उसका हाथ उससे छू गया और उसने उसके शरीर से एक हल्का सा आगे की ओर दबाव महसूस किया। उसने डस्टर उठाया और बेमन से उसकी साइड वाली खिड़की साफ की। जब वह थोड़ा सा उसके ऊपर झुका तो उसने अपने पैर पर उसके दाहिने हाथ का दबाव महसूस किया, लेकिन उसने उसे हटाने की कोई कोशिश नहीं की। उसने अपना बायां हाथ उसकी सीट के पीछे रखा

और वह उसकी ओर मुड़ी। उसके होंठ भरे हुए और खुले हुए थे और मोहक ढंग से उसने अपनी जीभ से उन्हें चाटा। वह अब और विरोध नहीं कर सका और अचानक और जोश से उसे चूम लिया। उसकी जीभ उसके मुंह में चली गई और उसका शरीर उसकी ओर मुड़ गया, उसके स्तन उसके शरीर से सट गए। उसने अपने दाहिने हाथ से उसके पैरों को सहलाया, जैसे ही वह थोड़ा सा हिली और अपने पैरों को और चौड़ा करके उसे आमंत्रित किया, वह पूरी तरह से पशुवत आनंद में डूब गया। उसने लंबे और उन्मादपूर्ण चुंबन को रोक दिया और उसके कान के लोब को चाटते हुए फुसफुसाया, 'मेरी ब्लाउज के बटन खोल दो। मैंने ब्रा नहीं पहनी है।'
‘चलो पीछे चलते हैं,’ उसने कर्कश आवाज में कहा। उसका लिंग बहुत बड़ा था।
यह सब बहुत जल्दी खत्म हो गया, और उसे अपनी प्रतिक्रियाओं पर पछतावा हुआ। वह उससे दूर जाना चाहता था। अब वह बिल्कुल अलग लग रही थी – एक ही पल में उसका रूप बदल गया था।
मुझे अब जाना चाहिए।
‘इतनी जल्दी?’ वह धीरे-धीरे अपनी ब्लाउज के बटन लगा रही थी, लेकिन अब जादू टूट चुका था।
'जी हां। मुझे लगता है ऐसा ही है।'
‘आपको मजा आया, है ना?’
‘बेशक। आप जानते हैं कि मैंने किया था।’
‘क्या आप इसे कभी दोबारा करना चाहेंगे?’
‘तुम जानते हो मैं ऐसा ही करता।’ वह वहाँ से भागने के लिए और भी बेचैन होता जा रहा था। क्या उसने बाहर किसी के होने का भ्रम पाल रखा था? शायद कोई ताक-झांक करने वाला?
आपने मुझे अपना नाम नहीं बताया।
‘आपने मुझे अपना नहीं बताया।’
‘सिल्विया। सिल्विया केय।’
‘देखो सिल्विया।’ उसने उसके प्रति यथासंभव स्नेहपूर्ण स्वर में कहा। ‘क्या तुम्हें नहीं लगता कि बेहतर होगा अगर हम इसे बस एक खूबसूरत घटना मान लें जो हमारे साथ घटी है। बस एक बार। आज रात यहीं।’

फिर उसका लहजा बदल गया और वह चिड़चिड़ी हो गई। 'तुम मुझे दोबारा नहीं देखना चाहते, है ना? तुम भी बाकियों जैसे ही हो। बस एक बार सेक्स, एक झंझट और फिर चले जाते हो।' उसकी बोलने का तरीका भी बदल गया था। उसकी आवाज़ किसी आम वेश्या जैसी लग रही थी, सोहो की किसी गली से उठाई गई सस्ती और बेशर्म औरत जैसी। लेकिन वह सही थी, बिलकुल सही। उसे जो चाहिए था वो मिल गया था। लेकिन क्या उसे नहीं मिला था? क्या वह एक वेश्या थी? उसे सेना में बिताए अपने दिन और उन लोगों की याद आ गई जिन्हें चेचक हो गया था। उसे यहाँ से निकलना ही होगा; इस घुटन भरी गाड़ी और इस अंधेरे और उदास आँगन से बाहर। उसने अपनी जेब में हाथ डाला और उसे एक पाउंड का नोट मिला। कुछ खुले सिक्कों के अलावा उसके पास और पैसे नहीं थे।
एक पाउंड भी नहीं! एक पाउंड भी नहीं! क्रिस – तुम्हें लगता होगा मैं कोई सस्ती चीज़ हूँ। अगली बार अपने साथ कुछ पैसे लेकर आना दोस्त – वरना अपने हाथ दूर रखो।
उसे गहरी शर्म और भ्रष्टाचार का अहसास हुआ। वह कार से बाहर निकली और वह उसके पीछे-पीछे गया।
'मैं पता लगा लूंगा कि तुम कौन हो, साहब। मैं पता लगा लूंगा – देखिये!'
उसके बाद क्या हुआ, उसे याद नहीं था। उसे याद था कि उसने कुछ कहा था और उसे धुंधला-सा याद था कि उसने भी कुछ कहा था। उसे याद था कि उसकी गाड़ी की हेडलाइट्स से पूरा आंगन जगमगा रहा था और उसे याद था कि मुख्य सड़क पर पहुँचते ही वह ट्रैफिक में जगह का इंतज़ार कर रहा था। उसे याद था कि वह डबल व्हिस्की खरीदने के लिए रुका था और उसे याद था कि वह डबल लेन वाली सड़क पर तेज़ी से गाड़ी चला रहा था; और उसे याद था कि वह एक कार के पीछे आया और फिर उसे ओवरटेक करते हुए रात के अंधेरे में तेज़ी से निकल गया, उसका दिमाग चकरा रहा था। और गुरुवार दोपहर को उसने ऑक्सफोर्ड मेल में सिल्विया केय की हत्या के बारे में पढ़ा था।
वह पत्र लिखना बेशक मूर्खता थी, लेकिन कम से कम अब पीटर मुसीबत से बच गया था। कागज़ पर कुछ भी लिखना हमेशा मुसीबत को न्योता देना होता था; लेकिन तब तक सब ठीक-ठाक चल रहा था। वैसे भी यह उसका ही सुझाव था, और ज़रूरी भी लग रहा था। नॉर्थ ऑक्सफ़ोर्ड में डाक व्यवस्था सचमुच बहुत खराब थी – अब सुबह 10 बजे या उसके बाद ही डाक आती थी – और दफ्तर में काम करने वाली लड़कियों को पत्र मिलने से किसी को कोई आपत्ति नहीं थी। और अक्सर उसे आखिरी पल तक पक्का पता नहीं

होता था। कभी-कभी मामला पेचीदा हो जाता था, लेकिन ज़्यादातर समय व्यवस्था बहुत आसानी से चल जाती थी। उन्होंने आपस में एक बढ़िया सिस्टम बना लिया था। वाकई बहुत चालाकी से। वैसे भी कोई तारीख देखता तक नहीं था। कभी-कभी वह एक छोटा सा संदेश भी लिख देता था – जैसे पिछली बार। पिछली बार... मोर्स ज़रूर होशियार रहा होगा, लेकिन वह पूरी बात समझने जितना चालाक नहीं था... बेशक वह मोर्स को पूरी सच्चाई नहीं बता सकता था, लेकिन उसने जानबूझकर उसे गुमराह करने का इरादा नहीं किया था। थोड़ा-बहुत तो ज़रूर किया था। उदाहरण के लिए, ऊँचाई वाली बात... वह मोर्स से मिलना चाहता है। शायद किसी और परिस्थिति में वे एक-दूसरे को जान पाते, दोस्त बन पाते...

वह गहरी नींद में सो गया और जब जागा तो अंधेरा था। रोशनी मंद थी। वार्ड के आखिरी छोर पर एक छोटी सी मेज के पीछे एक नर्स की शांत, सफेद आकृति बैठी थी, और उसने देखा कि बाकी अधिकांश मरीज सो रहे थे। असलियत उसके सामने लौट आई, और मार्गरिट मर चुकी थी। क्यों? क्यों? क्या यह वही था जो उसने पत्र में लिखा था? उसने सोचा कि वह फिर कभी जीवन का सामना कैसे कर पाएगा, और उसने बच्चों के बारे में सोचा। उन्हें क्या बताया गया होगा?

उसके सीने में असहनीय दर्द की तेज लहरें उठीं और उसे अचानक और निश्चित रूप से पता चल गया कि वह मरने वाला है। नर्स उसके पास थी, और अब डॉक्टर भी। वह पसीने से भीगा हुआ था। मार्गरिट! क्या उसने सिल्विया को मारा था या उसने? इससे क्या फर्क पड़ता है? दर्द धीरे-धीरे कम हो रहा था और उसे एक अजीब सी शांति का अनुभव हो रहा था।

'डॉक्टर,' उसने फुसफुसाते हुए कहा।

'शांति से रहिए, मिस्टर क्रॉथर। अब आप बेहतर महसूस करेंगे।' लेकिन क्रॉथर को दिल का दौरा पड़ने से गंभीर थ्रोम्बोसिस हो गया था और उनके बचने की संभावना बहुत कम थी।

'डॉक्टर साहब, क्या आप मेरे लिए कुछ लिखेंगे?'

'हाँ बिल्कुल।'

'इंस्पेक्टर मोर्स के लिए। इसे लिख लो।' डॉक्टर ने अपनी नोटबुक निकाली और संक्षिप्त संदेश लिख लिया। उन्होंने क्रॉथर को चिंतित आँखों से देखा: नाड़ी तेज़ी से कमज़ोर हो रही थी। मशीन चल रही थी, उसके काले डायल अधिकतम रीडिंग पर सेट थे। बर्नार्ड ने

अपने चेहरे पर ऑक्सीजन मास्क महसूस किया और अपने आस-पास की हर छोटी से छोटी चीज़ को अजीब तरह से स्पष्ट रूप से देखा। मरना उनकी उम्मीदों से कहीं ज़्यादा आसान होने वाला था। जीने से भी आसान। उन्होंने आश्चर्यजनक जोश के साथ मास्क हटा दिया और अपने अंतिम शब्द कहे।
'डॉक्टर साहब, मेरे बच्चों को बता दीजिए कि मैं उनसे प्यार करता था।'
उनकी आंखें बंद हो गईं और वे गहरी नींद में सो गए। सुबह के 2:35 बज रहे थे। उसी सुबह 6:30 बजे, पूर्वी आकाश में सूरज उगने से पहले और सुबह-सुबह अस्पताल के कर्मचारियों के ट्रॉलियों के साथ गलियारों में आने से पहले ही उनका निधन हो गया।
मोर्स ने नीचे उसकी ओर देखा। सुबह के 8:30 बज रहे थे और बर्नार्ड क्रॉथर के पार्थिव शरीर को लगभग दो घंटे पहले चुपचाप अस्पताल के मुर्दाघर में लाया गया था। मोर्स क्रॉथर को पसंद करता था। बुद्धिमान चेहरा; वाकई आकर्षक आदमी। उसने सोचा कि मार्गरिट ने उसे कभी बहुत प्यार किया होगा; शायद हमेशा से, दिल ही दिल में। और सिर्फ मार्गरिट ही नहीं। कोई और भी था, है ना, बर्नार्ड? मोर्स ने अपने हाथ में पकड़े नोट के पन्ने पर नज़र डाली और उसे फिर से पढ़ा। 'इंस्पेक्टर मोर्स के लिए। मुझे बहुत खेद है। मैंने आपसे बहुत झूठ बोला है। कृपया उसे अकेला छोड़ दें। उसका इससे कोई लेना-देना नहीं था। कैसे हो सकता है? मैंने सिल्विया केय को मारा है।'
सर्वनाम पेचीदा थे, कम से कम डॉक्टर को तो ऐसा ही लगा था जब उन्होंने संक्षिप्त संदेश लिखा था। लेकिन मोर्स उन्हें समझ गए थे और उन्हें पता था कि बर्नार्ड क्रॉथर ने मरने से पहले सच्चाई का अनुमान लगा लिया था। उन्होंने मृत व्यक्ति को फिर से देखा: पैर पत्थर की तरह ठंडे थे और वह अब हरे-भरे खेतों के बारे में बड़बड़ा नहीं सकता था।
मोर्स धीरे से मुड़ा और चला गया।

अध्याय अट्ठाईस

शुक्रवार, 22 अक्टूबर, सुबह।

उसी शुक्रवार की सुबह बाद में मोर्स अपने कार्यालय में बैठे हुए लुईस को सुबह की घटनाओं से अवगत करा रहे थे। उन्होंने कहा, 'देखिए, इस मामले में शुरू से ही परेशानी

यह नहीं रही है कि उन्होंने हमसे सीधे-सीधे झूठ बोला है, बल्कि यह रही है कि उन्होंने झूठ और सच का एक पेचीदा मिश्रण बताया है। लेकिन शुक्र है, हम लगभग इस मामले के अंत तक पहुँच चुके हैं।'
'सर, अभी काम खत्म नहीं हुआ है?'
'अच्छा, आपका क्या ख्याल है? चीजों को इस तरह से खत्म करना कोई बहुत व्यवस्थित तरीका नहीं है, है ना? मुझे पता है कि कबूलनामा हमेशा अच्छा लगता है, लेकिन दो कबूलनामों का क्या करें?'
'शायद हम कभी नहीं जान पाएंगे, महोदय। मुझे लगता है कि वे बस एक-दूसरे की गलतियों को छुपाने की कोशिश कर रहे थे, यानी एक-दूसरे के किए का दोष अपने ऊपर ले रहे थे।'
'सार्जेंट, आपके विचार से यह किसने किया?'
लुईस ने अपना जवाब तैयार कर लिया था। 'मुझे लगता है उसने ही किया है, महोदय।'
'छी!' खैर, यह 50:50 मौका था, और उसने गलत अनुमान लगाया था। या कम से कम मोर्स को लगा कि वह गलत था। लेकिन हाल ही में उसका मूड कुछ खास अच्छा नहीं था, है ना? 'बताओ ना,' मोर्स ने कहा। 'मुझे बताओ। तुम्हें बेचारी श्रीमती क्रॉथर को क्यों निशाना बनाने की ज़रूरत है?'
'खैर, मुझे लगता है कि उसे क्रॉथर के उस दूसरी महिला के साथ जाने के बारे में पता चल गया था और मुझे विश्वास है कि उसने वुडस्टॉक में उसका पीछा करने और उसे देखने के बारे में जो कहा, वह सच है। अगर वह वहाँ नहीं होती, तो उसे उन बातों के बारे में पता नहीं हो सकता था जिनका उसने जिक्र किया, है ना?'
'आगे बढ़ो,' मोर्स ने कहा।
'मेरा मतलब है, उदाहरण के तौर पर, कार यार्ड में कहाँ खड़ी थी। उनके कार की पिछली सीट पर बैठने के बारे में हमें पता नहीं था; लेकिन यह उस सबूत से मेल खाता है जो हमें तब मिला जब सिल्विया के बालों में से एक बाल पिछली सीट पर मिला था। मुझे लगता है कि वह यह सब मनगढ़ंत कहानी नहीं बना सकती थी। वह अखबारों से ये बातें नहीं ले सकती थी क्योंकि वे कभी छपी ही नहीं थीं।'
मोर्स ने सहमति में सिर हिलाया। 'और मैं तुम्हें एक और बात बताता हूँ, लुईस। वह उस बुधवार की रात को हेडिंगटन में अपनी क्लास में नहीं थी। रजिस्टर में उसका नाम कहीं दर्ज नहीं है। मैंने देख लिया है।'

लुईस सहायक साक्ष्य के लिए आभारी थे। 'लेकिन आपको विश्वास नहीं है कि यह वही थीं, महोदय?'
'मुझे पता है ऐसा नहीं था,' मोर्स ने सीधे-सादे शब्दों में कहा। 'देखो, लुईस, मुझे लगता है कि अगर मार्गरिट क्रॉथर उस रात हत्या करने के मूड में होती, तो टायर लीवर के दूसरे सिरे पर बर्नार्ड की खोपड़ी होती – न कि सिल्विया जैसी किसी साधारण सी शख्सियत की।'
लुईस को आपकी बात पर ज़रा भी यकीन नहीं हुआ। 'मुझे लगता है आप गलत हैं, महोदय। मैं समझती हूँ आप क्या कहना चाहते हैं, लेकिन सभी औरतें अलग-अलग होती हैं। आप यूँ ही यह नहीं कह सकते कि कोई औरत यह करेगी और वह नहीं करेगी। कुछ औरतें कुछ भी कर सकती हैं। उसे उस दूसरी लड़की से बहुत जलन हुई होगी जिसने उसके पति को उससे छीन लिया।'
'हालांकि, वह यह नहीं कहती कि उसे जलन हो रही थी; वह कहती है कि उसे "ज्वलंत क्रोध" महसूस हो रहा था, याद है ना?'
लुईस ने ऐसा नहीं किया, लेकिन उसे अपना मौका मिल गया। 'लेकिन आप अचानक उसकी बातों पर इतना विश्वास करने के लिए इतने उत्सुक क्यों हो रहे हैं, महोदय? मुझे लगा था कि आपने कहा था कि आप उस पर विश्वास नहीं करते।'
मोर्स ने सहमति में सिर हिलाया। 'मेरा मतलब बिल्कुल यही है। यह सब सच और झूठ का मिश्रण है। हमारा काम है कि हम सही-गलत को गलत से अलग करें।'
और हम ऐसा कैसे करेंगे?
'खैर, सबसे पहले तो हमें थोड़ी मनोवैज्ञानिक समझ की ज़रूरत है। और मुझे लगता है कि जब उसने कहा कि वह गुस्से में थी, तो वह सच कह रही थी। मुझे लगता है कि उसकी बात में सच्चाई झलकती है। मुझे पूरा यकीन है कि अगर वह झूठ बोल रही होती, तो वह गुस्से के बजाय ईर्ष्या कहती। और अगर वह गुस्से में होती, तो मुझे लगता है कि उसके गुस्से का निशाना उसका पति होता, न कि सिल्विया केय।'
लुईस को यह सब सतही और बेजान सा लगा। 'मुझे मनोविज्ञान में कभी ज्यादा दिलचस्पी नहीं रही, महोदय।'
'क्या आप आश्वस्त नहीं हैं?'
'नहीं, महोदय। ऐसा नहीं।'

‘मैं आपको दोष नहीं देता,’ मोर्स ने कहा। ‘मैं खुद भी पूरी तरह आश्वस्त नहीं हूँ। लेकिन आपको यह जानकर खुशी होगी कि हमें एक मनोवैज्ञानिक के रूप में मेरी क्षमताओं पर निर्भर रहने की ज़रूरत नहीं है। ज़रा सोचिए, लुईस। उसने कहा कि वह आँगन में दाखिल हुई, बाईं ओर से अंदर की तरफ़ रहते हुए, और धीरे-धीरे कारों के पीछे चली गई। उसने आँगन के दूसरे छोर पर, बाईं ओर ही क्रॉथर को देखा। सहमत हैं?’
'मान गया।'
लेकिन अगर हम सबूतों पर यकीन करें, और मुझे ऐसा न करने का कोई कारण नज़र नहीं आता, तो टायर-लीवर या तो यार्ड के सबसे दाहिने कोने में रखे टूल-बॉक्स में था या उसके बगल में। जिस हथियार से श्रीमती क्रॉथर का दावा है कि उन्होंने सिल्विया केय की हत्या की, वह उस जगह से कम से कम बीस गज दूर था जहाँ वह खड़ी थीं। उन्होंने अपने बयान में कहा है कि वह न केवल गुस्से में थीं बल्कि डरी हुई भी थीं। और मैं उनकी बात पर यकीन कर सकता हूँ। कौन नहीं डरेगा? जो कुछ हो रहा था उससे डर, शायद अंधेरे से डर; लेकिन सबसे ज़्यादा देखे जाने से डर। और फिर भी आप मुझसे यह मानने को कह रहे हैं कि वह यार्ड पार करके टायर-लीवर उठाने गईं जो लगभग निश्चित रूप से उस जगह से चार या पाँच गज से ज़्यादा दूर नहीं था जहाँ बर्नार्ड अपनी बोतलबंद गोरी लड़की के साथ खड़ा था? बकवास! उन्होंने टायर-लीवर के बारे में अखबारों में पढ़ा था।
‘कोई इसे हटा सकता था, महोदय।’
'हां। कोई तो जरूर कर सकता है। आपका क्या सुझाव है?'
लुईस को लगा कि इस मनोदशा में मोर्स से बहस करना लगभग उतना ही अपवित्र था जितना मूसा का सिनाई पर्वत पर प्रभु से बहस करना। खैर, उसे स्पैनर वाली बात शुरू से ही समझ जानी चाहिए थी। वाकई बहुत बुरा था। लेकिन मार्गरिट के बयान में कुछ और भी था जो उसे परेशान कर रहा था। शुरू से ही यह इतना स्पष्ट लग रहा था कि यह एक पुरुष का अपराध था, न कि एक महिला का। उसने खुद उस पहली रात सिल्विया को नीचा देखा था और वह बिना किसी पैथोलॉजिस्ट की रिपोर्ट के भी अच्छी तरह जानता था कि उसके साथ बलात्कार हुआ था। उसके कपड़े फटे हुए थे और साफ तौर पर कोई उसके शरीर पर हाथ डालने के लिए इंतजार नहीं कर सका था। उसे, और निश्चित रूप से मोर्स को भी, इस बात पर कोई आश्चर्य नहीं हुआ था कि रिपोर्ट में उसके पैरों से वीर्य टपकने और स्तनों के आसपास चोट के निशान का जिक्र था। लेकिन यह सब मार्गरिट क्रॉथर के सबूतों से मेल नहीं खाता था। उसने कहा था कि उसने उन्हें कार

के पीछे देखा था। लेकिन क्या वह सही थी? बाल कार के पीछे मिले थे, लेकिन इससे कुछ खास साबित नहीं होता, है ना? यह सौ अलग-अलग तरीकों से हो सकता था। नहीं। किसी भी तरह से बात समझ में नहीं आ रही थी। यह उसके बस की बात नहीं थी। उसने अपने विचार शब्दों में व्यक्त किए और मोर्स ने ध्यान से सुना।
'आप सही कह रहे हैं। यह एक ऐसी समस्या है जिसने मुझे बहुत अधिक चिंता में डाल दिया।'
'लेकिन अब तो कोई समस्या नहीं है, महोदय?'
'अरे नहीं। अगर यही हमारी एकमात्र समस्या होती तो हमारा आगे का सफर आसान होता।'
'और आपको नहीं लगता कि हमारे पास है?'
'मुझे डर है कि हमें बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।' मोर्स का चेहरा उदास और पीला पड़ गया था, और उनकी आवाज़ में तनाव था। 'एक और बात है जो मुझे तुम्हें बतानी चाहिए थी, लुईस। आज सुबह रेडक्लिफ से निकलने के बाद, मैं न्यूलव से मिलने गया था। वह कल दोपहर बर्नार्ड से मिलने गया था और उसके बारे में बात करने को तैयार था।'
'क्या कोई नई जानकारी है, महोदय?'
'हां, मुझे लगता है कि आप कह सकते हैं कि एक तरह से ऐसा है। न्यूलव निजी मामलों के बारे में बात नहीं करना चाहता था, लेकिन उसने मुझे बताया कि क्रॉथर ने उससे हत्या वाली रात के बारे में बात की थी। लगभग वही जो हम पहले से जानते थे या जो हमने जोड़कर पता लगाया है। सिवाय एक बात के, लुईस। क्रॉथर ने कहा कि उसे लगता है कि उस रात आंगन में कोई और भी था।'
'खैर, हमें यह तो पता ही था, है ना महोदय?'
'एक मिनट रुकिए, लुईस। चलिए ज़रा उस दृश्य की कल्पना कीजिए। क्रॉथर आगे की सीट से निकलकर पीछे की सीट पर बैठ जाता है, ठीक है? सिल्विया के भी ऐसा ही करती है। अब कार में बैठने की जगह बहुत कम थी, और यह पुराने ज़माने की शालीनता दिखाने का न तो स्थान था और न ही अवसर; और मुझे लगता है कि वह आगे की सीट से निकलकर पीछे की सीट पर बैठी होगी और क्रॉथर ने भी अपनी तरफ से ऐसा ही किया होगा। दूसरे शब्दों में, वे कार के पीछे और आगे की सीटों पर एक ही तरफ बैठे थे – वह दाईं ओर, वह बाईं ओर। अब क्रॉथर चाहे जिस भी अजीब मुद्रा में

बैठा हो, मुझे लगता है कि ज़्यादातर समय उसकी पीठ उसकी पत्नी की ओर ही थी – दूसरे शब्दों में, वह लगभग उसके ठीक पीछे थी। लेकिन बर्नार्ड की आँखें पीछे नहीं होतीं, और मार्गरिट, जैसा कि हमने कहा है, शायद देखे जाने से बहुत डरी हुई थी। और इससे एक ही निष्कर्ष निकलता है, जैसा कि मैं समझता हूँ, और केवल एक ही निष्कर्ष: क्रॉथर ने उस रात अपनी पत्नी को नहीं देखा।' मुझे यकीन है कि वह वहाँ थी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि उसने उसे देखा था। लेकिन उसने किसी और को ज़रूर देखा था। दूसरे शब्दों में कहें तो उस रात आँगन में एक और व्यक्ति मौजूद था, एक ऐसा व्यक्ति जो मार्गरिट से कहीं ज़्यादा उसके करीब था; कोई औजारों के किट के बहुत पास खड़ा था, और जिसकी एक धुंधली झलक क्रॉथर ने अपनी कार की पिछली सीट पर बैठे हुए देखी थी। और मुझे लगता है कि वही व्यक्ति, लुईस, हो सकता है जिसने सिल्विया केय की हत्या की थी।

'तो आपको नहीं लगता कि यह बर्नार्ड भी हो सकता है?'

पहली बार मोर्स अजीब तरह से हिचकिचाते हुए दिखे। 'वह ऐसा कर सकता था, बिल्कुल।'

'लेकिन मुझे तो कोई मकसद नजर नहीं आ रहा, क्या आपको नजर आ रहा है जनाब?'

'नहीं,' मोर्स ने सपाट स्वर में कहा, 'मैं नहीं जानता।' उसने उदास होकर कमरे में चारों ओर देखा।

'क्या आपको श्री न्यूलव से कुछ और मिला, महोदय?'

'हां। क्रॉथर ने उसे बताया था कि उसने उसका टाइपराइटर इस्तेमाल किया था।'

'आपका मतलब न्यूलव के टाइपराइटर से है?'

'आपकी आवाज़ में हैरानी झलक रही है।'

'क्या आपका मतलब है कि क्रॉथर ने ही वह पत्र लिखा था?' मोर्स ने उसे पीड़ा और निराशा भरी नजरों से देखा।

'आपको इस बात पर कभी शक नहीं हुआ होगा, है ना?'

उसने अपनी डेस्क की दराज खोली और उसमें से एक सीलबंद सफेद लिफाफा निकाला, जो उसने लुईस को दे दिया। यह जेनिफर कोल्बी के नाम पर था। 'मैं चाहता हूँ कि तुम उससे मिलने जाओ, लुईस, उसे यह दो और जब वह इसे खोले तो उसके साथ रहो। इसके अंदर एक कागज का टुकड़ा और मेरे नाम का एक वापसी लिफाफा है।

उससे कहना कि वह मेरे पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे और फिर अपने उत्तर को वापसी लिफाफे में सील कर दे। क्या यह स्पष्ट है?'
'क्या उन्हें फोन करना ज्यादा आसान नहीं होगा, महोदय?'
मोर्स की आँखें अचानक गुस्से से लाल हो उठीं, हालाँकि बोलते समय उनके शब्द शांत और संयमित थे। 'जैसा कि मैं कह रहा था, लुईस, तुम उसके साथ रहोगे और जब वह अपना जवाब लिख ले, तो तुम यह सुनिश्चित कर लेना कि लिफाफा अच्छी तरह से बंद हो। देखो, मैं नहीं चाहता कि तुम मेरा पूछा हुआ सवाल देखो, न ही उसका जवाब।' अब उसकी आवाज़ ठंडी थी, और लुईस ने तुरंत सहमति में सिर हिलाया। उसे कभी एहसास नहीं हुआ था कि इंस्पेक्टर कितना डरावना हो सकता है, और उसे वहाँ से निकलकर खुशी हुई।

अध्याय उनतीस

शुक्रवार, 22 अक्टूबर, दोपहर।

लुईस के जाने के बाद, मोर्स बैठकर सू के बारे में सोचने लगा। सोमवार से बहुत कुछ हो चुका था, लेकिन सू लगभग हर समय उसके विचारों में सबसे ऊपर रही थी। उसे उससे दोबारा मिलना ही था। उसने अपनी घड़ी देखी। दोपहर हो चुकी थी। उसने सोचा कि वह क्या कर रही होगी, और अचानक उसने खुद को हरकत में ला दिया।
क्या यह रेडक्लिफ है?
'हाँ।'
'कृपया दुर्घटना विभाग से संपर्क करें।'
'मैं आपको कनेक्ट कर रहा हूँ, महोदय।'
'हैलो। दुर्घटना विभाग।' यह सू नहीं थी।
'मैं मिस विडोसन से थोड़ी देर बात करना चाहता हूँ, कृपया।'
'आपका मतलब स्टाफ नर्स विडोसन से है।' उसे यह बात पता नहीं थी।
'सुसान, मुझे लगता है कि उसका ईसाई नाम यही है।'

‘माफ़ कीजिए महोदय। हमें बाहर से आने वाली टेलीफोन कॉल लेने की अनुमति नहीं है, सिवाय...’
'यह कोई आपातकालीन स्थिति हो सकती है,' मोर्स ने उम्मीद भरी नजरों से बात काटते हुए कहा।
‘क्या यह कोई आपातकालीन स्थिति है, महोदय?’
'नहीं, ऐसा नहीं है।'
मुझे खेद है, महोदय।
‘देखो, ये पुलिस है।’
‘मुझे माफ कीजिए, महोदय।’ जाहिर है, उसने यह बात पहले भी सुनी होगी।
धीरे-धीरे मोर्स को फिर से गुस्सा आने लगा। 'क्या मैट्रन वहाँ है?'
‘क्या आप चाहते हैं कि मैं आपको मैट्रन से बात करा दूं?’
'हा करता हु।'
उन्हें पूरे दो मिनट इंतजार करना पड़ा। 'हैलो। मैं मैट्रन हूँ।'
‘मैट्रन, मैं थेम्स वैली पुलिस स्टेशन से बोल रहा हूँ। चीफ इंस्पेक्टर मोर्स। मैं स्टाफ नर्स विडोसन से बात करना चाहता हूँ। मुझे पता है कि इस बारे में आपके कुछ नियम हैं, और ज़ाहिर है कि मैं सामान्य तौर पर उन्हें तोड़ना नहीं चाहूँगा...’
‘क्या यह अत्यावश्यक है?’ आधिकारिक आवाज।
ठीक है, मान लीजिए कि यह महत्वपूर्ण है।
अगले कुछ मिनटों तक मैट्रन ने शांत और स्पष्ट रूप से 'मेरे' नर्सिंग स्टाफ के सदस्यों को व्यक्तिगत डाक पहुंचाने और उनके द्वारा आने वाली टेलीफोन कॉलों को स्वीकार करने से संबंधित नियमों की व्याख्या की। उन्होंने नियमों और उनके कारणों को विस्तार से समझाया, और मोर्स अपनी मेज पर बेचैनी से बैठे रहे, उनके बाएं हाथ की उंगलियां हमेशा की तरह डेस्क के ऊपरी हिस्से पर थपथपाती रहीं।
देखिए, आपको इस बात का अंदाजा भी नहीं है कि मेरे सभी विभागों को प्रतिदिन कितने आधिकारिक पत्र और फोन कॉल प्राप्त होते हैं। और अगर इसमें सभी व्यक्तिगत पत्रों और कॉलों की अतिरिक्त जटिलता भी जुड़ जाए, तो यह सब कहाँ जाकर खत्म होगा? मैंने कोशिश की है और मुझे लगता है कि मैं सफल रहा हूँ...
मोर्स ने उसकी बात सुनी। उसकी बातों के दौरान उसके मन में एक अकल्पनीय विचार घर कर गया। वह लगभग चाहता था कि वह पाबंदियों की उबाऊ सूची को दोहराए। 'मैं

आपका बहुत आभारी हूँ, मैट्रन। मैं माफी मांगना चाहता हूँ...'
'अरे, बिलकुल नहीं। आपसे बात करके अच्छा लगा। अब, मुझे आपकी हर संभव मदद करने दीजिए।' वह जानती थी कि अब वह उसके लिए कुछ भी करने को तैयार थी। लेकिन हालात बदल चुके थे। अब बस एक बहुत ही कमज़ोर संभावना थी, जबकि पहले बिल्कुल भी नहीं थी। उसने जैसे ही मौका मिला, फ़ोन काट दिया, मानो मैट्रन उससे कोई मदद करने की भीख मांग रही हो। लेकिन उसे कोई मदद नहीं चाहिए थी: उसका रास्ता अब साफ़ था।
सू दोपहर का खाना खा रही थी जबकि मोर्स अपने वरिष्ठ अधिकारी से लंबी बातचीत खत्म कर रहा था। वह भी उसके बारे में सोच रही थी। काश वह उसे पहले जान पाती! उसे पूरे यकीन से पता था कि वह उसकी ज़िंदगी बदल सकता था। क्या अब भी बहुत देर हो चुकी थी? डॉ. आयर्स उसके बगल में बैठे थे, और उस प्यारी स्टाफ नर्स के साथ शारीरिक संपर्क बनाने का हर संभव प्रयास कर रहे थे; लेकिन सू को उनकी नज़दीकी और इशारे बिल्कुल पसंद नहीं थे, और मिठाई की परवाह किए बिना, वह जितनी जल्दी हो सके मेज से उठ गई। ओह मोर्स! काश मैं तुमसे पहले मिली होती! वह वापस इमरजेंसी क्लिनिक के आउट पेशेंट रूम में गई और एक सख्त बेंच पर बैठ गई। अनमने ढंग से उसने पंच अखबार की एक पुरानी प्रति उठाई और उसके फीके पन्नों को बेमन से पलटने लगी... अब वह क्या करे? उस मनहूस रात के बाद से जब जेनिफर घर आई थी, वह कहीं नज़र नहीं आया था। जेनिफर! और वह इतनी बेवकूफ थी कि उसने जेनिफर को अपने दिल की बात बता दी थी। डेविड? उसे डेविड को पत्र लिखना होगा। वह बहुत परेशान हो जाएगा; लेकिन किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहना, किसी ऐसे व्यक्ति के साथ सोना, चालीस, यहाँ तक कि पचास साल तक – जिसे आप वास्तव में और सच्चे दिल से प्यार नहीं करते...
फिर उसने उसे देखा। वह वहाँ खड़ा था, उसकी धूसर आँखों में चिंता और लाचारी झलक रही थी। उसकी आँखों में आँसू आ गए और उसे असीम खुशी का अनुभव हुआ। वह आया और उसके बगल में बैठ गया। उसने उसका हाथ पकड़ने की कोशिश तक नहीं की - इसकी कोई ज़रूरत नहीं थी। उन्होंने बातें कीं, उसे नहीं पता कि किस बारे में। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।
'मुझे जाना होगा,' उसने कहा। 'जल्द ही मुझसे मिलने की कोशिश करना, ठीक है?' डेढ़ बज चुके थे।

मोर्स का दिल बुरी तरह से दुखी था। उसने सू को देर तक ध्यान से देखा और उसे एहसास हुआ कि वह उससे कितना प्यार करता है।
'मुक़दमा चलाना?'
'हाँ?'
क्या आपके पास अपनी कोई तस्वीर है?
सू ने अपने हैंडबैग में तलाशी ली और उसे कुछ मिला। 'यह उतना अच्छा नहीं है, है ना?'
मोर्स ने तस्वीर देखी। वह सही थी। तस्वीर में उसका असली रूप तो नहीं दिख रहा था, लेकिन वह उसकी सू ही थी। उसने तस्वीर को ध्यान से अपने बटुए में रखा और जाने के लिए उठ खड़ा हुआ। मरीज़ पहले से ही इंतज़ार कर रहे थे: कुछ मरीज़ों के पैरों और हाथों पर मोटे प्लास्टर लगे थे; कुछ के सिर और कलाई पर पट्टियाँ बंधी थीं; एक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के मुँह के आसपास खून लगा था और चेहरा पीला पड़ गया था। जाने का समय हो गया था। उसने सू का हाथ हल्के से छुआ और उनकी उंगलियाँ एक कोमल, मधुर विदाई में मिलीं। सू उसे जाते हुए देखती रही, वह थोड़ा लंगड़ाते हुए, ढीले-ढाले, कांच के दरवाजों से बाहर निकल गया।
जब मोर्स रेडक्लिफ इन्फर्मरी से सेंट जाइल्स के चौड़े, पेड़ों से घिरे रास्ते की ओर चल रहे थे, तब लगभग पौने दो बज रहे थे। उन्होंने अपने अगले काम को टालने के बारे में सोचा; लेकिन यह काम कभी न कभी तो करना ही था, और वैसे भी अब उन्हें वहीं मौजूद रहना था।
सेंट जाइल्स चर्च के दाहिनी ओर चलते हुए, मोर्स शहीद स्मारक की ओर बढ़ रहे थे। रास्ते में जो पहला स्नैक बार दिखा, विम्पी ग्रिल, वहाँ रुककर वे अंदर चले गए। खुद मोर्स के मुताबिक, एक छोटे कद का सांवला इतालवी, जो हॉटप्लेट पर बीफ़बर्गर पलट रहा था, बोला, 'महाराज, आपकी अंग्रेज़ी इतनी अच्छी नहीं है,' और तुरंत अपनी भद्दी सी दिखने वाली युवा वेट्रेस को बातचीत में शामिल कर लिया। मोर्स सिर हिलाते और इशारे करते हुए वहाँ से चले गए; यह आसान नहीं होने वाला था। कुछ गज आगे जाकर वे 'बर्ड एंड बेबी' में रुके और वहाँ एक पिंट बिटर बियर मंगवाई और बारमैन से कई मिनट तक गंभीर और शांत बातचीत की। संयोग से, वही बार का मालिक भी था और दोपहर के भोजन के समय हमेशा बार के पीछे ड्यूटी पर रहता था। माफ़ कीजिए, नहीं। हाँ, उसने ज़रूर ध्यान दिया होगा; लेकिन नहीं। माफ़ कीजिए। यह एक लंबा और निराशाजनक काम होने वाला था, लेकिन ऐसा काम जो सिर्फ़ मोर्स ही कर सकते थे।

एबीसी सिनेमा के नीचे कॉर्नमार्केट में मौजूद दर्जन भर संभावित जगहों पर वह एक-एक करके आगे बढ़ा, कारफैक्स पर सड़क पार की और दूसरी तरफ चलने लगा। मार्क्स एंड स्पेंसर के विशाल स्टोर के बगल में स्थित एक छोटी सी (नाश्ता परोसने वाली) केक की दुकान पर उसे वह व्यक्ति मिल गया जिसकी उसे तलाश थी। वह सफ़ेद बालों वाली, थोड़ी गोल-मटोल महिला थी, जिसका चेहरा दयालु और व्यवहार दोस्ताना था। मोर्स ने उससे कई मिनट तक बात की, और इस बार भी उसने सिर हिलाकर और इशारे करके बात की। लेकिन इस बार इशारा बाहर की ओर, गलियों या संकरी सड़कों की ओर नहीं था; इस बार इशारा दुकान के पीछे एक छोटे से कमरे की ओर था, जहाँ नाश्ता परोसा जाता था। सटीक कहें तो, इशारा कमरे के दूर कोने में रखी एक छोटी सी मेज की ओर था, जिसके दोनों ओर एक-एक कुर्सी थी, दोनों अब खाली थीं, और उस पर लाल-सफेद धारीदार मेज़पोश पर एक छोटी सी बोतल, एक गंदी ऐशट्रे और टमाटर सॉस की एक बोतल रखी थी।

दोपहर के 3:45 बज रहे थे। मोर्स मेज के पास गया और बैठ गया। वह जानता था कि मामला अब लगभग खत्म हो चुका है, लेकिन उसे कोई खुशी महसूस नहीं हो रही थी। उसके पैरों में दर्द हो रहा था, खासकर दाहिने पैर में, और उसे कुछ ऐसा चाहिए था जिससे उसका मन बहल जाए। उसने फिर से अपने बटुए से सू की तस्वीर निकाली और उस लड़की के चेहरे को देखा जिससे वह बेइंतहा प्यार करता था। तभी सफ़ेद बालों वाली वेट्रेस उसके पास आई।

'क्या मैं आपके लिए कुछ ला सकता हूँ, महोदय? मुझे खेद है कि मुझे एहसास नहीं हुआ कि आप...'

'मुझे एक कप चाय चाहिए, जान,' मोर्स ने कहा। कुछ न होने से तो बेहतर था।

वह शाम 4:45 बजे तक अपने कार्यालय नहीं लौटे। उनकी मेज पर लुईस का एक नोट पड़ा था। उनके सार्जेंट ने उम्मीद जताई थी कि थोड़ा जल्दी जाना ठीक रहेगा। अगर ज़रूरत हो तो उन्हें फ़ोन कर दें। उनकी पत्नी को हल्का-फुल्का फ्लू था और बच्चे थोड़े शरारती थे।

मोर्स ने नोट को मोड़कर कूड़ेदान में फेंक दिया। नोट के नीचे लुईस द्वारा जेनिफर कोल्बी से लाया गया पत्र पड़ा था। यह सुनिश्चित करने के बाद कि पत्र अच्छी तरह से सीलबंद है, मोर्स ने उसे बिना खोले अपनी डेस्क के निचले बाएँ दराज में रख दिया और ताले में चाबी घुमा दी।

उसने डायरेक्टरी में एक नंबर ढूंढा और उसे 'पुर पुर, पुर पुर' की ढोल की आवाज़ सुनाई दी। उसने अपनी घड़ी देखी: लगभग शाम के 5 बज रहे थे। अगर वह चला भी जाता तो कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन वह जल्दी से काम निपटाना चाहता था। 'पुर पुर, पुर पुर'। वह हार मानने ही वाला था कि तभी कॉल का जवाब आया।
'हेलो?' यह पामर था।
'आह। आपसे मिलकर खुशी हुई, महोदय। मोर्स यहाँ।'
'ओह।' छोटे मैनेजर की आवाज़ में कोई खास खुशी नहीं थी। 'आप तो किस्मत वाले हैं। मैं अभी-अभी दुकान बंद कर रहा था, लेकिन मैंने सोचा कि बेहतर होगा कि मैं वापस जाकर फोन उठा लूँ। इस नौकरी में कुछ भी हो सकता है। कोई ज़रूरी बात हो सकती है।'
'क्या यह महत्वपूर्ण है।'
'ओह।'
पामर वुडस्टॉक रोड के निचले हिस्से में स्थित फैशनेबल ऑब्जर्वेटरी स्ट्रीट में रहता था। जी हाँ। वह मोर्स से मिल सकता था - बिल्कुल मिल सकता था - अगर यह ज़रूरी होता। उन्होंने उसी शाम 8:30 बजे पास की वाल्टन स्ट्रीट स्थित बुल एंड स्टिरप में मिलने का समय तय किया।
वह एक बदसूरत, कम रोशनी वाला, धूल-मिट्टी से सना हुआ पब था; एक निराशाजनक जगह, जहाँ घोड़ों की सवारी, डार्ट्स और फुटबॉल पूल जैसे खेल ही वहाँ आने वाले आम ग्राहकों को आकर्षित करते थे। मोर्स जल्द से जल्द वहाँ से निकलना चाहता था। शुरुआत में तो उसे काफी मशक्कत करनी पड़ी, और पामर संकोच और आनाकानी कर रहा था; लेकिन मोर्स उससे कहीं ज्यादा जानता था। अनिच्छा से, लेकिन स्पष्ट ईमानदारी के साथ, पामर ने अपनी दयनीय कहानी सुनाई।
'मुझे लगता है कि आपको लगता है कि मुझे यह बात आपको पहले ही बता देनी चाहिए थी?'
'मुझे नहीं पता। मैं खुद शादीशुदा नहीं हूँ।' मोर्स का लहजा बिल्कुल उदासीन था। रात के 9 बज रहे थे और वह विदा हो गया।
वह वुडस्टॉक रोड पर 30 मील प्रति घंटे से कुछ अधिक की रफ्तार से गाड़ी चला रहा था; लेकिन आगे एक पुलिस कार देखकर उसने गति धीमी कर ली और निर्धारित गति सीमा तक पहुँच गया। वह वुडस्टॉक गोलचक्कर से घूमकर, जहाँ से इस सारी गड़बड़

शुरू हुई थी, वुडस्टॉक की ओर चल पड़ा। यारनटन गाँव में उसने गाड़ी मोड़ी और श्रीमती मेबल जारमन के घर के बाहर लैंसिया कार खड़ी कर दी, जहाँ वह दो मिनट से अधिक नहीं रुका।
घर लौटते समय वह पुलिस मुख्यालय गए। गलियारे अंधेरे में डूबे हुए थे, लेकिन उन्होंने बत्ती जलाने की ज़हमत नहीं उठाई। अपने दफ्तर में उन्होंने नीचे बाईं ओर की दराज खोली और लिफाफा निकाला। कागज़ काटने वाले चाकू से लिफाफे को बड़े करीने से खोलते समय उनका हाथ थोड़ा कांप रहा था। उन्हें ऐसा लग रहा था जैसे कोई क्रिकेटर शून्य पर आउट हो गया हो और स्कोरबुक में देख रहा हो कि कहीं दूसरे बल्लेबाज़ द्वारा बनाया गया कोई रन गलती से उनके नाम तो नहीं दर्ज हो गया। लेकिन मोर्स को चमत्कारों पर विश्वास नहीं था, और लिफाफा खोलने से पहले ही उन्हें पता था कि उसमें क्या लिखा है। उन्होंने लिफाफा देखा; उसे पढ़ा नहीं। उन्होंने उसे संक्षेप में देखा, उसके अलग-अलग शब्दों और अक्षरों के योग के रूप में नहीं। चमत्कार नहीं होते।
उसने लाइट बंद की, अपने दफ्तर का दरवाजा बंद किया और अंधेरे गलियारे में वापस चल दिया। आखिरी टुकड़ा भी अपनी जगह पर आ गया था। पहेली पूरी हो गई थी।

अध्याय तीस

शनिवार, 23 अक्टूबर

नाश्ते के बाद से सू डेविड को पत्र लिखने की कोशिश कर रही थी। एक-दो बार उसने आधा पन्ना लिख लिया था, लेकिन फिर कागज़ फाड़कर नया पन्ना शुरू कर दिया था; पर ज़्यादातर बार शब्द उसके हाथ से निकल जाते थे और वह बस एक छोटा सा वाक्य ही लिख पाती थी। उसने फिर कोशिश की।
मेरे प्यारे डेविड,
आपने मेरे प्रति इतनी दयालुता और प्रेम दिखाया है कि मुझे पता है कि यह पत्र आपके लिए एक बड़ा झटका होगा। लेकिन मुझे लगता है कि मुझे आपको बताना ही चाहिए – आपसे कुछ भी छिपाना उचित नहीं है। सच तो यह है कि मुझे किसी और से प्यार हो गया है और मैं...

वह और क्या कह सकती थी? वह इसे यूं ही नहीं छोड़ सकती थी... उसने नवीनतम मसौदे को फाड़ दिया और उसे मेज पर जमा कागज की गेंदों के बढ़ते ढेर में शामिल कर दिया।

उसी सुबह उदास चेहरे वाले मोर्स अपनी काली चमड़े की कुर्सी पर बैठे थे। एक और बेचैन, अस्थिर रात। उन्हें छुट्टी की ज़रूरत है।

‘आप थके हुए लग रहे हैं, महोदय,’ लुईस ने कहा।

मोर्स ने सिर हिलाया। 'हां, लेकिन अब हम रास्ते के अंत तक आ चुके हैं।'

‘क्या हमारे पास है, महोदय?’

मोर्स ने खुद को थोड़ा संवारते हुए कहा। उसने गहरी सांस ली: 'जैसा कि तुम जानते हो, लुईस, मैंने एक-दो गलत रास्ते अपनाए हैं; लेकिन संयोग से मैं हमेशा सही दिशा में ही बढ़ रहा था - यहां तक कि हत्या वाली रात भी। क्या तुम्हें याद है जब हम उस आंगन में खड़े थे? मुझे याद है मैं तारों को घूर रहा था और सोच रहा था कि वे कितने रहस्य जानते होंगे, जो ऊपर से सब कुछ देख रहे हैं। मुझे याद है तब भी मैं उस पैटर्न को समझने की कोशिश कर रहा था, न कि सिर्फ उन हिस्सों को जो पैटर्न बनाते हैं। उस रात कुछ बहुत ही अजीब था, लुईस, तुम जानते हो। यह साफ तौर पर यौन हत्या लग रही थी। लेकिन चीजें हमेशा वैसी नहीं होतीं जैसी दिखती हैं, है ना?'

वह मदहोश और लयबद्ध ढंग से बोल रहा था, मानो उसने कोई नशा किया हो। 'अब आप बातों को थोड़ा अजीब बना सकते हैं, लेकिन अभी तक मेरी मुलाकात ऐसे किसी शातिर हत्यारे से नहीं हुई है। या फिर चीजें बस ऐसे ही हो जाती हैं, है ना? अगर सिल्विया का बलात्कार उसी जगह हुआ था जहाँ वह मिली थी, तो यह अजीब ही था, है ना? मुझे पता है कि उस रात आंगन में बहुत अंधेरा था, लेकिन तेज रोशनी वाली गाड़ियाँ लगातार आ-जा रही थीं। यह सोचना कल्पना से परे है कि कोई इतना पागल हो सकता है कि गाड़ियों की तेज रोशनी में किसी लड़की का बलात्कार कर दे।' लुईस को लगा कि वह थोड़ा शांत हो रहा है और उसकी आँखों की सुस्त चमक गायब हो गई थी। 'तो?' यह तो मुखिया के लहजे जैसा था।

'मुझे लगता है आप सही कह रहे हैं, महोदय।'

लेकिन यह अजीब लग रहा था। एक जवान, लंबी टांगों वाली गोरी लड़की का बलात्कार और हत्या या बलात्कार और हत्या। चाहे जो भी स्थिति हो, सब एक ही ओर इशारा कर रहा था। हमें एक यौन हत्यारे को ढूंढना है। लेकिन मुझे यकीन नहीं था। मुझे बताया गया

है कि अगर लड़की अपनी मर्जी से न हो तो बलात्कार करना आसान नहीं होता, और जैसा कि मैंने कहा, मैंने सिल्विया के आंगन में बलात्कार होने की संभावना को खारिज कर दिया था। वह चीख-पुकार कर सकती थी - जब तक कि वह पहले से ही मर न गई हो। लेकिन मैं इस तरह की चीजों को लेकर थोड़ा संशय में हूं, और मुझे लगा कि क्रिस्टी जैसे किसी शव-यौन अपराधी से निपटने की संभावना बहुत कम है। तो फिर हम कहां पहुंचते हैं?' लुईस को उम्मीद थी कि यह एक अलंकारिक प्रश्न है, और ऐसा ही था। 'ठीक है, आइए हम बलात्कार और हत्या - इन दोनों घटकों पर अलग-अलग ध्यान दें। आइए दो अलग-अलग क्रियाओं को मानें - एक नहीं। आइए मान लें कि उसका एक पुरुष के साथ यौन संबंध है - आखिरकार, यौन संबंध के तथ्य में कोई संदेह नहीं था।' चलिए मान लेते हैं कि यह सब उसकी सहमति से हुआ था। अब इस बात को साबित करने के लिए एक सबूत था। सिल्विया महिला मुक्ति आंदोलन की सदस्य नहीं थी, लेकिन उसने ब्रा नहीं पहनी थी, और मुझे यह बात असामान्य तो नहीं, लेकिन थोड़ी आपत्तिजनक ज़रूर लगी। हमने पाया कि सिल्विया के पास कई सफेद ब्लाउज़ थे, लेकिन सफेद ब्रा नहीं थी। क्यों नहीं? सिल्विया केय जैसी अपनी काया और दिखावट को लेकर इतनी सजग कोई लड़की पतले सफेद ब्लाउज़ के नीचे काली ब्रा क्यों पहनेगी? मैं सिर्फ एक ही निष्कर्ष निकाल सकता था - कि सिल्विया अक्सर बिना ब्रा के बाहर जाती थी; और अगर वह ब्रा पहनती भी थी, तो वह काली ही होती थी, क्योंकि सभी लड़कियाँ मानती हैं कि काली अंडरवियर बेहद आकर्षक होती है। अब इन सब बातों से लगता है कि शायद वह थोड़ी अय्याश किस्म की युवती थी, और मुझे लगता है कि यह बात काफी हद तक स्पष्ट है।
'सर, उसने पैंट भी नहीं पहनी थी।'
नहीं। लेकिन पैथोलॉजिस्ट की रिपोर्ट से पता चलता है कि वह – उसकी कमर के चारों ओर इलास्टिक के निशान थे। हाँ, मुझे पूरा यकीन है कि उसने पैंट पहनी हुई थी और वह किसी की जेब में फंस गई और बाद में फेंक दी गई या जला दी गई। खैर, यह महत्वपूर्ण नहीं है। अपराध के अलग-अलग पहलुओं पर वापस आते हैं। पहला, एक आदमी ने सिल्विया के साथ यौन संबंध बनाए – लगभग निश्चित रूप से बिना किसी खास विरोध के। दूसरा, किसी ने उसकी हत्या कर दी। यह वही आदमी हो सकता था, लेकिन मकसद को समझना आसान नहीं है। शुरुआती चरण में मिले सबूतों से ऐसा लगता था कि यह पूरी तरह से एक आकस्मिक जान-पहचान थी, वुडस्टॉक जाने वाली सड़क पर एक संयोगवश हुई मुलाकात। ठीक है। लेकिन जब यह साबित हो गया कि बर्नार्ड क्रॉथर

ही वह आदमी था जो वुडस्टॉक गोलचक्कर पर रुका था, तो मामले के कुछ पहलू कम पेचीदा होने के बजाय और भी पेचीदा लगने लगे। मैं अच्छी तरह से कल्पना कर सकता हूँ कि क्रॉथर उस तरह का आदमी था जो कभी-कभार अपनी पत्नी के प्रति बेवफा हो सकता था; अब तक जो जानकारी हमारे पास है, उससे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में पत्नी के साथ उसका रिश्ता सुखद और शांत से बेतुके झगड़ों में बदल गया है। लेकिन अगर हम किसी कामुक विक्षिप्त व्यक्ति की तलाश कर रहे थे, तो मुझे पूरा यकीन था कि क्रॉथर वह व्यक्ति नहीं था जिसकी हमें तलाश थी। वह मुझे मूल रूप से एक सभ्य व्यक्ति लगता था। याद है जब तुमने सिल्विया की तस्वीरें देखी थीं, लुईस? याद है तुमने कहा था कि तुम उस कमीने को पकड़ना चाहते हो जिसने यह किया? लेकिन मुझे लगता है कि तुम्हारे दिमाग में अपराध की एक मिली-जुली तस्वीर थी: तुम बलात्कार, हत्या और कुछ और चीजों को जोड़ रहे थे - सिल्विया के कम कपड़ों के साथ छेड़छाड़। अब मैं क्रॉथर को उस तस्वीर में फिट नहीं कर सकता; और अगर श्रीमती क्रॉथर का बयान किसी भी मायने में सही था, तो वह निश्चित रूप से उस बिंदु पर सही था जहां उन्होंने कार में जो देखा उसका वर्णन किया था। तुमने खुद यह बात कही थी, लुईस। तो फिर हमारे पास क्या सबूत है? पहला, उसने कार की पिछली सीट पर लड़की के साथ यौन संबंध बनाए। दूसरा, हो सकता है कि किसी बात पर उसका लड़की से झगड़ा हुआ हो। मान लीजिए कि वह एक लालची युवती है और उसने एक आम वेश्या की तरह शर्तों पर उसके साथ संबंध बनाने के लिए सहमति दी। मान लीजिए कि वह उसे पैसे नहीं दे सका या देना नहीं चाहता था। मान लीजिए कि उनके बीच झगड़ा हुआ और उसने उसकी हत्या कर दी। यह संभव है। लेकिन मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि अगर घटनाएँ इसी क्रम में घटी होतीं तो हमें सिल्विया उस हालत में मिलती - उसकी ब्लाउज फटी हुई और उसके शरीर से अलग हो गई होती। या कम से कम अगर हम क्रॉथर को दोषी मानने में सही थे तो ऐसा नहीं हो सकता था।

लुईस ने चुपचाप उसे बीच में ही रोक दिया। 'आपने कहा था कि आप जानते हैं कि यह किसने किया।'

'मुझे लगता है तुम भी यही सोचते हो,' मोर्स ने जवाब दिया। 'जैसे-जैसे मामला आगे बढ़ा, ऐसा लगा कि केवल एक ही व्यक्ति था जिसका दिमाग इतना विकृत और कुटिल था कि वह एक मृत लड़की के शव के साथ छेड़छाड़ कर सके। एक ऐसा आदमी जो वैसे भी उसे देखने का इंतज़ार कर रहा था; एक ऐसा आदमी जिसे हम जानते हैं कि वह लगातार

यौन विचारों से व्याकुल रहता था; एक ऐसा आदमी जो हर हफ्ते अश्लील फिल्में और पोर्नोग्राफी देखता था। तुम उसके बारे में सब जानते हो, लुईस। और मैं एक हफ्ते पहले उससे मिलने गया था। उसका कमरा गंदे पोस्टकार्ड, डेनिश पत्रिकाओं, अश्लील सामग्री और बाकी सब चीजों से भरा पड़ा है। वह बीमार है, लुईस, और वह जानता है कि वह बीमार है, और उसकी माँ भी जानती है कि वह बीमार है। लेकिन वह कोई दुष्ट किस्म का आदमी नहीं है। असल में, वह किसी बुरे तरीके से नापसंद करने लायक नहीं है। उसने मुझे बताया कि उसे अक्सर एक मृत लड़की के शव को निर्वस्त्र करने का सपना आता था।'

'हे भगवान!' लुईस ने कहा।

'आपको इस पर ज़्यादा आश्चर्य नहीं होना चाहिए,' मोर्स ने कहा। 'मुझे बताया गया है कि फ्रायड ने इस तरह के सपने को कुंठाग्रस्त कामुक दर्शकों के बीच एक आम प्रकार की यौन कल्पना बताया है।' लुईस को वह फिल्म याद आ गई। उसे खुद भी वह फिल्म थोड़ी कामुक लगी थी, है ना? लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करना चाहता था – यहाँ तक कि खुद से भी नहीं।

'वह सिल्विया से पहले भी कई बार मिल चुका था। वे आम तौर पर ब्लैक प्रिंस के कॉकटेल लाउंज में मिलते थे, थोड़ी शराब पीते थे और फिर उसके घर – उसके बेडरूम में चले जाते थे। बिल वही चुकाता था। उसने मुझे बताया था।'

'उन्हें किसी न किसी तरह से काफी खर्च करना पड़ा था, महोदय।'

"हाँ, उसने ऐसा ही किया। खैर, जिस रात सिल्विया की हत्या हुई, उस रात वह पौने आठ बजे से उसका इंतज़ार कर रहा था। जैसे-जैसे समय बीतता गया और सिल्विया नहीं दिखी, उसकी शराब की मात्रा बढ़ती गई और उसकी बेचैनी भी बढ़ती गई। वह उसे ढूंढने के लिए कई बार बाहर गया। लेकिन उसे कुछ नहीं मिला। जब उसने उसे पाया, तो वह मानसिक और शारीरिक रूप से अस्वस्थ था: दबी हुई यौन कुंठा और अत्यधिक शराब के कारण। उसका कहना है कि वह उसे संयोग से मिला - और मैं उसकी बात पर विश्वास करता हूँ।"

और फिर... तुम्हारा मतलब है कि उसने... उसके साथ छेड़छाड़ की?

मोर्स ने सिर हिलाया। 'हां। उसने किया।'

'उन्हें इलाज की जरूरत है, महोदय।'

‘उन्होंने मुझसे मनोचिकित्सक से मिलने का वादा किया है – लेकिन मुझे इस बारे में ज्यादा उम्मीद नहीं है। मैं तो सिर्फ एक ही मनोचिकित्सक को जानता था। अजीब आदमी था। अगर किसी को सच में मानसिक इलाज की जरूरत थी तो वो वही था।’ मोर्स ने उदास मुस्कान के साथ कहा, और लुईस को लगा कि उसका बॉस धीरे-धीरे अपने सामान्य स्वभाव में लौट रहा है।
‘तो इससे वह बात स्पष्ट हो गई, महोदय।’
'हाँ। लेकिन इससे कुछ खास मदद नहीं मिली, है ना? मुझे पूरा यकीन था कि सिल्विया केय की हत्या मिस्टर जॉन सैंडर्स ने नहीं की थी। पैथोलॉजी रिपोर्ट के अनुसार, उनकी हत्या शाम 7 से 8 बजे के आसपास हुई थी। अब हमें हत्यारे के अपराध स्थल पर वापस जाने के बारे में सब पता है, लेकिन मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि सैंडर्स लगभग ढाई से तीन घंटे तक व्हिस्की पीते हुए उस जगह से पचास गज की दूरी पर खड़ा रहा होगा जहाँ उसकी शिकार की हत्या हुई थी। वह ज़रूर भाग गया होगा। मुझे सबसे अजीब बात यह लगी कि वह पहले क्यों नहीं मिली। लेकिन आपने यह बात स्पष्ट कर दी।'
लुईस को यह जानकर खुशी हुई कि कहीं न कहीं उसका भी योगदान रहा है, और वह मोर्स की बात समझ गया था, क्योंकि उसने खुद उस रात यार्ड में खड़ी सभी गाड़ियों के ड्राइवरों का इंटरव्यू लिया था। जिस कार के पास सिल्विया का शव मिला था, उसके ड्राइवर ने पहले ब्लैक प्रिंस के यार्ड के ठीक बाहर एक असुविधाजनक जगह पर गाड़ी खड़ी की थी; लेकिन वह दूसरी कारों को रोकने को लेकर चिंतित था और यार्ड से एक कार को निकलते देख उसने तुरंत मौका देखकर अपनी कार को खाली जगह में पीछे की ओर पार्क कर दिया। उसकी लाइट से सिल्विया का शव दिखना संभव नहीं था, और जब वह ड्राइविंग सीट से उतरा तो शव कार के दूसरी तरफ दीवार से सटा हुआ था।
‘खैर,’ मोर्स ने आगे कहा, ‘इस समय तक, किसी न किसी कारण से हम क्रॉथर तक पहुँचने में कामयाब हो गए थे। या यूँ कहें कि क्रॉथर परिवार तक। शायद हम कभी यह न जान पाएँ कि उस रात उनमें से प्रत्येक ने वास्तव में क्या भूमिका निभाई थी। लेकिन एक बात मैं पूरे विश्वास से कह सकता हूँ – कि जो कुछ हुआ उसके परिणामस्वरूप मार्गरिट को लगा कि बर्नार्ड ने सिल्विया की हत्या की है। क्या उसने केवल अपने संदेह के कारण आत्महत्या की, यह मुझे नहीं पता, हालाँकि यह निश्चित रूप से उन कारणों में से एक था जिसने उसे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। लेकिन यह तो आधी बात है। मुझे लगता है कि बर्नार्ड को भी लगा होगा कि मार्गरिट ने सिल्विया की हत्या की है। अगर मैं इस बारे में

सही हूँ, तो मुझे लगता है कि इससे बहुत सी बातें स्पष्ट हो जाती हैं। बर्नार्ड के चुप रहने के दो प्रबल कारण थे। पहला, उसका प्रेम प्रसंग लगभग निश्चित रूप से सबके सामने आ जाता, जिसके सभी परिणाम होते। लेकिन दूसरा, और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण, उसके साक्ष्य से हमें हत्यारे को खोजने में मदद मिल सकती थी, जो बर्नार्ड के अनुसार, संभवतः उसकी अपनी पत्नी मार्गरिट थी। हे भगवान, लुईस, काश उन्होंने इस बारे में एक-दूसरे से बात की होती!' अगर आपने खुद कोई अपराध किया है, तो आप किसी दूसरे पर शक नहीं करते। और मुझे लगता है कि दोनों का एक-दूसरे पर शक करना बिलकुल जायज़ था। इसलिए हम पूरे भरोसे से कह सकते हैं कि दोनों में से किसी ने भी यह अपराध नहीं किया। और अगर बर्नार्ड में थोड़ी भी अक्ल होती, तो उसे पता होता कि मार्गरिट का हत्या में शामिल होना कितना असंभव था। ऑक्सफोर्ड लौटते समय वह अपनी पत्नी से मिला था! अब मार्गरिट के बयान से हमें पता चलता है कि वह धीमी गति से गाड़ी चलाती है और शायद ज़्यादातर गाड़ियाँ उसे ओवरटेक कर ही लेतीं। लेकिन अगर वह उससे पहले ऑक्सफोर्ड के लिए निकला था, तो उसके लिए उसे ओवरटेक करना नामुमकिन है। सहमत हैं?

'जब तक कि उन्होंने कोई पेय या कुछ और न मंगवाया हो, महोदय।'

'मैंने इस बारे में सोचा ही नहीं था,' मोर्स ने धीरे से कहा। 'लेकिन यह कोई ज़रूरी बात नहीं है। चलिए आगे बढ़ते हैं। इस मामले में शुरू से ही मुख्य किरदार मिस एक्स रही हैं – वही मिस एक्स जो सिल्विया के साथ बर्नार्ड क्रॉथर की कार में थीं। हमने उनके बारे में क्या जाना? सबसे अहम बात जो हमने जानी, वह श्रीमती जारमन की सुनी हुई बात थी; और उन्हें पूरा यकीन है कि उन्होंने ही सुनी थी – मैंने उन्हें कल रात फिर देखा। उन्होंने सिल्विया को यह कहते हुए सुना, "हम सुबह इस पर खूब हँसेंगे।" तो, अब हमारा दायरा काफी सीमित हो गया है, है ना? हम टाउन एंड गाउन एश्योरेंस कंपनी की जाँच करते हैं और हमें कुछ दिलचस्प तथ्य पता चलते हैं। और सबसे दिलचस्प तथ्य यह है कि किसी ने मिस जेनिफर कोल्बी को चुप रहने के लिए कहा।' लुईस ने अपना मुँह खोला, लेकिन आगे कुछ नहीं कहा। 'मुझे पता है कि आपको लगता है कि मैं शुरू से ही उस युवती के खिलाफ रहा हूँ, लेकिन अब मुझे पूरा यकीन है – पहले से कहीं ज़्यादा – कि जेनिफर कोल्बी को संबोधित जो पत्र हमें मिला, वह बर्नार्ड क्रॉथर ने ही लिखा था।' अगर आपको सटीक प्रमाण चाहिए, तो यह शुक्रवार, 1 अक्टूबर की दोपहर को लोंसडेल कॉलेज में श्री

पीटर न्यूलोव के कमरे में उन्हीं के टाइपराइटर पर लिखा गया था। लुईस, यह एक तथ्य है।
लुईस ने फिर से विरोध करने की कोशिश की, और मोर्स ने फिर से उसके विरोध को अनसुना कर दिया। 'मेरी बात सुनो, लुईस। जेनिफर कोल्बी ने शुरू से ही झूठ बोला। वास्तव में, इस मामले में सभी लोगों में, जेनिफर कोल्बी ही झूठ बोलने में सबसे आगे थी। झूठ, झूठ और बस झूठ। लेकिन वह झूठ क्यों बोलेगी? कोई हमें इस हद तक गुमराह करने के लिए इतना उत्सुक क्यों होगा? मुझे काफी पहले ही यकीन हो गया था कि इसका कारण वास्तव में बहुत सरल था। बर्नार्ड की कार की पिछली सीट पर बैठी युवती उसकी प्रेमिका थी, और मार्गरिट से हमें जो कुछ भी पता चला, उससे उसके खुद के इस बयान की पुष्टि हुई कि वास्तव में उसकी एक प्रेमिका थी। अब मुझे जेनिफर से मिले सभी झूठों को दोहराने की ज़रूरत नहीं है; लेकिन उन सभी झूठों के उलझे हुए जाल में कुछ सच्चाई भी थी। और उसने हमें जो एक बात बताई जो सबसे बड़ा झूठ लग रही थी, वही लगभग एकमात्र सच थी। उसने कहा था कि उसके पास एक कार है।'
लुईस खुद को और रोक नहीं सका। 'लेकिन उसका टायर पंचर हो गया था, सर। हम इसके बारे में सब जानते हैं।'
“ओह, मुझे इसमें कोई शक नहीं कि उसकी गाड़ी का टायर पंचर हो गया था। हम जानते हैं कि ऐसा हुआ था। उसने बैटरी और टायर वालों को फोन किया था। लेकिन अगर वे इसे ठीक नहीं कर सकते थे, तो कोई और कर सकता था, है ना? अगर आपको याद हो, तो जेनिफर ने टायर वाले को किसी और समय आने के लिए नहीं कहा था; और उसने बार्कर्स में भी टायर ठीक नहीं करवाया था। लेकिन किसी ने तो उसका पंचर ठीक कर दिया, लुईस। शायद उसने खुद ही किया हो? वह बेवकूफ तो नहीं है, है ना? शायद उसने पड़ोस वाले से कहा हो? मुझे नहीं पता। लेकिन पंचर को पाँच मिनट में बिना किसी परेशानी के ठीक किया जा सकता है, और जेनिफर कोल्बी एक समझदार लड़की है और उसे उस रात गाड़ी की ज़रूरत थी।”
'मुझे यह बिल्कुल समझ नहीं आया,' आश्चर्यचकित लुईस ने कहा।
‘तुम कर लोगे, चिंता मत करो।’ मोर्स ने अपनी घड़ी देखी। ‘मैं चाहता हूँ कि तुम जाओ और उसे ले आओ, लुईस।’
‘आपका मतलब मिस कोल्बी से है?’
‘और कौन हो सकता है भला?’

मोर्स लुईस के पीछे-पीछे बाहर निकला, चीफ सुपरिटेंडेंट स्ट्रेंज के कार्यालय का दरवाजा खटखटाया और अंदर चला गया।
लगभग आधे घंटे बाद दरवाजा खुला और स्ट्रेंज मोर्स के साथ दहलीज पर खड़ा था। दोनों के चेहरे गंभीर थे और जब मुख्य निरीक्षक ने कुछ अंतिम शब्द कहे तो स्ट्रेंज ने गंभीरता से सिर हिलाया।
'मोर्स, तुम थके हुए लग रहे हो। मुझे लगता है कि अब जब यह सब खत्म हो गया है, तो तुम्हें दो सप्ताह की छुट्टी के लिए आवेदन कर देना चाहिए।'
'खैर, अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, महोदय।'
मोर्स धीरे-धीरे अपने कार्यालय की ओर वापस चले गए।
जब जेनिफर कोल्बी पहुंचीं तो मोर्स ने उन्हें बैठने के लिए कहा और फिर लुईस के पास चले गए। 'मैं चाहता हूं कि यह निजी मामला हो, लुईस। तुम समझते हो, मैं जानता हूं।'
लुईस को कुछ समझ नहीं आया और उसे दुख हुआ। लेकिन उसने उन दोनों को वहीं छोड़ दिया और कैंटीन की ओर चल दिया।
'देखिए इंस्पेक्टर जी। मुझे तो सच में लगा था कि कल आपके सार्जेंट के मुझे देखने के बाद आपने काम खत्म कर दिया होगा...'
मोर्स ने बीच में ही तीखी आवाज में उसे टोकते हुए कहा, 'मैंने तुम्हें यहाँ बुलाया है और मैं ही बोलूंगा। तुम बस कुछ मिनटों के लिए चुपचाप बैठ जाओ।' उसकी आवाज में हल्की सी धमकी छिपी थी, और जेनिफर कोल्बी, जो बेहद सतर्क दिख रही थी, ने मोर्स के कहे अनुसार ही किया।
'मिस कोल्बी, मैं आपको बताती हूँ कि मुझे इस मामले में बहुत पहले से क्या शक था। अगर मैं गलत हूँ तो आप मुझे बीच में टोक सकती हैं, लेकिन मुझे आपके ये झूठे दावे और नहीं सुनने हैं।' उसने उसकी कठोर आँखों में गुस्से से देखा, लेकिन कुछ नहीं कहा।
'मैं आपको बताती हूँ कि मुझे क्या लगता है। मुझे लगता है कि एक रात दो लड़कियों को एक आदमी ने उठाया और उनमें से एक उस आदमी की रखैल थी। मुझे लगता है कि यह रखैल आमतौर पर अपने प्रेमी से मिलने के लिए कार से जाती थी, लेकिन उस रात वह कार से नहीं जा सकी, इसलिए उसे या तो बस पकड़नी पड़ी या लिफ्ट मांगनी पड़ी। दुर्भाग्य से, और महज़ इत्तेफ़ाक से, उसे वही आदमी मिल गया जिससे वह मिलने जा रही थी। दुर्भाग्य से, वहाँ दो लड़कियाँ थीं, और उसे दोनों को उठाना पड़ा, और ये दोनों लड़कियाँ एक-दूसरे को जानती थीं। अब अचानक सब कुछ बहुत खतरनाक लगने लगा

– यही मुझे लगता है, मिस कोल्बी, आप समझ रही हैं – और किसी तरह उन्होंने अपनी मुलाकात को भूलकर अगले मौके का इंतज़ार करने का फैसला किया। मुझे लगता है कि उस लड़की, यानी रखैल ने, रास्ते में कहीं उतरने के लिए कहा होगा।' शायद उसने कोई स्वाभाविक बहाना बनाया होगा – वह झूठ बोलने में माहिर थी – और उसने उससे उसे छोड़ने के लिए कहा। लेकिन वह जानती थी कि दूसरी लड़की कहाँ जा रही है – निस्संदेह उस लड़की ने उसे बताया होगा – और उस रात उसे बेकाबू जलन हो रही थी। शायद जब वे सब साथ-साथ गाड़ी चला रहे थे, तब उसे कुछ आभास हुआ था। दरअसल, आगे बैठी लड़की पुरुषों को बहुत आकर्षित करती थी। और शायद? कौन जाने? वह आदमी, जिसे वह अच्छी तरह जानती थी, अपनी पत्नी के प्रति बेवफा था। वह उसके साथ बेवफा था! किसी दूसरी लड़की के साथ क्यों नहीं? तो मुझे लगता है कि यही हुआ होगा। वह कार से उतरी, लेकिन घर नहीं लौटी। नहीं। उसने बस का इंतजार किया और लगभग तुरंत ही एक बस आ गई। उसने अपनी किस्मत को कितना कोसा होगा। काश उसने लिफ्ट न ली होती! खैर, उसने बस पकड़ी और उस जगह पहुँच गई जहाँ उसे पता था कि वे मिल सकते हैं। और उसे वे मिल भी गए। वहाँ अँधेरा था और वह ज्यादा कुछ नहीं देख पा रही थी, लेकिन उसने इतना देख लिया था। और उसके अंदर एक जानलेवा ईर्ष्या उमड़ रही थी, अपने प्रेमी के प्रति उतनी नहीं, जितनी उस नीच औरत के प्रति, जिसे वह जानती तो थी लेकिन कभी पसंद नहीं करती थी, और अब वह उससे असहनीय नफरत करती थी। मुझे लगता है कि शायद उस आदमी के जाने के बाद उन दोनों ने आपस में बात की होगी – लेकिन मैं सिर्फ अनुमान लगा सकती हूँ, और हो सकता है मैं गलत हूँ। मुझे लगता है कि जो लड़की अभी-अभी कार से उतरी थी, उसने दूसरी लड़की के चेहरे पर जानलेवा क्रोध को भांप लिया होगा, और मुझे लगता है कि उसने भागने की कोशिश की। लेकिन जैसे ही उसने भागने की कोशिश की, एक जोरदार प्रहार उसके सिर पर पड़ा और वह पत्थरों से बने आँगन में ढेर हो गई। मुझे लगता है कि मृत लड़की को बांहों से पकड़कर आँगन के सबसे अंधेरे कोने में घसीटा गया और मुझे लगता है कि जिस लड़की ने उसकी हत्या की, वह रात के अंधेरे में बाहर निकली और एक बस पकड़ी जो उसे घर ले गई।

मोर्स रुक गया, और कमरे में एकदम सन्नाटा छा गया। 'क्या आपको लगता है कि ऐसा ही हुआ था, मिस कोल्बी?'

उसने सिर हिलाया।

‘हम दोनों जानते हैं कि सिल्विया का खून किसने किया, है ना?’ मोर्स इतनी धीमी आवाज़ में बोला कि सिल्विया को उसके शब्द मुश्किल से ही सुनाई दिए। उसने फिर सिर हिलाया।
मोर्स ने लुईस को फोन किया और उसे अंदर आने को कहा। 'कुछ नोट्स ले लो, सार्जेंट। अब, मिस कोल्बी। कृपया कुछ और प्रश्न पूछिए। आपके टायर का पंचर किसने ठीक किया?'
'सामने वाली गली में रहने वाला आदमी। श्री थोरोगुड।'
उसे कितना समय लगा?
'पांच-दस मिनट। ज्यादा देर नहीं लगी। मैंने उसकी मदद की।'
‘आप अपने मालिक, मिस्टर पामर की रखैल कब से हैं?’ लुईस ने आश्चर्य से अपनी आँखें ऊपर उठाईं।
लगभग एक साल।
‘क्या आपको नहीं लगता कि किसी और को बताना थोड़ा खतरनाक होगा?’
'मुझे लगता है ऐसा ही था। लेकिन इसका मतलब यह था कि हमें सप्ताह में एक बार कमरा मिल सकता था।'
‘पामर ने आज सुबह आपको बताया कि मुझे पता था?’
‘हां।’ उसने अब तक काफी नरमी से जवाब दिया था। लेकिन उसकी आंखों में एक बार फिर वही पुरानी चमक आ गई। ‘आपको कैसे पता चला?’
मुझे अंदाज़ा लगाना पड़ा। लेकिन कोई न कोई वजह तो ज़रूर रही होगी। असल में यह सब संयोगवश हुआ। मैंने बुधवार, 29 सितंबर के नाइट स्कूल रजिस्टर में यह देखने के लिए जाँच की कि श्रीमती क्रॉथर उपस्थित थीं या नहीं। वह उपस्थित नहीं थीं। लेकिन मुझे सूची में एक और नाम दिखा, और वह उपस्थित थीं, श्रीमती जोसेफिन पामर। खैर...
'आपका दिमाग कुछ ज्यादा ही शंकालु है, इंस्पेक्टर जी।'
और पत्रों का यह सिलसिला कब शुरू हुआ?
'गर्मियों में। सच में बेवकूफी भरा काम था। लेकिन सब ठीक रहा - ऐसा उन्होंने कहा।'
'क्या आप मुझे वचन दे सकती हैं, मिस कोल्बी, कि आप इस बारे में किसी से कुछ नहीं कहेंगी?'
'जी हां, इंस्पेक्टर साहब। मुझे लगता है कि कम से कम इतना तो मेरा फर्ज बनता है।'

मोर्स उठ खड़ा हुआ। 'अच्छा, किसी को भेजो और उसे वापस काम पर ले जाओ, लुईस। हमने मिस कोल्बी का बहुत समय ले लिया है।' हक्का-बक्का लुईस उन्हें ऐसे घूर रहा था जैसे पानी से बाहर निकली मछली हो, और जेनिफर ने मुड़कर उसे एक फीकी, उदास मुस्कान दी।
'आप मेरे साथ बहुत न्याय नहीं कर रहे हैं, है ना महोदय?' लुईस उदास और नाराज लग रहा था।
'आपका क्या मतलब है?' मोर्स ने पूछा।
आपने कहा था कि मामला लगभग खत्म हो चुका है।
'यह खत्म हो गया है,' मोर्स ने कहा।
'क्या तुम जानते हो कि उसकी हत्या किसने की?'
'सिल्विया काय की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति को पहले ही गिरफ्तार कर उस पर मुकदमा चलाया जा चुका है।'
'ये कब था?'
'आज सुबह। ये लो!' मोर्स ने वो पत्र निकाला जो लुईस खुद जेनिफर कोल्बी से लेकर आया था, और उसे लुईस को दे दिया। लुईस ने कागज का वो पन्ना उठाया और मिस कोल्बी द्वारा मोर्स के प्रश्न के उत्तर में लिखे गए एक पंक्ति के उत्तर को बड़ी बेरुखी, खाली निगाहों और अविश्वास के साथ पढ़ा।
'हां,' मोर्स ने धीमी आवाज़ में कहा। 'यह सच है।'
लुईस के मन में कई सवाल थे, लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। 'देखो, लुईस, मैं अकेले रहना चाहती हूँ। तुम घर जाओ और कुछ समय के लिए अपनी पत्नी का ख्याल रखो। मैं तुमसे सोमवार को बात करूँगी।'
दोनों आदमी दफ्तर से निकल गए। लुईस ने अपना कोट लिया और तुरंत चला गया। लेकिन मोर्स धीरे-धीरे उत्तरी विंग के आखिरी छोर पर स्थित कोठरियों की ओर बढ़ा।
'क्या आप अंदर जाना चाहते हैं, महोदय?' ड्यूटी पर तैनात सार्जेंट ने कहा।
मोर्स ने सिर हिलाया। 'हमें अकेला छोड़ दो, प्लीज़?'
'आप जो चाहें, महोदय। सेल नंबर 1।'
मोर्स ने चाबियां लीं, कोठरियों के मुख्य दरवाजे की कुंडी खोली और कोठरी नंबर 1 की ओर चल पड़ा। उसने अपने हाथ सलाखों पर रखे और उदास होकर बाहर की ओर देखने लगा।

‘हैलो, सू,’ उसने कहा।

अध्याय इकत्तीस

सोमवार, 25 अक्टूबर

दिन की शुरुआत उज्ज्वल और साफ थी, लेकिन दोपहर होते-होते भारी भूरे बादलों का एक उदास समूह आसमान में मंडरा उठा; और हल्की बारिश की बूँदें मोर्स के कार्यालय की खिड़कियों पर पड़ने लगीं, जब सिल्विया केय के मामले में आखिरी बार दोनों जासूस डेस्क के उस पार आमने-सामने बैठे थे।
‘हमें मिस एक्स के बारे में क्या पता था?’ मोर्स ने पूछा और फिर खुद ही जवाब दे दिया। ‘हमें अंदाज़ा था कि वह कैसी दिखती थीं, उन्होंने क्या पहना था और उनकी उम्र क्या थी। यह एक शुरुआत थी, लेकिन इससे हमें ज़्यादा कुछ पता नहीं चल पाता। लेकिन हमें यह भी पता था कि बस स्टॉप पर इंतज़ार कर रही दोनों लड़कियाँ न सिर्फ़ एक-दूसरे को जानती थीं, बल्कि अगली सुबह फिर मिलेंगी। अब, निःसंदेह, यह अब तक का सबसे महत्वपूर्ण सबूत था जो हमें मिला था, और हमने इस पर तुरंत कार्रवाई की। स्वाभाविक रूप से हमने सोचा कि हम अपनी जाँच का दायरा सीमित कर सकते हैं, और हमने सही ही अपना ध्यान सिल्विया केय के साथ काम करने वाली ऑफ़िस की लड़कियों पर केंद्रित किया। बेशक, यह सिल्विया की कोई दोस्त हो सकती थी, कोई ऐसी जिससे वह शायद लंच के समय मिलती, या कोई ऐसी जिससे वह बस में मिलती। यह सौ-एक बातें हो सकती थीं। लेकिन हमने ऐसा नहीं सोचा।’ और हमें ऐसा नहीं लगा क्योंकि हमारी शंकाएँ बहुत जल्द ही पैदा हो गईं, और पूरी तरह से जायज़ भी, सिल्विया के साथ उसी कार्यालय में काम करने वाली लड़कियों में से एक - मिस जेनिफर कोल्बी - के अजीब व्यवहार से। लेकिन हालांकि हमें उस समय पता नहीं था, सिल्विया अगली सुबह किसी और से मिलने वाली थी, और अगर हम पहले थोड़ा और समझदार होते, लुईस, तो हम इस पर जल्दी काबू पा सकते थे। सिल्विया अपने टूटे हुए हाथ के लिए रैडक्लिफ इन्फर्मरी में फिजियोथेरेपी करवा रही थी, और वह नियमित रूप से मंगलवार और गुरुवार की सुबह इस इलाज के लिए जाती थी। यानी, वह 30 सितंबर, गुरुवार की सुबह

दुर्घटना बाह्य रोगी विभाग की प्रभारी स्टाफ नर्स को फिजियोथेरेपी के लिए रिपोर्ट करेगी। दूसरे शब्दों में, वह स्टाफ नर्स विडोसन को रिपोर्ट करेगी। लुईस खिड़कियाँ बंद करने के लिए उठा जिन पर अब बारिश और तेज़ी से पड़ रही थी। 'यह, बेशक,' मोर्स ने आगे कहा, 'अपने आप में कुछ खास मायने नहीं रखता।' लेकिन हमें पता चला कि सिल्विया की ज़्यादा करीबी सहेलियाँ नहीं थीं, है ना? यह दिलचस्प था। हाँ, कम से कम दिलचस्प तो था ही।' मोर्स का ध्यान क्षण भर के लिए भटक गया, और उसने लुईस की तरह खिड़कियों से बाहर कंक्रीट के आँगन को देखा, जो अब ढलते सूरज की रोशनी में चमक रहा था। 'लेकिन चलिए जेनिफर कोल्बी की बात पर लौटते हैं। क्रॉथर ने उसे पत्र लिखा था – यह अब बिना किसी संदेह के साबित हो चुका है। लेकिन क्रॉथर ने जेनिफर के लिए पत्र नहीं लिखा था: वह तो बस संदेशवाहक थी। उसने यह बात मान ली है, और उसके पास सच में कोई विकल्प नहीं था। जब मैंने उसे पत्र लिखा, तो मैंने उससे किसी पर हत्या का आरोप लगाने के लिए नहीं कहा; लेकिन मैंने उससे पूछा कि क्या वह पत्र सू विडोसन के लिए था, और उसने इसकी पुष्टि की। लुईस, तुम कभी नहीं जान पाओगे कि मैं इस सब की सच्चाई से कितना डरता था...'

आंगन में बारिश की बूँदें पड़ रही थीं और कमरा उदास और अंधेरा था। कई सटे कमरों में बिजली की बत्तियाँ जल उठीं, लेकिन मोर्स के दफ्तर में नहीं। 'ज़रा एक मिनट सोचो, लुईस। जेनिफर के पास कार थी। यह इस मामले का एक अहम तथ्य था। और टायर पंक्चर होने की अस्थायी परेशानी के बावजूद, उसने 29 तारीख की रात को अपनी कार का इस्तेमाल किया था। उसने कहा था कि उसने किया था, याद है? और उसने किया था। उस समय मुझे उस पर विश्वास नहीं हुआ था, लेकिन मैं गलत था। उस रात उसकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हुई जिसने उसकी कार देखी और उसमें जेनिफर कोल्बी को देखा। एक ऐसा व्यक्ति जिसका सिल्विया की हत्या से कोई लेना-देना नहीं था। और वह वही व्यक्ति था जिसके साथ जेनिफर का अफेयर चल रहा था - उसका मालिक, मिस्टर पामर। तो, हालाँकि सबूत लगभग हर स्तर पर जेनिफर कोल्बी की ओर इशारा कर रहे थे, उसने अचानक अपने लिए एक पूरी तरह से अकाट्य सबूत हासिल कर लिया। उस समय तक मुझे पूरा यकीन था कि इस मामले में दूसरी लड़की जेनिफर ही थी; लेकिन अब मुझे इस निर्विवाद, अकाट्य तथ्य का सामना करना पड़ा कि उस रात बर्नार्ड क्रॉथर की कार में सिल्विया केय के पीछे जो भी बैठी थी, वह निश्चित रूप से जेनिफर कोल्बी नहीं थी। तो फिर कौन थी? हालाँकि मुझे जेनिफर को पहले संदिग्ध के

रूप में छोड़ना पड़ा – वास्तव में, उसे संदिग्ध के रूप में पूरी तरह से छोड़ना पड़ा – मैं अपने मूल विचार पर अडिग रहा कि वह लड़की जो भी थी, वह क्रॉथर की प्रेमिका थी, और उसी को क्रॉथर ने अपना संदेश भेजा था। तो आइए कुछ मिनटों के लिए क्रॉथर के दृष्टिकोण से चीजों को देखें। मुझे लगता है कि वह निस्संदेह बहुत डरा हुआ आदमी रहा होगा। लुईस, खुद को उसकी जगह रखकर देखो। उसने सिल्विया केय को बुधवार की रात को जीवित और स्वस्थ छोड़ा था – वह यह जानता था। और अगले दिन – उसे क्या पता चलता है? वह अखबार में पढ़ता है कि उसी लड़की की हत्या कर दी गई है। लेकिन हत्या कहीं और नहीं हुई। हत्या ठीक उसी जगह हुई जहाँ उसने उसे आखिरी बार देखा था – ब्लैक प्रिंस के आंगन में। किसे पता था कि वह वहाँ था? बस वो और सिल्विया – और सिल्विया फिर कभी किसी से कुछ नहीं कह सकती थी। लेकिन सू विडोसन को ज़रूर अंदाज़ा हो गया होगा, क्योंकि सिल्विया ने उसे बताया होगा कि वो कहाँ जा रही है। वो बहुत ज़्यादा चिंतित रहा होगा, और एक बुद्धिमान व्यक्ति होने के बावजूद उसने जो किया वो समझदारी भरा नहीं लगता। बार-बार उसके मन में ये ख्याल आया होगा: क्या सू को ये एहसास होगा कि किसी जीवित प्राणी से एक शब्द भी कहना कितना खतरनाक हो सकता है? उसने सोचा होगा कि उसे ये ज़रूर एहसास होगा। लेकिन फिर भी शंकाएँ उसके मन को कचोटती रहीं होंगी। वो अकेली ऐसी इंसान थी जो सब कुछ उलट-पुलट कर सकती थी – न सिर्फ़ सिल्विया की हत्या के शक के घेरे में ला सकती थी, बल्कि उसके पूरे पारिवारिक जीवन को ऐसी उथल-पुथल में डाल सकती थी जिसका सामना करना उसके बस की नहीं था। उसे बस ये सुनिश्चित करना था, या कम से कम कुछ तो करना ही था। वो उससे मिलने की हिम्मत नहीं कर सकता था। इसलिए उसने लिखा।' लुईस ने बेचैनी के जाने-पहचाने लक्षण दिखाए और मोर्स ने सहमति में सिर हिलाया। 'मैं जानता हूँ, लुईस। वो जेनिफर को क्यों लिख रहा है?'

'उन्होंने पत्र लिखा ही क्यों, महोदय? उन्होंने सीधे फोन क्यों नहीं किया?'

जी हाँ। मैं उसी पर आ रहा हूँ। लेकिन पहले आइए इस मामले की सच्चाई को पूरी तरह से समझ लें – और सच्चाई यह है कि क्रॉथर ने जेनिफर कोल्बी को पत्र लिखा था। क्योंकि अगर हम इसकी अहमियत को पूरी तरह समझ लें, तो हम आपके द्वारा उठाए गए बिल्कुल जायज़ सवाल का जवाब देना शुरू कर सकते हैं। उसे फ़ोन क्यों नहीं किया? क्यों नहीं? मुझे लगता है कि जवाब काफी सीधा है। वह किसे फ़ोन करता, और कहाँ? मान लीजिए कि वह जेनिफर को फ़ोन करना चाहता है – अपनी भरोसेमंद

संदेशवाहक को। काम पर? नहीं। यह बहुत खतरनाक था। ऑफिस की सभी लड़कियाँ पामर के कंपनी के फ़ोन इस्तेमाल करने के बारे में विचारों को जानती थीं, और वे ईमानदारी से काम करती थीं क्योंकि वह आने वाले निजी पत्रों को नज़रअंदाज़ कर देता था। लेकिन इससे भी ज़्यादा। यह बहुत खतरनाक भी था, क्योंकि पामर के ऑफिस में निजी फ़ोन को छोड़कर, जिसे उसकी निजी सचिव संभालती थी, सभी आने वाली कॉल स्विचबोर्ड के ज़रिए आती थीं; और जैसा कि आप अच्छी तरह जानते हैं, स्विचबोर्ड पर कोई भी बिना किसी डर के सुनी-सुनाई बातें सुन सकता है। नहीं। यह मुमकिन नहीं था। तो फिर? सू विडोसन को ही फ़ोन क्यों नहीं किया? उसने अपनी प्रेमिका को फोन करके उससे सीधे बात क्यों नहीं की, चाहे उसके घर पर हो या अस्पताल में? फिर से, यह समझना मुश्किल नहीं है कि उसने ऐसा क्यों नहीं किया। अगर वह सू को घर पर फोन करता, तो वह कभी भी इस बात का यकीन नहीं कर सकता था कि बाकी दोनों वहां नहीं हैं, है ना? वह जेनिफर को जोखिम में डाल सकता था, लेकिन मैरी को नहीं। उसे पूरा यकीन रहा होगा - और मुझे यकीन है कि वह सही था - कि एकतरफा फोन कॉल को भी सुनना एक लुभावना और दिलचस्प शगल है।

मोर्स के दरवाजे पर विनम्रतापूर्वक दस्तक देने के बाद, कार्यालय के पत्राचार का काम संभालने वाली युवती ने मुस्कुराते हुए प्रवेश किया और निरीक्षक की सुबह की डाक उनके इन-ट्रे में रख दी।

'आज का दिन कुछ खास अच्छा नहीं रहा, महोदय।'

'नहीं,' मोर्स ने कहा।

‘शायद बाद में मौसम साफ हो जाएगा।’ जाते समय उसने उसे एक प्यारी सी मुस्कान दी, और मोर्स ने विनम्रता से सिर हिलाया। यह जानकर उसे कुछ हद तक तसल्ली मिली कि उसके आसपास जीवन अभी भी चल रहा है। उसने खिड़की से बाहर बेसुध होकर देखा और पाया कि बारिश धीमी हो गई थी। शायद वह सही कह रही थी। शायद बाद में मौसम साफ हो जाएगा...

लेकिन वह उसे काम पर फोन क्यों नहीं कर सका, महोदय?

‘अरे हाँ। मुझे माफ़ करना, लुईस। आप कह रहे हैं कि वह उसे काम पर फ़ोन क्यों नहीं कर सका? मुझे इसका जवाब पिछले शुक्रवार को ही मिला। किसी भी बाहरी व्यक्ति के लिए, यहाँ तक कि पुलिस के लिए भी, रेडक्लिफ़ के किसी भी नर्सिंग स्टाफ़ से सीधे संपर्क करना लगभग नामुमकिन है। मैंने खुद कोशिश की थी, और अगर आपके पास पता

नहीं है तो बेहतर होगा कि आप डायरेक्टरी में नंबर माँग लें। वहाँ एक बूढ़ी, झगड़ालू मेट्रन है...'
'क्या क्रॉथर उसे पत्र नहीं लिख सकता था? ज़रूर...'
'हाँ, वो कर सकता था। और मुझे सच में नहीं पता कि उसने ऐसा क्यों नहीं किया, सिवाय इसके कि... देखो, लुईस, उसका सू विडोसन के साथ एक नियमित रिश्ता बन गया था। मैं समझाने की कोशिश करता हूँ कि यह कैसे शुरू हुआ होगा। जैसा कि तुम जानते हो, डाक सेवा हर जगह बदतर होती जा रही है। लेकिन उत्तरी ऑक्सफ़ोर्ड में तो यह विशेष रूप से खराब है। यह शायद ही कभी सुबह दस बजे से पहले पहुँचती है - काम पर जाने से पहले किसी को भी पत्र मिलने के लिए बहुत देर हो जाती है। और अगर यह जल्दी भी पहुँच जाए, मान लो आठ बजे, तो भी समय पर नहीं पहुँचेगी। तो फिर अस्पताल में उसे क्यों नहीं लिखते? इसका जवाब यह है कि हमारी प्यारी मैट्रन वहाँ भी सख्ती से पेश आती हैं; वह अस्पताल में किसी भी तरह के निजी पत्र स्वीकार करने से साफ इनकार करती हैं।'
लेकिन अगर क्रॉथर ने उसके घर के पते पर पत्र भेजा होता, तो काम से वापस आते ही उसे वह मिल जाता, है ना?
हाँ, आप सही कह रहे हैं। लेकिन आपने बिल्कुल मुख्य समस्या को पकड़ लिया है, और यही कारण है कि मुझे लगता है कि जेनिफर कोल्बी को शुरू में इस मामले में शामिल किया गया था। बर्नार्ड क्रॉथर, आप जानते हैं, इन अधिकांश विश्वविद्यालय के छात्रों की तरह, लोंसडेल कॉलेज में नियमित समय पर काम नहीं करते थे। अजीब समय पर हमेशा कुछ न कुछ होता रहता था - अनुशासन संबंधी मामले, अचानक आने वाले मेहमान, बिना तय समय की बैठकें - और वह अपने विवाहेतर संबंधों की योजना केवल इस उम्मीद के साथ बना सकते थे कि आने वाले दिनों में वह किसी विशेष समय पर खाली हो सकते हैं। लेकिन इससे भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण बात यह थी कि उन्हें अपने परिवार के दैनिक कामकाज पर बहुत ध्यान रखना पड़ता था। मार्गरिट कुछ व्यवस्था कर सकती थी, बच्चों को अचानक आधे दिन की छुट्टी मिल सकती थी, या वे बीमार हो सकते थे या - खैर, यहाँ भी बहुत कुछ गलत हो सकता था और बेहतरीन योजनाओं को पूरी तरह से बिगाड़ सकता था। तो मुझे ऐसा लगता है कि क्रॉथर को अक्सर उस दिन तक, या शायद कुछ घंटे पहले तक भी, पक्का पता नहीं होता था कि वह अपनी प्रेमिका

से कब, कहाँ और कैसे मिल पाएगा। लेकिन, लुईस, लोंसडेल कॉलेज हाई में टाउन एंड गाउन एश्योरेंस कार्यालय के परिसर से लगभग सौ गज की दूरी पर ही है।
'आपका मतलब है कि क्रॉथर बस चलते-चलते आया और एक नोट डाल दिया?'
उन्होंने ठीक वैसा ही किया।
लेकिन जेनिफर भी दिन के दौरान सू से संपर्क नहीं कर पाएगी, है ना? आपने अभी कहा था...
'मुझे पता है तुम क्या कहने वाले हो। वो तो सीधे सू के घर के पते पर भी चिट्ठी लिख सकता था। उसे संदेश पहले नहीं मिलता, क्योंकि जब वो घर आती तो चिट्ठी दरवाज़े के पायदान पर पड़ी होती। बल्कि उसे लगभग निश्चित रूप से बाद में ही मिलती। लेकिन ये सब इस बात पर निर्भर करता है कि क्रॉथर एक दिन पहले चिट्ठी लिखकर मिलने का इंतज़ाम कर सकता था, और जैसा कि मैंने कहा, मुझे शक है कि वो अक्सर ऐसा नहीं कर पाता था। लेकिन एक और ज़्यादा ज़रूरी बात है, लुईस। तुम कहते हो कि जेनिफर दिन में सू से संपर्क नहीं कर पाई। लेकिन वो कर सकती थी, और अक्सर करती भी थी। दोनों दोपहर के खाने के समय अक्सर नाश्ते के लिए मिलती थीं। वे एम एंड एस के बगल वाले एक छोटे से कैफ़े में मिलती थीं। मुझे पता है, लुईस। मैं वहाँ गया हूँ।' मोर्स ने आखिरी शब्द उदास, मशीनी अंदाज़ में कहे, और लुईस ने उसे उत्सुकता से देखा। मोर्स ने कुछ मिनट पहले कुछ कहा था। ऐसा लग रहा था जैसे...
'जेनिफर कोल्बी को इस बारे में सब कुछ पता होगा, महोदय।'
'मुझे सब कुछ तो नहीं पता। लेकिन उसे काफी कुछ पता था। शायद ज़रूरत से ज़्यादा।' वह कुछ मिनटों के लिए चुप हो गया, लेकिन जब उसने बोलना शुरू किया तो उसकी आवाज़ में पहले से ज़्यादा जोश और उत्साह था। 'मुझे नहीं पता यह सब कैसे शुरू हुआ, लेकिन किसी न किसी मोड़ पर उन्होंने एक-दूसरे को अपने बारे में ज़रूर बताया होगा। लोग कहते हैं कि औरतें, और मर्द भी, अपनी उपलब्धियों के बारे में दूसरों से बात करना पसंद करते हैं; और शायद किसी आकस्मिक बातचीत ने उन दोनों को मिला दिया होगा, और जल्द ही उनके बीच एक गुप्त संबंध बन गया होगा। मुझे लगता है इसमें कोई शक नहीं है। मुझे शक है कि यह क्रॉथर ही था, शायद सू के साथ मुलाकातों को लेकर कुछ गलतफहमियों और निराशाओं के बाद, जिसने टाउन एंड गाउन के लेटरबॉक्स में जेनिफर कोल्बी के नाम एक सीधा-सादा दिखने वाला नोट डालने का सुझाव दिया था। मुझे पूरा यकीन है कि उसका दिमाग गुप्त संदेशों के विचार का आनंद

लेने वाला था, और यह सिलसिला बढ़ता गया और यह उनके संचार का सामान्य तरीका बन गया। वह टहलते हुए आता और दफ्तर के सामने वाले दरवाजे से एक पत्र या पोस्टकार्ड अंदर डाल देता।' सरल – उसके लिए यह कोई असामान्य बात नहीं थी। शायद शुरू में तो ऐसा तभी होता था जब कोई अप्रत्याशित अवसर मिलता था, लेकिन समय बीतने के साथ यह एक सामान्य प्रक्रिया बन गई, इतनी सामान्य कि उसने सू को अपना आखिरी और महत्वपूर्ण संदेश भेजने के लिए भी यही तरीका अपनाया। और एक बेहतरीन और बेहद उपयोगी साधन होने के अलावा, क्रॉथर के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं था कि उसे सू को कोई वास्तविक पत्र नहीं लिखना पड़ा। ऐसे नाजायज संबंधों में उलझे अधिकांश लोगों की तरह, उसे भी इस बात का डर रहा होगा कि कहीं कोई पत्र खो न जाए, किसी गलत व्यक्ति के हाथ न लग जाए या कहीं मिल न जाए। इस तरह से कोई ज्यादा कुछ जान भी नहीं सकता था, है ना, भले ही उसे पत्र मिल भी जाएं?

'आपको पहली बार कब लगा कि यह मिस विडोसन हैं, महोदय?' लुईस ने असामान्य कोमलता के साथ अपना प्रश्न पूछा, क्योंकि अंततः वह बात समझने लगा था।

मोर्स थकी हुई और उदास निगाहों से अपने सामने रखी मेज को घूर रहा था, उसके बाएं हाथ की उंगलियां बेचैनी से उस पर थपथपा रही थीं। 'मुझे लगता है कि कुछ धुंधले संकेत थे - ओह, मुझे नहीं पता। लेकिन मुझे पिछले शुक्रवार तक यकीन नहीं था। शायद पहली बार मुझे सच्चाई पर शक तब हुआ जब मैंने मार्गरिट क्रॉथर की उपस्थिति दर्ज करने के लिए शाम की कक्षा की रजिस्टर देखी। मैंने संयोग से, बिल्कुल अचानक ही, देखा कि किसी दैवीय संयोग से पामर की पत्नी उसी कक्षा की सदस्य थी। और इसने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया; इसने मुझे बहुत सोचने पर मजबूर कर दिया। मुझे लगा कि जेनिफर कोल्बी उस तरह की इंसान नहीं हो सकती जो बदले में कुछ लिए बिना बहुत सारे एहसान करे; और मैंने उसके और दूसरी लड़की के बीच के रिश्ते पर विचार किया। घुमा-फिराकर मैंने इस संभावना पर विचार किया कि दोनों लड़कियां एक जैसी परिस्थितियों में हों, दूसरे लोगों के साथ एक जैसे रिश्ते में हों। पुरुषों के साथ। और इसलिए मैंने बहुत सारे अनुमान लगाए, और मैंने सोचा कि क्रॉथर किसी के साथ है और जेनिफर किसी के साथ; और फिर शायद पामर भी कहीं फिट बैठता है? और फिर...'

फिर मुझे सू विडोसन की याद आई और अचानक सारी बातें समझ में आने लगीं। क्या जेनिफर का पामर के साथ अफेयर चल रहा था? अक्सर ऐसी स्थिति में, मामला किसी ऐसे व्यक्ति से जुड़ा होता है जिससे आप काम पर मिलते हैं; और टाउन एंड गाउन में

पामर के अलावा और कौन था? वह परिसर में अकेला पुरुष था। मैं सोचती रही कि जेनिफर को इस सौदे से क्या मिल रहा था। और अचानक मुझे समझ आया कि एक चीज ऐसी थी जो वह सबसे ज्यादा चाहती होगी। क्या तुम जानते हो वह क्या थी, लुईस?
'मुझे खेद है कि मुझे इस तरह के काम का कोई अनुभव नहीं है, महोदय।'
'मैंने भी नहीं,' मोर्स ने कहा।
'अच्छा, मुझे लगता है कि आप ऐसी जगह चाहेंगे जहाँ आप दोनों अकेले रह सकें... ओह, मैं समझ गया। आपका मतलब है...'
'हां, लुईस। कोई जेनिफर को एक कमरा दे सकता है जहां वह पामर के साथ अकेले रह सके। मैरी ज़्यादा बाहर नहीं जाती थी। लेकिन जब भी वह बाहर जाती थी, तो कोई खतरा नहीं होता था, क्योंकि तीनों में से दूसरा सदस्य भी उसी समय आराम से अनुपस्थित रहने का इंतज़ाम कर सकता था। और उसने यही किया।'
'बस एक मिनट, महोदय।' लुईस के मन में कहीं न कहीं चिंता घर कर रही थी। वह बुधवार, 29 सितंबर की रात के बारे में सोच रहा था... तभी उसे याद आया। 'लेकिन उस बुधवार की रात को घर खाली रहा होगा, है ना? मुझे लगा आपने कहा था कि मैरी सिनेमा देखने गई थी या कुछ और।'
'हम तुम्हें जासूस बना देंगे, लुईस।' मोर्स अपनी चमड़े की कुर्सी से उठे, अपने सार्जेंट के कंधे पर हाथ रखा और पश्चिम की ओर धीरे-धीरे बढ़ते बादलों को देखने लगे। अब बारिश रुक चुकी थी और आंगन में बने उथले पानी के गड्ढे वैसे ही बने हुए थे। 'मुझे लगता है कि यह जेनिफर का एक और झूठ था। मैरी उस रात घर पर थी – उसने मुझे यही बताया था। लेकिन अगर मैरी बाहर भी होती, तो मुझे नहीं लगता कि कोई फर्क पड़ता। मुझे पूरा यकीन है कि जेनिफर का काम सू को क्रॉथर से मिलवाने के लिए ले जाना था। यही उसका वादा था। और बुधवार, 29 सितंबर को, उन दोनों की डेट थी – जैसा कि हम जानते हैं।'
लेकिन उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया...? लुईस वाक्य को आगे बढ़ाने में अनिच्छुक प्रतीत हुए, और मोर्स ने उनके लिए इसे पूरा किया।
'जब मैरी घर से बाहर होती थी, तो उन चारों ने घर का इस्तेमाल करने का मौका क्यों नहीं उठाया? क्या आपका यही मतलब है?'
'हाँ।'

‘खैर, पामर के लिए तो यह काफी सुरक्षित दांव था। वह काफी दूर रहता है और उत्तरी ऑक्सफोर्ड में शायद ही कोई उसे जानता होगा। वैसे भी, यह एक उचित जोखिम था। दरअसल, मुझे पता है कि वह वहां गया था। मैंने पिछले पूरे हफ्ते घर पर नज़र रखी थी, और बुधवार रात को पामर की कार अगली सड़क पर खड़ी थी। मैकफर्सन ने उसे ढूंढा - मैंने उसे विशेष ड्यूटी पर लगाया था।’ लुईस के चेहरे पर थोड़ी पीड़ा के भाव आए, लेकिन मोर्स ने इसे नज़रअंदाज़ कर दिया। ‘उसने वास्तव में पामर को अंदर जाते हुए नहीं देखा, लेकिन उसे बाहर आते हुए देखा, और मैंने खुद पामर को शुक्रवार रात को देखा था जब मैंने उससे सारी बात की थी।’

लेकिन क्या यह क्रॉथर के लिए बहुत जोखिम भरा था?

‘आप क्या सोचते हैं? वह उस जगह से बस कुछ ही कदम दूर रहता था। नहीं, उसके लिए ऐसा करना सबसे बेवकूफी भरा काम होगा। वह वहां सालों से रह रहा था। लगभग हर कोई उसे जानता था, और वह लगभग हर रात उसी गली से होकर फ्लेचर्स आर्म्स में ड्रिंक करने जाता था। लोग तुरंत बातें करना शुरू कर देते। नहीं, नहीं। यह शुरू से ही ठीक नहीं था।’

तो जब उन दोनों की डेट्स थीं...

'स्यू को लिफ्ट देना जेनिफर का काम था, हां।'

'तो अगर उस रात जेनिफर को अचानक अपनी गाड़ी के टायर में पंचर न मिला होता, तो शायद सिल्विया की हत्या कभी नहीं होती।'

‘नहीं, वो ऐसा नहीं करती।’ मोर्स कमरे के उस पार गए और अपनी कुर्सी पर फिर से बैठ गए। उनका भाषण लगभग समाप्त हो चुका था। ‘हत्या की रात, सू विडोसन अधीर थीं और शायद जेनिफर से थोड़ी नाराज़ भी थीं। मुझे नहीं पता। खैर, उन्हें लगा कि जेनिफर के टायर पंक्चर के बारे में फोन करने और आखिरकार सामने वाले घर में किसी भले आदमी को ढूंढने में, जो शायद बहुत समय लगा दे, वह इंतज़ार नहीं कर सकतीं। उन्हें लगा कि उन्हें देर हो जाएगी, इसलिए उन्होंने बस पकड़ने का फैसला किया। वह वुडस्टॉक रोड तक पैदल गईं और किराया चरण 5 पर खड़ी हो गईं और... खैर, बाकी तो आप जानते ही हैं। उन्हें वहाँ कोई और इंतज़ार करता मिला। उन्हें मिस सिल्विया के मिलीं।’

‘काश उसने थोड़ा इंतजार किया होता।’

मोर्स ने सिर हिलाया। 'काश, वो इंतज़ार करती, हाँ। जेनिफर ने पाँच-दस मिनट में ही टायर का पंचर ठीक करवा लिया, ऐसा वो कहती है। उसने उस रात गोल्डन रोज़ में पामर से मिलने का इंतज़ाम किया था। दरअसल, वो हमेशा सू को वुडस्टॉक ले जाती थी और उसके और पामर के लिए पास के किसी पब में मिलना सुविधाजनक रहता था - बेगब्रोक, ब्लेडन या वुडस्टॉक में ही। और वे उस रात मिले, ये हम जानते हैं। दरअसल, अपनी तमाम परेशानियों के बावजूद, जेनिफर पामर से पहले वहाँ पहुँच गई थी। उसने अपने लिए एक लेगर और लाइम बियर खरीदी और बगीचे में जाकर बैठ गई ताकि उसके आने का इंतज़ार कर सके।'
'मजेदार है ना, महोदय। अगर सू विडोसन...'
'लुईस, तुम तो बस "अगर-मगर" करते रहते हो।'
'जीवन "अगर-मगर" से भरा हुआ है, महोदय।'
'हाँ यह सच है।'
लेकिन आप फिर भी अनुमान ही लगा रहे थे, है ना? मेरा मतलब है, आपके पास कोई ठोस सबूत नहीं था।
'शायद तब नहीं। लेकिन सब कुछ मेल खा रहा था। सू और जेनिफर की लंबाई लगभग एक जैसी थी, रंग भी लगभग एक जैसा था, सिवाय इसके कि...'
'सिवाय किस बात के, महोदय?'
'कोई फर्क नहीं पड़ता। भूल जाओ। पोशाक? मैंने वही कोट देखा जिसका ज़िक्र श्रीमती जारमन ने किया था; मैंने उसी तरह की पैंट भी देखी; और सू विडोसन ने वही पहनी हुई थी। शुक्रवार की रात मैंने श्रीमती जारमन को सू की एक तस्वीर दिखाई और उन्होंने उसे तुरंत पहचान लिया। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि बेचारी महिला पहचान परेड में किसी को भी नहीं पहचान पाई। बस स्टॉप पर उसने जिस लड़की को देखा था, वह वहाँ थी ही नहीं।'
'लोग गलतियां करते हैं, महोदय।'
'काश वे ऐसा करते, लुईस। काश वे ऐसा करते!'
लेकिन यह अभी भी सबूत नहीं है।
नहीं, मुझे लगता है ऐसा नहीं है। लेकिन मुझे कुछ और पता चला। जब मैं क्रॉथर का शव देखने के लिए रेडक्लिफ अस्पताल गई, तो मुझे वार्ड-सिस्टर से उनकी चाबियां मिलीं - वे उनकी पतलून की जेब में थीं। मैंने उनसे पूछा कि क्या नर्सिंग स्टाफ में से कोई उनसे

मिलने आया था, और उन्होंने कहा कि कोई नहीं आया था। लेकिन उन्होंने बताया कि स्टाफ नर्स विडोसन ने उनसे पूछा था कि वह कैसे हैं और वह वार्ड के ऊपरी हिस्से में खड़ी होकर काफी देर तक उस बिस्तर को देखती रहीं जहां क्रॉथर लेटे थे।
मोर्स की आवाज़ में बेचैनी बढ़ती जा रही थी, लेकिन उसने जितनी जल्दी हो सके खुद को संभाला। एक बार फिर वह खिड़की के पास गया और देखा कि सूरज पतले होते बादलों से छनकर बाहर आ रहा है। 'मैं लोंसडेल कॉलेज गया और मैंने क्रॉथर के कमरे की तलाशी ली। मुझे पूरे कमरे में सिर्फ एक दराज बंद मिली, उसकी मेज की दराजों में से एक – बाईं ओर की सबसे नीचे वाली दराज, अगर आपको जानना हो तो।' वह मुड़ा और लुईस को घूरने लगा, उसकी आवाज़ कठोर और उग्र लग रही थी। 'मैंने दराज खोली, और मुझे... सू की एक तस्वीर मिली।' उसकी आवाज़ अचानक बहुत धीमी हो गई और वह फिर से खिड़की से बाहर देखने लगा। 'उसी तस्वीर की एक प्रति जो उसने मुझे दी थी।' लेकिन उसने ये आखिरी शब्द इतने धीरे से कहे कि लुईस उन्हें सुन नहीं पाया।

उपसंहार

यह हो गया।

लुईस दोपहर के भोजन के लिए घर जा रहा था, इस उम्मीद में कि उसकी पत्नी की तबीयत बेहतर हो गई होगी। रास्ते में उसे एक अखबार का पोस्टर दिखा जिस पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था: वुडस्टॉक हत्याकांड - पुलिस की मदद करती महिला। उसने अखबार की एक प्रति खरीदने के लिए गाड़ी नहीं रोकी।
मोर्स एक बार फिर जेल के कोठरी में गया और सू के साथ कुछ मिनट बिताए। 'तुम्हें कुछ चाहिए?'
उसकी आँखों में आँसू थे और उसने सिर हिलाया, और वह कोठरी में उसके पास खड़ा रहा, असहज और खोया हुआ सा। 'इंस्पेक्टर?'
'हाँ।'
'शायद तुम मुझ पर विश्वास नहीं कर सकते, और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन... मैंने तुमसे प्यार किया।'
मोर्स ने कुछ नहीं कहा। उसकी आँखों में झुनझुनी सी महसूस हुई और उसने अपना बायाँ हाथ उन पर फेरा, और प्रार्थना की कि वह कुछ भी न देखे। कुछ देर तक वह

बोलने की हिम्मत नहीं कर पाया, और जब उसने बोलना शुरू किया तो उसने अपनी प्यारी बेटी की ओर देखा और बस इतना कहा, 'अलविदा, सू।'
वह बाहर निकला और कोठरी का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। वह और कुछ नहीं कह सका। उसने खुद को वहां से अलग किया और गलियारे में चलने लगा, और उसने आखिरी बार उसकी आवाज सुनी।
'इंस्पेक्टर?'
वह मुड़ा। वह कोठरी की सलाखों के पास खड़ी थी, उसके चेहरे से पीड़ा और निराशा के आँसू बह रहे थे। 'इंस्पेक्टर, आपने मुझे अपना पहला नाम कभी नहीं बताया।'
जब मोर्स आखिरकार अपने दफ्तर से निकले तो अंधेरा होने लगा था। वे अपनी लैंसिया में बैठे, उस यार्ड से निकले जहाँ पानी के गड्ढे लगभग सूख चुके थे, और शहर की ओर जाने वाले वाहनों की मुख्य धारा में बाईं ओर मुड़ गए। रिंग रोड के गोलचक्कर से गुजरते समय उन्होंने घास के किनारे पर खड़े दो लोगों को लिफ्ट मांगते देखा। उनमें से एक लड़की थी, देखने में सुंदर लग रही थी। शायद दूसरी भी लड़की ही थी। यह कहना मुश्किल था। वे ऑक्सफोर्ड स्थित अपने घर की ओर चल पड़े।

****** **समाप्त** *****

sjeet